श्रीलालबहादुरशास्त्रीराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठम्
(मानित-विश्वविद्यालयः)

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
(Deemed University)

वार्षिक-प्रतिवेदनम्
२०१४-२०१५

ANNUAL REPORT
2014-2015

Dr. Justice Mukundakam Sharma
(Former Judge, Supreme Court of India)
Chairman
Vansadhara Water Disputes Tribunal
Chancellor,
Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit
Vidyapeetha
(Deemed University)

सत्यमेव जयते

Off. 5th Floor, Mohan Singh
Place, Baba Kharak Singh Marg
New Delhi-110001
Ph :23368322 Fax : 23368327
Email : mukundakam@gmail.com

MESSAGE

I am glad to learn that Shir Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi has finalised its Annual Report on the working of the Vidyapeetha for the year 2014-15. This Annual Report has its significance as if covers the period during which the Vidyapeetha was preparing for the Assessment and Accreditation of the Vidyapeetha by the NAAC. I have also been informed that the Annual Report to be published for the year 2014-15 would contain various achievements of the Vidyapeetha particularly introducing choice-based credit system, skill development programmes, mandatory teaching of environmental science, computer science, English and Hindi and also adoption of NCTE Regulations, 2014 for innovative academic achievements in the Shastraic tradition of teaching and learning.

I am fully aware that the Vidyapeetha has always been maintaining and odserving its academic calendar in letter & spirit and continuously working to propagate and safeguard the interest of the Indian traditional knowledge contained in our Shastras. The Vidyapeetha is working sincerely and with dedication in the realisation of the vision of our beloved former Prime Minister, Shri Lal Bahadur Shastri and therefore, a heavy responsibility falls upon the Vidyapeetha to design and develop itself in a manner to protect the interests of all the stakeholders and to give them an assurance that come what may, their feelings and interests would always get priority and would always be honoured and protected. It is needless to mention here that the Vidyapeetha continues in its endeavour to contribute to the field of academic growth, research and development, organisation of seminars and conferences and lecture series etc. in order to always achieve a higher scale and height in making impact in the traditional learning process.

I am confident that with its constant efforts to maintain and upgrade the academic standards, the Vidyapeetha would be able to reach the expectations of its founders in making it an institution of excellence. I extend my compliments to the editorial team for compiling its report for appraisal of various activities of the institution to all concerned.

(Mukundakam Sharma)
Chancellor

विषयानुक्रमणिका

1.	परिचय	1-2
2.	उद्देश्य	3-4
3.	कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ	4
4.	संरचना एवं प्रशासन	5
5.	कुलपति	6
6.	कुलसचिव	6
7.	वित्ताधिकारी	6
8.	सङ्काय एवं विभाग	6-38
	वेद-वेदाङ्ग-सङ्काय	
	साहित्य एवं संस्कृति सङ्काय	
	दर्शन सङ्काय	
	आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय	
9.	छात्र कल्याण संकाय	38
10.	शोध एवं प्रकाशन-विभाग	39-50
11.	विभिन्न संगोष्ठियाँ एवं स्मारक व्याख्यानमाला	50-51
12.	अध्ययन पाठ्यक्रम	51-53
13.	छात्रवृत्ति	53
14.	परीक्षा-विभाग	53-54
15.	कनिष्ठ एवं वरिष्ठ अध्येतावृत्ति	54
16.	अन्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ	54-71
17.	शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पद	71-72
18.	आवश्यक आरक्षण एवं अन्य प्रावधान	73-74
19.	आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ	74-75
20.	महिला अध्ययन केन्द्र	76
21.	संगणक केन्द्र	77-78
22.	जन-सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी	79-82
23.	आधार-संरचना एवं भवन	82-86
24.	सेवानिवृत्तियाँ	86
25.	परिषदें, समितियाँ एवं विद्यापीठीय कर्मचारी	87-108

परिचय

अखिल भारतीय संस्कृत साहित्य सम्मेलन के कलकत्ता अधिवेशन में लिये गये निर्णय के अनुपालन में 8 अक्तूबर, 1962 को विजयदशमी के दिन दिल्ली में संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की गई। डॉ. मण्डन मिश्र को विद्यापीठ का विशेष कार्याधिकारी एवं निदेशक नियुक्त किया गया। सम्मेलन में लिये गए निर्णय के अनुसार **अखिल भारतीय संस्कृत विद्यापीठ** नाम से एक पृथक् संस्था स्थापित की गई। इसके संस्थापक अध्यक्ष तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी थे। विद्यापीठ के सर्वाङ्गीण विकास में तत्कालीन प्रधानमंत्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का महत्त्वपूर्ण योगदान है। प्रधानमन्त्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने संस्कृत विद्यापीठ को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संस्था के रूप में विकसित होने की कामना की थी।

माननीय शास्त्री जी के आकस्मिक निधन के पश्चात् तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने विद्यापीठ की अध्यक्षता स्वीकार की । उन्होंने घोषणा की कि 2 अक्तूबर, 1966 से विद्यापीठ को **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ** के नाम से जाना जाएगा। भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 1967 को विद्यापीठ का अधिग्रहण किया गया। 21 दिसम्बर, 1970 को **श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ**, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (एक पंजीकृत स्वायत्त संस्था, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) का अंग बन गया।

विद्यापीठ में संस्कृत वाङ्मय के पठन-पाठन, प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपि के संकलन एवं प्रकाशन, संस्कृत साहित्य की परम्परागत शिक्षण विधा को बनाये रखने और अनुसन्धान आदि कार्यों तथा इसके सर्वतोन्मुखी विकास से प्रभावित होकर मार्च, 1983 में भारत सरकार ने इसको मानित-विश्वविद्यालय का स्तर देने का प्रस्ताव रखा। अन्ततः आवश्यक परीक्षण एवं मूल्याङ्कन के पश्चात् भारत सरकार ने **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग** की संस्तुति को दृष्टि में रखते हुये नवम्बर, 1987 में विद्यापीठ को मानित-विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान किया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संस्तुति पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से पृथक् एक संस्था **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ** के नाम से तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री श्री पी.वी. नरसिंह राव की अध्यक्षता में 20 जनवरी, 1987 को पञ्जीकृत की गयी । डॉ. मण्डन मिश्र 1989 में विद्यापीठ के प्रथम कुलपति नियुक्त हुए। विद्यापीठ ने 1 नवम्बर, 1991 से मानित-विश्वविद्यालय के रूप में कार्य करना प्रारम्भ किया।

विद्यापीठ में चार संकाय हैं- वेद-वेदाङ्ग सङ्काय, दर्शन सङ्काय, साहित्य-संस्कृति सङ्काय एवं आधुनिक ज्ञान-विज्ञान सङ्काय। प्रारम्भ के तीन सङ्कायों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों में शास्त्री, शास्त्री (सम्मानित) नामक उपाधि हेतु त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम एवं स्नातकोत्तर उपाधि हेतु आचार्य नामक द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गई है। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान सङ्काय में शिक्षा-शास्त्री नामक एकवर्षीय अध्यापक-प्रशिक्षण-पाठ्यक्रम तथा शिक्षाशास्त्र में उच्च-स्तरीय अध्ययन हेतु शिक्षाचार्य नामक एकवर्षीय पाठ्यक्रम का प्रवर्तन किया गया है। उपर्युक्त चारों सङ्कायों में संस्कृत की विभिन्न शास्त्रीय शाखाओं एवं शिक्षाशास्त्र में शोधकार्य करने हेतु विशिष्टाचार्य, विद्यावारिधि एवं विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम की व्यवस्था है।

विद्यापीठ में संस्कृत शोध, पाण्डुलिपियों के प्रकाशन एवं संरक्षण के लिये एक स्वतन्त्र विभाग है। इस विभाग द्वारा न केवल प्राचीन पाण्डुलिपियों का अन्वेषण किया जाता है, अपितु संस्कृत-साहित्य के विद्वानों की उत्कृष्ट रचनाओं का प्रकाशन भी किया जाता है। साथ ही त्रैमासिक शोध-पत्रिका 'शोध-प्रभा' का प्रकाशन भी किया जाता है। विभागीय स्तर पर ज्योतिष विभाग द्वारा 'विद्यापीठ-पंचांग' और 'भैषज्य-ज्योतिषम्' नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। वास्तुशास्त्र विभाग द्वारा प्रतिवर्ष वास्तु शास्त्र विमर्श नामक शोध पत्रिका प्रकाशित की जाती है। विद्यापीठ में संगणक केन्द्र और महिला अध्ययन केन्द्र स्थापित किया गया है। महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा शोधपत्रिका "सुमंगली" का प्रकाशन किया जाता है।

विद्यापीठ में 1994-95 के सत्र से शास्त्री पाठ्यक्रम के साथ-साथ व्यावसायिक संस्कृत, व्यावसायिक हिन्दी एवं संगणक प्रयोग सम्बन्धी पाठ्यक्रम और विभिन्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अध्ययन-अध्यापन में सम्मिलित किया गया है।

संस्कृत विद्यापीठ द्वारा अपने निर्धारित उद्देश्यों को दृष्टि में रखते हुये विशेष दीक्षान्त समारोह 3 दिसम्बर, 1993 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया । इस समारोह में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. शङ्कर दयाल शर्मा को विद्यापीठ की मानद उपाधि 'वाचस्पति' प्रदान की गयी । विद्यापीठ का प्रथम दीक्षान्त समारोह 15 फरवरी, 1994 को विद्यापीठ परिसर में सम्पन्न हुआ, जिसमें राष्ट्रपति डॉ. शङ्कर दयाल शर्मा ने प्रथम दीक्षान्त भाषण दिया। विद्यापीठ का द्वितीय दीक्षान्त समारोह 11 जनवरी, 1996, तृतीय दीक्षान्त समारोह 11 जनवरी, 1999, चतुर्थ दीक्षान्त समारोह 11 फरवरी, 2000, पञ्चम दीक्षान्त समारोह 28 फरवरी, 2001, षष्ठ दीक्षान्त समारोह 17 फरवरी, 2002, सप्तम दीक्षान्त समारोह 11 नवम्बर, 2003, अष्टम दीक्षान्त समारोह 12 नवम्बर, 2005, नवम दीक्षान्त समारोह 10 नवम्बर, 2006, दशम दीक्षान्त समारोह 28 नवम्बर, 2007, एकादश दीक्षान्त समारोह 06 दिसम्बर, 2008, द्वादश दीक्षान्त समारोह 7 नवम्बर, 2009, त्रयोदश दीक्षान्त समारोह दिनांक 26 नवम्बर, 2010 तथा चतुर्दश दीक्षान्त समारोह 7 जनवरी, 2013 को सम्पन्न हुआ ।

२००७ में राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् ने विद्यापीठ के बहुआयामी उपलब्धियों का मूल्यांकन करते हुए विद्यापीठ को 'बी++' की श्रेणी प्रदान की थी । नैक द्वारा द्वितीय चक्र के प्रत्यायन एवं मूल्यांकन के लिए विद्यापीठ ने स्व-अध्ययन प्रतिवेदन नैक मूल्यांकन मुख्यालय को प्रेषित कर दिया है । साथ ही आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की विभिन्न बैठकों के विगत पाँच वर्षो की वार्षिक गतिविधियों का प्रतिवेदन भी नैक को भेजा जा चुका है। नैक मुख्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार पुन: प्रत्यायन के लिए नैक की पीयर टीम मई 2015 में विद्यापीठ में आ सकती है ।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ शास्त्रीय पारम्परिक विषयों के अध्ययनाध्यापन एवं गहन अनुसन्धान के द्वारा भारतीय वैज्ञानिक परम्परा का संरक्षण करते हुये आज के इस संगणक युग में आधुनिक वैज्ञानिक शैक्षणिक परम्पराओं से समन्वय स्थापित करने का सार्थक प्रयास कर रहा है एवं संस्कृत स्नातकों को रोजगारपरक शिक्षण प्रदान करते हुये संस्कृत के कुशल शिक्षकों के निर्माण में शिक्षाशास्त्र विभाग के माध्यम से सतत प्रयत्नशील है । फलस्वरूप विद्यापीठ के छात्र एवं अनुसन्धाता देश एवं विदेश की प्रतिष्ठित संस्थाओं में अपनी प्रतिभा और कौशल के साथ कार्यरत हैं ।

२. उद्देश्य

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली की स्थापना के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

(क) शास्त्रीय परम्परा को संरक्षित करना ।

(ख) शास्त्रों की व्याख्या करना ।

(ग) आधुनिक परिप्रेक्ष्य में समस्याओं के समाधान के लिए संस्कृत भाषा में विरचित प्राचीन शास्त्रों का औचित्य स्थापित करना ।

(घ) अध्यापकों के लिए आधुनिक एवं शास्त्रीय ज्ञान में गहन प्रशिक्षण हेतु साधन उपलब्ध कराना ।

(ङ) उपर्युक्त सभी क्षेत्रों में प्रवीणता प्राप्त करना, जिससे विद्यापीठ का अपना एक विशिष्ट चरित्र हो।

उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास करते हुए विद्यापीठ अधोनिर्दिष्ट क्षेत्रों में निरन्तर कार्य कर रहा है:-

1. पारम्परिक संस्कृत वाङ्मय के साथ-साथ उसके अतिविशिष्ट शाखाओं के ज्ञान हेतु शिक्षण सुनिश्चित करना ।
2. संस्कृत के अध्यापकों के प्रशिक्षणार्थ साधनों का सुलभीकरण और संस्कृत शिक्षा से सम्बद्ध प्रासङ्गिक पक्षों पर शोध ।
3. संस्कृत अध्यापन से सम्बन्धित एशिया की विभिन्न भाषाओं एवं साहित्य के गहन अध्ययन एवं गवेषणार्थ सुविधाओं का सुलभीकरण, जिनमें पाली, इरानी, तिब्बती, मंगोली, चीनी, जापानी आदि भाषाएं एवं साहित्य प्रमुख हैं ।
4. अध्ययन-अध्यापन हेतु विभिन्न विषयों के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण, भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर विशेष ध्यान रखना तथा संस्कृत और संबद्ध विषयों में परीक्षाओं का सञ्चालन ।
5. संस्कृत के मौलिक ग्रन्थों, टीकाओं का अनुवाद। उनसे सम्बद्ध साहित्य का प्रकाशन, प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का संवर्धन ।
6. शोध-पत्रिका एवं शोधोपयोगी अनुसन्धान-प्रपत्रों, विषय सूची और ग्रन्थ-सूची आदि का प्रकाशन ।
7. पाण्डुलिपियों का सङ्कलन, संरक्षण एवं प्रकाशन, राष्ट्रिय संस्कृत पुस्तकालय और संग्रहालय का निर्माण। संस्कृत पाण्डुलिपियों में प्रयुक्त लिपियों के प्रशिक्षण का प्रबन्धन ।
8. संस्कृत में आधुनिक तकनीकी साहित्य के साथ मौलिक संस्कृत ग्रन्थों के सार्थक निर्वचनों की दृष्टि से आधुनिक विषयों में शिक्षणार्थ साधनों की प्रस्तुति ।
9. पारस्परिक ज्ञानवर्धन के लिये आधुनिक एवं परम्परागत विद्वानों के मध्य अन्तःक्रिया का संवर्धन ।
10. शास्त्र-परिषदों, सङ्गोष्ठियों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन ।
11. अन्य शिक्षण संस्थानों की उपाधियों, प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रमों को विद्यापीठ की उपाधियों के समकक्ष मान्यता ।
12. विभागों एवं सङ्कायों की स्थापना और विद्यापीठ के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक मण्डलों एवं समितियों का गठन ।

13. स्वीकृत नियमों के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों, अध्येतावृत्तियों, पुरस्कारों व पदकों का संस्थापन एवं वितरण।

14. विद्यापीठ के उद्देश्यों से पूरी तरह या अंशतः समान उद्देश्य वाले सङ्गठनों, समितियों या संस्थानों का सहयोग एवं उनकी सदस्यता तथा उनमें सहभागिता ।

15. विद्यापीठ के किसी एक या समस्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए प्रासङ्गिक, आवश्यक या सहायक कार्य-कलापों का सम्पादन ।

३. कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

विद्यापीठ के संस्थापित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अधोदर्शित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का सञ्चालन किया जा रहा है-

1. स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर पर परम्परागत शैक्षणिक प्रविधियों के साथ-साथ आधुनिक पद्धतियों से संस्कृत वाङ्मय का अध्यापन ।
2. स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर छात्राध्यापकों का प्रशिक्षण ।
3. विभिन्न विभागों में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमों का सञ्चालन ।
4. स्नातक, स्नातकोत्तर आदि उच्च शैक्षणिक स्तर की परीक्षाओं का सञ्चालन ।
5. समान-हित वाली संस्कृत योजनाओं में अन्य सङ्गठनों के साथ सहयोग ।
6. संस्कृत वाङ्मय पुस्तकालय का सम्वर्द्धन ।
7. पाण्डुलिपि संग्रह, दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण पुस्तकों का सम्पादन एवं प्रकाशन ।
8. शोधपत्रिका 'शोधप्रभा' एवं 'वास्तुशास्त्रविमर्श', 'भैषज्य ज्योतिषम्', 'सुमंगली' तथा 'पञ्चाङ्ग' का नियमित वार्षिक प्रकाशन ।
9. विविध व्याख्यानमालाओं एवं कार्यशालाओं का आयोजन ।
10. गोष्ठियों एवं सम्मेलनों का विभागीय स्तरों पर नियमित आयोजन ।
11. ज्योतिष, वास्तु, पौरोहित्य, योग और सङ्गणक में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का सञ्चालन ।
12. छात्रों के लिये विभिन्न शैक्षणिक क्रिया-कलापों का नियमित प्रवर्तन ।
13. शारीरिक शिक्षण, क्रीड़ा, खेल-कूद के साथ-साथ एन.सी.सी. और एन.एस.एस. आदि का सञ्चालन ।
14. संस्कृत सप्ताह, हिन्दी पखवाड़ा, संस्कृत दिवस, हिन्दी दिवस, सतर्कता दिवस, स्वच्छता दिवस जैसे विभिन्न साहित्यिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन ।

४. संरचना एवं प्रशासन

विद्यापीठ का मुख्य कार्यकारी अङ्ग प्रबन्ध मण्डल है । यह विद्यापीठ के समस्त शैक्षणिक, प्राशासनिक एवं वित्तीय क्रिया-कलापों के अधीक्षण एवं नियन्त्रण के लिये उत्तरदायी है ।

1. प्रबन्ध मण्डल
2. विद्वत्परिषद्

3. वित्त-समिति
4. योजना एवं पर्यवेक्षण मण्डल
5. संकाय
6. अध्ययन-मण्डल
7. नीति एवं योजना समिति

- **विद्यापीठ के विभिन्न शैक्षणिक, प्राशासनिक, अनुशासनिक एवं विकास कार्यों को सम्पन्न करने के लिए निम्नलिखित स्थायी समितियाँ गठित की गई हैं :-**

1. प्रवेश समिति
2. छात्रावास-समिति
3. विद्यापीठ परिसर विकास-समिति
4. छात्रवृत्ति समिति
5. शोध एवं प्रकाशन-परामर्शदात्री-समिति
6. शोधप्रभा सम्पादक-मण्डल
7. पुस्तकालय-समिति
8. कुलानुशासक मण्डल
9. परिचय-नियमावली-समिति
10. हिन्दी राजभाषा कार्यान्वयन-समिति
11. रोस्टर समिति
12. शिकायत समिति
13. छात्रोत्पीड़न निरोधक समिति
14. परीक्षा मंडल
15. अनुसंधान मण्डल

- **विद्यापीठ में विभिन्न क्रियाकलापों के सकुशल सम्पादन हेतु निम्नलिखित अधिकारी/पद्याधिकारी कार्यरत हैं :-**

1. कुलाधिपति
2. कुलपति
3. संकाय प्रमुख
4. छात्र कल्याण संकाय प्रमुख
5. कुलसचिव
6. वित्ताधिकारी
7. विभागाध्यक्ष
8. कुलानुशासक
9. छात्रावास-अधिष्ठाता
10. मुख्य सतर्कता अधिकारी
11. उप-कुलसचिव
12. परीक्षा-नियन्त्रक
13. सहायक-कुलसचिव

५. कुलपति

प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, शोध एवं प्रकाशन विभाग ने प्रभारी कुलपति के रूप में दिनांक 05. 02.2014 से 13.05.2014 कार्य किया है । तदनन्तर विद्यापीठ के वरिष्ठ संकाय प्रमुख प्रो. भास्कर मिश्र ने दिनांक 14.05.2014 से 17.11.2014 तक प्रभारी कुलपति के रूप में कार्य किया । प्रो. मिश्र के कार्यकाल की समाप्ति के उपरान्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 18.11.2014 से प्रभारी कुलपति के रूप में कार्यरत है ।

६. कुलसचिव

डॉ. बीके महापात्र वर्ष 2003 से विद्यापीठ के कुलसचिव हैं । कुलसचिव का पदभार ग्रहण करने के साथ ही डॉ. महापात्र ने विद्यापीठ परिसर को आकर्षक बनाने, नये भवनों के निर्माण, पठन-पाठन एवं छात्रावास की उन्नत व्यवस्था एवं शैक्षणिक परिवेश को समृद्ध करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है । उनके कुशल नेतृत्व एवं प्राशासनिक दक्षता से अध्यापकों एवं कर्मचारियों के बहुमुखी विकास एवं उन्नति में सहायता प्राप्त हुई ।

७. वित्ताधिकारी

दिनांक 04.10.2013 से श्रीमती कल्पना सिंह प्रतिनियुक्ति के आधार पर विद्यापीठ के वित्ताधिकारी पद पर कार्य कर रही हैं । विद्यापीठ के योजना एवं गैर-योजना सम्बन्धी समस्त आवश्यक व्यय व अनुदान के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय से निरंतर सम्पर्क बनाए रखकर उन्होंने वित्तीय प्रबंधन में योगदान दिया है । साथ ही साथ विद्यापीठ के पुन: प्रत्यायन एवं मूल्यांकन हेतु कुलपति महोदय द्वारा गठित समिति की संयोजिका भी है । विद्यापीठ के विगत पाँच वर्षों के शैक्षणिक एवं अन्य सम्बन्धित कार्यक्रमों के आधार पर स्व-अध्ययन प्रतिवेदन तैयार करने के लिए उन्होंने अत्यन्त कुशलतापूर्वक निर्देशन प्रदान किया है।

८. सङ्काय एवं विभाग

विद्यापीठ में वेद-वेदांग संकाय, साहित्य एवं संस्कृति संकाय, दर्शन संकाय और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय व तदन्तर्गत 18 विभाग हैं । प्रत्येक संकाय-प्रमुख, सङ्काय के अन्तर्गत आने वाले विभिन्न विभागों के प्राशासनिक एवं शैक्षणिक कार्यों एवं गतिविधियों का सञ्चालन करते हैं । सङ्काय प्रमुख के सहयोग के लिये प्रत्येक विभाग का स्वतन्त्र अध्यक्ष है जो विभागीय गतिविधियों के लिये उत्तरदायी है । विद्यापीठ के विभिन्न सङ्कायों एवं विभागों का संक्षिप्त विवरण, उनकी उपलब्धियों और विभिन्न विभागों में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों की संख्या आदि का विवरण निम्नलिखित है :-

I
वेद-वेदाङ्ग-सङ्काय

वेद–वेदाङ्ग सङ्काय प्रधानतः वेद एवं वेदाङ्ग से सम्बद्ध विषयों के अध्ययन–अध्यापन एवं शोध की व्यवस्था करता है । यह सर्वविदित है कि वेद चार भागों में विभक्त हैं –ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद ! वेद के छः अंग हैं – शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, छन्द एवं ज्योतिष । वेदाङ्गों के भी अनेक उपाङ्ग हैं । वर्तमान में वेद–वेदाङ्ग संकाय के अन्तर्गत वेद, धर्मशास्त्र, पौरोहित्य, व्याकरण, ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र छः विभाग हैं, जिनमें पारम्परिक शास्त्री, आचार्य, विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि की कक्षाओं में अध्ययन–अध्यापन एवं शोधकार्य का संचालन किया जाता है । इन शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त वेद–वेदाङ्ग से सम्बद्ध ज्ञान को सर्वसामान्य तक पहुँचाने के लिए वेद–वेदाङ्ग संकाय के पौरोहित्य, ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र के विभागों में विभिन्न अंशकालीन पाठ्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है ।

वेद-विभाग

वेद विश्व का सबसे प्राचीन एवं ज्ञान–विज्ञान की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ है। समस्त मानव जाति के सर्वाङ्गीण, सार्वकालिक विकास और संवृद्धि के लिए वेद मार्गदर्शक हैं। विश्व की संरचना, सम्पोषण एवं प्रगति के सभी विधानों का वर्णन वेदों में निहित है। शोषणरहित और समतामूलक समाज की स्थापना का मार्गदर्शन वेद करता है। मानव समाज में प्रकृति से तादात्म्य स्थापित कर जीवन को गतिशील बनाने की शैली वेदों की देन है। वस्तुतः वेद जीवन दर्शन हैं। सनातन धर्मावलम्बी वेदों का ही अनुगमन करते हैं । वेद अपौरुषेय और अमर हैं । वेद मानव चरित्र को समुज्ज्वल बनाकर मानव में देवत्व की स्थापना करते हैं। आधुनिक युग में वेदाध्ययन की उपयोगिता बहुत अधिक है।

वेद-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
शास्त्री द्वितीय वर्ष	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
शास्त्री तृतीय वर्ष	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
आचार्य प्रथम वर्ष	08	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	08
आचार्य द्वितीय वर्ष	06	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
विशिष्टाचार्य	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
विद्यावारिधि	01	01	--	--	--	--	--	--	01	01	--	--	04
कुल	29	01	01	--	--	--	--	--	01	01	--	--	33

वेद-विभागीय आचार्य

1.	डॉ. गोपाल प्रसाद शर्मा	सहायक प्रोफेसर
2.	डॉ. रामानुज उपाध्याय	सहायक प्रोफेसर
3.	डॉ. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सहायक प्रोफेसर
4.	डॉ. सुन्दर नारायण झा	सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

धर्मशास्त्र-विभाग

ऋषियों द्वारा धार्मिक आचार, व्यवहार, प्रायश्चित्त, भक्ति, इष्टपूर्त्ति, नैतिकमूल्यबोध, सामाजिक तथा वैयक्तिक कर्त्तव्याकर्त्तव्य की व्यवस्था हेतु धर्मशास्त्र का प्रणयन किया गया है । वेदविहित कर्मों के आनुपूर्व्य से कल्पनाशास्त्र रूपक कल्प का यह अङ्गभूत है । इस शास्त्र में मनु, याज्ञवल्क्य, पराशर, पारस्कर, गौतम, नारद, बृहस्पति, बौधायन, जीमूतवाहन, विज्ञानेश्वर, माधवाचार्य, कौटिल्य–प्रभृति सूत्र, स्मृति, भाष्य, तात्कालिक निबन्धात्मक प्राचीनग्रन्थों के अध्ययन के साथ ज्वलन्त युगोपयोगी एवं आधुनिकता के साथ सामञ्जस्य रखने वाले विषयों जैसे स्त्री–अधिकार, हिन्दूविधि, संस्कार, नैतिकशिक्षा, पर्यावरण, मानवाधिकार, राजधर्म, दण्ड, अपराध प्रभृतिय पर अध्ययन–अध्यापन किया जाता है, जिससे सामाजिक विधि–व्यवस्थाओं के उन्नत दर्शनों का अध्ययन और मानवीय मूल्यों के प्रणयन के साथ–साथ आत्मिक विकास होता है ।

धर्मशास्त्र-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है :–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पुo	मo	पुo	मo	पुo	मo	पुo	मo	पुo	मo	पुo	मo	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	02	02	02	01	--	--	--	--	--	--	--	--	07
आचार्य द्वितीय वर्ष	02	01	--	02	--	01	--	--	--	--	--	--	06
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
कुल	08	03	02	03	--	01	--	--	02	--	--	--	19

धर्मशास्त्र-विभागीय आचार्य

1.	डॉ. यशवीर सिंह	सह प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2.	डॉ. सुधांशु भूषण पण्डा	सहायक प्रोफेसर

व्याकरण विभाग

संस्कृत वाङ्मय के सम्यक् ज्ञान एवं अध्ययन के लिए व्याकरण–शास्त्र का अध्ययन किया जाता है । संस्कृत–व्याकरण की संवृद्धि एवं पुष्टता भाषा–विज्ञान की दृष्टि से अतुलनीय है । विश्व की समस्त भाषाओं में संस्कृत सबसे परिपूर्ण एवं उन्नत भाषा स्वीकार की जाती है, जिसका मूल कारण इसका व्याकरण सम्बन्धी पक्ष है । अपनी इस विशेषता के कारण ही यह वेद का सर्वप्रमुख अङ्ग माना जाता है । इसके मूलतः पाँच प्रयोजन हैं – रक्षा, ऊह, आगम, लघु और असन्देह। व्याकरण शास्त्र का बृहद् इतिहास है, किन्तु महामुनि पाणिनि और उनके द्वारा प्रणीत अष्टाध्यायी ही इसका केन्द्र– बिन्दु है। पाणिनि ने अष्टाध्यायी में ३९९५ सूत्रों की रचना कर भाषा के नियमों को व्यवस्थित किया, जिसमें वाक्यों में पदों का संकलन, पदों का प्रकृति–प्रत्यय विभाग एवं पदों की रचना आदि प्रमुख तत्त्व हैं । इन नियमों की पूर्ति के लिये धातुपाठ, गणपाठ तथा उणादिसूत्र भी पाणिनि ने बनाये। सूत्रों में उक्त, अनुक्त एवं द्विरुक्त विषयों का विचार कर कात्यायन ने वार्तिक की रचना की । बाद में महामुनि पतञ्जलि ने महाभाष्य की रचना कर संस्कृत व्याकरण को पूर्णता प्रदान की । इन्हीं तीनों आचार्यों को त्रिमुनि के नाम से जाना जाता है । प्राचीन व्याकरण में इनका अनिवार्यतः अध्ययन किया जाता है ।

नव्य–व्याकरण के अन्तर्गत प्रक्रिया क्रम के अनुसार शास्त्रों का अध्ययन किया जाता है, जिसमें भट्टोजिदीक्षित, नागेशभट्ट आदि आचार्यों के ग्रन्थों का अध्ययन मुख्य है। प्राचीन– व्याकरण एवं नव्य–व्याकरण दो स्वतन्त्र विषय हैं ।

प्राचीन-व्याकरण में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है –

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
शास्त्री द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	05	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06

नव्य-व्याकरण में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	44	01	01	--	--	--	--	04	--	--	--	--	50
शास्त्री द्वितीय वर्ष	21	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	21
शास्त्री तृतीय वर्ष	34	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	34
आचार्य प्रथम वर्ष	13	02	--	--	--	--	--	01	--	--	--	--	16
आचार्य द्वितीय वर्ष	12	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	14
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल	124	04	01	--	--	--	--	05	--	01	--	--	135

व्याकरण-विभागीय आचार्य

1. प्रो. कमला भारद्वाज — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा — प्रोफेसर
3. डॉ. सुजाता त्रिपाठी — सहायक प्रोफेसर
4. डॉ. राम सलाही द्विवेदी — सहायक प्रोफेसर
5. डॉ. दयाल सिंह — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

पौरोहित्य-विभाग

प्राचीन काल से ही मनुष्यों के लिए ऐहलौकिक तथा पारलौकिक मनोरथों की पूर्ति का साधन श्रौतयाग एवं स्मार्तयाग माना गया है । श्रौतयागों का आधार संहिताओं के मन्त्र हैं, किन्तु केवल मन्त्रों की जानकारी मात्र से ही कोई याग सम्पन्न नहीं हो सकता, इसके लिए अनुष्ठान की पद्धति का भी पूर्ण ज्ञान होना आवश्यक है । पौरोहित्य–विभाग में छात्रों को अनुष्ठान पद्धति का पूर्ण ज्ञान एवं अनुष्ठानों की प्रक्रियाओं के सूक्ष्मतम परिचय के साथ अध्ययन–अध्यापन कराया जाता है । कर्मकाण्ड के अध्ययन तथा यज्ञ–अनुष्ठान से समस्त जन का कल्याण होता है । ईश्वराराधना, साधना, सस्वरपाठ, रुद्राष्टाध्यायी, कुण्डमण्डपनिर्माण, व्रत, संस्कार, प्रतिष्ठा, शान्ति, मुहूर्त, अनुष्ठानादि की जानकारी के लिये यह विषय अत्यन्त उपयोगी है । पौरोहित्य से आस्तिक जन सम्पूर्ण मनोभिलषित प्रकार की कामनाओं की पूर्ति कर सकते हैं । यह विभाग सामाजिक गतिविधियों तथा रीति–रिवाजों को सफल एवं शास्त्र–सम्मत बनाने में छात्रों को योग्य बनाता है, साथ ही साथ उन्हें आचार, व्यवहार व शिष्टाचार के सनातन तथ्यों से परिचित कराता है ।

पौरोहित्य-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है –

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
शास्त्री द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य प्रथम वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य द्वितीय वर्ष	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	16	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	16

पौरोहित्य-विभागीय आचार्य

1. प्रो. हरिहर त्रिवेदी — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. रामराज उपाध्याय — सह प्रोफेसर
3. डॉ. वृन्दावन दाश — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

ज्योतिष-विभाग

वेद हमें विशिष्ट कर्म करने के लिए प्रवृत करते हैं। विशिष्ट कर्म सदैव काल सापेक्ष होते हैं। लोक में यह देखने के लिए मिलता है कि जो भी कोई विशिष्ट कर्म शुभ एवं अनुकूल काल में किया जाता है वह कर्म स्वल्प श्रम से ही अधिक फल प्रदान करने वाला होता है। परन्तु जो कर्म अशुभ एवं प्रतिकूल काल में किया जाता है वह कर्म अत्यधिक श्रम के पश्चात् भी स्वल्प फल ही प्रदान करता है। वेद में यज्ञ शब्द विशिष्ट कर्म संज्ञक ही है। इसलिए वैदिक ऋषियों ने उस विशिष्ट कर्म के सम्पादन हेतु कर्म काल के महत्व को प्रतिपादित किया है। यथा-

वेदास्तावद्यज्ञकर्मप्रवृता यज्ञाः प्रोक्तास्ते तु कालाश्रयेण।
शास्त्रादस्मात् कालबोधो यतः स्याद् वेदाङ्गत्वं ज्योतिषस्योक्तमस्मात्॥

समस्त शास्त्रों में ज्योतिष शास्त्र ही एक ऐसा शास्त्र है जो काल के शुभाशुभत्व का निर्धारण करने में सक्षम है। यही कारण है कि समस्त आचार्यों ने इसे वेदाङ्ग रूप में स्वीकार किया है।

व्याकरण शास्त्र वेद भगवान का मुख माना जाता है, ज्योतिष शास्त्र उनके नेत्र हैं, निरुक्त शास्त्र उनके कान हैं, कल्पशास्त्र उनके दोनों हाथ हैं, शिक्षाशास्त्र उनकी नासिका है और छन्द शास्त्र ही उनके दोनों चरण हैं। इस प्रकार वेद के षडङ्गों में ज्योतिष शास्त्र की गणना नेत्र रूप में की गयी है। यथा-

शब्दशास्त्रं मुखं ज्योतिषं चक्षुषी श्रोतमुक्तं निरुक्तञ्च कल्पः करौ।
यातु शिक्षाऽस्य वेदस्य सा नासिका पाद पद्मद्वयं छन्द आद्यैर्बुधैः।।

शरीर के समस्त अङ्गों में नेत्र रूप अङ्ग की प्रमुखता होती है। अन्य समस्त अङ्गों के रहने पर भी यदि नेत्र न हो तो ऐसा मनुष्य कुछ भी करने में समर्थ नहीं होता।

वेदचक्षुः किलेदं स्मृत ज्यौतिषं मुख्यता चाङ्गमध्येऽस्य तेनोच्यते।
संयुतोऽपीतरैः कर्णनासादिभिश्चक्षुषाङ्गेन हीनो न किञ्चित्करः।।

ज्योषितशास्त्र "ज्योतिर्विज्ञान" नाम से प्रसिद्ध है, इससे न केवल इसकी वैज्ञानिकता ही प्रकट होती है बल्कि ग्रह नक्षत्रों की गति, स्थिति, युति, अमावस्या, पूर्णिमा, ग्रहणादि गणितीय पदार्थों के वेध के द्वारा दृक्सिद्धि के कारण यह शास्त्र विज्ञान की श्रेणी में प्रत्यक्षत्व की सिद्धि प्राप्त करता है। जैसे कहा भी गया है-

अप्रत्यक्षाणि शास्त्राणि विवादस्तेषु केवलम्।
प्रत्यक्षं ज्योतिषं शास्त्रं चन्द्रार्कौ यत्र साक्षिणौ।।

इस शास्त्र के मुख्य रूप से तीन विभाग सिद्धान्त, संहिता और होरा के रूप में किए गए हैं।

सिद्धान्त : - जिस शास्त्र में काल की सूक्ष्मतम इकाई त्रुटि से लेकर प्रलय पर्यन्त काल की गणना की जाती है, काल के नवविधमानों का जहां क्रम से विवेचन किया जाता है, व्यक्ताव्यक्त गणित का जहां प्रयोग किया जाता है, ग्रह गति का निरूपण, भूमि, ग्रह एवं नक्षत्रों की अन्तरिक्ष में गति-स्थिति का विवेचन, दिक् देश एवं काल इन तीनों से सम्बद्ध प्रश्नों का जहां विवेचन किया जाता है और इन समस्त गणितोपलब्ध पदार्थों की दृक्सिद्धि के लिए विविध प्रकार के यन्त्रों का जहां वर्णन किया जाता है उसे सिद्धान्त कहते हैं। जैसे कहा भी गया है-

त्रुट्यादिप्रलयान्तकालकलना मानप्रभेदः क्रमा-
च्चारश्च द्युसदां द्विधा च गणितं प्रश्नास्तथा सोत्तराः।
भूधिष्ण्यग्रहसंस्थितेश्च कथनं यन्त्रादि यत्रोच्यते
सिद्धान्तः स उदाहृतोऽत्र गणित-स्कन्धप्रबन्धे बुधैः।।

सिद्धान्त शास्त्र पर अनेक स्वतन्त्र रचनाएँ हैं। समय-समय पर इस शास्त्र में आचार्यों के द्वारा अनेक संशोधन एवं परिवर्धन भी हुए हैं। आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त, भास्कराचार्य, मुनीश्वर, श्रीपति, गणेश दैवज्ञ, कमलाकर भट्ट, बापुदेव शास्त्री, सुधाकर द्विवेदी आदि प्रमुख आचार्य हुए हैं। सिद्धान्त स्कन्ध के अन्तर्गत सूर्य सिद्धान्त, ब्राह्मस्फुटसिद्धान्त, सिद्धान्तशिरोमणि, सिद्धान्त तत्त्व विवेक, आर्यभटीय, ग्रहलाघव, केतकीग्रह गणितादि ग्रन्थों का अध्ययन-अध्यापन किया जाता है।

संहिता- आकाशस्थ ज्योतिर्पिण्डों के समष्टिगत फल का विचार ज्योतिष के जिस स्कन्ध के अन्तर्गत किया जाता है उसे संहिता स्कन्ध कहते हैं। संहिता स्कन्ध के अन्तर्गत भूगर्भ के अन्तरिक्ष तक त्रिविध उत्पातों का विवेचन एवं इनमें होने वाले परिवर्तनों एवं परिणामों का निरूपण किया जाता है। अर्थात् इसमें सम्पूर्ण ज्योतिष शास्त्र के विषयों का वर्णन किया जाता है। संहिता स्कन्ध के अन्तर्गत ग्रहचार आदि फलों के अतिरिक्त सद्योवर्षण, भूकम्पलक्षण, उल्का लक्षण, अर्घकाण्ड (तेजी मन्दी), उत्पात, रत्नपरीक्षा शकुनादि फल, श्वानशृगाल-मृग-गो-अश्व-हस्ति-काक आदि जन्तुओं के चेष्टादि फल, शकुनोत्तर फल, तिथि-नक्षत्र-करण-राशि गुणानुसार फल एवं गोचर में स्थित ग्रहों के फल होने के कारण फलित ज्योतिष के प्रधान अङ्ग के रूप में विश्व विख्यात है। संहिता शास्त्र के अन्तर्गत आचार्य वराहमिहिर विरचित बृहत्संहिता प्रसिद्ध ग्रन्थ है।

होरा- जातक के जन्मकालीन आकाशस्थ ग्रह नक्षत्रों के अनुसार निर्मित जन्माङ्ग के आधार पर जीवन में सम्भावित शुभाशुभ घटनाओं का पूर्वानुमान जिस स्कन्ध के अन्तर्गत किया जाता है उसे होरा स्कन्ध कहते हैं। इसमें प्राणी के आधान काल से प्रसवकाल तक तथा प्रसव से अवसान काल तक जीवन के सभी शुभाशुभ पक्षों का विवेचन किया जाता है। अथवा आधान कालिक या जन्मकालिक ग्रहों की स्थिति के आधार पर उनके परिणामों का विश्लेषण एवं विवेचन किया जाता है। इस स्कन्ध को जातक स्कन्ध भी कहा जाता है। इस स्कन्ध के अन्तर्गत बृहज्जातक, लघुजातक, जातकपारिजात, जातकालंकार, लघुपाराशरी, बृहत्पाराशर होरा शास्त्र, प्रश्नशास्त्र, मुहूर्तचिन्तामणि, सारावली, फलदीपिका, भारतीय कुण्डली विज्ञान, ताजिक नीलकण्ठी, नरपत्तिजयचर्यास्वरोदय, समरसार, पञ्चस्वरा, चमत्कार चिन्तामणि आदि ग्रन्थों का अध्ययन अध्यापन किया जाता है।

ज्योतिषशास्त्र के तीनों स्कन्धों में प्रतिपाद्य विषयों का विभाग वराहमिहिर द्वारा रचित वृहत्संहिता में निम्न पद्य में सम्यक् रीति से किया गया है।

ज्योतिः शास्त्रमनेकभेदविषयं स्कन्धत्रयाधिष्ठितं
तत्कात्स्र्योपनयस्य नाम मुनिभिः सङ्कीतर्यते संहिता।
स्कन्धेऽस्मिन् गणितेन या ग्रहगतिस्तन्त्राभिधानस्त्वसौ
होराऽन्योऽङ्गविनिश्चयश्च कथितः स्कन्धस्तृतीयोऽपरः।। (बृ.सं. १/९)

ज्योतिष विभाग जन-सामान्य को ज्योतिष-शास्त्र के परम्परागत ज्ञान से परिचित कराने के लिए एक-एक वर्ष की समयावधि के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 'ज्योतिष-प्राज्ञ' एवं 'ज्योतिष-भूषण' सञ्चालित करता है। इसके साथ-साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति एवं उसके द्वारा प्रदत्त विशेष सहायता योजना (SAP-DRS-I,II एवं III ज्यो0) के अन्तर्गत मेडीकल-एस्ट्रोलॉजी में एक वर्ष का प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम सञ्चालित करता है। इस योजना के अन्तर्गत बाह्य विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान भी कराये जाते हैं।

ज्योतिष विभाग द्वारा प्रतिवर्ष 'पञ्चाङ्ग' का संपादन एवं प्रकाशन किया जाता है। इस वर्ष संवत् 2072 (शक्-संवत् 1937) के पञ्चाङ्ग का प्रकाशन किया गया। इसका सम्पादन प्रो. प्रेम कुमार शर्मा एवं डॉ. बिहारी लाल शर्मा ने किया। पञ्चांग निर्माण का कार्य समस्त ज्योतिष विभागीय अध्यापकों द्वारा सामूहिक दायित्व के रूप में किया गया। इसके प्रकाशन, विक्रय एवं विद्वानों को उपलब्ध कराने का कार्य शोधप्रकाशन विभाग द्वारा किया गया।

ज्योतिष विभाग द्वारा षाण्मासिक पत्रिका **भैषज्य ज्योतिष मञ्जूषा** के तृतीय पुष्प जुलाई 2014 का प्रकाशन किया गया। जिसमें ज्योतिष के जिज्ञासु महानुभावों की भैषज्य ज्योतिष से सम्बद्ध विविध जिज्ञासाओं के शमनार्थ देशभर के लब्धप्रतिष्ठ ज्योतिर्विदों के विद्वत्तापूर्ण शोधलेखों का उत्तम संग्रह है।

प्रमाण पत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रविष्ट छात्रों का विवरण

पाठ्यक्रम का नाम	**पुरुष**	**महिला**	**कुल**
ज्योतिष प्राज्ञ	44	09	53
ज्योतिष भूषण	17	02	19
मेडिकल भैषज	15	--	15
कुल योग	**76**	**11**	**87**

सिद्धान्त-ज्योतिष में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
शास्त्री द्वितीय वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
शास्त्री तृतीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
आचार्य द्वितीय वर्ष	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
विशिष्टाचार्य	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
विद्यावारिधि	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	21	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	21

फलित-ज्योतिष में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है –

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	08	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	08
शास्त्री द्वितीय वर्ष	14	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	14
शास्त्री तृतीय वर्ष	13	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	13
आचार्य प्रथम वर्ष	25	01	--	--	03	--	01	--	01	--	--	--	31
आचार्य द्वितीय वर्ष	16	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	16
विशिष्टाचार्य	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
विद्यावारिधि	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
कुल	86	01	--	--	03	--	01	--	01	--	01	--	93

त्रिदिवसीय राष्ट्रिय पञ्चाङ्ग कार्यशाला

दिनांक 15.10.2014 से दिनांक 17.10.2014 तक विद्यापीठ पञ्चाङ्ग 2072 के व्रत-पर्व एवं उत्सव के निर्णय हेतु त्रिदिवसीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ज्योतिष एवं धर्मशास्त्र के देश भर से विद्वान् उपस्थित हुए।

इस कार्यशाला में वर्षभर में मनाये जाने वाले व्रत-पर्वोत्सवों की ज्योतिष एवं धर्मशास्त्रीय व्यवस्थाओं पर गम्भीर चिन्तन एवं मनन कर शास्त्रीय रीति से व्रत-पर्वोत्सवों का निर्णय किया गया।

ज्योतिष-विभागीय आचार्य

1.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2.	डॉ. बिहारीलाल शर्मा	सह प्रोफेसर
3.	डॉ. विनोद कुमार शर्मा	सह प्रोफेसर
4.	डॉ. नीलम ठगेला	सह प्रोफेसर
5.	डॉ. दिवाकर दत्त शर्मा	सहायक प्रोफेसर
6.	डॉ. परमानन्द भारद्वाज	सहायक प्रोफेसर
7.	डॉ. सुशील कुमार	सहायक प्रोफेसर
8.	डॉ. फणीन्द्र कुमार चौधरी	सहायक प्रोफेसर
9.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी	सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

वास्तुशास्त्र विभाग

भारतीय चिन्तन धारा के आदि स्रोत के रूप में वेद ही सभी शास्त्रों के मूल आधार हैं। यह सर्वविदित है कि चार वेदों के चार उपवेद भी विख्यात हैं। यथा- ऋग्वेद का आयुर्वेद, यजुर्वेद का धनुर्वेद, सामवेद का गान्धर्व वेद और अथर्ववेद का स्थापत्य वेद। स्थापत्य वेद का अभिप्राय भी निवास योग्य स्थापना से ही है।

स्थापत्य के रूप में वास्तुशास्त्र का वर्णन वैदिककाल से ही सर्वत्र दिखाई देता है । दिग् और काल के अनुरूप किसी भी देश एवं स्थान में स्थापत्य का विचार अभिष्ट व्यक्ति के अनुरूप करना वास्तुशास्त्र का मुख्य उद्देश्य है । स्थापत्य के शुभाशुत्व के विचार के कारण ही ज्योतिष शास्त्र के संहिता भाग में वास्तु विद्या का समावेश हआ। ज्योतिष शास्त्र का मुख्य विचारणीय विषय काल है जैसा कि कहा भी गया है- **ज्योतिषं कालविधानं शास्त्रम्।** काल का ज्ञान देश एवं स्थान सापेक्ष होता है। देश के विना सम्यक् रूप में दिग् एवं काल की अवधारणा को स्पष्ट नहीं किया जा सकता है। अतः इस आधार पर कह सकते हैं कि ज्योतिष और वास्तु परस्पर अन्योन्याश्रित शास्त्र हैं ।

सहस्रों वर्षों से हमारे आचार्यों ने इस क्षेत्र में अनेकों परिवर्तन एवं परिवर्धन किये। मत्स्य पुराण के अनुसार भृगु, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वकर्मा, मय, नारद, नग्नजित्, विशालाक्ष, पुरन्दर, नन्दीश, शौनक, गर्ग, वासुदेव, अनिरुद्ध, शुक्र, बृहस्पति, एवं अश्विनीकुमारों ने वास्तु की विस्तृत व्याख्या करके अच्छे कीर्तिमान स्थापित किये हैं। अश्विनीकुमार, विश्वकर्मा और मय सर्वाधिक रूप से वास्तु के विख्यात आचार्य रहे हैं। विश्वकर्मा और मय प्रायः वास्तुशास्त्र के समकालीन प्रतिद्वन्द्वी आचार्य माने जाते हैं। आज दानवशिल्पी मय का "मयमतम्" और देवशिल्पी विश्वकर्मा का "विश्वकर्मा वास्तुशास्त्रम्" नाम के ग्रन्थ उपलब्ध हैं। उत्तरोत्तर वास्तु शास्त्र पर अनेकों स्वतन्त्र ग्रन्थ प्रकाशित हुए। इन सभी ग्रन्थों में हर तरह के वास्तु की चर्चा ही नहीं अपितु वास्तु के उद्देश्यों एवं आवश्यकता पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया।

स्थापत्य वेद ही उत्तरवर्ती काल में वास्तुशास्त्र के रूप में परिणत हुआ। वैदिक काल में गृहों का निर्माण ही वास्तु माना जाता था। बाद में गृहों के विकास के साथ ही ग्रामों, नगरों एवं महानगरों का विकास होने लगा। ये सभी विकास वास्तु के अन्तर्गत ही हुए, जिसके चलते वास्तु के क्षेत्र में पर्याप्त विकास हुआ। शनैः शनैः मूर्तिकला एवं चित्रकला भी इसके अंग बन गये। भवन विन्यास को स्थापत्य, मूर्ति निर्माण को शिल्प तथा चित्र निर्माण को आलेख कहा जाने लगा। वास्तु में ही भित्ति प्रतिमाओं तथा भित्ति चित्रों को स्वीकार कर लिया गया। यही कारण रहा की भोजराज ने 'समराङ्गण सूत्रधार' में वास्तुशास्त्र को तीन भागों में विभक्त माना। **१. स्थापत्य, २. शिल्प, ३. चित्र।** वास्तुशास्त्र में देवभवन विन्यास, राजभवन विन्यास एवं जनभवन विन्यास को स्थापत्य के, प्रतिमा आदि धातु, काष्ठ एवं पाषाण निर्माण को शिल्प के तथा समग्र भित्ति चित्रों एवं रेखा चित्रों को आलेख के अन्तर्गत समाहित किया गया। कुछ विद्वानों का मानना है कि वास्तुशास्त्र- शिल्पशास्त्र के अन्तर्गत है परन्तु 'समराङ्गण सूत्रधार' ने शिल्प और चित्र को वास्तुशास्त्र में ही समाहित माना। 'समराङ्गणसूत्रधार' से कई सौ वर्ष पूर्व वराहमिहिर ने उक्त सभी विषयों को ज्योतिषशास्त्र के संहिता विभाग में वर्णित किया है। सम्प्रति प्राप्त सम्पूर्ण वास्तुशास्त्र के ग्रन्थों में पुर, दुर्ग, भवन, प्रासाद, प्रतिमा, चित्र, यन्त्र, शयनासन आदि समग्र स्थापत्य के अंगों का वर्णन एवं परम्परा का निर्वहन विस्तृत रूप में मिलता है।

सृष्टि पञ्चभूतात्मक है, ठीक इसी प्रकार मनुष्य का शरीर भी पाँच तत्त्वों (पृथ्वी, जल, तेज, वायु, आकाश) का ही समिश्रण है। पृथ्वी पर किया जाने वाला कोई भी कार्य पाँच तत्त्वों पर ही आधारित होता है, पृथ्वी पर सूर्य की रश्मियों का प्रभाव? पृथ्वी का चुम्बकीय क्षेत्र, हवाओं की दिशा व उसका प्रभाव आदि कुछ ऐसे तथ्य हैं जिनका वास्तु शास्त्र की दृष्टि से विचार आवश्यक है। प्रातःकालीन सूर्य रश्मियाँ स्वास्थ्य पर अनुकूल और मध्याहन कालीन सूर्यरश्मियाँ स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं। चुम्बकीय क्षेत्र हमारे शरीर को सर्वाधिक प्रभावित करता है इसी लिये हमारे आचार्यों ने उत्तरदिशा की ओर सिर करके शयन करना निषिद्ध कहा है।

वस्तुतः वास्तुपुरुष पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति और विभिन्न बलधाराओं का उठता स्वरूप है, जिसे सन्तुलित करने के लिए ग्रहों, नक्षत्रों, सूर्य, चन्द्र, वायु, जल, ताप आदि प्राकृतिक शक्तियों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई परन्तु यह चेतना का स्वरूप है जो बुद्धि से नहीं भावना से देखा जाता है। पृथ्वी सतह की चेतना को हमारे पूर्वजों ने चैतन्य वास्तु पुरुष के रूप में देखा, समझा, पूजा और तदनुकूल भवन, नगर आदि रचनायें कीं। आज तो भौतिकविद् इस विश्व को अविलगित ऊर्जा प्रतिकृतियों का गतिशील जाल

(Dynamic web of inseparable energy patterns) मानते हैं। इस समग्र पृथ्वी पर वास्तुपुरुष का एक रूप और प्रत्येक व्यष्टि रूप वास्तु में वास्तु पुरुष का एक अन्य रूप, इस प्रकार के बृहद् से बृहद् एवं सूक्ष्म से सूक्ष्म वास्तु रूपों के वर्णन से यह द्योतित होता है कि जैसे हमारा सम्पूर्ण शरीर एक सजीव इकाई है परन्तु उसे बनाने वाली सूक्ष्म कोशिकायें भी अपने में एक चेतन्य इकाईयां हैं। उनकी प्रतिक्रियायें समग्र शरीर की प्रतिक्रिया होती है। यही एकात्मता का भाव वास्तु में भी प्रधान है। ग्रह, नक्षत्र, सूर्य, चन्द्र आदि सभी के ऊर्जा प्रभाव के कारण वास्तुरचना अनुकूल और प्रतिकूल परिणाम देती है इसीलिए वास्तुशास्त्र ने जीवन में इन सभी बलधाराओं और ऊर्जा प्रभावों को देवताओं के भिन्न-भिन्न नामों और रूपों से देखा, समझा और पूजा।

वास्तु शास्त्र का उद्देश्य सर्वविध सुखी एवं शान्त सुरक्षित जीवन से है जहाँ रहकर व्यक्ति अपने उद्देश्य की पूर्ति कर सकें। भौतिकवादी दृष्टिकोण से हम एक घर को सुन्दर आकार तो दे सकते हैं परन्तु उसमें व्यक्ति सुखी व समृद्ध रहेगा इसकी निश्चित कल्पना नहीं की जा सकती है, जबकि हमारे आचार्यों ने सर्वविध विचार किया है। हम धरती पर गृह बनाते हैं पृथ्वी हमारी माता है। वह हमें धारण किये हुए है, वह हमारे सौर परिवार की एक सजीव इकाई है जिसमें चतुर्दिक् जीवन फल-फूल रहा है। ऐसा ग्रह हमारे सौर मण्डल में एक ही है शायद और भी अधिक जीवित ग्रहों वाले सौर मण्डल होंगे जिनका वर्णन रूपान्तर से हमारे प्राचीन ग्रन्थों में मिलता है परन्तु यह समग्र विश्व ब्रह्माण्ड जिस महत् चेतना से व्याप्त है जो इसको संचालित, नियमित और नियंत्रित करता है वही ईश्वर है। यह कालातीत ईश्वर नित्य, नूतन, पुरातन, स्थिर और परिवर्तनशील भी है। दृश्य और अदृश्य सबका भूत, भविष्य, वर्तमान भी वही है। यही वास्तु पुरुष के रूप में पूजा जाता है।

भारतीय संस्कृति के विकास में धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। यहाँ धर्म को विराट अर्थ में लिया गया है। हमारे पूर्वजों ने धर्म की कई प्रकार की व्याख्यायें की। इसी सातत्य में उन्होंने लिखा- **यतोऽभ्युदय - निश्रेयस् - सिद्धिः स धर्मः**। अर्थात् जिस से मानव का अभ्युदय और उसका निःश्रेयस दोनों सिद्ध हो सके वही धर्म है। अभ्युदय का अर्थ सांसारिक उन्नति से है। आमोद-प्रमोद, भोजन-पान, निवास एवं परिधान, अलङ्करण एवं रहन सहन के साधन जितने ही प्रचुर हो, सुलभ हों उतने ही वे अभ्युदय के परिचायक माने गये हैं। जैसे-जैसे मानव घर में रहने लगा, वह सभ्य एवं सुसंस्कृत माना जाने लगा अन्यथा मानव को असभ्य एवं जंगली ही कहा जाता था। अस्तु कह सकते हैं कि भवन निवेश मानव सभ्यता एवं संस्कृति के निर्माण में एक प्रमुख साधन है। रहने के लिए झोपड़ी है या विशाल भवन, या गगन चुम्बी विमान, यह तो मानव के अभ्युदय का परिचायक है।

भारतीय वास्तु सूक्ष्म से सूक्ष्म भी है और महान से महान भी, गृह चिन्तन में वह **अणोरणीयान्** है तथा ब्रह्माण्ड के चिन्तन में **महतोमहीयान्**। अतः इस सन्दर्भ में मात्र गृह तक ही चिन्तन करना अभिशाप होगा। वास्तु भारतीय संस्कृति का बड़ा ओजस्वी अङ्ग है। यह वह अङ्ग है जहाँ पार्थिव-अपार्थिव दोनों का संगम होता है। इस सन्दर्भ का यह निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए कि इस देश में भौतिक पक्ष को गौण माना गया, ऐसा नहीं है, हमने तो सदैव आध्यात्म एवं भौतिक को संतुलित रखा। भौतिक की उद्दात गति का सदैव आध्यात्म से निरोध होना चाहिए तभी प्रक्रिया सनातन रह सकती है। अन्यथा भौतिकवादी भस्मासुर अपने जनक शिव को ही भक्षण करने का प्रयास करेगा।

वास्तुशास्त्र की एक विस्तृत शास्त्रीय परम्परा एवं वर्तमान में इसके स्वरूप व लोगों में इस शास्त्र के प्रति रुचि को देखते हुए विद्यापीठ ने अन्य विभागों के ही अनुरूप वास्तुशास्त्र विभाग में भी शास्त्री, आचार्य, विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि की कक्षाओं में प्रवेश सत्र 2013-14 से प्रारम्भ हो हुआ। जन सामान्य की वास्तुशास्त्र में रूचि को देखते हुए एवं विश्वविद्यालय अनुदान के दिशा निर्देशानुसार वास्तुशास्त्र में द्विवर्षीय पी0जी0 डिप्लोमा पाठ्यकम भी चल रहा है। इस पाठ्यकम का मुख्य उद्देश्य वास्तुशास्त्र के दुर्लभ एवं गम्भीर शास्त्रीय ज्ञान से सामान्य जनता को परिचित कराना है।

वास्तुशास्त्र विभाग में वार्षिक वास्तुशास्त्र विमर्श का प्रकाशन होता है वर्ष 2014-15 में वास्तुशास्त्रविमर्श 'सप्तमपुष्प' का प्रकाशन किया गया । वास्तुशास्त्र विमर्श का विकय एवं आवश्यकतानुसार विद्वानों को उपलब्ध कराने का कार्य विद्यापीठ के प्रकाशन विभाग द्वारा किया जाता है ।

वास्तुशास्त्र में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है –

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
शास्त्री द्वितीय वर्ष	-	-	--	-	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	-	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य प्रथम वर्ष	09	-	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	09
आचार्य द्वितीय वर्ष	04	-	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
पी.जी. डिप्लोमा (प्रथम वर्ष)	19	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	22
पी.जी. डिप्लोमा (द्वितीय वर्ष)	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
कुल	45	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	48

वास्तुशास्त्र–विभागीय आचार्य

1. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

◆◆◆

II

साहित्य एवं संस्कृति सङ्काय

साहित्य एवं संस्कृति सङ्काय के अन्तर्गत तीन विभाग और पाँच प्रभाग हैं, जिनमें साहित्य, पुराणेतिहास और प्राकृत विभाग तथा हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र और सङ्गणक विज्ञान प्रभाग हैं । साहित्य एवं संस्कृति सङ्काय मूलतः संस्कृत साहित्य वाङ्मय की विभिन्न विधाओं में शिक्षण एवं शोध आदि कार्य सम्पादित करता है । संस्कृत के विभिन्न विद्वानों एवं रचनाकारों द्वारा प्रणीत साहित्य का अध्ययन-अध्यापन इसके विभागों एवं प्रभागों में किया जाता है। इन विभागों एवं प्रभागों का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है-

साहित्य-विभाग

'पञ्चमी साहित्यविद्या'–आचार्य राजशेखर के अनुसार वेद–विहित चार विद्याओं के अतिरिक्त पञ्चमीविद्या के रूप में साहित्य का अनिवार्य स्थान माना गया है । वर्तमान युग में भी यह उक्ति चरितार्थ है । निखिल विश्व साहित्य और साहित्यशास्त्र, सौन्दर्यशास्त्र, कला और कलाशास्त्र, सङ्गीत और सङ्गीतशास्त्र, नाट्य और नाट्यशास्त्र आदि इस के अन्तर्गत होने के कारण लोक जीवन में यह साहित्य प्रतिपद अनुभूत होता है । विश्व वाङ्मय में संस्कृत शब्द के उच्चारण मात्र से प्रथम दृष्ट्या व्यास, वाल्मीकि, कालिदास आदि का तथा रामायण, महाभारत, अभिज्ञानशाकुन्तल, मेघदूत आदि का स्मरण हो जाता है । इससे संस्कृत साहित्य की महिमा और लोकप्रियता स्वतः स्पष्ट हो जाती है । तथापि संस्कृत साहित्य की अगणित विद्याओं में से वर्गीकृत रूप से काव्य–काव्यशास्त्र, अलङ्कार–अलङ्कारशास्त्र, नाट्य–नाट्यशास्त्र आदि भागों को विशेष रूप से साहित्य विभाग के पाठ्यक्रम में रखा गया है– जैसे काव्यभाग में कालिदास, भवभूति, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, बाण आदि के क्रमशः मेघदूत कुमारसम्भव आदि उत्तररामचरित, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, कादम्बरी आदि काव्य, काव्यशास्त्र में षट् प्रस्थान के अन्तर्गत प्रमुखरूप से भरतमुनि, अभिनवगुप्त, वामन, कुन्तक, आनन्दवर्धन, क्षेमेन्द्र एवं तत्तत् पक्ष समर्थक मम्मट, भामह, विश्वनाथ आदि को रखा गया है । इन पारम्परिक काव्यशास्त्रों के साथ अध्येताओं के लिये अलङ्कारशास्त्र के अन्तर्गत भामह, चित्रमीमांसा, अलङ्कारसर्वस्व आदि तथा नाट्य–नाट्यशास्त्र के अन्तर्गत नाट्यशास्त्र, नाट्यदर्पण, अभिनवभारती, स्वप्नवासवदत्तम्, चारूदत्त, वेणीसंहार, अभिज्ञानशाकुन्तल आदि पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं । साहित्य विभाग का प्रयास है कि शास्त्री से आचार्य तक अध्ययन के उपरान्त प्रत्येक छात्र एक पूर्ण विकसित साहित्यिक परम्परा से उद्बुद्ध हो। स्नातकोत्तर स्तर पर काव्यशाखा, नाट्यशाखा, एवं अलङ्कारशाखा के रूप में संस्कृत साहित्य एवं साहित्यशास्त्र के विशद अध्ययन एवं अध्यापन से इस विभाग को विशेष गौरव प्राप्त है ।

वर्तमान युग में शोध की दृष्टि से तथा जनसामान्य के लाभ के लिये महाकाव्यों की प्रासङ्गिकता के प्रचार–प्रसार एवं विशद–अध्ययन की दृष्टि से विभाग में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष आर्थिक अनुदान (SAP) से 'बृहत्त्रयी बृहत्कोशयोजना' के रूप में एक विभागीय शोध–योजना चल रही है, जो विभाग के अध्येताओं की शोध प्रवृत्ति वृद्धि की दृष्टि से अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है । सैप (DRS-II) भी यू.जी.सी द्वारा स्वीकृत।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार साहित्य विभागीय पाठ्यक्रम का संशोधन एवं विस्तार विभागीय अध्ययनमण्डल के द्वारा किया गया, जिसमें भरत से लेकर आधुनिक कालपर्यन्त समस्त साहित्यशास्त्रीय ग्रन्थों का समावेश किया गया है तथा प्राच्य पाश्चात्य साहित्य तथा साहित्यशास्त्र का भी अध्ययन कराया जा रहा है ताकि छात्रों की तुलनात्मक सूक्ष्मता का सामाजिक परिवेश के अध्ययन हेतु पर्याप्त विकास हो सके ।

इस वर्ष विभाग में सम्पूर्ण विद्यापीठ के छात्रों के लिए नेट् (NET) कक्षा का २०.११.२०१४ से १२.१२.२०१४ आयोजन तक किया गया था। १३.०३.२०१५ को विभागीय सी.बी.सी.एस के तहत पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया । विभाग द्वारा 'पाश्चात्यकाव्यशास्त्रपरिशीलनम्' विषय पर २६.०३.२०१५ से २८.०३.२०१५ तक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । २६.०३.२०१५ को पं० मण्डनमिश्र स्मारकव्याख्यानमाला का आयोजन विभाग द्वारा हुआ था। दिनांक २८.०३.२०१५ को पं० वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला का भी आयोजन विभाग द्वारा किया गया था ।

साहित्य-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	21	04	01	--	--	--	--	--	03	01	--	--	30
शास्त्री द्वितीय वर्ष	22	--	--	--	01	--	--	--	01	--	--	--	24
शास्त्री तृतीय वर्ष	27	01	--	--	--	--	--	--	02	01	--	--	31
आचार्य प्रथम वर्ष	08	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	09
आचार्य द्वितीय वर्ष	12	03	--	01	--	--	--	--	02	--	--	--	18
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	06	03	--	02	--	--	--	--	01	01	--	--	13
कुल	96	11	01	03	01	--	--	--	10	03	--	--	125

साहित्य-विभागीय आचार्य

1. प्रो. शुकदेव भोइ — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. प्रो. भागीरथि नन्द — प्रोफेसर
3. प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी — प्रोफेसर
4. प्रो. रश्मि मिश्रा — प्रोफेसर
5. डॉ. सुमन कुमार झा — सहायक प्रोफेसर
6. डॉ. अरविन्द कुमार — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

पुराणेतिहास-विभाग

प्राचीन संस्कृत साहित्य में पुराणों का अत्यन्त महत्त्वपूर्ण स्थान है । इन्हें भारतीय संस्कृति, सभ्यता, राजनीति, भूगोल, इतिहास आदि का विश्वकोष कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी । समस्त शास्त्रों का मूल आधार पुराणों में विद्यमान है । अतः पुराणों का अध्ययन हर दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है । भारतीय परम्परा के अनुसार महापुराणों की संख्या १८ है । इनके एक–एक उपपुराण भी हैं । इन पुराणों के कर्त्ता महर्षि व्यास माने जाते हैं । पुराणों में मुख्यतः सृष्टि, प्रलय, राजवंशावलियाँ, मनुओं का काल तथा विभिन्न राजाओं का इतिहास वर्णित है । यही कारण है कि इसे पुराणेतिहास नाम से भी जाना जाता है ।

पुराणेतिहास-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	01	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य द्वितीय वर्ष	07	01	--	--	--	--	01	--	--	--	--	--	09
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	11	01	--	01	--	--	01	--	--	--	--	--	14

पुराणेतिहास-विभागीय आचार्य

1. प्रो. इच्छाराम द्विवेदी — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. शीतला प्रसाद शुक्ल — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

प्राकृत-विभाग

भारत की प्राचीन भाषाओं में प्राकृत का गौरवपूर्ण स्थान है । एक समय में यह बोल–चाल की भाषा भी थी । यही कारण है कि तत्कालीन दार्शनिकों ने अपने सिद्धान्तों का उपदेश इस भाषा के माध्यम से दिया, जिनमें जैनदर्शन के आचार्य प्रमुख थे । इस भाषा की प्रचुरता एवं सरलता–सरसता के कारण ही संस्कृत नाट्य शास्त्रकारों ने नाटक के जनसामान्य पात्रों के संवादों को इस भाषा में निबद्ध करने का निर्देश दिया, जिसका अनुपालन सभी नाट्यकारों ने किया । अतः प्राचीन धार्मिक सिद्धान्तों विशेष रूप से जैनदर्शन के सिद्धान्तों के मौलिक अध्ययन, संस्कृत नाटकों एवं प्राकृत काव्यों के अध्ययन के साथ–साथ भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्त्व सम्बन्धी अध्ययन के लिये यह विषय अत्यन्त उपयोगी है । अनेक शिलालेख, ताम्रपत्र लेख, प्राकृत भाषा में निबद्ध हैं । इस भाषा के व्यापक अध्ययन के लिये प्राकृत प्रकाश, प्रवचनसार, समयसार, नियमसार, गाथासप्तशती, पउमचरिउ, कर्पूरमञ्जरी आदि ग्रन्थों का अध्ययन किया जाता है ।

प्राकृत-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है-

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलाङ्ग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य प्रथम वर्ष	01	--	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल	01	--	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03

प्राकृत वाङ्मय व्याख्यानमाला

प्राकृतभाषा विभागीय 'आचार्य कुन्दकुन्द-स्मृतिव्याख्यानमाला' का तेरहवाँ (13) सत्र दिनाङ्क 25 फरवरी, 2015 ई. को सम्पन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता प्रो. राजाराम जैन ने की तथा मुख्यवक्ता प्रो. वृषभप्रसाद जैन, लखनऊ ने 'शौरसेनी प्राकृतभाषा और इसके साहित्य का भारतीय भाषाओं व उनके साहित्य पर प्रभाव' विषय पर 2 गम्भीर व्याख्यान प्रस्तुत किये। उसका विषयप्रवर्तन विभागाध्यक्ष एवं संयोजक प्रो. सुदीपकुमार जैन ने किया तथा कृतज्ञताज्ञापन डॉ. जयकुमार उपाध्ये ने किया।

प्राकृत- विभागीय आचार्य

1. प्रो. सुदीप कुमार जैन — प्रोफेसर
2. डॉ. जयकुमार एन. उपाध्ये — सह प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
3. डॉ. कल्पना जैन — सहायक प्रोफेसर

शास्त्रीय विषयों के साथ–साथ आधुनिक विषयों जैसे–हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं सङ्गणक विज्ञान का अध्ययन–अध्यापन किया जाता है ।

हिन्दी

1. डॉ. सविता — सह प्रोफेसर
2. डॉ. जगदेव कुमार शर्मा — सहायक प्रोफेसर

अंग्रेजी

1. डॉ. मीनू कश्यप — सह प्रोफेसर
2. डॉ. अभिषेक तिवारी — सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र

डॉ. प्रगति गिहार — सह प्रोफेसर

राजनीति विज्ञान

श्री केशव नारायण मिश्र — सहायक प्रोफेसर

संगणक विज्ञान

श्री आदेश कुमार — सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक- 26 फरवरी 2015 ई. को विभाग द्वारा 'प्राकृतभाषा और साहित्य की समसामयिक सन्दर्भों में महत्ता' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उसमें मुख्य अतिथि प्रो. वृषभप्रसाद जैन, लखनऊ रहे। उदघाटन सत्र की अध्यक्षता प्रभारी कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने की एवं विषयप्रवर्तन प्रो. सुदीप कुमार जैन ने किया।

इस एक दिवसीय संगोष्ठी में कुल 3 शैक्षणिक सत्र आयोजित हुए, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों के कुल 12 विद्वानों ने अपने गवेषणापूर्ण शोध-आलेख प्रस्तुत किये और उन पर परिचर्चा हुई। संगोष्ठी का प्रतिवेदन संयोजक प्रो. सुदीपकुमार जैन ने प्रस्तुत किया। इसके सहयोगी संयोजक डॉ. जयकुमार उपाध्ये रहे। यह संगोष्ठी कई दृष्टि में नये प्रतिमान स्थापित करने में सफल रही।

◆◆◆

III

दर्शन सङ्काय

दर्शन संकाय के अन्तर्गत आठ विषयों का अध्ययन–अध्यापन, सात विभागों में होता है। ये सात विभाग -- न्याय–वैशेषिक, सांख्ययोग, अद्वैतवेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदान्त, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, मीमांसा है। भारतीय सनातन ज्ञान की विविध परम्पराओं का अध्ययन–अध्यापन इस संकाय के अन्तर्गत सम्पन्न होता हैं । वस्तुतः भारतीय दार्शनिक विधाओं के सम्बन्ध में गहन अनुसंधान और समाजोपयोगी ज्ञान–निर्माण में इसके विभिन्न विभाग सतत प्रयत्नशील हैं । विभागों और इनकी कार्यविधि का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है–

न्याय-वैशेषिक-विभाग

न्याय–वैशेषिक–विभाग का प्रमुख उद्देश्य प्राचीनन्याय एवं नव्यन्याय के पाठ्यग्रन्थों का पारम्परिक अध्ययन एवं अध्यापन के माध्यम से संरक्षण एवं सम्वर्धन है। न्याय–वैशेषिक–विभाग में प्राचीन–न्याय एवं नव्य–न्याय, दो विषयों का अध्ययन–अध्यापन सविधि होता है।

प्राचीन-न्याय विषय का अध्ययन करने वाले छात्र मुख्य रूप से प्राचीन–न्यायदर्शन एवं वैशेषिक–दर्शन के प्रारम्भिक ग्रन्थों का अध्ययन करते हैं। प्राचीन न्याय का प्रथम ग्रन्थ "न्याय–सूत्र" है। इसके निर्माता महर्षि गौतम हैं। इस ग्रन्थ को आन्वीक्षिकी, न्यायविद्या, न्याय–दर्शन, न्याय–शास्त्र तथा तर्क–शास्त्र के नाम से भी जाना जाता है। इस दर्शन में सोलह पदार्थ या तत्त्व माने गये हैं :– प्रमाण, प्रमेय, संशय, प्रयोजन, दृष्टान्त, सिद्धान्त, अवयव, तर्क, निर्णय, वाद, जल्प, वितण्डा, हेत्वाभास, छल, जाति तथा निग्रहस्थान। इन पदार्थों का विशद विवेचन इस ग्रन्थ में किया गया है। न्यायशास्त्र के सम्बन्ध में महान् अर्थशास्त्री एवं राजनीतिज्ञ कौटिल्य का मानना है कि यह शास्त्र सभी विद्याओं को प्रकाशित करता है। प्रायः सभी न्यायदर्शन के ग्रन्थ इसी मूल ग्रन्थ पर आधारित हैं। वैशेषिक दर्शन का प्रथम ग्रन्थ वैशेषिक सूत्र है। इसके निर्माता महर्षि कणाद हैं। इस ग्रन्थ को काणाद–दर्शन, औलूक्य–दर्शन एवं वैशेषिक–दर्शन नाम से भी जाना जाता है। इस दर्शन में द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय एवं अभाव नामक सात पदार्थ माने गये हैं। इन्हीं पदार्थों का विशद विवेचन इस ग्रन्थ में है । इस दर्शन का नाम वैशेषिक दर्शन इसलिये पड़ा, क्योंकि इस दर्शन ने विशेष नाम का पदार्थ अलग से माना है। वैशेषिक–दर्शन के सभी ग्रन्थ इन्हीं सूत्रों पर आधारित हैं। अधुनातन अनेक भौतिक विज्ञान के सिद्धान्तों का मूल रूप, वैशेषिक दर्शन में मिलता है, इनमें परमाणु, गुरुत्वाकर्षण, प्रक्षेपण आदि के सिद्धान्त प्रमुख हैं। **"द्वित्वे च पाकजोत्पत्तौ विभागे च विभागजे यस्य न स्खलिता बुद्धिः तं वै वैशेषिकं विदुः।"** यह कथन स्पष्ट करता है कि इस दर्शन में द्वित्व सङ्ख्या, पाक से होने वाली उत्पत्ति एवं विभाग से उत्पन्न विभाग की विशेष चर्चा है। न्याय–दर्शन एवं वैशेषिक–दर्शन परस्पर एक दूसरे के विरोधी नहीं है इसलिये इन्हें समान–तन्त्र माना गया है। इन दोनों दर्शनों के अध्ययन से छात्रों में तार्किक क्षमता का विकास होता है तथा किसी भी विषय को युक्ति के आधार पर समझने की कला विकसित होती है।

इस दर्शन में सृष्टि का प्रारम्भ परमाणु से माना गया है। संसार के प्रमुख पँाच तत्त्वों :– पृथ्वी, जल, तेज, वायु एवं आकाश की वैज्ञानिक चर्चा यहाँ प्राप्त होती है। सृष्टि के आधार परमाणु की समीक्षा करते हुए न्यायवैशेषिक दर्शन में स्पष्ट कहा गया है –

जालान्तर्गते भानौ यत् सूक्ष्मं दृश्यते रजः। तस्य षष्ठतमो भागः परमाणुः स उच्यते।।

जब घर में झरोखे आदि से सूर्य की रश्मियाँ प्रवेश करती हैं तब इन रश्मियों के बीच उड़ते हुए जो छोटे–छोटे कण दिखाई पड़ते हैं इनका छठाँ भाग परमाणु कहा जाता है। यह परमाणु–सिद्धान्त प्रायः मूल रूप से अधुनातन वैज्ञानिकों के सिद्धान्तों से मिलता है। फलतः इस दर्शन का विशिष्ट ज्ञान भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में गम्भीर अनुसन्धान की दृष्टि से अत्यन्त उपादेय है।

नव्य–न्याय विषय का अध्ययन करने वाले छात्र प्रमुख रूप से 'तत्त्व–चिन्तामणि' नाम के ग्रन्थ का अध्ययन करते हैं। 'तत्त्व–चिन्तामणि' नव्य–न्याय का प्रथम ग्रन्थ है। इसके रचयिता आचार्य गङ्गेश उपाध्याय हैं। नव्य–न्याय, न्याय–सूत्र पर ही मूल रूप से आधारित है। न्यायदर्शन के प्रमाण, प्रमेय आदि सोलह पदार्थों का ही नव्य–न्याय के ग्रन्थों में विशिष्ट भाषा एवं शैली में आकर्षक–प्रतिपादन है। प्राचीन न्याय में प्रमेयों की चर्चा प्रधानता से की गयी है परन्तु नव्य–न्याय में प्रमाणों की चर्चा प्रमुख रूप से गङ्गेश उपाध्याय ने की है। नव्य–न्याय के ग्रन्थों की भाषा **प्रकारता, विशेष्यता, संसर्गता, प्रतियोगिता, अनुयोगिता, अवच्छेदकता, अवच्छेद्यता, निरूपकता–निरूप्यता, कारणता–कार्यता, प्रतिबन्धकता–प्रतिबध्यता, अधिकरणता–आधेयता, व्याप्यता–व्यापकता, विषयता–विषयिता** आदि विशिष्ट पारिभाषिक शब्दों से भरी है। इन शब्दों से बनी नव्य–न्याय की भाषा अध्येता को किसी भी पदार्थ के सूक्ष्म से सूक्ष्म रहस्य को सुस्पष्ट समझाने में अत्यन्त उपयोगी होती है।

नव्य–न्याय की भाषा अत्यन्त उन्नत है। इसलिये सभी शास्त्रों में विषय को सूक्ष्म रूप से सुस्पष्ट करने की दृष्टि से बाद के सभी समीक्षकों ने इस भाषा को सादर अपनाया है। संगणक के विशेषज्ञों ने इस भाषा को संगणक के लिये सर्वाधिक उपयोगी माना है। इस प्रकार नव्य–न्याय के अध्ययन से न्याय–दर्शन एवं वैशेषिक–दर्शन के अत्यन्त गूढ़ रहस्यों को समझने में जहाँ हम समर्थ होते हैं वहीं व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य आदि अन्य शास्त्रों के मर्म को भी भली–भाँति समझने समझाने की विलक्षण प्रतिभा भी अनायास प्राप्त कर लेते हैं। नव्य–न्याय के अध्ययन से हर प्रकार का अज्ञान दूर हो जाता है। बुद्धि निर्मल होती है। संस्कृत पदों के व्यवहार की शक्ति उत्पन्न होती है। शास्त्रान्तर के अभ्यास की योग्यता प्राप्त होती है। इस प्रकार तर्कशास्त्र में किया गया श्रम छात्रों का हर तरह से उपकार करता है।

यह आन्वीक्षिकी न्यायविद्या सुधीजनों के सभी प्रयोजनों को भी सिद्ध करने वाली है। सभी दर्शनों के विख्यात विद्वान् श्रीवाचस्पतिमिश्र न्यायभाष्य की व्याख्या करते हुए स्पष्ट कहते हैं–"**भाष्यकारास्तु नास्त्येतत्प्रेक्षावतां प्रयोजनं, यत्रान्वीक्षिकी न निमित्तं भवति**"। यह कथन न्याय–शास्त्र सभी के लिए उपादेय है यह सिद्ध करता है।

प्राचीन-न्याय-वैशेषिक-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
शास्त्री द्वितीय वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
शास्त्री तृतीय वर्ष	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
आचार्य प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल	10	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	10

नव्य न्याय विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		**अनुसूचित जाति**		**अनुसूचित जन जाति**		**विकलांग**		**अन्य पिछड़ा वर्ग**		**अल्पसंख्यक**		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य प्रथम वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	02	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03

प्राचीन-न्याय वैशेषिक एवं नव्य-न्याय-विभागीय आचार्य

1. प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. विष्णुपद महापात्र — सहायक प्रोफेसर
3. डॉ. महानन्द झा — सहायक प्रोफेसर
4. डॉ. रामचन्द्र शर्मा — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

साङ्ख्य-योग-विभाग

साङ्ख्य–योग का अध्ययन करने वाले छात्र प्रमुख रूप से साङ्ख्य दर्शन एवं योग–दर्शन के आधारभूत ग्रन्थों का अध्ययन करते हैं । साङ्ख्य–दर्शन का प्रथम ग्रन्थ महर्षि कपिल के द्वारा प्रणीत साङ्ख्य–सूत्र है । प्रसिद्ध आचार्य ईश्वरकृष्ण द्वारा रचित साङ्ख्यकारिका इस दर्शन का अत्यन्त प्रामाणिक ग्रन्थ है । इस दर्शन में कुछ पदार्थ केवल प्रकृति हैं, कुछ प्रकृति एवं विकृति हैं, कुछ मात्र विकृति हैं, तो कुछ न प्रकृति हैं और न ही विकृति । इस प्रकार साङ्ख्यदर्शन में स्वीकृत सभी पच्चीस पदार्थो को चार वर्गों में बाँटा गया है ।

कपिल द्वारा प्रणीत साङ्ख्यदर्शन में ईश्वर की सत्ता न होने से इसे निरीश्वर साङ्ख्य कहते हैं । इस दर्शन में प्रकृति, महत्तत्त्व, अहङ्कार, पाँच ज्ञानेन्द्रियाँ (घ्राण–रसना–चक्षु–त्वक्–श्रोत्र), पाँच कर्मेन्द्रियाँ (वाक्–पाणि–पाद–पायु–उपस्थ) मन, पाँच तन्मात्राएँ (गन्धतन्मात्रा–रसतन्मात्रा–रूपतन्मात्रा–स्पर्शतन्मात्रा–शब्दतन्मात्रा) एवं पाँच महाभूत (पृथ्वी–जल–तेज–वायु–आकाश) एवं पुरुष इस प्रकार कुल पच्चीस पदार्थ माने गये हैं । इन्हीं पदार्थो का अध्ययन इस दर्शन में कराया जाता है । योग–दर्शन का प्रथम ग्रन्थ महर्षि पतञ्जलि द्वारा प्रणीत 'योग–सूत्र' है । इस ग्रन्थ को पातञ्जल योगदर्शन के नाम से भी जाना जाता है । इस योग–दर्शन में साङ्ख्य दर्शन के ही सभी पच्चीस पदार्थ माने गये हैं, केवल पुरुष–विशेष के रूप में एक ईश्वर नाम का पदार्थ यहाँ अतिरिक्त स्वीकार किया गया है । इसीलिये योगदर्शन को सेश्वर साङ्ख्यदर्शन

भी कहा जाता है । इस दर्शन में मनुष्य की चित्त–वृत्तियों का निरोध कैसे सम्भव है यह विस्तार से बताया जाता है । प्रसङ्ग से यहाँ योगासनों एवं विभिन्न प्रकार की सिद्धियों का भी रमणीय विवेचन प्राप्त होता है। आज सम्पूर्ण विश्व का मानव योग के द्वारा अपने शरीर को स्वस्थ एवं दीर्घजीवी बनाने के लिये इस दर्शन का अध्ययन कर रहा है। 'नास्ति साङ्ख्यसमं शास्त्रं, नास्ति योगसमं बलम्' यह भारतीय मान्यता साङ्ख्य–योग के अप्रतिम महत्त्व को ही प्रदर्शित करती है ।

सांख्ययोग-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		**अनुसूचित जाति**		**अनुसूचित जन जाति**		**विकलांग**		**अन्य पिछड़ा वर्ग**		**अल्पसंख्यक**		
पाठ्यक्रम	**पु0**	**म0**	**पु0**	**म0**	**पु0**	**म0**	**पु0**	**म0**	**पु0**	**म0**	**पु0**	**म0**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
आचार्य प्रथम वर्ष	03	--	--	01	--	--	--	--	01	--	--	--	05
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
विद्यावारिधि	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
कुल	11	02	--	01	--	--	--	--	02	--	--	--	16

सांख्ययोग-विभागीय आचार्य

1. प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. रविशंकर शुक्ल — सहायक प्रोफेसर
3. डॉ. मारकण्डेय नाथ तिवारी — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

अद्वैत-वेदान्त-विभाग

अद्वैत–वेदान्त का अध्ययन करने वाले छात्र मुख्य रूप से 'ब्रह्मसूत्र' का अध्ययन करते हैं। अद्वैतवेदान्त का प्रथम ग्रन्थ 'ब्रह्मसूत्र' है। इसकी रचना महर्षि बादरायण ने की है । बादरायण को वेदव्यास के नाम से भी जाना जाता है । ब्रह्मसूत्र पर अनेक भाष्य लिखे गये हैं इसमें आद्यशङ्कराचार्य द्वारा लिखा गया शाङ्करभाष्य विश्वप्रसिद्ध है। इस अद्वैत वेदान्त को 'शाङ्करदर्शन' भी कहा गया है । **'वेदान्तो नाम उपनिषत् प्रमाणम्'** वेदान्त में 'उपनिषद्' को अर्थात् वेद–वाक्यों को परम प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाता है । अद्वैत वेदान्त चतुर्लक्षण हैं । वेदान्तशास्त्र के प्रथम अध्याय में यह बताया गया है कि समस्त वेदान्तशास्त्र का तात्पर्य ब्रह्म में समाहित है । इसीलिये इस अध्याय का नाम समन्वयाध्याय है । अविरोधाध्याय नामक द्वितीय अध्याय में साङ्ख्य आदि दर्शनों के तर्कों से उत्पन्न विरोधों का सयुक्तिक समाधान किया गया है । तृतीय अध्याय साधनाध्याय में ब्रह्मविद्या की सिद्धि की गयी है । अन्तिम अध्याय फलाध्याय है, जिसमें ब्रह्मविद्या का फल निर्दिष्ट है। इस शाङ्कर दर्शन में ब्रह्म ही एक सत्य है, सम्पूर्ण संसार ब्रह्म का विवर्त है, यही विभिन्न युक्तियों से समझाया गया है। यह दर्शन यदि ठीक से अध्येता हृदयङ्गम कर ले तो जीवन की अनेक विसङ्गतियों से छुटकारा पा सकता है तथा समाज में समता एवं एकता सुप्रतिष्ठित हो सकती है ।

अद्वैतवेदान्त-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य द्वितीय वर्ष	03	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
विशिष्टाचार्य	02	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
विद्यावारिधि	01	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	03
कुल	09	02	01	--	--	--	--	--	--	01	--	--	13

अद्वैत-वेदान्त-विभागीय आचार्य

1.	प्रो. एस.एन.रमामणि	प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2.	प्रो. शुद्धानन्द पाठक	प्रोफेसर
3.	डॉ. सतीश के.एस.	सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

विशिष्टाद्वैत-वेदान्त-विभाग

"यस्य पृथिवी शरीरं यस्यापः शरीरं यस्यात्मा शरीरम्" इस बृहदारण्यक श्रुति के द्वारा अवगत होता है कि चित् (चेतन जीव) एवं अचित् (जड़ प्रकृति पृथिव्यादि) शरीर से विशिष्ट आत्मा एक है, अद्वैत है, ऐसा निश्चित होता है । अतः उपनिषदादि प्रतिपाद्य केवल अद्वैत नहीं है, किन्तु चेतन एवं अचेतन से विशिष्ट ब्रह्म या ईश्वर अद्वैत है । जैसे लोक में शरीर एवं शरीरी आत्मा का परस्पर अत्यन्त भेद होने पर भी 'यह एक देवदत्त है' ऐसा जड़ एवं चेतन का विशिष्ट एकत्व का व्यवहार होता है, वैसे ही जड़ पदार्थ एवं जीवों का अनेकत्व होने पर भी एवं ब्रह्म से उन सबका भेद होने पर भी चित्–अचित् से विशिष्ट ब्रह्म एक है – अद्वैत है ऐसा विशिष्टाद्वैतवेदान्त का सिद्धान्त है । इस सिद्धान्त का मुख्य ग्रन्थ श्री बादरायण प्रणीत ब्रह्मसूत्र पर रामानुजाचार्य का "श्रीभाष्य" है, जिसके अध्ययन एवं श्रवण, मनन से जिज्ञासु छात्रगण विशिष्टाद्वैतवेदान्त को यथावत् समझकर अपने देवदुर्लभ मानवजीवन को धन्य एवं सफल बना सकते हैं ।

विशिष्टाद्वैत-वेदान्त-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
आचार्य प्रथम वर्ष	02	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	09
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विशिष्टाचार्य	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
विद्यावारिधि	01	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
कुल	08	08	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	16

विशिष्टाद्वैत-वेदान्त- विभागीय आचार्य

1. प्रो. केदार प्रसाद परोहा — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. के. अनन्त — सहायक प्रोफेसर
3. श्री सुदर्शनन्.एस. — सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

जैनदर्शन-विभाग

ऋषभदेव से लेकर महावीर पर्यन्त चौबीस अर्हन्त तीर्थङ्करों को 'जिन' कहते हैं । जिन के दर्शन को ही जैन दर्शन कहते हैं । जैनदर्शन के तत्त्वज्ञान को सूत्रशैली में प्रस्तुत करने वाला 'तत्त्वार्थ–सूत्र' आचार्य उमास्वामी के द्वारा लिखित एक अद्वितीय ग्रन्थ है । तत्त्वार्थ सूत्र में प्रस्तुत विषयों का ही विशद विवेचन प्रायः जैन–दर्शन के अन्य ग्रन्थों में भी किया गया है, जिनका अध्ययन–अध्यापन जैन–दर्शन विषय के अन्तर्गत होता है । हरिभद्र सूरि का 'षड्दर्शनसमुच्चय' एवं 'शास्त्रवार्त्तासमुच्चय' भी जैनदर्शन की मान्यताओं को समझने में अत्यन्त उपादेय हैं। जैन–दर्शन में जीव–अजीव–आस्रव–बन्ध–संवर– निर्जरा–मोक्ष ये सात तत्त्व माने गये हैं । इनका तात्त्विक विश्लेषण तत्त्वार्थ–सूत्र में सुलभ है । जैनदर्शन का अनेकान्तवाद या स्याद्वाद आज के आधुनिक युग में अनेक प्रकार की सामाजिक समस्याओं के उन्मूलन में अत्यन्त उपादेय है ।

जैन-दर्शन विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शास्त्री प्रथम वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	02
शास्त्री द्वितीय वर्ष	03	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
शास्त्री तृतीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	04	--	--	02	--	01	--	--	01	01	--	--	09
आचार्य द्वितीय वर्ष	--	02	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	03
विशिष्टाचार्य	01	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल	09	03	01	02	--	01	--	--	03	02	--	--	21

जैनदर्शन - विभागीय आचार्य

1. प्रो. वीर सागर जैन — प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
2. डॉ. अनेकान्त कुमार जैन — सहायक प्रोफसर
3. डॉ. कुलदीप कुमार — सहायक प्रोफसर

◆◆◆

सर्वदर्शन-विभाग

सर्वदर्शन दर्शनशास्त्र का सर्वाङ्गीण अध्ययन कराने वाला शास्त्र है। दर्शन का लक्ष्य निःश्रेयस् की प्राप्ति है। व्यक्ति का परम लक्ष्य भौतिक भी हो सकता है, आध्यात्मिक भी। दर्शनशास्त्र दोनों मार्गों का औचित्य बतलाते हुए कर्तव्याकर्तव्य, शुभाशुभ का दिशाबोध कराता है । अतः व्यक्ति के भौतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिये महत्त्वपूर्ण है ।

भारतीय दर्शन का आरम्भ वेदों से होता है, इसका उत्कर्ष उपनिषदों में मिलता है । कालान्तर में यथार्थ तत्त्व को अलग–अलग विश्लेषण के आधार पर समझाने की प्रक्रिया में सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त– इन षड्दर्शनों का एवं चार्वाक, जैन, बौद्ध, शैवादि दर्शन का अभ्युदय हुआ । इन सभी दर्शनों ने अपने–अपने विचारों को सूत्र–शैली में प्रस्तुत किया, जो तत्तत् दर्शनों के सूत्र–ग्रन्थों के नाम, जैसे– साङ्ख्यसूत्र, योगसूत्र, न्यायसूत्र, मीमांसासूत्र आदि से प्रसिद्ध हैं । सर्वदर्शन विषय में इन सभी दर्शनों का अध्ययन उनके आधारभूत सूत्रग्रन्थों एवं भाष्यग्रन्थों के माध्यम से करवाया जाता है । साथ ही समकालीन दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन का संक्षिप्त ज्ञान भी दिया जाता है ।

सर्वदर्शन-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री द्वितीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री तृतीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
आचार्य प्रथम वर्ष	02	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	03
आचार्य द्वितीय वर्ष	07	01	--	--	--	--	--	--	01	01	--	--	10
विशिष्टाचार्य	01	02	01	--	--	--	--	--	01	01	--	--	06
विद्यावारिधि	05	02	--	--	--	--	--	--	02	01	--	--	10
कुल	16	05	01	01	--	--	--	--	04	03	--	--	30

सर्वदर्शन- विभागीय आचार्य

1.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	प्रोफेसर
2.	डॉ. संगीता खन्ना	सह प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्षा
3.	डॉ. प्रभाकर प्रसाद	सहायक प्रोफेसर
4.	डॉ. जवाहर लाल	सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

मीमांसा-विभाग

'पूजितविचारवचनो मीमांसाशब्दः' मीमांसा शब्द का अर्थ पूजित विचार होता है । **''कर्मेति मीमांसकाः''** इस वचन के अनुसार मीमांसा में कर्म को ही ईश्वर माना गया है । मीमांसा का प्रथम ग्रन्थ 'जैमिनि–सूत्र' है इसे द्वादशलक्षणी नाम से भी जाना जाता है । इस दर्शन में द्वादश अध्याय हैं । इस मीमांसा दर्शन के प्रवर्तक महर्षि जैमिनि हैं । धर्म का क्या लक्षण है एवं धर्म में क्या प्रमाण है? यही समझाने के लिये इस ग्रन्थ की रचना हुई है । इसलिये इस दर्शन का प्रथम सूत्र – **'अथातो धर्मजिज्ञासा'** (जै.सू.१/१/१) है । इस शास्त्र में अनेक अधिकरण हैं, जिनके आधार पर धर्म या मानव–कर्त्तव्य याग आदि का विचार होता है । अधिकरण में पाँच अवयव या भाग होते हैं – विषय, संशय, पूर्वपक्ष, सिद्धान्त एवं सङ्गति ।

मीमांसा-विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है–

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**पु०**	**म०**	**कुल**
शास्त्री प्रथम वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
शास्त्री द्वितीय वर्ष	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
शास्त्री तृतीय वर्ष	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
आचार्य प्रथम वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	02	--	--	--	05
आचार्य द्वितीय वर्ष	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
विशिष्टाचार्य	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
विद्यावारिधि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
कुल	09	--	--	--	--	--	--	--	02	--	--	--	11

मीमांसा- विभागीय आचार्य

डॉ. ए.एस. आरावमुदन् सहायक प्रोफेसर

◆◆◆

IV

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग विद्यापीठ की एक महत्त्वपूर्ण अंग है। वर्तमान समय में, पारम्परिक एवं आधुनिक ज्ञान से सम्बद्ध सदस्य संकाय में हैं। विभाग का विज़न संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण-अधिगम प्रणालियों मे सामर्थ्य विकसित करने हेतु प्रतिबद्ध), कुशल एवं आत्मविश्वास युक्त सशक्त अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षक तैयार करना है, जिसके लिए विभाग द्वारा शिक्षाशास्त्री (बी.एड), शिक्षाचार्य (एम.एड.), विशिष्टाचार्य(एम.फिल) एवं विद्यावारिधि(पी-एच.डी.) पाठ्यक्रमों का अध्यापन किया जाता है। शिक्षाशास्त्री, शिक्षाचार्य एवं विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश अखिल भारतीय संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आधार पर किया जाता है जो तीन संस्कृत विश्वविद्यालयों श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली, रा.सं.संस्थान, नई दिल्ली एवं रा.सं.विद्यापीठ तिरूपति द्वारा रोटेशनल आधार पर आयोजित की जाती है।

शिक्षाशास्त्रविभाग का ध्येय संस्कृत शिक्षणशास्त्र पर केन्द्रित शिक्षण अधिगम प्रणालियों का प्रभावी नियोजन, अभिकल्पन एवं क्रियान्वयन करना है साथ ही संस्कृत शिक्षणशास्त्र के अनुक्षेत्र में नवाचारी कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना एवं संस्कृत शिक्षा पर केन्द्रित शोध में अन्तर्विद्यापरक उपागम को बढ़ावा देना इस ध्येय का केन्द्रबिन्दु है। शिक्षण हेतु विभाग में उत्तम भौतिक एवं अनुदेशनात्मक सुविधायें उपलब्ध हैं। तीन प्रयोगशालाओं यथा-भाषा, मनोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के साथ-साथ विभागीय पुस्तकालय, संसाधन कक्ष, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, कला कक्ष तथा संगोष्ठी कक्ष से विभाग समुन्नत है। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ अध्यापक अध्ययन अध्यापन में अपना विशिष्ट योगदान दे रहे हैं। शिक्षाशास्त्री के छात्रों को विद्यालयीय स्तर पर शिक्षण हेतु प्रशिक्षित किया जाता है। इन्हें विद्यालय में पढ़ाये जाने वाले संस्कृत भाषा एवं प्राचीन विषयों यथा-साहित्य, दर्शन एवं ज्योतिष के साथ-साथ आधुनिक विषयों के शिक्षण हेतु तैयार किया जाता है। कम्प्यूटर विषय का अध्ययन भी कराया जाता है। शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न शिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया जाता है। शिक्षाचार्य के विद्यार्थियों द्वारा प्राचीन भारतीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के विविध पक्षों एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य में विद्यालयीय समस्याओं, शैक्षिक प्रबन्धन, शिक्षा की वर्तमान नीतियों, विशिष्ट शिक्षा, शिक्षा के दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक पक्षों, नवाचारी शिक्षण तथा शिक्षण अधिगम की दृष्टि से भारतीय साहित्य से सम्बन्धित विषयों पर लघुशोध प्रबन्ध किये जाते हैं।

विशिष्टाचार्य पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को विद्यावारिधि/शोध कार्य (शिक्षाशास्त्र) हेतु तैयार किया जाता है। विद्यावारिधि के विद्यार्थी पारम्परिक एवं आधुनिक शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित शोध कार्य करते हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों का विवरण निम्न तालिका में दिया गया है:-

	सामान्य		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जन जाति		विकलांग		अन्य पिछड़ा वर्ग		अल्पसंख्यक		
पाठ्यक्रम	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	पु०	म०	कुल
शिक्षाशास्त्री	118	36	15	14	03	06	03	--	35	24	01	01	256
शिक्षाचार्य	20	04	01	02	--	--	--	--	04	01	--	--	32
विशिष्टाचार्य	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
विद्यावारिधि	11	01	--	01	--	--	--	--	05	01	--	--	19
कुल	153	41	16	17	03	06	03	--	44	26	01	01	311

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय के आचार्य

1. प्रो. नागेन्द्र झा - प्रोफेसर
2. प्रो. भास्कर मिश्र - प्रोफेसर
3. प्रो. रमेश प्रसाद पाठक - प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
4. डॉ. के. भारतभूषण - सह प्रोफेसर
5. डॉ. सदन सिंह - सह प्रोफेसर
6. डॉ. रचना वर्मा मोहन - सह प्रोफेसर
7. डॉ. रजनी जोशी चौधरी - सहायक प्रोफेसर
8. डॉ. कुसुम यदुलाल - सहायक प्रोफेसर
9. डॉ. मीनाक्षी मिश्र - सहायक प्रोफेसर
10. डॉ. विमलेश शर्मा - सहायक प्रोफेसर
11. डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज - सहायक प्रोफेसर
12. डॉ. एम.जयकृष्णन् - सहायक प्रोफेसर
13. श्री मनोज कुमार मीणा - सहायक प्रोफेसर

संकाय की गतिविधियाँ

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय एक प्रशिक्षण विभाग होने के कारण अनेक गतिविधियों का आयोजन करता है, जो कि विद्यार्थियों में मूल्यों का विकास तथा व्यावसायिक नैतिकता विकसित करने के लिये आवश्यक समझा जाता है ।

क. द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

1) शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 30.03.2015 से 31.03.2015 तक **"अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियां"** विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय प्रमुख प्रो. भास्कर मिश्र की अध्यक्षता में किया गया।

2) द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम निर्माण हेतु 2 एवं 3 फरवरी 2015 को बाह्य विशेषज्ञों के निर्देशन में द्विदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विभागीय अध्यापकों ने सहभागिता की।

3) द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम को अन्तिम स्वरूप प्रदान करने हेतु पाँच दिवसीय कार्यशाला दिनांक 10 से 14 फरवरी, 2015 को बाह्य विशेषज्ञों के सान्निध्य में विभाग द्वारा आयोजित की गई।

गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी विभाग द्वारा अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जो निम्न प्रकार है-

i **सत्र-प्रारम्भ**

सत्र का प्रारम्भ 1 जुलाई, 2014 को हुआ तथा प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की गयी ।

ii **विद्यार्थियों का अभिविन्यास कार्यक्रम**

01 अगस्त, 2014 को नये सत्र का औपचारिक उद्घाटन संकायाध्यक्ष प्रो. भास्कर मिश्र द्वारा किया गया तथा अध्यापकों द्वारा बी.एड्. एवं एम.एड्. के विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम से सम्बधित जैसे सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र, शिक्षण अभ्यास तथा सत्रीय कार्यों के बारे में बताया गया। विभाग के सभी शिक्षकों ने उनके द्वारा पढ़ाये जाने वाले विषयों के बारे में भी चर्चा की । एम.एड्. और एम.फिल. के विद्यार्थियों को भी उनके विभिन्न प्रश्न-पत्रों के विषय में उनके शिक्षकों द्वारा अभिमुख किया गया। सभी वैकल्पिक विषयों को उनके समक्ष परिचयात्मक रूप में प्रस्तुत किया गया, जिससे विद्यार्थी बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से अपने वैकल्पिक विषय का चयन कर सकें। लघु-शोध प्रबन्ध के लिये विषयों का चयन करने हेतु एक अलग अभिविन्यास कार्यक्रम किया गया ।

ख. शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) की गतिविधियाँ

i. **प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण-** प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिक्षाशास्त्री के छात्र-छात्राओं के लिए पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है । दिनांक 19.01.2015 से 29.01.2015 के दौरान भी यह प्रशिक्षण शिक्षाशास्त्री के छात्र-छात्राओं को में दिया गया । इस प्रशिक्षण में आठ व्याख्यानों के माध्यम से सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक ज्ञान के अन्तर्गत परीक्षा के आधार पर छात्र-छात्राओं को 'दिल्ली रेडक्रास' द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये ।

ii. संस्कृत सम्भाषण शिविर- **संस्कृत विश्वविद्यालय में शिक्षण की आवश्यकता को देखते हुए, शिक्षाशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों के लिये दिनांक २५.०८.२०१४ से ०८.०९.२०१४ तक संस्कृत सम्भाषण कक्षाओं का आयोजन किया गया ।**

iii. **शैक्षिक पर्यटन** - शिक्षाशास्त्री छात्रों में वास्तविक-ज्ञान विकास एवं प्रकृति पर्यवेक्षण अभिवृद्धि, संगठनात्मक तथा प्रबन्धन कौशल विकास करने के लिये प्रतिवर्ष विभाग द्वारा शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है ।

iv. **सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम** - छात्राध्यापकों को स्कूलों में प्रशिक्षण अभ्यास शुरु करने से पूर्व सूक्ष्म प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षित किया गया । इस वर्ष सूक्ष्म शिक्षण कार्यक्रम दिनांक 08.10.2014 से 16.10.2014 तक सम्पन्न कराया गया ।

v. **शिक्षणाभ्यास हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम**- दिनांक 16.10.2014 को बी.एड्. के प्रशिक्षणार्थियों के लिए एक दिन का अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

vi. **शिक्षण अभ्यास** - बी.एड्. के प्रशिक्षणार्थियों ने 17.10.2014 से 15.12.2014 तक दिल्ली के सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में जाकर संस्कृत तथा अन्य आधुनिक विषयों में 40 पाठों का अध्यापन किया ।

vii. **फाउण्डेशन कोर्स** - विद्यापीठ के महिला अध्ययन केन्द्र के निर्देशन में शिक्षाशास्त्री के छात्रों को लैंगिक संवेदीकरण तथा तात्कालिक नारी सन्दर्भित मुद्दों के बारे में फाउण्डेशन कोर्स दिनांक 27.01.2015 से 10.02.2015 तक कराया गया ।

viii. **स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण** - स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण शिक्षाशास्त्री के छात्र-छात्राओं के लिये पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है । यह प्रशिक्षण दिल्ली राज्य भारत स्काउट एवं गाइड की ओर से उनके कैम्पिंग ग्राउण्ड में दिया जाता है। प्रारम्भिक प्रशिक्षण डे कैम्प के रूप में होता है । सत्र 2014-2015 में भी यह प्रशिक्षण दिनांक 19.12.2014 से 25.12.2014 तक शिक्षा शास्त्री के छात्रों को भारत सरकार स्काउट कैम्प द्वारा न्यू अशोक नगर तथा सेक्टर-15, नोएडा में दिया गया । प्रशिक्षण के अन्तिम दिन प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट एवं गाइड आन्दोलन अधिकारियों की ओर से प्रशिक्षण संबंधित प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये ।

(ix) **शिक्षाशास्त्री छात्रों की अन्तर्विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां-**

(i) **रामानुजन कॉलेज ऑफ एजूकेशन-पलवल, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक ।**

पाठयोजना प्रस्तुतीकरण (संस्कृत)-

संजय सैनी	(शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**प्रथम स्थान**
सुमन्त	(शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
अभय	(शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**तृतीय स्थान**

निबन्ध लेखन (संस्कृत)- अजय मोहन गौड़ (शिक्षाशास्त्री द वर्ग) **द्वितीय स्थान**

(ii) **बालाजी कॉलेज ऑफ एजूकेशन-वल्लभगढ़, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक।**

सूक्ष्म शिक्षण प्रतियोगिता - संजय सैनी (शिक्षाशास्त्री द वर्ग) **तृतीय स्थान**

(ग) शिक्षाचार्य (एम.एड्.) की गतिविधियाँ

i. **कक्षा-संगोष्ठी** - एम.एड्. के विद्यार्थियों के लिये प्रथम सेमेस्टर में प्रत्येक सप्ताह एक कक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया । संगोष्ठी हेतु विषयों की घोषणा एक सप्ताह पूर्व की जाती है। प्रत्येक विद्यार्थी को पूरे सत्र में कुल तीन पत्र प्रस्तुत करने होते हैं । संगोष्ठी से सम्बन्धित सभी कार्य जैसे संयोजन, प्रतिवेदन लेखन, संगोष्ठी व्यवस्था तथा धन्यवाद ज्ञापन इत्यादि विद्यार्थियों के द्वारा ही किया जाता है ।

ii. **सत्रीय कार्य** - प्रत्येक वर्ष शिक्षाचार्य (एम.एड्.) के विद्यार्थियों द्वारा पूरे सत्र में कई कार्यक्रम सम्पन्न किये जाते हैं । इस वर्ष भी शिक्षाचार्य (एम.एड्.) छात्रों द्वारा उनके पाठ्यक्रमानुसार दोनों सत्रों में सत्रीय कार्य सम्पन्न किये गये ।

iii. **शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.) के विद्यार्थियों का निरीक्षण**- अन्य वर्षों की भाँति इस वर्ष भी एम.एड्. के विद्यार्थियों को प्रथम सेमस्टर में बी.एड्. के विद्यार्थियों के निरीक्षण के शिक्षण कार्य के लिये अलग-अलग विद्यालयों में भेजा गया । प्रत्येक सप्ताह एक दिन निरीक्षण करने के पश्चात् सभी विद्यार्थियों ने अपना-अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया ।

iv. **मनोविज्ञान परीक्षण एवं प्रयोग** - एम.एड्. के छात्रों द्वारा द्वितीय सेमेस्टर में चार मनोवैज्ञानिक परीक्षणों तथा प्रयोगों को सम्पन्न कर लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया ।

v. **आंकड़ों का संग्रहण**- विद्यालयों में बी.एड्. के विद्यार्थियों के निरीक्षण के साथ-साथ एम.एड्. के विद्यार्थियों ने अपने लघु-शोध प्रबन्ध से सम्बन्धित आंकड़ों का संग्रहण, अपने विषयानुसार विभिन्न विद्यालयों से किया ।

(घ) विभागीय प्रकाशन - विभाग द्वारा 2014-15 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिका तथा विभागीय पत्रिका 'शिक्षा ज्योति' का प्रकाशन किया गया ।

(ङ) खेलकूद प्रतियोगितायों में शिक्षाशास्त्री छात्रों की उपलब्धियां

(i) **100 मीटर धावन प्रतियोगिता (छात्र वर्ग)-**

	बलदेव (शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**द्वितीय स्थान**

(ii) **100 मीटर धावन प्रतियोगिता(छात्रा वर्ग)-**

	शालिनी गुप्ता(शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	ज्योति शर्मा (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
	मन्दाकनी मोहन्ती (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**तृतीय स्थान**

(iii) **200 मीटर धावन प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग)-**

	मन्दाकनी मोहन्ती (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	तरूलता (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**द्वितीयस्थान**
	ज्योति शर्मा (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**तृतीय स्थान**

(iv) **400 मीटर धावन प्रतियोगिता (छात्र वर्ग)-**

	सुमन्त कुमार (शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	गुलाब सिंह (शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**तृतीय स्थान**
	पन्ना लाल (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**तृतीय स्थान**

(iv) **100x4 रीले (छात्रा वर्ग)**	शालिनी(शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	वाणी (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	मन्दाकनी मोहन्ती(शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	ज्योति (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**

(v) **400 मीटर धावन प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग)-**

	पिंकी निशा (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	तरूलता (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**द्वितीय स्थान**

(vi) **1500 मीटर धावन प्रतियोगिता (छात्र वर्ग)-**

	रामतीर्थ सिंह (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	बलदेव (शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**द्वितीय स्थान**

	पन्ना लाल (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**तृतीय स्थान**
(vii) म्यूजिकल चेयर (छात्रा वर्ग)-		
	मन्दाकनी एवं तरूलता (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	रीतांजली (शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
(vii) गोला फेक प्रतियोगिता (छात्र वर्ग)-		
	प्रेम चन्द (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	धर्मराज मलिक (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
(viii) गोला फेक प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग)-		
	अर्चना (शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	शालिनी (शिक्षाशास्त्री स वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
(x) चक्का फेंक प्रतियोगिता (छात्रा वर्ग)-		
	अर्चना (शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
	मंदाकनी (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**तृतीय स्थान**
(xi) लम्बी कूद (छात्र वर्ग)	रामवीर शर्मा (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
(xii) लम्बी कूद (छात्रा वर्ग)	तरूलता (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**प्रथम स्थान**
	मंदाकनी (शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
	ज्योति शर्मा(शिक्षाशास्त्री ब वर्ग)	**तृतीय स्थान**
(xiii) योग (छात्र वर्ग)	प्रेमचन्द (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**तृतीय स्थान**
(xiv) योग (छात्रा वर्ग)	आरती (शिक्षाशास्त्री द वर्ग)	**द्वितीय स्थान**
(xv) बैडमिन्टन	पिंकी निशा (शिक्षाशास्त्री अ वर्ग)	**प्रथम स्थान**

९. छात्र कल्याण संकाय

शैक्षणिक सत्र 2014-15 में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ की छात्रकल्याण संकायाध्यक्षा प्रो. कमला भारद्वाज के प्रशस्त मार्ग निर्देशन में छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने के लिए बहुविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के निर्देशों का अनुपालन करते हुए विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। विद्यापीठीय स्तर पर सद्भावना मार्च, अन्तर्राष्ट्रीय छात्र दिवस, सृजनात्मक लेखन, संस्कृत गान, वाद-विवाद, आशु भाषण आदि शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में छात्रों ने सोत्साह भाग लिया तथा अपनी बहुविध प्रतिभा का परिचय दिया। राष्ट्रिय स्तर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शलाका प्रतियोगिताओं के लिये राज्यस्तरीय प्रतियोगियों के चयन का दायित्व भी छात्र कल्याण संकाय ने वहन किया। छात्रों को शास्त्र संरक्षण के साथ-साथ व्यावहारिकता का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु छात्र-संसद एवं सुशासन दिवस सदृश व्यावहारिक विषयों से सम्बद्ध आयोजन भी किये गये। समस्त सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में संस्कृत एवं अन्यान्य मातृभाषाओं के सम्बन्ध का माहात्म्य प्रतिपादित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में मातृभाषा गायन, संस्कृत का मातृभाषा में अनुवाद, निबन्ध लेखन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

संकाय का विशिष्ट दायित्व है छात्रों की समस्याओं को सुनना, सामान्य विशिष्टाचार एवं व्यावहार को सुधारना तथा छात्रों के पारस्परिक संबन्धों में सांस्कारिक परिष्कार करना, इस दिशा में संकाय का सतत प्रयास रहा है कि छात्रों के शैक्षणिक व सांस्कृतिक शिक्षण के साथ-साथ शास्त्र व संस्कृति संरक्षण की प्रवृत्ति का भी विकास हो।

१०. शोध एवं प्रकाशन-विभाग

संस्कृत वाङ्मय की प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, सम्पादन, प्रकाशन, और अनुसन्धान हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग का गठन किया गया है । इस विभाग द्वारा त्रैमासिक शोध-पत्रिका का सम्पादनएवं प्रकाशन किया जाता है। विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित होने वाली शोधपत्रिका 'शोधप्रभा' में संस्कृत के उद्‌भट विद्वानों के साथ-साथ नये अनुसन्धानकर्त्ताओं के शोधपत्र प्रकाशित किये जाते हैं साथ ही इस विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न विषयों पर शोधगोष्ठियों, परिचर्चाओं, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का भी आयोजन किया जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा शोध के सम्बन्ध में घोषित विनियम, 2009 के क्रियान्वयन हेतु इस विभाग द्वारा अनुसन्धान प्रविधि सम्बन्धी शिक्षण कार्य एवं शोधछात्रों के चयन का भी कार्य किया जाता है ।

शोध-प्रकाशन विभाग द्वारा वर्ष 2014-15 सत्र में जिन प्रमुख कार्यों का निष्पादन किया गया, उनका विवरण निम्नलिखित है-

(१) विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में शोधच्छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया

विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली एवं राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की संयुक्त विद्यावारिधि प्रवेश परीक्षा दिनांक 19 जुलाई, 2014 को आयोजित की गई जिसमें उत्तीर्ण, विशिष्टाचार्य उत्तीर्ण तथा नेट, जे.आर. एफ. उत्तीर्ण छात्रों के मार्ग निर्देशन एवं विषय निर्वाचन हेतु सम्बद्ध विभागीय शोध समितियों द्वारा संस्तुत शोध संक्षिप्तिकाओं के समीक्षणार्थ शोध प्रकाशन विभागाध्यक्ष के संयोजकत्व में शोध-मण्डल का उपवेशन दिनांक 5,6,9 एवं 12 जनवरी, 2015 को किया गया। शोध मण्डल की बैठक माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।

प्रत्येक शोधच्छात्र के साक्षात्कार में शोध मण्डल के सदस्यों के अतिरिक्त सम्बन्धित विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहे। शोध मण्डल द्वारा संस्तुत छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण की गयी । सत्र 2014-15 में 88 छात्रों को प्रवेश हेतु संस्तुत किया गया, जिसमें से कुल 84 छात्रों ने विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया ।

(२) विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम का सञ्चालन-

विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम जनवरी-जून, 2015 का शुभारम्भ दिनांक 09.02.2015 को प्रो. नागेन्द्र झा जी की अध्यक्षता में, प्रो. इच्छाराम द्विवेदी जी के मुख्यातिथित्व में प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी के व्याख्यान से हुआ, जिसका संचालन शोधसहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक ने किया। उक्त सत्रीय पाठ्यक्रम को दो वर्गों में विभक्त कर 'अ' वर्ग में दर्शन एवं आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय तथा 'ब' वर्ग में साहित्य संस्कृति एवं वेदवेदांग संकाय के छात्रों का निम्नलिखित विद्वानों ने विभिन्न विषयों का अध्यापन कार्य किया-

1	प्रो. प्रेमकुमार शर्मा	वैदिक शोधसर्वेक्षण
2	डॉ. रमेश प्रसाद पाठक	शिक्षाशास्त्रीय शोधसर्वेक्षण
3	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	शोधप्रविधि
4	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	दर्शनशास्त्रीय शोधसर्वेक्षण
5	प्रो. सुदीप कुमार जैन	शिलालेख
6	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	साहित्यशास्त्रीय शोधसर्वेक्षण
7	डॉ. ज्ञानधर पाठक	पाण्डुलिपिविज्ञान
8	श्री जितेन्द्र कुमार	संगणकसम्प्रयोग

नियतकार्य एवं शोधसंगोष्ठी की कक्षा का संचालन शोध-प्रकाशन विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय एवं शोध सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक द्वारा किया गया ।

(३) विशिष्टाचार्य (एम.फिल्.) पाठ्यक्रम में शोधच्छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया एवं संचालन

इस वर्ष विद्यापीठ द्वारा विशिष्टाचार्य (एम. फिल्.) पाठ्यकम में प्रवेश हेतु दिनांक **१५.६. २०१४ एवं १४.७.२०१४** को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई, उसमें से 52 छात्रों ने सफलता प्राप्त की तथा 33 छात्रों ने प्रवेश पाठ्यकम में प्रवेश लिया। विशिष्टाचार्य पाठ्यकम का शुभारम्भ विद्यापीठ के प्रभारी कुलपति प्रो. भास्कर मिश्र के सान्निध्य में शोध-प्रकाशन विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में शोधसहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक के संयोजकत्व में अमेरिका के दक्षिण एशिया अध्ययन विभाग कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रो. अलेक्स वाट्सन के मुख्य वक्तृत्व में दिनांक 11.08.2014 को किया गया। उक्त सत्रीय पाठ्यकम में शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपिविज्ञान का अध्यापन प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया तथा पाण्डुलिपिविज्ञान की कक्षाएँ डॉ. ज्ञानधर पाठक ने ली ।

(४) शोध संगोष्ठियों का आयोजन

शोधच्छात्रों की सप्ताह में दो दिन शोध संगोष्ठी आयोजित की गई । यह संगोष्ठी विद्यावारिधि सत्रीय पाठ्यक्रम की समयसारिणी के अनुसार अध्यक्ष, शोध-प्रकाशन विभाग एवं शोध सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक द्वारा संयुक्त रूप से सञ्चालित की गई। इन शोधसंगोष्ठियों में शोधच्छात्रों ने अपने सम्बन्धित शोधविषय से पत्र प्रस्तुत किये, जिनपर उपस्थित शोधच्छात्रों ने परिचर्चा की।

(५) शोध प्रविधि प्रशिक्षण राष्ट्रीय कार्यशाला

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के शोध- प्रकाशन विभाग द्वारा ''शोध प्रविधि प्रशिक्षण राष्ट्रीय कार्यशाला'' का आयोजन दिनाङ्क 11/02/15 से 19/02/15 तक किया गया। कार्यशाला में निम्नलिखित 9 विद्वानों ने अधोलिखित विषयों पर व्याख्यान एवं प्रशिक्षण किया।

दिनांक	प्रशिक्षणकर्त्ता का नाम	विषय
11.02.2015	प्रो. गयाचरण त्रिपाठी	शोध में ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
12.02.2015	डॉ. विजय शंकर शुक्ल	पाण्डुलिपियों की उपलब्धता एवं

		उनका सूचीकरण
13.02.2015	प्रो. चाँद किरण सलूजा	शोधस्य सोपानानि
13.02.2015	डॉ. के. लक्ष्मीनरसिंहन्	अन्तर्जालस्य शोधे उपयोगविधय:
16.02.2015	डॉ. रवीन्द्र वशिष्ठ	लिपियों का उद्भव एवं विकास
17.02.2015	प्रो. उपेन्द्र राव चौधरी	समीक्षापद्धति:
18.02.2015	प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी	शोधसर्वेक्षणप्रविधि:
19.02.2015	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	पाण्डुलिपिसम्पादपद्धति: पाठनिर्धारणप्रक्रिया च
19.02.2015	डॉ. रत्नमोहन झा	शोधप्रबन्धलेखनप्रविधि:

कार्यशाला का उद्घाटन शोध-प्रकाशन विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी अध्यक्षता में प्रो0 हरेराम त्रिपाठी जी के सारस्वतातिथित्व में एवं प्रो0 गयाचरण त्रिपाठी के मुख्यातिथित्व में सम्पन्न हुआ। समस्त कार्यशाला के व्याख्यान सारस्वत साधना सदन के कक्ष सं. 301 में सम्पन्न हुए।

उक्त कार्यशाला का संयोजन शोध-प्रकाशन विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी ने किया, जिसका संचालन डॉ. ज्ञानधर पाठक ने किया।

(६) शोधप्रभा पत्रिका का सम्पादन एवं प्रकाशन

शोधप्रभा परामर्शदात्री समिति एवं शोधप्रभा सम्पादक मण्डल के द्वारा प्रकाशनार्ह तथा समीक्षक विद्वानों द्वारा संस्तुत निर्दिष्ट निबन्धों एवं उनके सुझावों के अनुसार शोध एवं प्रकाशन विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय जी द्वारा पत्रिका का सम्पादन किया गया, जिसके सम्पादन में सहयोग सहसम्पादक विभाग के अनुसन्धान सहायक डॉ. ज्ञानधर पाठक ने किया।

(७) ग्रन्थ सम्पादन एवं प्रकाशन

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण के निमित्त विद्यापीठ द्वारा इस वर्ष निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया-

1. जैमिनी न्यायमाला द्वितीयाध्याय
2. प्राकृतभाषा अभिलेख
3. अध्यापकशिक्षा का बदलता परिदृश्य
4. अध्यापकशिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ
5. शोधप्रभा अक्टूवर, 2013
6. शोधप्रभा जनवरी, 2014
7. शोधप्रभा अप्रैल, 2014
8. शोधप्रभा जुलाई, 2014
9. विद्यापीठ पंचांग 2072
10. वास्तुशास्त्रविमर्श सप्तम पुष्प
11. भैषज्यज्योतिषमंजूषा भाग-3

(८) विक्रय

विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित ग्रन्थों, शोधप्रभा, पञ्चाङ्ग, भैषज्य ज्योतिष मंजूषा एवं वास्तुशास्त्रविमर्श के विक्रय के साथ साथ मन्त्रालय के पुनर्मुद्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत मुद्रित ग्रन्थ भी बेचे जाते हैं, तथा शोधप्रभा की वार्षिक सदस्यता भी सदस्यों से प्राप्त की जाती है। इस वर्ष मन्त्रालय प्रकाशन की कुल विक्रय राशि रू. **२१,४५५**/-तथा विद्यापीठ प्रकाशन, पंचांग एवं शोधप्रभा सदस्यता एवं विक्रय की कुल राशि रू. **१,३८,८३३**/- प्राप्त हुई।

(९) विशिष्ट व्याख्यान-

१) दिनांक 19.05.2014 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्रो. सदाशिव द्विवेदी द्वारा पदकोश निर्माण पद्धति विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया ।

२) दिनांक 09.07.2014 को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के विश्वधर्म अध्ययन केन्द्र के मनोचिकित्सक डॉ. आर. परमेश्वरन् द्वारा चिकित्सा में आध्यात्मिकता की भूमिका विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया ।

३) दिनांक 11.08.2014 को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के दक्षिणी एशिया अध्ययन विभाग के प्रो. अलेक्स वाटसन द्वारा अमेरिका में संस्कृत अध्ययन की दृष्टि विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया ।

(१०) पाण्डुलिपि संग्रहालय

विद्यापीठ में पाण्डुलिपि संग्रहालय है, जिसमें विभिन्न विषयों से सम्बन्धित 1697 पाण्डुलिपियाँ हैं । ये पाण्डुलिपियाँ संस्कृत साहित्य के विभिन्न शाखाओं- वेद, उपनिषद्, पुराण, ज्योतिष, व्याकरण, वेदान्त, सांख्ययोग, न्याय, कर्मकाण्ड, धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, एवं आयुर्वेद आदि से सम्बन्धित हैं। देवनागरी लिपि की पाण्डुलिपियों का सूचीसंग्रह 'विशदपाण्डुग्रन्थसूची भाग-1' प्रकाशित किया गया है ।

(११) वर्ष २०१४-१५ में विद्यावारिधि उपाधि हेतु प्रविष्ट छात्रों का विवरण :

वेद-वेदाग संकाय

क.सं.	प्रार्थी का नाम	शोध-निर्देशक का नाम	संकाय/विभाग	प्रवेश अर्हता	शोध विषय
01.	**विवेक कुमार**	डॉ. सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	जे.आर.एफ.	भार्गवराघवीयमहाकाव्यस्य शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
02.	**उपेन्द प्रसाद**	डॉ. रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धीयसमस्तपदानां पाणिनिव्याकरणसन्दर्भे विवेचनात्मकमध्ययनम्
03.	**सन्दीप कुमार**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	नेट	काशिकावृत्तौ श्लोकाकारेण प्रस्तुतानामुदाहरणानां शब्दशास्त्रीयसमीक्षा
04.	**पंकज कुमार झा**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	महाभाष्ये निपातितशब्दानां समीक्षणम्
05.	**नरेश कुमार शर्मा**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	नेट	पुरुषोत्तमदेव-विरचितलघु परिभाषावृत्तेः नागेशकृत-परिभाषेन्दुशेखरेण सह तुलनात्मकमध्ययनम्
06.	**सूर्यमणि भण्डारी**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	लिखित परीक्षा	पाणिनीयस्वरप्रक्रियायाः प्रतिशाख्ययोक्तस्वरप्रक्रियया सह तुलनात्मकमध्ययनम्
07.	**मिथिलेश कुमार**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	लिखित परीक्षा	वाल्मीकीयरामायणस्य भूषणटीकायां समागतानां व्याकरणविषयकचिन्तनविशेषाणां युक्तायुक्तत्त्वसमीक्षणम्
08.	**रामनरेश चतुर्वेदी**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	कर्मकारकसिद्धान्तेषु नागेशभट्टगदाधरभट्टयोः सिद्धान्तानां समीक्षणात्मकमध्ययनम्
9.	**राजू शर्मा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	लिखित परीक्षा	पाणिनिव्याकरणे प्रक्रियामूलकनानार्थकशब्दानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
10.	**कृष्णा आर्या**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	नेट	वाल्मीकीयरामायणे समागतानामपाणिनीयाख्यातपदानां समीक्षणम्
11.	**दीपक शर्मा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्यारण	एम. फिल.	मुद्राराक्षसनाटकस्य शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
12.	**मानसरञ्जनपति**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	नागेशाभिमतबौद्धार्थस्य समीक्षा

13.	**भगत राम**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	एम. फिल	अनुवृत्तिनिरपेक्षसूत्राणां महाभाष्यसन्दर्भे विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
14.	**स्वस्ति नाथ झा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	जे.आर. एफ.	सिद्धहेमशब्दानुशासनस्य बृहद्वृत्त्यवचूर्णिटीकायां समाविष्टानां परिभाषाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्
15.	**चन्द्रवर्धनधस्माना**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	महर्षिपाणिनीयव्याकरणदृष्ट्या श्रीरामदैवज्ञकृतमुहूर्त्तचिन्तामणौ समागतसमस्तपदानां शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
16.	**संतोष कुमार उपाध्याय**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	लघुशब्देन्दुशेखरे पञ्चसन्धिप्रकरणे प्रदत्तभाष्यप्रतीकानां विवरणात्मकमध्ययनम्
17.	**सुनील कुमार शर्मा**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण		मध्यप्रदेशस्य बुन्देलखण्डान्तर्गतप्रचलितभाषायां पाणिनीयव्याकरणस्य प्रभाव:
18.	**नीरज नौटियाल**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	एम. फिल	श्रीमद्भागवतस्यान्वितार्थप्रकाशटीकायां समागतानां व्युत्पत्तिविषयकचिन्तनविशेषाणां समीक्षणात्मकमध्ययनम्
19.	**लखीराम ममगांई**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण		स्त्रीप्रत्ययानां विषये पाणिनिजैनेन्द्रशाकटायनव्याकरणनां तुलनात्मकमध्ययनम्
20.	**हेमलता आर्या**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	व्याकरणसिद्धान्त सुधानिधे: पाणिनिविश्वेश्वरव्याकरणयो: समासप्रकरणस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
21.	**विरेन्द कुमार**	डॉ0 विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	ज्योतिषशास्त्रे आकस्मिकमृत्युप्रदातृयोगानां समीक्षणम्
22.	**समीर**	डॉ0 दिवाकर दत्त शर्मा	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	केतकीग्रहगणितसर्वानन्दकरणयो: ग्रहस्पष्टीकरणसमीक्षणम्
23.	**शम्भूदत्त**	डॉ0 बिहारी लाल शर्मा	ज्योतिष	एम. फिल	ज्योतिषशास्त्रे राजस्थानीयाचार्याणां योगदानम्
24.	**ईशान शर्मा**	डॉ0 नीलम ठगेला	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	सायननिरयणपद्धत्यो: फलादेशसमीक्षणम्
25.	**रितिका अग्रवाल**	प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तुशास्त्र	एम. फिल.	रूपमण्डनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
26.	**मृत्युञ्जय त्रिपाठी**	प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तुशास्त्र	एम. फिल.	वास्तुशास्त्रे वर्णितानां देवीनां देवानाञ्च विवेचनात्मकमध्ययनम्
27.	**पंकज कुमार**	डॉ0 रश्मि चतुर्वेदी	वास्तुशास्त्र	एम. फिल.	पुरीस्थजगन्नाथमन्दिरस्य वास्तुशास्त्रीयविवेचनम्

28.	**सोनू शर्मा**	डॉ0 सुशील कुमार	वास्तुशास्त्र	एम. फिल.	मयमतालोके वास्तुरत्नावल्याः समीक्षात्मकमध्ययनम्
29.	**सुदेश सिंह**	डॉ0 यशवीर सिंह	धर्मशास्त्र	एम. फिल.	भारते प्रचलितानां वैदिकविवाहपद्धतीनां समीक्षणम्
30.	**ब्रजेश कुमार झा**	डॉ0 सुन्दरनारायण झा	वेद	एम. फिल.	वैदिकयज्ञपरम्परायां गोमेधयज्ञस्य महत्त्वम्
31.	**सुदीप्ता पाल**	डॉ0 रामानुज उपाध्याय	वेद	एम. फिल.	वैदिकसंवादसूक्तेषु प्रतिबिम्बितः समाजः
32.	**कृष्णा प्रधान**	डॉ0 रामानुज उपाध्याय	वेद		वैदिकसंहितासु पृथिवीस्थानीयदेवतानां स्वरूपविमर्शः
33.	**मुकुल देव**	डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	वेद	एम. फिल.	बृहदारण्यकोपनिषत्प्रतिपादितोपासनानां विवेचनात्मकमध्ययनम्

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

34.	**वैदेही तिवारी**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	लिखित परीक्षा	महाकविभारवेः सूक्तीनां सामाजिकोपयोगिता तासां समीक्षणञ्च
35.	**शीतल कुमारी**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	लिखित परीक्षा	अलिविलासिसंलापस्य गङ्गाटीकासहितस्य प्रथमशतकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
36.	**देवकीनन्दन शर्मा**	डॉ0 अरविन्द कुमार	साहित्य	लिखित परीक्षा	जगन्नाथपाठकानूदितस्य गालिबकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
37.	**प्रीतम पोखरियाल**	प्रो0 शुकदेव भोई	साहित्य	लिखित परीक्षा	कादम्बर्यां शब्दाऽलङ्काराणां समीक्षणम्
38.	**सुभाष रतूड़ी**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	धनपालविरचिततिलकमञ्जरीकथायाः काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्
39.	**शिप्रा सिंह**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	कर्पूरमञ्जरी-चन्द्रलेखेति सट्टकयोस्तुलनात्मकमसमीक्षणम्
40.	**स्वातिः**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	आधुनिककथासाहित्यपरम्परायां डॉ. बनमालीविश्वालकृतयोः

					नीरवस्वन- जिजीविषेति कथाग्रन्थयोरवदानसमीक्षणम्
41.	**शक्तिशरण शर्मा**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	लिखित परीक्षा	चतुर्भुजभट्टाचार्यरचितस्य हरिचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्
42.	**संदीप**	प्रो0 देवदत्त चतुर्वेदी	साहित्य	जे.आर. एफ	भासप्रणीतयज्ञफलनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्
43.	**कु० सुमेधा**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	नेट	भवभूते: कृतिषु नारीविमर्श:
44.	**तोषी शर्मा**	डॉ0 सुमन कुमार झा	साहित्य	एम. फिल.	गोस्वामिबलभद्रप्रसादशास्त्रि विरचितानां नाटकानां नाट्यशास्त्रीयानुशीलम् (सेतुबन्धकर्णाभिजात्यसैरन्ध्री -नाटकानां सन्दर्भे)
45.	**गजराज**	प्रो0 देवदत्त चतुर्वेदी	साहित्य	नेट	भर्तृहरिप्रणीतस्य शतकत्रयस्य साहित्यशास्त्रीयमनुशीलनम्
46.	**गणेश कुमार**	डॉ0 सुमन कुमार झा	साहित्य	लिखित परीक्षा	कालिकाप्रसादशुक्लहरिनाराय-णदीक्षितविरचितस्योराधाकाव्य योस्तुलनात्मकमध्ययनम्
47.	**धर्मवीर शर्मा**	प्रो0 इच्छाराम द्विवेदी	पुराणेतिहास	एम. फिल.	ब्रह्मवैवर्तपुराणे श्रीराधाचरितविमर्श:

<u>दर्शन संकाय</u>

48.	**राकेश कुमार पाण्डेय**	प्रो0 शुद्धानन्द पाठक	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	विवरणप्रमेयसङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
49.	**रीमा कुमारी**	डॉ0 सतीश के. एस.	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावल्या: समीक्षात्मकमध्ययनम्
50.	**अरूणा**	प्रो0 एस.एन. रमामणि	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	श्रीशङ्कराचार्यकृतसर्ववेदान्त-सिद्धान्तसारसंग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
51.	**कुलदीप पैन्यूली**	डॉ0 मारकण्डेयनाथ तिवारी	सांख्ययोग	एम.फिल	संख्यतत्त्वकौमुद्या: किरणालीटीकाया: समीक्षात्मकमध्ययनम्

52.	**सतबीर सिंह**	डॉ. रामचन्द्र शर्मा	न्याय वैशेषिक	नेट	न्यायवैशेषिकनये गुणस्वरूपविमर्श:
53.	**चन्दन कुमार मिश्र**	डॉ0 सुदर्शनन् एस्.	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	एम.फिल	कठोपनिषद: वैष्णवटीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
54.	**शालू शर्मा**	डॉ0 के. अनन्त:	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	एम.फिल	तैत्तिरीयोपनिषद: वैष्णवटीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
55.	**खेमचन्द**	डॉ. वृन्दावन दाश	पौरोहित्य	एम. फिल.	कर्मकाण्डपरम्परायां मन्त्रकौमुद्या: स्थानम्
56.	**मनोज कुमार**	डॉ0 संगीता खान्ना	सर्वदर्शन	लिखित परीक्षा	तत्त्वार्थदीपनिबन्धे सन्दर्भे शैवोपासनापद्धतिविमर्श:
57.	**विनय कौशिक**	डॉ0 संगीता खान्ना	**सर्वदर्शन**	एम. फिल.	द्वादशज्योतिर्लिङ्गानां सन्दर्भे शैवोपासनापद्धतिविमर्श:
58.	**नवीन कुमार**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	नेट	प्रमाणमञ्जर्या: टीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
59.	**दिनेश कुमार झा**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	एम. फिल.	वैदिकदर्शनानां विकासे वाचस्पतिमिश्रस्य अवदानम्
60.	**आशीष यादव**	डॉ0 जवाहर लाल	**सर्वदर्शन**	एम. फिल.	ब्रह्मसूत्रसमन्वयाध्यायस्य श्रीशाङ्करश्रीकण्ठभाष्यो: तुलनात्मकमध्ययनम्
61.	**नवीन चन्द**	डॉ0 प्रभाकर प्रसाद	**सर्वदर्शन**	एम. फिल.	श्रीकमलाकरभट्टविरचित-मीमांसाकुतूहलस्य समीक्षणम्
62.	**सोनम**	डॉ0 संगीता खान्ना	**सर्वदर्शन**	नेट	पातञ्जलयोगदर्शनसाधनपादीय-स्वामिनारायण भाष्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
63.	**निशा मण्डल**	डॉ0 जवाहर लाल	**सर्वदर्शन**	लिखित परीक्षा	अनुमानसन्दर्भे प्रमेयकमलमार्तण्डन्यायसिद्धान्त-मुक्तावल्यो: तुलनात्मकमध्ययनम्
64.	**मणिकान्त कुमार**	डॉ0 प्रभाकर प्रसाद	**सर्वदर्शन**	जे.आर. एफ	मीमांसान्यायानां वैशिष्ट्यस्य भामत्यालोके परीष्टि:
65.	**अपूर्वा भारद्वाज**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	लिखित परीक्षा	न्यायालोकन्यायसिद्धान्तमुक्ता-वल्यो: तुलनात्मकमध्ययनम्

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय

66.	**गिरीश चन्द उपाध्याय**	डॉ0 अमिता पाण्डेय भारद्वाज	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	भाषाशिक्षकाणां कक्षागतव्यवहारस्वरूपाणां तुलनात्मकमध्ययनम्
67.	**सर्वेश मोहन काण्डवाल**	प्रो0 रमेश प्रसाद पाठक	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	सांख्ययोगदर्शनयोः निहितशिक्षामनोविज्ञानस्य तत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्
68.	**टेकचन्द भारद्वाज**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	सेवापूर्वशिक्षकाणां ज्योतिषशास्त्रमनोविज्ञानयोः परिप्रेक्ष्येनेतृत्त्वक्षमतासंज्ञानात्मक प्रज्ञायाश्च विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
69.	**कृष्णाकान्त मिश्र**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	डॉ. उमेशमिश्रकृतिषु शैक्षिकतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
70.	**आशीष नारायण भट्ट**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	भारतीयदर्शनेषु बुद्धिव्यक्तित्वयोः शैक्षिकदृष्टया विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
71.	**प्रमोद कुमार**	डॉ0 भास्कर मिश्र	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	स्नातकस्तरीयच्छात्राणां सांवेगिकाध्यात्मिकविकासाय योगशिक्षाप्रभावस्याध्ययनम्
72.	**नवीन आर्य**	डॉ0 भास्कर मिश्र	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	संस्कृतभाषापरिपोषणे हरियाणाराज्यस्य शैक्षिकसंस्थानां भूमिकापरिशीलनम्
73.	**देशबन्धु**	डॉ0 भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	लिखिता परीक्षा	दिल्लीस्थार्ष गुरुकुलेषे विद्यमानाया शिक्षाव्यवस्थायाः विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
74.	**जितेन्द्र कुमार**	डॉ0 भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	नेट	श्रीमद्भगवद्गीतायां सन्निहितशैक्षिकप्रौद्योगिक्या उपागमानां

					विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
75.	**नीरज कुमार द्विवेदी**	प्रो0 नगेन्द्र झा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	तैत्तिरीयोपनिषद्-मुण्डकोपनिषदोः शैक्षिकमूल्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्
76.	**तृप्ता अरोड़ा**	डॉ0 मीनाक्षी मिश्रा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	व्यक्तित्वसम्बद्धभारतीयावधारणां सन्दर्भे छात्राणां समायोजन-सामाजिकव्यवहारयोः अध्ययनम्
77.	**सुधीर कुमार यादव**	डॉ0 कुसुमयदुलाल	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	प्रधानाचार्याणां संवेगात्मकप्रज्ञायाः नेतृत्वप्रशासनक्षमतायाश्च तुलनात्मकमध्ययनम्
78.	**विवेक कुमार**	डॉ0 रजनी जोशी चौधरी	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	मध्यमिकस्तरीयविद्यार्थिषु मूल्यसम्वर्द्धने सूचनासञ्चारप्रौद्यौगिकीप्रयोग-द्वारा क्षाशिक्षणप्रभावाध्ययनम्
79.	**रोहित थपलियाल**	डॉ0 के. भारतभूषण	शिक्षाशास्त्र	नेट	पारम्परिकसंस्कृतच्छात्राणां व्याकरणोन्मुखताया रुचेरभिक्षमतायाश्च सम्बन्धात्मकमध्ययनम्
80.	**केशरी कुमार तिवारी**	डॉ0 विमलेश शर्मा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	पारम्परिकाधुनिकशिक्षाप्रणाल्योः सेवापूर्वशिक्षकाणां संवेगात्मकव्यवहारिकप्रज्ञयोः सन्दर्भे कक्षाशिक्षणक्षमतायाः छात्राणामुपलब्धेश्च तुलनात्मकमध्ययनम्
81.	**गुरिन्दकौर**	डॉ0 रचना वर्मा मोहन	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	मध्यमिकविद्यालयेषु अपचारसम्भाव्यतायुक्त-किशोराणाङ्कृते प्रदत्तनिर्देशनपरामर्शकार्य-क्रमाणां प्रभावशीलताध्ययनम्

८२.	**नविता**	डॉ0 रचना वर्मा मोहन	शिक्षाशास्त्र	एम. फिल.	शिक्षणे पारम्परिकोपागमसन्दर्भे रचनावाद्युपागमस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
८३.	**रतन बारिक**	डॉ0 अमिता पाण्डेय भारद्वाज	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	आध्यात्मिकबुद्धे सन्दर्भे शिक्षकाणामात्मसामर्थ्यस्य नियन्त्रणसंस्थितेश्च विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
८४.	**जयपाल**	डॉ0 सदन सिंह	शिक्षाशास्त्र	नेट	परास्नातकीयशिक्षासमस्यां प्रति छात्राणामभिभावकानाञ्च दृष्टिकोणस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्

११. विभिन्न संगोष्ठियाँ एवं स्मारक व्याख्यानमालाएँ

सत्र 2014-15 में निम्नलिखित संगोष्ठियों एवं स्मारक व्याख्यानमालाओं का आयोजन विद्यापीठ के विभागों द्वारा किया गया :-

1. डॉ. मण्डनमिश्र स्मारक व्याख्यानमाला

साहित्य विभाग द्वारा दिनांक 26.03.2015 को एकदिवसीय डॉ. मण्डनमिश्र स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया । इसमें प्रो. जयशंकरलाल त्रिपाठी, वाराणसी द्वारा साहित्य से सम्बद्ध विषय 'प्राच्य-पाश्चात्य आलंकारिक सम्बन्ध, अरस्तु के आलोक में' पर एवं साहित्य संस्कृति संकाय की तरफ से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । यह कार्यक्रम साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. शुकदेव भोई के संयोजन में सम्पन्न हुआ ।

2. आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला

साहित्य विभाग द्वारा दिनांक 28.03.2015 को एकदिवसीय आचार्य वाचस्पति उपाध्याय स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया । इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, पूर्व कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा "प्राच्यपाश्चात्यकाव्यशास्त्री-सम्बन्ध:" विषय पर अत्यन्त महत्त्वपूर्ण चर्चा हुई थी। यह समस्त कार्यक्रम साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. शुकदेव भोइ के संयोजन में सम्पन्न हुआ।

3. आचार्य कुन्दकुन्द व्याख्यानमाला

विद्यापीठ के साहित्य एवं संस्कृति संकाय द्वारा दिनांक 25.02.2015 को कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में कुन्दकुन्द द्वारा स्थापित 'शौरसेनीप्राकृत का परवर्ती भारतीय भाषाओं एवं साहित्य पर प्रभाव' विषयक आचार्य कुन्दकुन्द व्याख्यानमाला का आयोजन विद्यापीठ के वाचस्पति सभागार में किया गया। इस

व्याख्यानमाला में मुख्यातिथि प्रो. राजाराम जैन जी उपस्थित रहे । स्वागतभाषण साहित्य एवं संस्कृति संकायप्रमुख प्रो. इच्छाराम द्विवेदी ने दिया तथा सत्रप्रवर्तन प्राकृत विभागाध्यक्ष प्रो. सुदीप कुमार जैन ने किया। धन्यवादज्ञापन के रूप में डॉ. जयकुमार उपाध्ये उपस्थित रहे ।

4. **श्रीपट्टाभिरामशास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला**

सर्वदर्शन विभाग द्वारा दिनांक 17.03.2015 को 'भारतीय जीवन दर्शन के मूलभूत आयाम' तथा 'श्रीमद्भगवदगीतादर्शन: निवृत्तिमार्ग का एक सशक्त विकल्प' विषयों पर कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में 'श्रीपट्टाभिरामशास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला' का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता प्रो. गयाचरण त्रिपाठी थे । इस व्याख्यानमाला की संयोजिका सर्वदर्शन विभागाध्यक्षा डॉ. संगीता खन्ना थी ।

5. **आचार्य गौरीनाथ शास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला**

दर्शन संकाय के न्याय वैशेषिक विभाग द्वारा दिनांक 24.03.2015 को आचार्य गौरीनाथ शास्त्री स्मारक व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया । जिसका संयोजक प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित द्वारा किया गया ।

१२. अध्ययन पाठ्यक्रम

विद्यापीठ निम्नलिखित पूर्णकालिक एवं अंशकालिक पाठ्यक्रमों का सञ्चालन करता है । इन पाठ्यक्रमों के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था करता है तथा परीक्षोपरान्त छात्रों को उपाधि प्रदान करता है ।

(क) पूर्णकालिक पाठ्यक्रम

1. शास्त्री (बी.ए.) (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)
2. शास्त्री सम्मानित (बी.ए. आनर्स) (त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)
3. आचार्य (एम.ए.) (द्विवर्षीय पाठ्यक्रम)
4. शिक्षाशास्त्री (बी.एड्) (एकवर्षीय शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम)
5. शिक्षाचार्य (एम.एड्) (एकवर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम) (दो सेमेस्टर)
6. विशिष्टाचार्य (एम.फिल्) (एकवर्षीय शोध पाठ्यक्रम) (दो सेमेस्टर)
7. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) (द्विवर्षीय शोध पाठ्यक्रम)

पाठ्यक्रमों के पाठ्यविषय-

- **शास्त्री एवं शास्त्री सम्मानित**

  "क" वर्गीय शुक्लयजुर्वेद, धर्मशास्त्र, प्राचीनव्याकरण, नव्यव्याकरण, फलितज्योतिष, सिद्धान्तज्योतिष, पौरोहित्य, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत, सांख्ययोग, अद्वैतवेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदान्त, प्राचीनन्यायवैशेषिक, नव्यन्याय, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, मीमांसा,

  "ख" वर्गीय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र एवं संगणक (कम्प्यूटर)।

- **शिक्षा शास्त्री (बी.एड्.)**

  1. सैद्धान्तिक शिक्षण
  2. प्रायोगिक शिक्षण
  3. सत्रीय कार्य

- **आचार्य (एम.ए.)**

  शुक्लयजुर्वेद, धर्मशास्त्र, प्राचीनव्याकरण, नव्यव्याकरण, फलितज्योतिष, सिद्धान्तज्योतिष, वस्तुशास्त्र पौरोहित्य, साहित्य, पुराणेतिहास, प्राकृत, सांख्ययोग, अद्वैतवेदान्त, विशिष्टाद्वैतवेदान्त, प्राचीनन्यायवैशेषिक, नव्यन्याय, जैनदर्शन, सर्वदर्शन, मीमांसा ।

- **शिक्षाचार्य (एम.एड्.)**

शिक्षाचार्य (एम.एड्) पाठ्यक्रम 900 अंक का है जो दो सेमेस्टर मे क्रियान्वित किया जायेगा । प्रथम सेमेस्टर 400 अंक तथा द्वितीय सेमेस्टर 500 अंक का है । सेमेस्टरों के अनुरूप पाठ्यक्रम निम्नलिखित रूप में विभाजित किया गया है-

प्रथम सेमेस्टर		400 अंक
1.	अनिवार्य प्रश्नपत्र-चार	200 अंक (प्रत्येक 50 अंक)
2.	ऐच्छिक प्रश्नपत्र (सात प्रश्नपत्रों मे से कोई एक)	100 अंक
3.	सत्रीय कार्य	100 अंक
द्वितीय सेमेस्टर		500 अंक
1.	अनिवार्य प्रश्नपत्र-चार	200 अंक (प्रत्येक 50 अंक)
2.	ऐच्छिक प्रश्नपत्र	100 अंक (आठ प्रश्नपत्रों मे से कोई एक)
3.	सत्रीय कार्य	100 अंक
4.	लघुशोध प्रबन्ध	100 अंक (75+25)

(ख) अंशकालिक पाठ्यक्रम

छात्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निम्नलिखित प्रमाणपत्रीय एवं डिप्लोमा के अंशकालिक पाठ्यक्रम (दो सत्रों में एक वर्षीय) चलाए जाते हैं ।

1. ज्योतिषप्राज्ञ प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम-एक वर्षीय
2. ज्योतिषभूषण डिप्लोमा पाठ्यक्रम-एक वर्षीय
3. मेडिकल एस्ट्रोलॉजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम-एक वर्षीय (यू.जी.सी. द्वारा स्वीकृत)
4. वास्तुशास्त्रीय पी.जी.डिप्लोमा पाठ्यक्रम-द्विवर्षीय चार सत्रों में (यू.जी.सी. द्वारा स्वीकृत)
5. पौरोहित्य प्रशिक्षण/प्रमाणपत्रीय/डिप्लोमा पाठ्यक्रम
6. पी.जी डिप्लोमा -योग

समाज में इन पाठ्यक्रमों के प्रति अच्छी प्रतिक्रिया है, इनके अतिरिक्त विद्यापीठ संस्कृत संभाषण शिविरों का भी आयोजन करता है ।

शैक्षिक सुधार

शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों में निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए गए हैं -

1. पाश्चात्य तर्कशास्त्र एवं दर्शन
2. भारतीय दर्शन एवं पाश्चात्य दर्शन का इतिहास
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
4. मानवाधिकार
5. भैषज्य ज्योतिष
6. संगणक सम्प्रयोग

१३. छात्रवृत्ति

उद्देश्य : पारम्परिक पद्धति में संस्कृत वाङ्मय शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं :-

	कक्षा	वर्ष	छात्रवृत्तियों की संख्या	छात्रवृत्ति राशि
1.	शास्त्री (बी.ए.)	प्रथम वर्ष	120	800/-रु0 प्रति माह
2.	शास्त्री (बी.ए.)	द्वितीय वर्ष	120	800/-रु0 प्रति माह
3.	शास्त्री (बी.ए.)	तृतीय वर्ष	120	800/-रु0 प्रति माह
4.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.)		60	800/-रु0 प्रति माह
5.	आचार्य (एम.ए.)	प्रथम वर्ष	25 प्रति विषय	1000/-रु0 प्रति माह
6.	आचार्य (एम.ए.)	द्वितीय वर्ष	25 प्रति विषय	1000/-रु0 प्रति माह
7.	शिक्षाचार्य (एम.एड्.)		13	1000/-रु0 प्रति माह
	(शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम में आनुषंगिक राशि)			750/- रु0
8.	विद्यावारिधि (पी-एच.डी.)		19	5000/-रु0 प्रति माह
	(विद्यावारिधि पाठ्यक्रम में आनुषंगिक राशि)			3000/-रु0 प्रति वर्ष

१४. परीक्षा-विभाग

विद्यापीठ शास्त्री, आचार्य, शिक्षाचार्य तथा विशिष्टाचार्य की परीक्षाएं वर्ष में दो बार सत्रीय परीक्षा आयोजित करता है । शिक्षाशास्त्री की वार्षिक परीक्षा आयोजित होती है। वर्ष 2014-15 में विभिन्न परीक्षाओं में प्रविष्ट एवं उत्तीर्ण छात्रों का विवरण निम्नलिखित है-

वर्ष २०१४-२०१५ का परीक्षा-परिणाम

कक्षा	कुल प्रविष्ट छात्र		उत्तीर्ण छात्रों की संख्या								
	कुल छात्र व छात्रा	केवल महिला	कुल (छात्र + छात्रा)					छात्रा			
				प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	कुल	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	तृतीय श्रेणी	कुल
शास्त्री	107	08		66	39	01	106	03	05	--	08
आचार्य	113	20		97	09	--	106	18	02	--	20
शिक्षाशास्त्री	249	75	Theory	202	45	--	247	60	13	--	73
			Practical	245	02	--	247	73	-	--	73
शिक्षाचार्य	32	05		32	--	--	32	05	--	--	05

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विद्यापीठ में अंशकालिक एवं नियमित पाठ्यक्रम ज्योतिष प्राज्ञ एवं ज्योतिषभूषण, वास्तुशास्त्र, मेडिकल एस्ट्रोलॉजी, पौरोहित्य, योग विशिष्टाचार्य एवं विद्यावारिधि की परीक्षायें भी परीक्षा विभाग सम्पन्न कराता है ।

१५. कनिष्ठ एवं वरिष्ठ अध्येतावृत्ति

क्र.सं.	कनिष्ठ अध्येतावृत्ति प्राप्तकर्ताओं का नाम	विषय	शोधनिर्देशक
01.	श्री विवेक कुमार	व्याकरण	डॉ. सुजाता त्रिपाठी
02.	स्वस्तिनाथ झा	व्याकरण	डॉ. दयाल सिंह
03.	श्री संदीप	साहित्य	प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी
04.	श्री गजराज	साहित्य	प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी
05.	श्री मणिकान्त झा	सर्वदर्शन	डॉ. प्रभाकर प्रसाद

क्र.सं.	राजीव गांधी वरिष्ठ रिसर्च फैलोशिप प्राप्तकर्ता का नाम	विषय	शोधनिर्देशक
01.	कु. नविता	शिक्षा	डॉ. रचना मोहन वर्मा

१६. अन्य शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

(क) सत्रारम्भ

विद्यापीठ में सत्रारम्भ पूर्व निर्धारित शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार किया गया था।

(ख) स्वतन्त्रता-दिवस

15 अगस्त, 2014 को विद्यापीठ में मुख्य भवन के समक्ष कुलपति महोदय के कर कमलों द्वारा राष्ट्रीय-ध्वजारोहण समारोह संपन्न हुआ । इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह के द्वारा राष्ट्रगान गाया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रात: 09:30 बजे हुआ । सर्वप्रथम विद्यापीठ के एन.सी.सी. छात्रों द्वारा प्रस्तुत 'सम्मान-गारद' का निरीक्षण सम्माननीय कुलपति महोदय ने किया । निरीक्षण के अनन्तर शास्त्री जी की प्रतिमा पर कुलपति महोदय ने माल्यार्पण किया । समारोह में उपस्थित एन. सी. सी. के वरिष्ठ अधिकारी एवं विद्यापीठ के सम्मान्य आचार्यों का अभिनन्दन माल्यार्पण से किया गया । कार्यक्रम में उपस्थित विद्यापीठ परिवार के सभी सदस्यों को तथा विशेष रूप से एन.सी.सी. के छात्र सैनिकों को कुलपति महोदय ने सम्बोधित किया । उन्होंने एन.सी.सी. एवं विद्यापीठ के युवा छात्रों द्वारा राष्ट्रीय एवं विद्यापीठ स्तर पर किए गए रचनात्मक कार्यों की सराहना की । इनसे राष्ट्र के गौरव की अभिवृद्धि एवं रक्षा के लिए संस्कृत के माध्यम से महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने का आग्रह किया। कुलपति जी ने एन. सी. सी. के छात्रों को विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित करने की घोषणा की ।

(ग) संस्कृत-सप्ताह

इस वर्ष संस्कृत-सप्ताह कार्यक्रम (06.08.2014-13.08.2014) के अन्तर्गत संस्कृत सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया । विद्यापीठ में विभिन्न संकायों यथा-साहित्य-संस्कृति संकाय, आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय, वेदवेदांग संकाय, दर्शन संकाय एवं छात्रकल्याण संकाय द्वारा संस्कृत भाषण एवं गायन प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं श्लोक अन्त्याक्षरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सप्ताह भर विद्यापीठ में प्रतियोगितामय वातावरण रहा । अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में सक्रियातापूर्वक भाग लिया गया और समारोह का समापन पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुआ ।

(घ) संस्कृत-दिवस

सन् 1968 से सारे देश में श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन संस्कृत दिवस मनाया जाता है । मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किये गये निर्देश के अनुपालन में संस्कृत दिवस के तीन दिन पूर्व और उसके तीन दिन पश्चात् तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। संस्कृत दिवस मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य देश में संस्कृत की प्रगति की जानकारी और इसकी उन्नति के लिए सतत् प्रयास करना है । इस आयोजन में नृत्य, गीत, गोष्ठियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है । श्रावण मास की पूर्णिमा का भारतीय परम्परा में महत्त्वपूर्ण स्थान है ।

इस वर्ष मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के तत्त्वावधान में 10 अगस्त 2014 को राष्ट्रीय संग्रहालय में संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया गया ।

(ङ) हिन्दी-सप्ताह

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 14.09.2014 से 28.09.2014 तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस आयोजन के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारी वर्ग की अलग-अलग विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं

के लिए नारा, निबन्ध, लेखन प्रतियोगिता एवं लोक गीतगायन प्रतियोगिता, प्रश्नमंच तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

कर्मचारी वर्ग के लिए नारा निबन्ध लेखन, लोकगीतगायन एवं प्रश्नमंच, वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई।

हिन्दी राजभाषा कार्यन्वयन समिति की बैठक दिनांक 25.03.2014, 26.08.2014 एवं 10.10. 2014 तथा 17.03.2015 को आयोजित की गई।

दिनांक 10.01.2015 को विश्व हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में छात्रों के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दिनांक 16.09.2014 को विद्यापीठ परिसर में सम्मेलन का आयोजन किया गया।

(च) श्री लाल बहादुर शास्त्री जन्म-दिवस

विद्यापीठ में 2 अक्टूबर का दिन श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म-दिवस के रूप में मनाया जाता है । इस वर्ष भी मन्त्रालय द्वारा विजयघाट में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम में प्रतिवर्ष की भाँति विद्यापीठ के आचार्यों ने सामूहिक गीता पाठ किया। तदुपरान्त विद्यापीठ में प्रतिष्ठित शास्त्री जी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित की गई ।

(छ) श्री लाल बहादुर शास्त्री स्मृति-दिवस

विद्यापीठ न केवल शास्त्री स्मारक व्याख्यान माला का आयोजन करता है अपितु 11 जनवरी 2015 को शास्त्री स्मृति-दिवस के रूप में मनाया है । विद्यापीठ के आचार्यों ने विजय घाट पर दिल्ली प्रशासन द्वारा आयोजित 'श्रद्धाञ्जलि' कार्यक्रम में जाकर श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया । तदुपरान्त विद्यापीठ प्राङ्गण में प्रतिष्ठित शास्त्री जी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किये । इस कार्यक्रम का आयोजन मन्त्रालय द्वारा किया गया था ।

(ज) गणतन्त्र-दिवस

26 जनवरी, 2015 को विद्यापीठ परिसर में मुख्य भवन के समक्ष कुलपति महोदय ने गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय-ध्वजारोहण किया । इस अवसर पर कुलपति महोदय ने एन.सी.सी. परेड का निरीक्षण किया तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया । उपस्थित छात्रों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति महोदय ने देश के लिए प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों का पावन स्मरण किया तथा इन शहीदों द्वारा प्रदर्शित पथ पर चलने का आग्रह युवा कैडेटों से किया । राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों में एन.सी.सी. कैडेट की आवश्यकता को भी उन्होंने रेखांकित किया । उन्होंने शस्त्र एवं शास्त्र के प्रशिक्षण को अनिवार्य मानते हुए इन दोनों प्रशिक्षणों से आप्त भारतीय परम्परा को श्रद्धा के साथ स्मरण किया ।

(झ) सरस्वती-पूजन-महोत्सव

माघ शुक्ल वसन्त पंचमी के शुभ अवसर पर दिनांक 24.01.2015 को प्रो. प्रेमकुमार शर्माजी एवं आचार्यों के संरक्षण में सरस्वती की प्रतिमा का शास्त्रीय विधि-विधान से स्थापन एवं पूजन किया गया । साथ ही सारस्वत यज्ञ का आयोजन प्रो. हरिहर त्रिवेदी, वेद-पौरोहित्य विभागाध्यक्ष के मार्ग निर्देशनानुसार डॉ0 रामराज उपाध्याय के आचार्यत्व में सम्पन्न किया गया।

(ञ) क्रीडा प्रतियोगिता एवं स्पर्धा

छात्रों के स्वास्थ शारीरिक और मानसीक विकास के लिए विभिन्न खेलों एवं खेल प्रतिस्पधाओं के विशेष महत्व है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए विद्यापीठीय छात्र-छात्राओं के लिए एक स्वतन्त्र क्रीडा विभाग है, जिसके द्वारा विभिन्न खेलों की सुविधायें उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यत: धावन पथ, क्रिकेट, योगासन, मल्लयुद्ध, कबड्डी, बैडमिंटन, वालीवाल, आदि खेलों की व्यवस्था सुचारू रूप से कराई जाती।

क्रीडा विभाग द्वारा जिमनेजियम् (व्यायामशाला) की अलग व्यवस्था है साथ ही साथ महिलाओं (विद्यापीठ में कार्यरत कर्मचारी अध्यापिकाओं के लिए (Basic facility for Women) Women Recreation Center की स्थाना की गई है। इन सभी की व्यवस्था व सञ्चालानार्थ हेतु खेल प्रभारी, जिम व Women Recreation Center के रूप में मनोज कुमार मीणा को प्रभार दिया गया है। खेलों की उपलब्धियाँ -

1. वर्ष 2014-15 में विद्यापीठीय वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 500 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया व विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया।
2. All India Inter University Tournament 2014-15 में विद्यापीठीय दल ने Cricket Badminton, Wrestling, Kabaddi & Volleyball में National Level Tournament ने भाग लिया।

(ट) स्वच्छ भारत अभियान

राष्ट्रपिता महात्मागाँधी के 150वें जन्मोत्सव 02 अक्टूबर, 2019 तक भारत को पूर्णत: स्वच्छ बनाने की दिशा में दिनांक 02 अक्टूबर, 2014 से माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छ भारत अभियान का प्रारम्भ किया गया। इसके अन्तर्गत दिनांक 25 सितम्बर, 2014 से स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसका प्रथम चरण सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिन 31 अक्टूबर, 2014 तक पूरा हुआ। यह अभियान गहनता पूर्वक और विस्तार में निरन्तर चलता रहेगा, जिससे वर्ष 2019 तक स्वच्छ भारत की संकल्पना साकार हो सके। इस सम्बन्ध में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह निर्णय लिया गया कि सभी कर्मचारी दिनांक 02 अक्टूबर, 2014 को प्रात: 09:30 बजे स्वच्छता शपथ ग्रहण किया और स्वच्छ भारत की दिशा में सफाई कार्यों में सहभागिता किया।

तदनुसार विद्यापीठ के सारस्वत साधना सदन में दिनांक 02 अक्टूबर, 2014 को प्रात: 09:30 बजे स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन प्रभारी कुलपति प्रो. भास्कर मिश्र के अध्यक्षता में किया गया। इसमें विद्यापीठ के समस्त कर्मचारियों, अधिकारियों तथा परिसर में रहने वाले विद्यापीठ परिवार के सभी सदस्यों ने स्वच्छता शपथ समारोह में सम्मिलित होकर महात्मा गाँधी के स्वप्नों को साकार करने की दिशा में विद्यापीठीय परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान में योगदान किया।

(ठ) योग विज्ञान केन्द्र

इस सत्र में सांख्ययोगविभागान्तर्गत योगविज्ञान केन्द्र द्वारा एकवर्षीय पी.जी. डिप्लोमा का उद्घाटन दर्शनसंकाय के अध्यापकों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । इस पाठ्यक्रम में 45 छात्रों की सहभागिता रही । योगविज्ञान केन्द्र योगविद्या के प्रचार-प्रसार में सतत प्रयत्नशील है ।

(ड) एन.सी.सी.

विद्यापीठ में एन.सी.सी. की प्रशिक्षण व्यवस्था के निरीक्षणार्थ एवं सञ्चालनार्थ एन.सी.सी अधिकारी के रूप में विद्यापीठ के प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित एवं डॉ. मीनू कश्यप हैं ।

एन.सी.सी. छात्रावर्ग की गतिविधियाँ :-

1. दिनांक 31 अक्टूबर से 4 नवम्बर,2014 तक 6 कैडेटों CATC ने दिल्ली कैम्प में भाग लिया ।
2. दिनांक 31 अक्टूबर,2014 को एन.सी.सी. कैडेट द्वारा विद्यापीठ के सद्भावना दौड़ में सम्मिलित हुआ।

एन.सी.सी. छात्रों की उपलब्धियाँ :

वर्ष २०१४ में कैंपों का विवरण

क्र.सं.	कैंप का नाम	दिनांक	कैडेट का नाम
1.	C.A.T.C.	–	1. C.H.M. मुकेश मिश्र
			2. सर्वेश कुमार पाण्डेय
			3. प्रदीप चन्द्र खन्तवाल
			4. विनीत कुमार द्विवेदी
			5. शिवांशु मिश्रा
2.	T.S.C.	14 अगस्त,2014 से 23 अगस्त तक	1. S.G.T. नीतेश डोभाल
			2. दीपेश पन्त
			3. दिनेश कुमार मिश्रा
			4. अखिलेश कुमार शर्मा
			5. ओम प्रकाश
3.	N.I.C. Ist	08 अक्टूबर,2014 से 19 अक्टूबर तक	1. J.U.O. ध्रुव कुमार उपाध्याय
			2. J.U.O. अंकित कुमार वर्मा

4.	Army Attachment	27 अक्टूबर,2014 से		
		08 नवम्बर तक	1.	S.G.T. नीतेश डोभाल
			2.	अखिलेश कुमार शर्मा
			3.	विनीत कुमार द्विवेदी
			4.	प्रदीप चन्द्र खन्तवाल
			5.	हिमांशु व्यास
			6.	दिनेश कुमार मिश्र
			7.	ओम प्रकाश
			8.	संजय कुमार तिवारी
			9.	वरुण मैत्रेय
			10.	सर्वेश कुमार पाण्डेय
			11.	सूर्य प्रकाश नौटियाल
			12.	अंकित भट्ट
			13.	धर्मेन्द्र बहुगुणा
			14.	नन्दराम नौटियाल
			15.	प्रशान्त कुमार
			16.	दीपक थपलियाल
			17.	राजकिशोर द्विवेदी
			18.	प्रदीप भट्ट
			19.	सतीश कुमार
			20.	देवकृष्ण थपलियाल
5.	N.I.C. IInd	28 अक्टूबर,2014 से		
		08 नवम्बर तक	1.	सूरज कुमार
			2.	आकाश कुमार
6.	R.D.C. Ist	31 अक्टूबर,2014 से		
		08 नवम्बर तक	1.	S.G.T. प्रकाश चन्द्र जुयाल
7.	Camel Safari	17 नवम्बर,2014 से		
		29 नवम्बर तक	1.	S.G.T. प्रकाश चन्द्र जुयाल

२०१४ में NCC Events

क्र.सं.	Events का नाम	दिनांक	कैडेट का नाम
1.	स्वतन्त्रता दिवस अभ्यास परेड	1 अगस्त,2014 से 15 अगस्त तक	NCC के सभी कैडेट्स
2.	इंटर बटालियन कॉम्पटिशन	1 सितम्बर,2014 से 12 सितम्बर तक	1. C.H.M. मुकेश मिश्र 2. S.G.T. प्रकाश चन्द्र जुयाल 3. S.G.T. नीतेश डोभाल 4. अखिलेश कुमार शर्मा 5. अंकित भट्ट 6. संजय तिवारी 7. प्रशांत कुमार
3.	NCC नेशनल गेम्स मास पीटी और टेबल ड्रिल	5 अक्टूबर,2014 से 19 अक्टूबर तक	1. C.H.M. मुकेश मिश्र 2. S.G.T. प्रकाश चन्द्र जुयाल 3. S.G.T. नीतेश डोभाल 4. धर्मेन्द्र बहुगुणा 5. देवकृष्ण थपलियाल 6. अंकित भट्ट 7. दिनेश मिश्र 8. संजय तिवारी 9. अखिलेश कुमार शर्मा 10. प्रशांत कुमार शर्मा 11. भविष्य 12. सन्दीप दुबे 13. अंकित भदोला 14. उमा शंकर 15. मोहित राणा 16. सचिन कुमार 17. विशाल झा 18. मुकेश द्विवेदी

(ढ) अनुशासन

विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा-व्यवस्था एवं छात्रों में अनुशासन-प्रियता को सुदृढ़ करने के लिये कुलानुशासक उत्तरदायी होते हैं । कुलानुशासक सत्र के आरम्भ में कुलानुशासक मण्डल का गठन कुलपति जी की स्वीकृति से करते हैं । यह मण्डल सुरक्षा एवं अनुशासन से सम्बद्ध आवश्यक विषयों पर यथासमय

कुलानुशासक की अध्यक्षता में विचार-विमर्श करता है । विद्यापीठ की परिनियमावली 39(5) के अनुसार छात्रों एवं शोधछात्रों के लिए निम्नलिखित प्रकार के अनुशासन समिति का गठन किया गया है-

1.	कुलानुशासक	अध्यक्ष
2.	संकाय प्रमुख (छात्रकल्याण)	सदस्य
3.	सम्बन्धित संकाय प्रमुख	सदस्य
4.	सम्बन्धित विभागाध्यक्ष	सदस्य
5.	कुलपति द्वारा नामित अ.जा /ज.जा./अ.पि.वर्ग/महिला/वि. वर्ग का एक अध्यापक (उक्त वर्ग के छात्रों से संबंधित होने पर)	सदस्य
6.	सहायक कुलसचिव/ अनुभाग अधिकारी (शैक्षणिक)	सचिव

विद्यापीठीय अध्यापकों की संगोष्ठी, कार्यशाला, पुनश्चर्या, अभिविन्यास, सम्मेलनों में सहभागिता :

क्र.सं.	नाम एवं पद	विभाग	शोध पत्र/लेख/ सेमिनार संगोष्ठी/ कार्यशाला	विषय	अवधि	विश्वविद्यालय का नाम
1	प्रो. नागेन्द्र झा	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (अध्यक्षता)	Gender Sensitization Yesterday and Today	25.02.2015 से 27.02.2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	अध्यापक शिक्षा के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्य मीमांसा के सन्दर्भ में समस्याएं	30.03.2015 से 31.03.2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
2	प्रो. भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय कार्यशाला सहभागिता (Resource Person)	Five day joint workshop on Formulation of Two years B.Ed and M.Ed Curriculum	10.02.2015 से 14.02.2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा	30.03.2015 से 31.03.2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
3	प्रो. वीर सागर जैन	जैनदर्शन	व्याख्यान	जैन कर्मवाद	23.08.2014	जैन युवक संघ मुम्बई द्वारा आयोजित
			मुख्यातिथि	संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता	20.11.2014	दिल्ली संस्कृत अकादमी

			पत्रवाचन	प्राकृतभाषा और साहित्यः मसमयिक सन्दर्भों में	26.02.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			संगोष्ठी	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18.03.2015 से 20.03.2015	दिल्ली सं.अ.+ला. ब.श.+रा.सं. विद्यापीठ
			व्याख्यन	गौरीनाथ शास्त्री स्मारक	24.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			पत्रवाचन	जैनपरम्परायाः संस्कृतवाङ्मयं प्रति अवदानम्	27.03.2015 से 29.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			व्याख्यान	Concept of Soul in Jainism		International School for Jain Studies
4	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी As a Expert	NCTE Regional Consultation Seminar Norms & Procedures Regulation 2014	31.07.2014	NCTE, MHRD, Govt. of India
			कार्यशाला As a Expert	बी.एड. पाठ्यचर्या का सामग्री निर्माण	10.08.2014 से 14.08.2014	दक्षिण भारतीय हिन्दी प्रचार सभा, धारवाड़, कर्नाटक
			गोष्ठी As a Resource Person	पं. दीन दयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन एवं विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास	13.09.2014	LMSVM Vasant Vihar, New Delhi
			(विशेष व्याख्यान) Chief Guest	सर्वशिक्षा अभियान की चुनौतियाँ	19.02.2015	संत विनोबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया, उ.प.
			राष्ट्रीय सम्मेलन Guest of Honour	Re orientation of Teacher Education	28.02.2015	बाला जी कॉलेज ऑफ एजूकेशन वल्लभगढ़, रियाणा
			कार्यशाला सहभागिता (Resource Person)	द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम निर्माण हेतु संयुक्त कार्यशाला	10-14 फरवरी 2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सम्मेलन सहभागिता	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	30-31 मार्च 2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दल्ली

5.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रिय संगोष्ठी	पौराहित्ये व्रतानां वैशिष्ट्यम्	18.03.2015 से 20.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
6.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सांख्ययोग	राष्ट्रिय संगोष्ठी	पुराणेहितास विभागेन संयोजिता	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलनम्	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
7.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ब्रह्म और कर्म के त्रयोदश प्रकार के सम्बन्धों का विश्लेषण	12-13 अगस्त 2014	श्रीशंकर शिक्षायतन दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	पौराणिक अयोध्या का स्वरूप विमर्श	31 अगस्त 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	वैशेषिक दर्शन में भारतवर्ष	06 दिसम्बर 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, दिल्ली
			संगोष्ठी	ब्रह्मसिद्धान्त में कर्म क्षणिकता एवं कर्मबन्ध विमर्श	17 जनवरी 2015	श्रीशंकर शिक्षायतन, दिल्ली
			निर्णायक	राज्यस्तरीय शास्त्री प्रतियोगिता	24-25 जनवरी 2015	रा.सं. संस्थान, वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश
			विशिष्ट व्याख्यान	संस्कृत भाषाया: प्रासङ्गिकता	31 मार्च 2015	संस्कृत अध्ययन केन्द्र जे0एन0य0, नई दिल्ली
8.	डॉ. के.भारत भूषण, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्राचीन भारतीय सामाजिक नारीणां योगदानम्	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
9.	डॉ. सदन सिंह, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (सहभागिता)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	30-31 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दल्ली
10.	डॉ. रचना वर्मा मोहन, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	Teaching Human Rights for Empowering Humans society	11-13 अप्रैल 2014	Fairfield Institution of Management & Technology, Delhi
			कार्यशाला (सहभागिता)	Enhancement of Research skills for Professional Development of Educators	30.04.2014	Amity Institute of Educaiton, New Delhi

			राष्ट्रीय कार्यशाला (सहभागिता) (Resource Person)	5 days joint workshop on formulation of Two Years B.Ed & M.Ed urriculum	10-14 फरवरी 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization in social and Psychological Perspective: A Critical Analysis	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य संकट की चुनौतियाँ: समाधान हेतु प्रभावी व्यूहरचनाएँ	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
11.	डॉ. रजनी जोशी चौधरी, सहायकप्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (Resource Person)	Threats of Human Rights: The Intention Strategies by Global Society	21-22 सितम्बर 2014	HIBS, Agra
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Quality Concerns in Educational Evaluation	21-22 सितम्बर 2014	HIBS, Agra
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization and Role of School Teacher at Secondary Level	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Strategies and Methodologies for sustenance of Quality Teacher Education	19-20 मार्च 2015	Govt. College of Education, Srinagar (J&K)
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Value Sustenance in the Age of ICT	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
12.	डॉ. कुसुम यदुलाल, सहायकप्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	जनजागरण में संत रविदास का योगदान	23-24 फरवरी 2015	जे.एन.यू. नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	भारतीय संस्कृति में समाहित मानवीय मूल्य	30-31 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य विकास के नैसर्गिक आधार	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

13.	डॉ. मीनाक्षी मिश्र, सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization in Schools	25-27 मार्च 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य विकास के नैसर्गिक आधार	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
14.	डॉ. विमलेश शर्मा, सहायकप्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
15.	डॉ जयकुमार उपाध्ये, सह-प्रोफेसर	प्राकृत	व्याख्यानमाला	जैनशास्त्रों में अंकित विश्वमानवता के सन्देश	13.09.2014	संस्कृत महाविद्यालय छतरपुर, नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी	पउमचरियं में विविध अलङ्कार	26-27 अक्टूबर 2014	प्राकृत-पाली विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
			संगोष्ठी	प्राकृत भाषा साहित्य एवं जैन विद्या के विभिन्न विषय	22.01.2015	श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, यसिंगपूर
			संगोष्ठी	प्राकृत भाषा की वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता	23.01.2015	जैन विद्या शोध संस्थान, मातोश्री रुक्मिणीबाई मल्लाप्पा रोटे पब्लिक चॅरिटेबल ट्रस्ट, कोल्हापुर
			संगोष्ठी	प्राकृत-आगमों में वर्णित नैतिक एवं संस्कारशुद्धि के तथ्यों की समसामयिक सन्दर्भों में उपादेयता	26.02.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			संगोष्ठी	जैन आगम के विभिन्न आयाम	28.02.2015	नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्राकृत स्टडीज् एण्ड रिसर्च, श्रवणबेळगोळ

			संगोष्ठी	वैदिक साहित्य में वर्णित मानवता	18-20.03. 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			संगोष्ठी	संस्कृतजैन ज्योतिषशास्त्र का साहित्य	27-29.03. 2015	भोगीलाल लहेरचन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी, दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी, विजयवल्लभ स्मारक कॉम्प्लेक्स, दिल्ली
16.	डॉ. अनेकान्त जैन, सहायक प्रोफेसर	जैनदर्शन	संगोष्ठी	आत्मानुशासन में कषाय विवेचन	17.08.2014 से 18.08.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय शास्त्री परिषद्, उ.प्र.
			संगोष्ठी	अष्टमूलगुण में कषाय विवेचन	24.08.2014 से 26.08.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय शास्त्री परिषद्, दिल्ली
			संगोष्ठी	आचार्य कुन्दकुन्द के साहित्य में षड् आवश्यक	02.10.2014 से 04.10.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय शास्त्री परिषद्, कोटा राजस्थान
			संगोष्ठी	समयसार देशना और देशनाकार	10.10.2014 से 12.10.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय परिषद्, भोपाल
			Internationl Seminar	Anekant Ki Vyavharikata	18.12.2014 से 20.12.2014	Shri Syadvad Mahavidyalaya (S.S. University) Varanasi
			National Seminar	Acharya Manikya Nandi and his Contribution	24.12.2014 से 28.12.2014	NIPSAR, Shravanbelagola, Karnataka
			संगोष्ठी	आदिपुराण में समन्वय और सौहार्द	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			सम्मेलन	वैदिक अध्यात्म	18.03.2015 से 20.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं ला.ब.शा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

17.	डॉ. प्रभाकर प्रसाद, सहायक प्रोफेसर	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	मीमांसादिशा समसामयिकता	20.03.2014 से 21.03.2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	आश्वश्वतत्त्वयो: विमर्श:	12.08.2014 से 13.08.2014	श्रीशंकर शिक्षायतन नई दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	ब्रह्मसिद्धान्त में निर्विकाराधिकरण विमर्श	17.01.2015	श्रीशंकर शिक्षायतन नई दिल्ली
			सेमिनार	अद्वैतवेदान्त भामतीप्रस्थानम् लेख प्रस्तुतीकरणम्	16.02.2015	रा.सं.संस्थान, वेदव्यास परिसर, हिमाचलप्रदेश
18.	डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	कार्यशाला (सहभागिता)	Enhancement of Research skills for Professional Development of Educators	30.04.2014	Amity Institute of Educaiton, New Delhi
			राष्ट्रीय संगोष्ठी विशिष्ट व्याख्यान	Re-orientation of Teacher Education	28 फरवरी 2015	Balaji College of Education, Ballabhgarh, Faridabad
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम : मूल्य मीमांसीय दृष्टि हेतु अपेक्षित उपाय कौशल	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
19.	डॉ. कुलदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर	जैनदर्शन	कार्यशाला	यू.जी.सी. एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज	07.08.2014 से 27.08.2014	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश
			कार्यशाला	youth power and Empowerment	07.09.2014 से 07.09.2014	Sri Aurobindo Society, N.Delhi
			कार्यशाला	जीवन विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण शिविर	03.10.2014 से 04.10.2014	अध्यात्म साधना केन्द्र, छत्तरपुर
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	जैनन्यायपरिचय:	10.11.2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	वैदिकपरम्परायां मूल्यविचार:	18.03.2015 से 20.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	संस्कृत के जैननीति शास्त्र और उनकी परम्परा	27.03.2015 से 29.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी व भोगीलाल लेहरचन्द प्राच्यविद्या संस्थान

	डॉ. कल्पना जैन सहायक प्रोफेसर	प्राकृत	राष्ट्रीय संगोष्ठी	आचार्यवररुचि एवं आचार्य हेमचन्द्र रचित प्राकृत व्याकरण ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन	26-28 मार्च 2014	साहित्य विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	आरामशोभा में वर्णित मानवीय मूल्य	27-29 मार्च 2014	प्राकृत एवं जैनविद्या विभाग मोहनलाल सुखाड़िया वि.उदयपुर
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	नारी की संवेदनात्मक भूमिका प्राकृत साहित्य के परिप्रेक्ष्य में	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	संस्कृतसंस्कृतिरक्षणे महिलानां योगदानम्	27.02.15 से 01.03 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	वैदिक प्राकृत सूक्तिसमन्वय	18-20 मार्च 2015	दिल्ली सं. अकादमी व श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	संस्कृत का जैन सन्देश काव्य	27-29 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं भोगीलाल लहेरचन्द प्राच्यविद्या संस्थान
20.	डॉ. एम. जयकृष्णन् सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Axiology and Teacher Education	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
21.	श्री मनोज कुमार मीणा सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य संकट एवं सम्भव समाधान	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
22.	डॉ. के अनन्त सहायक प्रोफेसर	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रीय संगोष्ठी	विशिष्टाद्वैतवेदान्ते प्रस्थानत्रय विचार	16.02 2015	वेदव्यासपरिसर, बलाहर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	मुखं व्याकरणं स्मृतम्	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

23.	डॉ. सुदर्शनम्. एस. सहायक प्रोफेसर	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारतीयदर्शने श्रुतिप्रामाण्य विचार:	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
24.	डॉ. रविशंकर शुक्ल सहायक प्रोफेसर	सांख्ययोग	राष्ट्रीय संगोष्ठी	पुराणेतिहास विभागेन संयोजिता राष्ट्रिया शोधसंगोष्ठी	07-09 जनवरी 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			सम्मेलन	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	अखिलभारतीया शास्त्रीय संगोष्ठी	28-29 मार्च 2015	भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार
25	डॉ. मारकण्डेय नाथ तिवारी सहायक प्रोफेसर	सांख्ययोग	सहभागिता	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	07-27 सितम्बर 2014	काशी हिन्दू वि.वि., वाराणसी
			संगोष्ठी	विश्वशान्ति में संस्कृत शास्त्रों का अवदान	20-21 सितम्बर 2014	वाकोवाक्यम् संस्कृत संस्थान, वाराणसी
			संगोष्ठी	मार्कण्डेय पुराण में भारतवर्ष	06 दिसम्बर 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
			संगोष्ठी	मार्कण्डेयपुराणे समन्वयसूत्राणि	07-09 जनवरी 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			कार्यशाला (सहभागिता)	शोध-प्रविधि (बौद्ध-दर्शनाध्ययन के सापेक्ष	26-27 मार्च 2015	म्यूनिसिपल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मसूरी
			संगोष्ठी	भारतीयदर्शन वाङ्मय सामाजिकोपयोगिता	28-29 मार्च 2015	श्रीभगवानदास आदर्श सं. महाविद्यालय, हरिद्वार
			संगोष्ठी	अध्यापक शिक्षा में मूल्यसंवर्द्धन हेतु विचारोपस्थापन	30-31 मार्च 2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

26.	डॉ. जवाहर लाल सहायक प्रोफेसर	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	शब्दार्थसंबंधविचार:	18-03 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	सम्यक्ज्ञानस्य मोक्षसाधनत्वचिंतनम्	26-28 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
27.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	प्रतियोगिता	संस्कृत सप्ताह समारोहस्योपलक्ष्ये गीताकण्ठपाठप्रतियोगिता या आयोजनम्	12.08.2014	वेद-वेदाङ्गसंकाय श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			कार्यशाला	विद्यापीठ पञ्चाङ्ग वि.सं. 2062 के व्रत, पर्व एवं उत्सवों के निर्णयार्थ कार्यशाला	15-17.10. 2014	ज्योतिष-विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	दर्शने राष्ट्रिय संगोष्ठी	14-15.02. 2015	हिमाचल संस्कृत अकादमी
			सम्मेलन	त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18-20.03. 2015	राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी
28.	डॉ. बिहारी लाल शर्मा, सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या उपनयन संस्कारस्य वैज्ञानिकता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			कार्यशाला	विद्यापीठीय पञ्चाङ्ग में व्रत पर्वोत्सव निर्णय हेतु राष्ट्रिय कार्यशाला	15-17 मार्च 2015	ज्योतिष श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			लेख	ज्योतिषशास्त्र में मानसिक रोग विचार	2014	भैषज्यज्योतिषमञ्जूषा विद्यापीठ, नई दिल्ली
29.	डॉ. विनोद कुमार शर्मा सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्र और पुराणों में लोक व्यवस्था	31.08.2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान
			सम्मेलन	वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त	17.03.2015	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या उपनयन संस्कारस्य वैज्ञानिकता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			संगोष्ठी	जैनदर्शन के स्याद्वाद सिद्धान्त की ज्योतिषशास्त्र में उपयोगिता	27-28 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं भोगीलाल लहेरचन्द प्राच्यविद्या संस्थान

			लेख	ज्योतिषशास्त्र में मानसिक रोग विचार	2014	भैषज्यज्योतिषमञ्जूषा विद्यापीठ, नई दिल्ली
			कार्यशाला	विद्यापीठीय पञ्चाङ्ग में व्रत पर्वोत्सव निर्णय हेतु राष्ट्रिय कार्यशाला	15-17 मार्च 2015	ज्योतिष श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
30.	डॉ. नीलम ठगेला उपाचार्या	ज्योतिष	कार्यशाला	व्रतत्यौहार पर्व निणर्यार्थ त्रिदिवसीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला	15-17.10. 2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी	जीवन मूल्यों के संदर्भ में गाँधी जी की दृष्टि	20-21 जनवरी 2015	ईस्माईल महिला महाविद्यालय, मेरठ
			सम्मेलन	षोडषसंस्काराणां परिपालने विदुषीनामवदानम्	27-28 फरवरी 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			सम्मेलन	प्राकृतिक आपदानां पूर्वानुमान परिहारश्च	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ
31.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी सहायकप्रोफेसर	ज्योतिष	कार्यशाला	व्रतत्यौहार पर्व निणर्यार्थ त्रिदिवसीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला	15-17.10. 2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			सम्मेलन	वर्तमान सन्दर्भ में वास्तुशास्त्र की उपादेयता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ

१७. शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पद

वर्तमान में शैक्षणिक वर्ग में 11 प्रोफेसर, 21 सह-प्रोफेसर एवं 88 सहायक प्रोफेसर तथा 01 सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष के कुल 121 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 78 शैक्षणिक पदों पर (77-अध्यापक + 01 सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष) आसीन हैं। गैर शैक्षणिक वर्ग में कुल 125 पद (ग्रुप-'ए'- 12 ग्रुप-'बी'- 31 एवं ग्रुप-'सी'-82 स्वीकृत हैं, जिनमें से 82 गैर-शैक्षणिक पदों पर अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं। कुलपति, कुलसचिव एवं वित्ताधिकारी के मार्गदर्शन में विद्यापीठ प्रशासन ने समस्त प्रशासकीय दायित्त्वों का निवर्हन अधिकारियों एवं सहकर्मियों की सहायता से किया है ।

विद्यापीठ द्वारा रिक्त पदों पर योग्य अभ्यर्थियों की भर्ती के लिए सतत् प्रयास किया जा रहा है । शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों का विवरण निम्नलिखित है ।

शैक्षणिक पद

शैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	अन्य पिछड़ी जाति	विकलांग	अल्पसंख्यक	योग
प्रोफेसर (Direct)	पुरुष	07	01	--	--	--	--	08
	महिला	--	--	--	--	--	--	--
प्रोफेसर (CAS के अन्तर्गत)	पुरुष	10	--	--	--	01(Orth)	--	11
	महिला	03	--	--	--	--	--	03
सह-प्रोफेसर (Direct)	पुरुष	04	--	--	01	--	--	05
	महिला	01	--	--	--	--	--	01
सह-प्रोफेसर (CAS के अन्तर्गत)	पुरुष	01	01	--	--	--	--	02
	महिला	04	02	--	--	--	--	06
सहायक प्रोफेसर	पुरुष	29	03	01	--	01(Blind)	--	34
	महिला	06	01	--	--	--	--	07
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुरुष	01	--	--	--	--	--	01
	महिला	--	--	--	--	--	--	--
योग		**66**	**08**	**01**	**01**	**02**	**--**	**78**

गैर-शैक्षणिक पद

गैर-शैक्षणिक	पुरुष/महिला	सामान्य	अनु. जाति	अनु. जन. जाति	अन्य पिछड़ी जाति	विकलांग	अल्पसंख्यक	योग
ग्रुप 'ए'	पुरुष	07	--	--	--	--	--	07
	महिला	02	01	--	--	--	--	03
ग्रुप 'बी'	पुरुष	08	04	--	01	--	--	13
	महिला	07	03	--	--	--	--	10
ग्रुप 'सी' (ग्रुप 'सी'+'डी')	पुरुष	19	09	03	12	02	--	45
	महिला	01	--	--	03	--	--	04
योग		**45**	**16**	**03**	**16**	**02**	**--**	**82**

१८. आवश्यक आरक्षण एवं अन्य प्रावधान

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के अनुसार विद्यापीठ में अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है । विद्यापीठ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं भारत सरकार की आरक्षण संबन्धी नीतियों का अनुपालन करता है । केवल इतना ही नहीं वह अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों को छात्रवृत्ति प्रदान करने, स्टाफ क्वार्टर और छात्रावास आबंटन में भी आरक्षण लागू करता है। चयन एवं पदोन्नति के समय पर भी विद्यापीठ में आरक्षण नीति का पालन होता है। उपर्युक्त सभी स्थितियों में भारत सरकार की सभी आरक्षण नीतियों को पूर्णत: लागू करने के लिए विद्यापीठ में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन-जाति प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के शैक्षिक एवं गैर-शैक्षिक पदों एवं छात्रों के पंजीयन में भी गत वर्षों की अपेक्षा पर्याप्त सुधार रहा है।

प्रकोष्ठ के मुख्य उद्देश्य

1. विद्यापीठ में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए आरक्षण नीति को लागू करना ।
2. विद्यापीठ में प्रवेश एवं शैक्षणिक/गैर-शैक्षणिक पदों पर चयन के समय लागू नीतियों के आँकड़े संग्रह करना ।
3. भारत सरकार द्वारा इस उद्देश्य हेतु निर्धारित उद्देश्यों एवं लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रयास करना ।
4. विद्यापीठ में आरक्षण नीति के लगातार लागू करने, नियन्त्रण एवं मूल्यांकन हेतु भारत सरकार की नीति एवं कार्यक्रमों के प्रभावशाली कार्यान्वयन के लिए योजना बनाना ।

- **प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्य**

1. भारत सरकार और आयोग के निर्णयों को प्रसारित करना एवं प्रवेश के लिए भरे जाने वाले फार्म में दी गई अनुबंधित तिथि तक अनुसूचित जाति/जनजाति की श्रेणी के छात्रों एवं विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश की वार्षिक सूचनाएँ एकत्रित करना और उसके लिए आवश्यक कदम उठाना ।
2. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आवेदकों की शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के लिए आयोग द्वारा निर्धारित नीतियों के विकास एवं संशोधन के लिए सूचनाएं एवं प्रतिवेदन एकत्रित करना ।
3. भारत सरकार के आदेशों और आयोग के निर्णयों को प्रसारित करना तथा विद्यापीठीय शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक पदों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण के लिए सूचनाएँ एकत्रित करना ।
4. एकत्रित सूचनाओं का विश्लेषण और प्रतिवेदन तैयार करना । मानव संसाधन विकास-मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं अन्य प्राधिकरणों को आवश्यकतानुसार संशोधन हेतु प्रतिवेदन प्रस्तुत करना ।
5. अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति द्वारा दिए गए विद्यापीठ में प्रवेश, नियुक्ति, पदोन्नति एवं अन्य स्थितियों में प्रस्तुत प्रतिवेदनों की जाँच करना ।
6. विद्यापीठ में सुधार प्रशिक्षण योजना के कार्य की जाँच करना ।

7. विद्यापीठीय अनुसूचित जाति/जनजाति के कर्मचारियों के शिकायत के लिए 'शिकायत सुधार समिति' के रूप में कार्य करना एवं उनकी शैक्षणिक एवं प्राशासनिक समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक सहायता करना ।
8. विद्यापीठ में विभिन्न पदों पर अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति के आवेदकों की भर्ती के लिए रिकॉर्ड रखना ।
9. आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक अभावों से पीड़ित इन दो समुदायों में उच्च शिक्षा के विकास के लिए समय-समय पर कार्य करना ।

इस सत्र में कुलपति द्वारा डॉ. सदन सिंह, सह-आचार्य को अनुसूचित जाति एवं जनजाति का तथा श्री बनवारी लाल वर्मा, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर को अन्य पिछड़ा वर्ग का सम्पर्क अधिकारी बनाया गया ।

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए भारत सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बनाई गई आरक्षण नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को नियुक्ति, पदोन्नति, प्रवेश, स्टाफ क्वार्टर और छात्रों को छात्रावास आबंटन आदि में सुनिश्चित करने के लिए प्रो. शुकदेव भोइ को विकलांगतासक्षम का सम्पर्क अधिकारी बनाया गया है ।

विद्यापीठ में एस.सी., एस.टी., अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के लिए विशेषकक्षा रेमेडियल एवं नेट (NET) कोचिंग सेन्टर यू.जी.सी. द्वारा सञ्चालित है । विशेष शिक्षण के लिये आयोजित की जाने वाली कक्षायें सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन सायंकाल में संचालित की जाती है । प्रो. शुकदेव भोइ इस कोचिंग सेन्टर के समन्वयक हैं ।

१९. आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

विद्यापीठ के शैक्षणिक एवं प्राशासनिक गुणवत्ता को बनाये रखने तथा उसमें वृद्धि एवं संस्थागत अन्तर्राष्ट्रीय कार्यसंस्कृति के अभ्यास के लिए आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का गठन कुलपति महोदय की अध्यक्षता में किया गया है ।

उद्देश्य:-

1. शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में सुधार हेतु चेतना, निरंतरता और उत्प्रेरक कार्यक्रम हेतु गुणवत्ता प्रणाली का विकास करना ।
2. गुणवत्ता संस्कृति एवं संस्था में उत्तम कार्यव्यवहारों के संस्थात्मिकरण का आन्तरीकरण करते हुए गुणवत्ता अभिवृद्धि की दिशा में संस्थात्मक प्रकार्यों के लिए उपायों को बढ़ावा देना ।

आई.क्यू.ए.सी. के कार्य:-

- विविध शैक्षिक और प्रशासनिक गतिविधियों हेतु गुणवत्ता बेंचमार्क/पैरामीटर का विकास और क्रियान्वयन करना ।

- सहभागी शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया के लिए वांछित ज्ञान और तकनीकी को अपनाने हेतु गुणवत्ता शिक्षा एवं संकाय सदस्यों की सुसाध्यता के लिए विद्यार्थी केन्द्रित परिवेश के सृजन हेतु सुविधाओं को सुलभ कराना ।
- विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा अन्य लाभप्राप्तकर्त्ताओं से गुणवत्ता संबंधित सांस्थानिक प्रक्रियाओं पर परिपुष्टियों को प्राप्त करने की व्यवस्था करना ।
- उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणात्मक पैरामीटर के विषय में सूचना का प्रचार-प्रसार करना ।
- गुणवत्ता परक विषयों और गुणवत्ता चक्रों की अभिवृद्धि के विषय में कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करना ।
- विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का प्रलेखीकरण करके गुणात्मक सुधार करना ।
- गुणवत्ता संबंधित गतिविधियों के समन्वय हेतु संस्था के नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना, जिसमें अच्छे संव्यवहारों को ग्रहण करना और प्रचार-प्रसार करना सम्मिलित है।
- सांस्थानिक गुणवत्ता को बनाये रखने एवं इसमें अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से एमआईएस द्वारा सांस्थानिक डाटा बेस का विकास करना और उसकी देखरेख करना ।
- गुणात्मक संस्कृति का विकास करना ।
- निर्धारित प्रारूप में सम्बद्ध गुणवत्ता आश्वासन निकाय द्वारा गुणात्मक पैरामीटर / निर्धारक मानदण्ड पर संस्था की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट को तैयार करना ।
- ए.क्यू.ए.आर. पर आधारित विभिन्न इकाइयों के गुणात्मक रेडार और पदानुक्रम का द्वि-वार्षिक विकास करना ।
- आई.क्यू.ए.सी. के साथ, प्रत्यायन के पूर्व एवं प्रत्यायन के पश्चात्, गुणवत्ता-निर्धारण, पुष्टि और वृद्धि हेतु अन्तरक्रिया करना है ।

२०. कैरियर काउंसलिंग सेल

विद्यापीठ में कैरियर काउंसलिंग सेल की स्थापना विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ११वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत किया गया । छात्रों की सामाजिक, आर्थिक एवं भौगोलिक विभिन्नताओं को ध्यान में रखते हुए कैरियर काउंसलिंग सेल छात्रों को विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश हेतु तैयार करने के लिए उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं , सम्प्रेषण कौशल एवं रोजगार सम्बन्धी कौशलों को विकसित करता है । डॉ. रजनी जोशी चौधरी इस सेल की संयोजिका है। छात्रों को उनके व्यवसाय के लिए तैयार करने हेतु इस वर्ष निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया -

- शिक्षाशास्त्री (बी.एड) एवं शास्त्री के विद्यार्थियों के लिए दिनांक २३ अगस्त से ०८ सितम्बर, २०१४ तक दस दिवसीय **संस्कृत संभाषण कार्यशाला** का आयोजन किया गया।

२१. महिला अध्ययन केन्द्र

श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना सन् 2006 में 10वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत हुई। केन्द्र का मुख्य ध्येय प्राचीन साहित्य का अध्ययन एवं महिला अध्ययन की दृष्टि से उसकी पुर्नव्याख्या करना है। डॉ. रजनी जोशी चौधरी केन्द्र की प्रभारी निदेशिका हैं।
सत्र (2014-2015) के अन्तर्गत अधोलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुई–

1. केन्द्र द्वारा शिक्षाशास्त्री (B.Ed) के विद्यार्थियों के लिए २७ जनवरी से १० फरवरी २०१५ तक एक फाउन्डेशन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम के द्वारा भावी शिक्षकों में जेंडर जागरूकता एवं सजगता का विकास करने का प्रयास किया जाता है।
2. शिक्षाचार्य के छात्रों के लिये **''जेंडर एवं अध्यापक''** विषय पर एक्सटेंशन लेक्चर का आयोजन दिनांक १२/०२/१५ को किया गया।
3. **"Gender Sensitization: Yesterday and Today"** विषय पर दिनांक २५ फरवरी से २७ फरवरी २०१५ तक त्रि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्टी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता **संसद सदस्य श्री अश्विनी कुमार चौबेजी** द्वारा की गयी। इस संगोष्ठी में विभिन्न उप–विषयों - Gender Sensitization: Social and Psychological perspective , Inclusion and Exclusion, Gender Sensitization in Ancient Indian period , Gender Sensitization in Pre Independence period, Gender Sensitization in Post Independence period, Gender Sensitization and Curriculum: Primary, Secondary and Higher Level के अन्तर्गत कुल 45 प्रपत्र प्रस्तुत किए गये।
4. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विद्यापीठ के विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा चार्ट बनाना, स्वनिर्मित कविता, श्लोकवाचन, भाषण एवं एकांकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यापीठ के छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया एवं उत्कृष्ट प्रस्तुतियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।
5. सलाहकार समिति की बैठक दिनांक–२७/०३/२०१५ को आयोजित की गयी। प्रो. नागेन्द्र झा, प्रॉक्टर, विद्यापीठ की अध्यक्षता में प्रो. गौरी श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, जेंडर स्टडीज विभाग, प्रो. ऊषा किरण राय, पूर्व संयोजिका, महिला अध्ययन केन्द्र बी.एच.यू. वाराणसी, प्रो. पी. गीता, (पूर्व निदेशिका महिला अध्ययन केन्द्र), तिरूवन्नतपुरम्, केरल, प्रो. रमामणि एवं प्रो. हरेराम त्रिपाठी, विद्यापीठ, ने इस बैठक में भाग लिया।
6. वर्ष 2013-2014 एवं 2014-2015 से सम्बन्धित न्यूज लेटर Vol.1, No.8, Issue no. (1) प्रकाशन की प्रक्रिया में है।
7. सुमङ्गली : द जर्नल ऑफ जेंडर एण्ड इन्डियन हेरिटेज, ISSN NO. 2229-6336 Vol. IV , Issue No. 4 प्रकाशन की प्रक्रिया में है।
8. **'Women in the News'** के अन्तर्गत अप्रैल २०१३ से मार्च २०१५ तक विभिन्न हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्रों में प्रकाशित महिलाओं से सम्बन्धित समाचारों को संकलित कर प्रकाशित किया गया है।
9. दिनांक २९ जनवरी से ३१ जनवरी २०१४ तक **"Images of Women and Women Empowerment in Indian Literature"** विषय पर आयोजित त्रि–दिवसीय संगोष्ठी की कार्यवाही (proceedings) को प्रकाशित किया जा चुका है।
10. दिनांक २५ से २७ फरवरी २०१५ तक **"Gender Sensitization: Yesterday and Today"** विषय पर आयोजित त्रि–दिवसीय संगोष्ठी की कार्यवाही (Proceedings) प्रकाशन की प्रक्रिया में है।

महिला अध्ययन केन्द्र

1. डॉ. रजनी जोशी चौधरी, सहायक आचार्या, शिक्षाशास्त्र - निदेशिका (प्रभारी)

21. संगणक केन्द्र

संगणक केन्द्र विद्यापीठ के विद्यार्थियों, अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों को संगणक सम्बन्धित सुविधा प्रदान करता है। यह उनके शैक्षणिक क्रियाकलापों एंव शोध कार्य में सहायता करता है। यह केन्द्र विद्यापीठीय प्रांगण में स्थित विभागों, प्रशासनिक भवनों, छात्रावास, अतिथि आवास, इत्यादि में संगणक सम्बन्धी नेटवर्क एवं संगणक का प्रबंधन भी देखता है।

वर्तमान सूचना प्रौद्योगिकी का बुनियादी ढांचा

- शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य, विशिष्टाचार्य तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम की कक्षाओं के छात्रों की सुविधा के लिए तीन वातानुकुलित कम्प्यूटर लैब हैं, जिसमें पाठ्यक्रम के अनुरूप छात्रों के सीखने के कौशल को बढ़ाने के लिए एवं नई चुनौतियों का सामना करने के लिए विभिन्न प्रकार के शिक्षण उपकरण जैसे इंटरनेट सुविधा, LCDTV, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर आदि उपलब्ध है ।
- इंटरनेट बैडविथ : संगणक केन्द्र में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के **NKN** परियोजना के तहत 10 जी. बी.पी.एस इंटरनेट लिंक के साथ इंटरनेट की सुविधा है। यह छात्रों के लिए अवसर, संकायों, शोधकर्त्ताओं और सभी विभागों को विभिन्न स्रोतों से सभी प्रकार की जानकारी और डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध कराता है।
- संस्कृत, हिन्दी और अग्रेंजी त्रिभाषी वेबसाइट की व्यवस्था की गई है।
- 300 विस्तर लाइनों के साथ EPABX की सुविधा है।
- इस वर्ष विद्यापीठ के संगणक केन्द्र ने सर्वर, साफ्टवेयर तथा नेटवर्किंग उपकरणों जैसे विभिन्न पहलुओं में उन्नति की है ।

<u>संगणक केन्द्र द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएँ :-</u>

संगणक केन्द्र विद्यापीठ में कम्प्यूटिंग सुविधा, ई-मेल, वेबसाइट होस्टिंग, विकास एवं प्रबंधन की सुविधा प्रदान करता है । यह अपने मूल्यवान डेटा का विश्लेषण पाने के लिए शोधकर्ताओं की मदद करता है । इंटरनेट की सुविधा प्रदान करता है । वर्ल्ड वाइड वेब का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाता है तथा विद्यापीठ के छात्रों के लिए लैब की सुविधा प्रदान करता है । संगणक केन्द्र विद्यापीठ की निम्न आवश्यकताओं को पूर्ण करता है ।

- विद्यापीठ के में प्रिंटर तथा सर्वर कम्प्यूटर, लैपटाप, डेस्कटाप की खरीद, स्थापना और रखरखाव ।
- विद्यापीठ के सभी विभिन्न सर्वर (सर्वर प्रबंधन) के रखरखाव ।
- विद्यापीठ के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक वर्ग के कर्मचारियों के लिए, आवासीय कर्मचारियों, छात्रावास, गेस्टहाउस में इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराना ।
- संगणक केन्द्र में फायरवाल प्रणाली की व्यवस्था की गई है ताकि बाहरी हैकर्स से नेटवर्क की रक्षा की जा सके तथा नेटवर्क के भार को संतुलित किया जा सके ।
- विद्यापीठ में कर्मचारियों की हार्डवेयर में संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए दूरसंचार निवारण नेटवर्क की व्यवस्था की गई है ।
- विद्यापीठ की कम्प्यूटर लैब में नेटवर्क से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है ।
- विद्यापीठ में कार्य कर रहे इंजीनियर्स द्वारा सिस्टम और हार्डवेयर की मरम्मत का कार्य किया जाता है ।

- मेल साफ्टवेयर की मदद से प्रशासन मेल सर्वर द्वारा विद्यापीठ के कर्मचारियों तथा छात्रों को कहीं से भी अपने ई-मेल खाते का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की गई है ।
- समय-समय पर विद्यापीठ के छात्रों एवं कर्मचारियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ।
- साप्ताहिक आधार पर भंडारण/फाईल सर्वर के बैकअप/रिकवरी आदि की भी व्यवस्था की जाती है ।
- कम्प्यूटर केन्द्र विभागों और छात्रों को संगणक केन्द्र हार्डवेयर खरीदने की भी सलाह देता है ।

विद्यापीठ की अधिकारिक वेबसाइट का प्रबन्धन-सामान्य जानकारी के अलावा संगणक केन्द्र उपयोगकर्त्ताओं को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है:-

- विद्यापीठ में संस्कृत, हिन्दी और अंग्रेजी त्रिभाषी वेबसाइट ।
- निविदाएँ और कैरियर, कोटेशन/निविदाओं और नौकरी पोस्टिंग प्रकाशन ।
- विभिन्न प्रकार के परिपत्रों एवं सूचनाओं का प्रकाशन ।
- ई-संसाधन-संकायों एवं छात्रों के शोधकार्य के लिए ई-संसाधन उपयोगी है ।
- पूर्व छात्र पंजीकरण- विद्यापीठ के पूर्व छात्र वेबसाइट के माध्यम से खुद को पंजीकृत कर सकते हैं ।
- प्रवेश जानकारी-विद्यापीठ की वेबसाइट पर दाखिले की प्रक्रिया पर पूरी जानकारी, प्रवेश परीक्षा, प्रास्पेक्टस जानकारी, आवेदन-पत्र एवं परीक्षा परिणाम आदि की जानकारी की सुविधा उपलब्ध कराता है ।

२२. जन-सूचना अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राधिकृत अधिकारी

भारत सरकार के जन-सूचना अधिकार नियम को पूर्ण रूप से लागू करने हेतु विद्यापीठ में निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी/केन्द्रीय सहायक सूचना अधिकारी के रूप नियुक्त किया गया है।

क्र. सं.	नाम, पद एवं दूरभाष सं०	केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी/केन्द्रीय सहायक सूचना अधिकारी	सूचना क्षेत्र
1.	श्रीमती कल्पना सिंह 011-46060567	अपीली अधिकारी पारदर्शिता अधिकारी	जनसूचना अधिकार के अन्तर्गत समस्त सूचनाओं पर सर्वोच्च जनसूचना अधिकारी
2.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी निजी सचिव (कुलपति) 011-46060603, 604	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	कुलपति कार्यालय से सम्बन्धित सूचना
3.	श्री पी. मरियप्पन सहायक कुलसचिव (SC/ST/OBC) 011-46060603, 604	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	विद्यापीठ में अनुसूचित जाति / जनजाति /अन्य पिछड़ा वर्ग से सम्बन्धित समस्त सूचना
4.	प्रो. भास्कर मिश्र 011-46060635	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय, एन.सी.टी.ई. एवं नैक से सम्बन्धित सूचना
5.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी 011-46060624	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	साहित्य एवं संस्कृति संकाय एवं पुराणेतिहास विभाग से सम्बन्धित सूचना
6.	प्रो. वीर सागर जैन 011-46060623	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	दर्शन संकाय, जैन दर्शन विभाग तथा मीमांसा विभाग से सम्बन्धित सूचना
7.	प्रो. एस. एन. रमामणि 011-46060530	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	छात्र कल्याण संकाय तथा अद्वैत वेदांत विभाग से सम्बन्धित सूचना
8.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित 011-46060608	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	एन.सी.सी., आन्तरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ/ नैक तथा न्याय वैशेषिक विभाग से सम्बन्धित सूचना
9.	प्रो. हरिहर त्रिवेदी 011-46060319	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	पौरोहित्य एवं वेद-वेदांग विभाग तथा छात्रावास से सम्बन्धित सूचना
10	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा 011-46060613	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	सैप (ज्योतिष)
11.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी 011-46060615	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	परिसर सुरक्षा, सतर्कता संबंधी मामलों तथा वास्तुशास्त्र से सम्बन्धित सूचना
12.	प्रो. कमला भारद्वाज	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	व्याकरण विभाग से सम्बन्धित सूचना
13.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	प्राकृत विभाग से सम्बन्धित सूचना

14.	प्रो. शुकदेव भोई	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	साहित्य विभाग से सम्बन्धित सूचना
15.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी 011-46060525	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	संख्ययोग विभाग एवं योग डिप्लोमा से सम्बन्धित सूचना
16.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	विशिष्ट अद्वैत वेदांत विभाग से सम्बन्धित सूचना
17.	डॉ. संगीता खन्ना	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	सर्वदर्शन विभाग से सम्बन्धित सूचना
18.	डॉ. यशवीर सिंह	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	धर्मशास्त्र विभाग से सम्बन्धित सूचना
19.	डॉ. रजनी जोशी चौधरी निदेशक (महिला अध्ययन केन्द) 011-46060618	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	महिला अध्ययन केन्द, कैरियर काउंसिलिंग सैल तथा प्लेसमेंट सैल से सम्बन्धित सूचना
20.	डॉ. (श्रीमती) मीनू कश्यप 011-46060540	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	एन.सी.सी. (छात्रावर्ग) से सम्बन्धित सूचना
21.	श्री मनोज कुमार मीणा 011-46060528	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	क्रीडा/ शारीरिक शिक्षा से सम्बन्धित सूचना
22.	श्री विनोद कुमार मिश्र 011-46060536	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	परीक्षा विभाग से सम्बन्धित सूचना
23.	श्रीमती कान्ता, सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक) 011-46060520	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	विद्यापीठ की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रमों, में प्रवेश, कार्यक्रमों, एकेडमिक कैलेण्डर से सम्बन्धित सूचना
24.	श्री अजय कुमार टण्डन, सहायक कुलसचिव (लेखा) 011-46060521	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	लेखा विभाग तथा वित्त समिति से सम्बन्धित सूचना
25.	श्री रमाकान्त उपाध्याय, कार्यपालक अभियन्ता 011-46060323	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	विद्यापीठ अभियन्ता कार्यालय, भवन समिति, कार्य समिति, रख-रखाव तथा बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा से सम्बन्धित सूचना
26.	डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी, सहायक कुलसचिव (प्र.) 011-46060501	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	प्रशासन से सम्बन्धित सभी सूचना
27.	श्रीमती सुषमा डेमला, सहायक कुलसचिव (विकास) 011-46060556	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	कुलसचिव कार्यालय, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन रिपोर्ट एवं विकास विभाग से सम्बन्धित सूचना
28.	श्री बनवारी लाल वर्मा, सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर 011-46060616, 617	केन्द्रीय सहायक जनसूचना अधिकारी	कम्प्यूटर सेन्टर एवं सूचना अधिकार, 2005 से सम्बन्धित सूचना
29.	डॉ. ज्ञानधर पाठक 011-46060609	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	शोध एवं प्रकाशन विभाग से सम्बन्धित सभी सूचना

30.	श्री मंजीत सिंह, अनुभाग अधिकारी (विकास) 011-46060558	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	1. कोर्ट केस से सम्बन्धित सूचना 2. कार्यपालक परिषद्, शैक्षणिक परिषद्, प्लानिंग तथा मॉनिट्रिंग बोर्ड तथा स.सी./ एस.टी./ओ.बी.सी. एवं विकलांग के आरक्षण से सम्बन्धित सूचना
31.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी, अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) 011-46060505, 506	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	प्रशासन विभाग, गैर-शैक्षणिक वर्ग, शैक्षणिक वर्ग, सर्विस मामलों, स्टोर, मेडिकल बिलों के भुगतान, सुरक्षा मामलों, पार्लियामेंट प्रश्नों के उत्तर आदि से सम्बन्धित सभी सूचना
32.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष 011-46060532	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	पुस्तकालय सम्बन्धित सभी सूचना
33.	श्री रमाकांत उपाध्याय, कार्यपालक अभियंता 011-46060323	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	UWD से सम्बन्धित सूचना
34.	श्री अंजनी कुमार, सहायक अभियंता 011-46060610	केन्द्रीय सूचना अधिकारी	बुनियादी सुविधाओं से सम्बन्धित सूचना

जनसूचना अधिकार अधिनियम-अन्तर्गत निर्गत त्रैमासिक सूचनाएँ

Sl. No	Ministry/ Department/ Organization	Quarter	Opening balance of requests (as on start of quarters)	No. of requests received during Quarter	Total No. of Requests (Column 3+4)	No. of requests transferred to other PAs	Decisions where Applications for Information rejected	No. of cases where disciplinary action taken against any officer in respect of administration of RTI Act	Total Amount Collected (fee+ add. Charges + Penalty) (Rs.)	No. of times various Provisions were involved while rejecting Requests — Relevant Sections of RTI Act, 2005 — Section 8 (I)										Other Sections			
										a	b	c	d	e	f	g	h	I	J	9	11	24	other
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	27
1.	Ministry of Human Resource Development																						
1.1	Department of Secondary and Higher Education																						
1.1.1	SLBSRS Vidyapeetha	1st Quarter (Apr 14-Jun 14	0	1	1	0	0 (0%)	0	440	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		2nd Quarter (July 14-Sep 14	0	3	3	0	2 (66.7%)	0	342	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
		3rd Quarter (Oct 14-Dec 14	0	19	19	0	0 (0%)	0	210	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		4th Quarter Jan 15-Mar 15	4	11	15	0	0 (0%)	0	220	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Department Total			4	34	38	0	2 (5.9%)	0	1212	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2

२३. आधार, संरचना एवं भवन

(क) भूमि एवं भवन

विद्यापीठ परिसर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के दक्षिण दिल्ली जिला में कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र के प्लाट स. बी–4 पर शहीद जीत सिंह मार्ग पर 10.65 एकड़ में स्थित है। इसके आस–पास विभिन्न शैक्षणिक एवं शोध संस्थाएँ जैसे – भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी., एन.यू.ई.पी.ए. जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, आई.आई.एफ.टी. आदि हैं। इसके समाने उतर की ओर

सड़क के उस पार विश्वकर्मा भवन, आई.एस.टी.ई. आदि पूर्व में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, केन्द्रीय जल आयोग आदि, दक्षिण में केन्द्रीय समाज कल्याण आई.एम.आई आदि तथा पश्चिम में संजय वन है। यह परिसर सुरम्य है सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक भवनों तक पहँचने तक के लिए उचित सड़क की व्यवस्था है। परिसर में कई वाटिकायें है जैसे सारस्वत उद्यानम्, विश्रान्ति वाटिका, स्वर्ण जयन्ती पार्क आदि है। परिसर में 24 घंटे बिजली, पानी की सप्लाई सुनिश्चित करने हेतु विद्यापीठ में 11 किलो वोल्ट का अपना उच्च पारेषण विद्युत उपगृह, पर्याप्त जनरेटर सेट्स, ट्यूब वेलस, मल जल शोधन संयंत्र आदि हैं। परिसर में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था हेतु हाई मास्ट लाइटिंग सिस्टम लगे हुये हैं।

विद्यापीठ में कुल चार शैक्षणिक (गैर–आवासीय) भवन है। इनका विविरण निम्न प्रकार है :–

1. शैक्षणिक सदन :– यह सबसे पुराना दो मंजिला भवन है, जो कुल 2951 वर्गमीटर में बना हुआ है, जिसमें शैक्षणिक, शोध एवं पुस्तकालय आदि समाविष्ट हैं। इस भवन में दर्शन तथा साहित्य एवं संस्कृति संकाय के सभी विभाग हैं। इसी भवन में एक अत्याधुनिक ज़िम भी है।
2. सारस्वत साधना सदन :– यह पाँच मंजिला भवन (भूतल+3+तहखाना) है, जो 4000 वर्गमीटर में बना है। इस भवन में 1 लिफ्ट लगा है। इस भवन में कुलपति कार्यालय, परीक्षा विभाग, संगणक केन्द्र, महिला अध्ययन केन्द्र, सम्मेलन कक्ष, समिति कक्ष, संकाय कार्यालय, मुख्य सर्तकता – अधिकारी आदि के कार्यालय हैं।
3. बृहस्पति भवन :– यह एक दो मंजिला भवन है, जो 410.40 वर्गमीटर में बना है। इसमें वेद और पौरोहित्य विभाग है। इसमें कर्मकाण्ड प्रयोगशाला भी है। इस वर्ष यज्ञशाला में कई यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया।
4. स्वर्ण जयन्ती सदन :– यह पाँच मंजिला भवन (भूतल+3+तहखाना) है, जो 6283 वर्गमीटर में बना है। इस भवन में 3 लिफ्ट एवं 4 सीढ़ियाँ हैं। यह भवन हरित भवन के मानकों के अनुसार बनाया गया है। इस भवन में प्राशासनिक कार्यालय, वित्त विभाग, शैक्षणिक विभाग, विकास विभाग, ज्योतिष विभाग, वास्तु विभाग, व्याकरण विभाग, धर्मशास्त्र विभाग, शिक्षाशास्त्र विभाग, सांख्यिकी केन्द्र, समिति कक्ष, संकाय कार्यालय, प्रॉक्टर कार्यालय, कुलसचिव, वित्त अधिकारी आदि के कार्यालय हैं।

बृहस्पति भवन को छोड़कर अन्य सभी शैक्षणिक भवन अन्दर ही अन्दर एक दूसरे से जुड़े हैं। इन सभी भवनों में रेन वाटर हारवेस्टिंग की व्यवस्था है।

(ख) आवासीय भवन

विद्यापीठ परिसर में शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों के लिये कुल 48 आवास हैं, जिनमें टाइप –V के 7 आवास, टाइप–IV के 8 आवास, टाइप –III के 8 आवास, टाइप –II के 8 आवास, टाइप– I के 16 आवास तथा एक कुलपति आवास हैं.।

(ग) अतिथि निवास (विश्रान्ति निलय)

विद्यापीठ के अतिथि निवास में 10 डबल बेड वाले कक्ष, 1 वी.आई.पी. कक्ष, 1 कार्यालय कक्ष एवं एक भव्य डाइनिंग कक्ष है। यह अतिथि निवास शैक्षणिक और शोधकार्यों,

शैक्षणिक प्रश्यसन में लगे हुये राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों एवं सस्दयों द्वारा उपयोग के लिए है।

(घ) **छात्रावास**

विद्यापीठ में 48 कक्षों का 99 विद्यार्थियों के निवास के लिये चार मंजिला छात्रावास भवन है, जो 2068.43 वर्गमीटर में बना हुआ है। इसमें 16 एक सदस्यीय कक्ष, 16 द्विसदस्यीय कक्ष और 16 त्रिसदस्यीय कक्ष हैं। छात्रावास में आधुनिक सुविधाएं जैसे – स्थानीय दूरभाष, मनोरंजन कक्ष, भोजन कक्ष, जलपान कक्ष एवं पाकशाला भी हैं।

वर्ष 2014–2015 में विद्यापीठीय छात्रावास अधिष्ठाता के रुप में प्रो. हरिहर त्रिवेदी कार्यरत हैं। छात्रावास अधिष्ठाता एवं छात्रावास समिति के सहयोग से छात्रावास संच्चालन, प्रबन्ध एवं रख–रखाव के कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न किये जाते हैं।

(ङ) पुस्तकालय

महामहोपाध्याय पद्मश्री डॉ. मंडन मिश्र ग्रंथालय विद्यापीठीय शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केन्द्र रहा है, इस पुस्तकालय में पारंपरिक एवं आधुनिक विषयों का एक वृहद संग्रह उपलब्ध है। पुस्तकालय में लगभग 88,000 ज्ञानवर्धक पुस्तकें है । यह पुस्तकालय वेद, पुराण, उपनिषद्, धर्मशास्त्र, योग, ज्योतिष, व्याकरण, साहित्य, दर्शन, मीमांसा, पौरोहित्य, आयुर्वेद आदि विषयों के संग्रह के लिए विख्यात है। इसके अतिरिक्त शिक्षा, हिन्दी, अंग्रेजी तथा अन्य समसामयिक विषयों का संग्रह इस पुस्तकालय को वास्तव मे ज्ञान भंडार की श्रेणी में ला खड़ा करता है।

पुस्तकों के अतिरिक्त बहुत बड़ी संख्या में शोध पत्रिका, समाचार पत्र एवं समसामयिक पत्रिकाएँ इत्यादि की संख्या को बढ़ाया गया है। छात्रों के लिए पुस्तकालय में बुक बैंक की सुविधा भी उपलब्ध है।

विद्यापीठ पुस्तकालय में उपलब्ध शोध प्रबन्धों को 'शोधगंगा प्रोजेक्ट के अंतर्गत लाने हेतु प्रकिया आरम्भ हो चुकी है, इससे छात्रों को शोध–प्रबन्धों का अध्ययन करने में सरलता होगी।

पुस्तकालय भवन के विस्तार के उपरान्त पुस्तकालय का क्षेत्रफल 586 वर्गमीटर से बढ़कर 1192.32 वर्गमीटर हो गया है। पाठकों की सुविधा के लिए एक सुसज्जित पठन सह संदर्भ कक्ष को द्वितीय तल पर निर्मित किया गया है। इस कक्ष को शीघ्र ही पाठकों के लिए उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त भूतल पर भी विस्तार की प्रकिया आरंभ हो चुकी है।

पुस्तकालय में गतिविधियों की वेहतर व्यवस्था एवं नियंत्रण हेतु सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। पुस्तकालय में व्यवस्था, नीतिनिर्माण व निर्धारण हेतु एक पुस्तकालय समिति भी है।

पुस्तकालय के प्रबन्धन एवं रख–रखाव के लिये एक सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, दो प्रोफेशनल सहायक, तीन सेमी प्रोफेशनल सहायक तथा चार पुस्तकालय परिचर है।

विद्यापीठ पुस्तकालय न केवल विद्यापीठ के छात्रों, अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों की शैक्षणिक शोध आवश्यकताओं की पूर्ति में अपना योगदान देता है अपितु यह पुस्तकालय उन सभी लोगों को जो संस्कृत अध्ययन अथवा शोध में अभिरुचि रखतें है उनको विशिष्ट सदस्यता भी प्रदान करता है। इस प्रकार यह विद्यापीठ के उद्देश्यों के परिपालन में सतत प्रयत्नशील है।

(च) वराह मिहिर वेधशाला

विद्यापीठ के ज्योतिष विभाग के छात्रों को ज्योतिष के प्रायोगिक ज्ञान के लिए विद्यापीठ परिसर में ज्योतिष वेधशाला का निर्माण किया गया है। इसका निर्माण जन्तर–मन्तर जयपुर की वेधशाला के पूर्व अध्यक्ष राष्ट्रपति सम्मानित म.म. स्वर्गीय पं. कल्याणदत्त शर्मा ने किया है। इस वेधशाला में निर्मित कर्कवलय, तुलावलय एवं मकरवलय से ग्रहों के भोगांशों का ज्ञान, भित्तियन्त्र तथा चक्रयन्त्र से क्रान्ति का ज्ञान, नाडीवलय यन्त्र से स्थानीय काल का ज्ञान, सम्राट यन्त्र से ग्रहों के याम्योत्तरलंघनकाल एवं स्थानीय काल व मानककाल का ज्ञान तथा भारतीय तारामण्डल से नतांश, अक्षांश क्रान्त्यंश आदि विभिन्न मानकों का ज्ञान दिया जाता है।

(छ) यज्ञशाला

विद्यापीठ में एक यज्ञशाला है, जिसमें राजधानी के योजकों के लिये डिप्लोमा एवं प्रशिक्षण पाठयक्रम का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यज्ञशाला में कई यज्ञानुष्ठानों का आयोजन किया गया। यह बृहस्पति भवन में है।

(ज) सीवेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट (मलशोधन संयंत्र)

विद्यापीठ में एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लाण्ट (120 कि.ली. प्रतिदिन की क्षमता का) को 2006–07 में लगवाया गया। यह प्लाण्ट थर्मेक्स के चैनल पार्टनर मेसर्स इकोथर्म इन्जीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगवाया गया ताकि रसोईघर, स्नानगृह आदि के अपशिष्ट जल को पुनः प्रयोग में लाया जा सके और बागवानी में प्रयोग किया जा सके। विद्यापीठ शत–प्रतिशत शुद्ध किए गए अपशिष्ट जल का प्रयोग पार्क, वृक्ष आदि के विकास के लिए एवं बागवानी के लिए (वर्षाऋतु के कुछ दिनों को छोड़कर) तथा गैर–आवासीय भवनों के शौचालयों में फ्लश के लिए उपयोग करता है। वर्षा के दिनों में शुद्ध किया गया जल नजदीकी वर्षा जल संचयन गड्ढों में बोर्स के द्वारा भूमि के अन्दर भेज दिया जाता है। इस मलशोधन संयंत्र से निकले हुये ठोस अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग बगवानी में खाद के रुप में किया जाता है। इस प्रकार विद्यापीठ वर्ष भर शुद्ध किए गये जल का प्रयोग बागवानी आदि के लिए करता है। इस प्लाण्ट का रख–रखाव वर्ष भर उसी एजेंसी के द्वारा किया जाता है जिसके द्वारा यह लगवाया गया है।

(झ) विद्यापीठ में वर्षा जल का संचयन

विद्यापीठ ने वर्ष 2004–2005 में केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में विद्यापीठ परिसर के वर्षा जल संचयन की समुचित व्यवस्था हेतु कुल पाँच स्थानों पर 13 गडढें (बोर्स) कराया। विद्यापीठ के सभी आवासीय एवं गैर –आवासीय भवनों के छतों पर हुयी बरसात के जल को पाइपों के माध्यम से ज़मीन पर लाते है तत्पश्चात इसे नजदीकी जल संचयन गड्ढों में पहुँचाने का व्यस्था की गयी है। इस प्रकार 100% वर्षा जल भूमि के नीचे चला जाता है, जो भूमिगत जलस्तर को ऊपर उठाने में मदद करता है।

विद्यापीठ में कुल 2951 वर्गमीटर में बना हुआ है, जिसमें शैक्षणिक, शोध, पुस्तकालय एवं प्राशासनिक भवन आदि समाविष्ट हैं। आवासीय भवन कुल 6036.55 वर्गमीटर में अवस्थित है, जिसमें चार मंजिला छात्रावास भवन 2068.43 वर्गमीटर में टाइप V के आवास 1167 वर्गमीटर में टाइप IV के आवास 996.28 वर्गमीटर में, टाइप III के आवास 541.28 वर्गमीटर में तथा टाइप II एवं टाइप I के आवास कमशः 452 तथा 811.56 वर्गमीटर में बने हुये हैं। शैक्षणिक खण्ड (सारस्वतसाधनासदनम्) में कुलपति कार्यालय, शिक्षाशास्त्र विभाग, संगणक केन्द्र, महिला अध्ययन केन्द्र, सम्मेलन कक्ष, समिति कक्ष, संकाय कार्यालय, मुख्य सर्तकता – अधिकारी आदि कार्यालय हैं। इसके अतिरिक्त स्वर्ण जयन्ती सदन 6283 वर्गमीटर में बनकर तैयार है, जिसका उद्घाटन केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्री श्री पल्लम राजू जी के कर कमलों द्वारा दिनांक 22.02.2013 को किया गया। दो मंजिला बृहस्पति भवन भी 410.40 वर्गमीटर में है, जिसमें कुल 09 कक्ष हैं। इसमें पौरोहित्य एवं वेद विभाग अवस्थित हैं।

(ण) परिसर की सुरक्षा

कुलानुशासक प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी के निर्देशन में विश्वविद्यालय परिसर की सुरक्षा-व्यवस्था का सञ्चालन किया जाता है। इस व्यवस्था को सुचारु रूप से क्रियान्वित करने के लिये दिल्ली स्थित पंजीकृत सुरक्षा-संस्थानों के सुरक्षा गार्डों का उपयोग किया जाता है। सुरक्षा कर्मियों की कार्य-शैली का आकस्मिक निरीक्षण एवं सन्तोषजनक कार्य का निर्धारण कुलानुशासक द्वारा किया जाता है।

25. सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष 2014-15 में शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक वर्ग में कोई सेवानिवृति नहीं हुई।

२६. परिषदें एवं समितियाँ एवं विद्यापीठीय कर्मचारी

1. प्रबन्धन मण्डल के सदस्यों की सूची

क्रम स०	नाम एवं पता	पदनाम
1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 05.02.2014 से 13.05.2014
	प्रो. भास्कर मिश्र आचार्य एवं संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 14.05.2014 से 17.11.2014
	डॉ. सुखबीर सिंह संधु संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष 18.11.2014 से 31.03. 2015
2.	प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी बनारस हिन्दी विश्वविद्यालय वाराणसी	सदस्य
	डॉ. चॉद किरण सलुजा निदेशक, संस्कृत पदोन्नति फाउण्डेशन नई दिल्ली	सदस्य
3.	प्रो. प्रभाकर झा पूर्व आचार्य फ्रेन्च एवं भारत के पूर्व उच्चायुक्त (फिज़ी) भारत सरकार, वाराणसी	सदस्य
4.	डॉ. गौतम पटेल गुजरात	सदस्य
	प्रो. रामचन्द्र पाण्डेय पूर्व आचार्य एवं संकाय प्रमुख, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री कुलपति, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात	सदस्य
	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	सदस्य
	प्रो. कृष्णकान्त शर्मा आचार्य, वैदिक दर्शन, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
5.	श्री चमूकृष्ण शास्त्री वरिष्ठ सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली	सदस्य

6.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय विभागाध्यक्ष शोध एवं प्रकाशन विभाग श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	सदस्य
7.	प्रो. भास्कर मिश्र संकाय प्रमुख, शिक्षाशास्त्र श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	सदस्य
8.	प्रो. वीरसागर जैन संकाय प्रमुख (दर्शन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	सदस्य
9.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी संकाय प्रमुख (साहित्य एवं संस्कृति) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	सदस्य
10.	डॉ. सविता एसोसिएट प्रोफेसर (हिन्दी) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	सदस्य
11.	डॉ. बीके. महापात्र कुलसविच	सचिव

2- शैक्षणिक परिषद के सदस्यों की सूची

क्रम संख्या	नाम एवं पता	पदनाम
1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 05.02.2014 से 13.05.2014
	प्रो. भास्कर मिश्र आचार्य एवं संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 14.05.2014 से 17.11.2014
	डॉ. सुखबीर सिंह संधु संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष 18.11.2014 से 31.03.2015

2	**सभी संकाय प्रमुख** प्रो. प्रेमकुमार शर्मा संकाय प्रमुख (वेदवेदांग संकाय) प्रो. भास्कर मिश्र संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) प्रो. वीर सागर जैन संकाय प्रमुख (दर्शन तथा वेद-वेदांग) प्रो. इच्छाराम द्विवेदी संकाय प्रमुख (साहित्य एवं संस्कृति)	सदस्य
3	**विभागाध्यक्ष** प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय (शोध एवं प्रकाशन) प्रो. भास्कर मिश्र (शिक्षाशास्त्र) प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित (न्याय वैशेषिक) प्रो. शुकदेव भोई (साहित्य) प्रो. हरिहर त्रिवेदी (वेद) प्रो. प्रेम कुमार शर्मा (ज्योतिष) प्रो. हरिहर त्रिवेदी (पौरोहित्य) प्रो. एस. एन. रमामणि (अद्वैत वेदान्त) प्रो. सुदीप कुमार जैन (प्राकृत)	सदस्य सदस्य

	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी (पुराणेतिहास) प्रो. केदार प्रसाद परोहा (विशिष्ट अद्वैत वेदान्त) प्रो. वीर सागर जैन (जैन दर्शन एवं मीमांसा) प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी (सांख्य योग) प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी (वास्तुशास्त्र) डॉ. संगीता खन्ना (दर्शन) डॉ. यशवीर सिंह (धर्मशास्त्र)	
4	**सभी प्रोफेसर** प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय प्रो. नागेन्द्र झा प्रो. भास्कर मिश्र प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित प्रो. प्रेम कुमार शर्मा प्रो. हरिहर त्रिवेदी प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी प्रो. कमला भारद्वाज प्रो. एस.एन. रमामणि प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा प्रो. सुदीप कुमार जैन प्रो. शुद्धानन्द पाठक प्रो. शुकदेव भोइ प्रो. इच्छाराम द्विवेदी प्रो. वीर सागर जैन प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सदस्य

	प्रो. केदार प्रसाद परोहा प्रो. रमेश प्रसाद पाठक प्रो. भागीरथि नन्द प्रो. देवदत्त चतुर्वेदी प्रो. रश्मि मिश्र	
5	विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन के द्वारा विभागों से लिए गए तीन एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मीनू कश्यप एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रगति गिहार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बिहारी लाल शर्मा एसोसिएट प्रोफेसर	सदस्य
6	वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन के द्वारा विभागों से लिए गए तीन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शीतला प्रसाद शुक्ला असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी मिश्रा असिस्टेंट प्रोफेसर	सदस्य
7	कुलपति द्वारा मनोनित ऐसे तीन शिक्षाविद जो विद्यापीठ की सेवाओं के अतिरिक्त किसी अन्य क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त हों प्रो. एच. के. सतपथी कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति आन्ध्र प्रदेश प्रो. युगलकिशोर मिश्र आचार्य, वेद विभाग, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य

	प्रो. रामानुज देवनाथन प्राचार्य, श्री रणवीर परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, कोट भटमल, जम्मू	
8	तीन अन्य व्यक्ति जो कि शैक्षणिक कर्मचारी नहीं हैं एवं शैक्षणिक परिषद् द्वारा अपने ज्ञान के लिए विशेषज्ञ हैं	सदस्य
9	डॉ. बीके महापात्र वित्ताधिकारी (प्रभारी) श्रीमती कल्पना सिंह वित्ताधिकारी	सचिव

3. योजना एवं मॉनिटरिंग बोर्ड के सदस्यों की सूची

क्रम संख्या	नाम एवं पता	पदनाम
1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 05.02.2014 से 13.05.2014
	प्रो. भास्कर मिश्र आचार्य एवं संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 14.05.2014 से 17.11.2014
	डॉ. सुखबीर सिंह संधु संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष 18.11.2014 से 31.03.2015
2.	सभी संकाय प्रमुख / निदेशक	सदस्य
3.	संकाय प्रमुख (छात्रकल्याण)	सदस्य
4.	वित्ताधिकारी	सदस्य
5.	कुलपति द्वारा स्वीकृत प्रबन्धन बोर्ड द्वारा नामांकित दो बाहरी विशेषज्ञ डॉ. एस. एन. सिंह, पूर्व प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी-221005	सदस्य

6.	डॉ. बी.के. सिंह कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),नई दिल्ली-57	
7.	यू.जी.सी. द्वारा नामांकित एक प्रख्यात् विद्वान् प्रो. शिव वरण शुक्ल प्रधानाचार्य मदन मोहन मालवीय स्नाकोत्तर कॉलेज कलकंकर, प्रतापगढ़-229408, उ.प्र.	सदस्य
8.	श्री रामाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियंता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	विशेष आमंत्रित
9.	श्री अजय कुमार टंडन सहायक कुलसचिव श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	विशेष आमंत्रित

4. समितियाँ

(क) वित्त समिति

क्रम संख्या	नाम एवं पता	पदनाम
1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 05.02.2014 से 13. 05.2014
	प्रो. भास्कर मिश्र आचार्य एवं संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ	अध्यक्ष 14.05.2014 से 17. 11.2014
	डॉ. सुखबीर सिंह संधु संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	अध्यक्ष 18.11.2014 से 31. 03.2015

2.	प्रो. प्रभाकर झा पूर्व प्रोफेसर व उच्चायुक्त फिजी 5-ए, विद्या विहार कॉलोनी, सी-32/27, चंदुआ चित्तुरपुर रोड, वाराणसी-221002	सदस्य
3. 4.	डॉ. सुखबीर सिंह संधू (संयुक्त सचिव) (केन्द्रीय विश्वविद्यालय व भाषा) उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 डॉ. योगेन्द्र त्रिपाठी संयुक्त सचिव व वित्तीय सलाहकार (एकीकृत वित्त प्रभाग) उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य
5.	श्री ए.एन. बक्शी पूर्व मुख्य लेखा नियंत्रक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन नई दिल्ली	सदस्य
6.	श्रीमती कल्पना सिंह वित्ताधिकारी श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16	सदस्य सचिव

(ख) प्रवेश समिति

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, कुलपति	-	अध्यक्ष
2.	प्रो. भास्कर मिश्र	-	सदस्य
3.	प्रो. वीर सागर जैन	-	सदस्य
4.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	-	सदस्य
5.	प्रो. एस.एन. रमामणि	-	सदस्य
6.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	-	सदस्य
7.	प्रो. हरिहर त्रिवेदी	-	सदस्य
8.	प्रो. नागेन्द्र झा	-	सदस्य
9.	डॉ. सदन सिंह	-	सदस्य
10.	डॉ. कान्ता	-	सदस्य
11.	डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी	-	सदस्य
12.	श्री बिनोद कुमार मिश्र	-	सदस्य
13.	श्री बनवारी लाल वर्मा	-	सदस्य
14.	श्री सुच्चा सिंह	-	संयोजक

(ग) छात्रावास प्रवेश प्रबन्धन समिति

1. प्रो0 नागेन्द्र झा - अध्यक्ष
2. प्रो0 भास्कर मिश्र - सदस्य
3. प्रो0 श्रीमती एस.एन. रमामणि - सदस्य छात्रकल्याण संकायप्रमुख(पदेन)
4. प्रो0 इच्छाराम द्विवेदी - सदस्य
5. प्रो0 वीरसागर जैन - सदस्य
6. प्रो0 देवीप्रसाद त्रिपाठी - सदस्य कुलानुशासक (पदेन)
7. प्रो0 महेश प्रसाद सिलोड़ी - सदस्य
8. डॉ0 यशवीर सिंह - सदस्य
9. डॉ0 सदन सिंह - सदस्य
10. श्री मनोज कुमार मीणा - सदस्य
11. श्री रमाकान्त उपाध्याय - सदस्य
12. डॉ. श्रीमती कान्ता - सदस्य
13. प्रो0 हरिहर त्रिवेदी - सदस्य एवं संयोजक

(घ) भवन समिति के सदस्यों की तालिका

1.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय आचार्य एवं विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ		अध्यक्ष 05.02.2014 से 13.05.2014
	प्रो. भास्कर मिश्र आचार्य एवं संकाय प्रमुख (शिक्षाशास्त्र) श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ		अध्यक्ष 14.05.2014 से 17.11.2014
	डॉ. सुखबीर सिंह संधु संयुक्त सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली		अध्यक्ष 18.11.2014 से 31.03.2015
2.	प्रो. वीरेन्द्र कुमार सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) वाराणसी	सदस्य	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग
3.	प्रो. रमाकान्त सेलोट प्राचार्य (सेवानिवृत), एम.आई.टी.एस. ग्वालियर, बी–2/2265, ग्रीन ग्लैड अपार्टमेन्ट वसन्त कुंज, नई दिल्ली 110 070	सदस्य	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग
4.	श्री पीयूष दवे मुख्य वास्तुक (पू.क्षे.) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग, निज़ाम पेलैस, 234/4 कोलकत्ता 700 020	सदस्य	सरकार, वास्तुक द्वारा नामित सदस्य, केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग

5.	डॉ. सिद्ध नाथ सिंह सुसुवाटी हैदराबाद गेट	सदस्य	प्लानिंग बोर्ड द्वारा नामित सदस्य
6.	प्रो. सुखदेव भोई साहित्य विभाग श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
7.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा विशिष्टाद्वैत वेदान्त विभाग श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
8.	श्री गोपाल कृष्ण तनेजा अधिशासी अभियन्ता (विद्युत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली 110 016	सदस्य	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा नामित सदस्य
9.	श्री संदीप गौर 0/0 इंजीनियर इन चीफ, पी.डब्लू.डी., (दिल्ली सरकार) एम.एस.ओ. बिल्डिंग, आई.पी. स्टेट नई दिल्ली 110 002	सदस्य	पदेन इंजीनियर इन चीफ, पी. डब्लू.डी., द्वारा नामित सदस्य
10.	श्री सुनील पराशर अधिशासी अभियन्ता (प्लानिंग) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग आई.पी. भवन, नई दिल्ली 110 002	सदस्य	महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित सदस्य,
11.	श्रीमती कल्पना सिंह वित्त अधिकारी श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	पदेन
12.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	पदेन
13.	डॉ. बिजय कुमार महापात्र कुलसचिव श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य सचिव	पदेन

(ङ) कार्य समिति के सदस्यों की तालिका

1.	प्रो. रमाकान्त सेलोट प्राचार्य (सेवानिवृत), एम.आई.टी.एस. ग्वालियर, बी–2/2265, ग्रीन ग्लैड अपार्टमेन्ट, वसन्त कुंज, नई दिल्ली 110 070	अध्यक्ष	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग

2.	श्री इन्द्र देव रस्तोगी सेवानिवत्त एडिशनल (वास्तुक) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग 182, डी.डी.ए. फ्लैटस मुनिरका, नई दिल्ली	सदस्य	वास्तुक विशेषज्ञ
3.	श्रीमती कल्पना सिंह वित्त अधिकारी श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	पदेन
4.	प्रो. एस.एन. रमामणि प्रोफेसर श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली 110 016	सदस्य	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
5.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी अध्यक्ष वास्तु विभाग श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,नई दिल्ली 110 016	सदस्य	कुलपति द्वारा नामित सदस्य
6.	श्री गोपाल कृष्ण तनेजा अधिशासी अभियन्ता (विघुत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली 110 016	सदस्य	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रतिनिधि
7.	श्री सुनील पराशर अधिशासी अभियन्ता (प्लानिंग) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग आई.पी. भवन, नई दिल्ली 110 002	सदस्य	महानिदेशक, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा नामित सदस्य,
8.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	विद्यापीठ अभियन्ता
9.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	संयोजक	

भवन समिति की स्थायी तकनीकी उपसमिति – संरचनात्मक मुद्दों हेतु

1.	प्रो. वीरेन्द्र कुमार सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) वाराणसी	अध्यक्ष	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग
2.	प्रो. रमाकान्त सेलोट प्राचार्य (सेवानिवृत), एम.आई.टी.एस. ग्वालियर, बी–2/2265, ग्रीन ग्लैड अपार्टमेन्ट वसन्त कुंज, नई दिल्ली 110 070	सदस्य	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग

3.	श्री रमाकान्त उपाध्याय कार्यपालक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ,नई दिल्ली 110 016	सदस्य	सिविल अभियन्ता
4.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	संयोजक	सिविल अभियन्ता

भवन समिति की स्थायी तकनीकी उपसमिति – सिविल अभियांत्रिकी सम्बन्धित मुद्दों हेतु

1.	प्रो. वीरेन्द्र कुमार सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) वाराणसी	अध्यक्ष	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग
2.	श्री सुनील पराशर अधिशासी अभियन्ता (प्लानिंग) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग आई.पी. भवन, नई दिल्ली 110 002	सदस्य	सिविल अभियन्ता
3.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	सिविल अभियन्ता
4.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	संयोजक	सिविल अभियन्ता

भवन समिति की स्थायी तकनीकी उपसमिति – विद्युत / वातानुकूलन /अग्निशमन/ लिफ्ट आदि सम्बन्धित मुद्दों हेतु

1.	डॉ. सिद्धनाथ सिंह सुसुवाटी हैदराबाद गेट	अध्यक्ष	यांत्रिकी विशेषज्ञ प्लानिंग बोर्ड द्वारा नामित सदस्य
2.	श्री गोपाल कृष्ण तनेजा अधिशासी अभियन्ता (विघुत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली 110 016	सदस्य	विद्युत अभियन्ता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा नामित सदस्य
3.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली 16	सदस्य	सिविल अभियन्ता

4.	इ. अनुप मिश्र सहायक अधिशासी अभियन्ता (विद्युत) सी.एस.आई.आर., पूसा, नई दिल्ली – 110012	सदस्य	विद्युत अभियन्ता
5.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	संयोजक	सिविल अभियन्ता

भवन समिति की स्थायी तकनीकी उपसमिति – स्थापत्य कला से सम्बन्धित मुद्दों हेतु

1.	श्री पीयूष दवे मुख्य वास्तुक (पू.क्षे.) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग, निज़ाम पेलैस 234/4 कोलकत्ता 700 020	अध्यक्ष	सरकारी वास्तुक
2.	श्री इन्द्र देव रस्तोगी सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक (वास्तुक) केन्द्रीय लोक निमार्ण विभाग 182, डी.डी.ए. फ्लैटस मुनिरका, नई दिल्ली 110067	सदस्य	स्थापत्य कला विशेषज्ञ / वास्तुक
3.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	सदस्य	सिविल अभियन्ता
4.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	संयोजक	सिविल अभियन्ता

भवन समिति की स्थायी तकनीकी उपसमिति – 30 लाख से ऊपर के प्राक्कलनों/बिलों के पुनिरीक्षण से सम्बन्धित मुद्दों हेतु

1.	प्रो. वीरेन्द्र कुमार सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय) वाराणसी	अध्यक्ष	विशेषज्ञ, सिविल इंजीनियरिंग
2.	श्री सुनील पराशर अधिशासी अभियन्ता (प्लानिंग) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग आई.पी. भवन, नई दिल्ली 110 002	सदस्य	सिविल अभियन्ता
3.	श्री गोपाल कृष्ण तनेजा अधिशासी अभियन्ता (विघुत) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली 110 016	सदस्य	विद्युत अभियन्ता

4.	ई. अनुप मिश्र सहायक अधिशासी अभियन्ता (विद्युत) सी.एस.आई.आर., पूसा, नई दिल्ली – 110012	सदस्य	विद्युत अभियन्ता
5.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	सदस्य	सिविल अभियन्ता
6.	श्री अजय कुमार टण्डन सहायक कुलसचिव (लेखा) श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	सदस्य	लेखा अधिकारी
7.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	संयोजक	सिविल अभियन्ता

निविदा समिति

1.	डॉ. बिजय कुमार महापात्र कुलसचिव श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016 अथवा उनका प्रतिनिधि जो प्रोफेसर स्तर का हो	अध्यक्ष	
2.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, शोध एवं प्रकाशन विभाग अथवा प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी अध्यक्ष वास्तु शास्त्र विभाग अथवा प्रो. हरिहर त्रिवेदी अध्यक्ष, वेदा वेदांग	सदस्य	
3.	श्रीमती कल्पना सिंह वित्त अधिकारी श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	सदस्य	पदेन

	अथवा उनका प्रतिनिधि जो सहायक कुलसचिव स्तर का हो		
4.	श्री रमाकान्त उपाध्याय अधिशासी अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 16	सदस्य	विद्यापीठ अभियन्ता
5.	श्री अंजनी कुमार सहायक अभियन्ता श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली 110 016	संयोजक	

(च) छात्रवृत्ति समिति

1. प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय - सदस्य
2. प्रो. भास्कर मिश्र - सदस्य
3. प्रो. वीर सागर जैन - सदस्य
4. प्रो. इच्छाराम द्विवेदी - सदस्य
5. प्रो. एस.एन. रमामणि - सदस्य
6. प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी - सदस्य
7. प्रो. हरिहर त्रिवेदी - सदस्य
8. प्रो. कमला भारद्वाज - सदस्य
9. डॉ. सदन सिंह - सदस्य
10. डॉ. कान्ता - सदस्य

(छ) शोध-प्रकाशन परामर्शदात्री समिति

1 कुलपति - अध्यक्ष
2 प्रो. प्रेमकुमार शर्मा - सदस्य
3 प्रो. भास्कर मिश्र - सदस्य
4 प्रो. इच्छाराम द्विवेदी - सदस्य
5 प्रो. वीरसागर जैन - सदस्य
6 प्रो. दीप्ति त्रिपाठी - सदस्य
7 प्रो. उपेन्द्र राव - सदस्य
8 प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय - संयोजक

(ज) आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति

1. कुलपति - अध्यक्ष
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

2. प्रो. भास्कर मिश्र - सदस्य
संकाय प्रमुख (आधुनिक ज्ञान-विज्ञान)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

3. प्रो. भवेन्द्र झा - सदस्य
संकाय प्रमुख (आधुनिक ज्ञान-विज्ञान)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

4. प्रो. इच्छाराम द्विवेदी - सदस्य
संकाय प्रमुख (साहित्य एवं संस्कृति)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

5. प्रो. वीर सागर जैन - सदस्य
संकाय प्रमुख (वेद वेदांग)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

6. प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय - सदस्य
विभागाध्यक्ष (शोध एवं प्रकाशन)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

7. प्रो. कमला भारद्वाज - सदस्य
प्रोफेसर-व्याकरण
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

8. प्रो. रामानुज देवनाथन् - वाह्य सदस्य
जगद्गुरु रामानंदाचार्य
राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
जयपुर

9. डॉ. शशिप्रभा कुमार - वाह्य सदस्य
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110067

10. प्रो. एस.एस. राणा - वाह्य सदस्य
पूर्व संकायप्रमुख
दिल्ली विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-110075

11. डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी - सदस्य

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

12. प्रो. पीयूषकांत दीक्षित - सदस्य सचिव
निदेशक,
आंतरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ
नई दिल्ली-110016

(झ) नागरिक चार्टर समिति

1.	प्रो. रमेशकुमार पाण्डेय	-	अध्यक्ष
2.	प्रो. भवेन्द्र झा	-	सदस्य
3.	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	-	सदस्य
4.	प्रो. वीरसागर जैन	-	सदस्य
5.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	-	सदस्य
6.	प्रो. शुकदेव भोई	-	सदस्य
7.	प्रो. रमेशकुमार पाण्डेय	-	सदस्य
8.	प्रो. प्रेमकुमार शर्मा	-	सदस्य
9.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	-	सदस्य
10.	प्रो. एस.एन. रमामणि	-	सदस्य
11.	डॉ. सुमन कुमार झा	-	सदस्य
12.	श्री रमाकान्त उपामयाय	-	सदस्य
13.	डॉ. के. भारतभूषण	-	सदस्य
14.	डॉ. कान्ता सहायक कुलसचिव (लेखा)	-	सदस्य
15.	श्री अजय कुमार टण्डन सहायक कुलसचिव (लेखा)	-	सदस्य
16.	श्री विनोद कुमार मिश्र सहायक कुलसचिव (परीक्षा)	-	सदस्य
17.	डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी सहायक कुलसचिव (प्रशासन)	-	सदस्य

(ञ) महिला कर्मचारी सुरक्षा समिति

1.	प्रो. एस.एन. रमामणि	-	अध्यक्ष
2.	डॉ. देवीप्रसाद त्रिपाठी	-	सदस्य
3.	डॉ. सविता	-	सदस्य
4.	डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज	-	सदस्य
5.	डॉ. विजयलक्ष्मी	-	सदस्य सचिव

(ट) दस्तावेज परिणाम समिति

1.	प्रो. रमेशकुमार पाण्डेय	-	अध्यक्ष
2.	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित	-	सदस्य
3.	डॉ. देवीप्रसाद त्रिपाठी	-	सदस्य
4.	श्री रमाकान्त उपामयाय	-	आमंत्रित सदस्य
5.	श्री अंजनी कुमार राय	-	आमंत्रित सदस्य
6.	डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी	-	सदस्य सचिव

(ठ) हिन्दी राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य

1.	डॉ0 सविता	-	अध्यक्ष
2.	प्रो0 केदार प्रसाद परोहा	-	सदस्य
3.	डॉ0 जगदेव कुमार शर्मा	-	सदस्य
4.	डॉ0 शिवदत्त त्रिपाठी	-	सदस्य
5.	श्री विनोद कुमार शर्मा	-	सदस्य
6.	श्री बनवारी लाल वर्मा	-	सदस्य
7.	श्रीमती सुषमा	-	सदस्य

(ड) शोध मण्डल

1	अध्यक्ष	-	कुलपति (पदेन)
2	सदस्य	1.	प्रो. भास्कर मिश्र
		2	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा
		3	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी
		4	प्रो. वीरसागर जैन
3	बाह्य विशेषज्ञ	1	प्रो. शशिनाथ झा
		2	प्रो. देवेन्द्र मिश्र
		3	प्रो. दीप्ति त्रिपाठी
4	विशेष आमन्त्रित	1	प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित
		2	प्रो. एस. एन. रमामणि
5	संयोजक	1	प्रो. रमेशकुमार पाण्डेय

(ढ) शोधप्रभा सम्पादक मण्डल

1	कुलपति (पदेन)	-	प्रधान सम्पादक
2	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	-	सम्पादक
3	प्रो. जयकान्तसिंह शर्मा	-	सदस्य
4	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	-	सदस्य
5	प्रो. भागीरथि नन्द	-	सदस्य
6	डॉ. ज्ञानधर पाठक	-	सह सम्पादक

(ण) शोधप्रभा प्रकाशन परामर्शदात्री समिति

1	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	-	सदस्य
2	प्रो. भास्कर मिश्र	-	सदस्य
3	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी	-	सदस्य
4	प्रो. वीरसागर जैन	-	सदस्य

(य) शोध-प्रकाशन परामर्शदात्री समिति

1	कुलपति	-	अध्यक्ष
2	वेद-वेदांग संकाय प्रमुख	-	सदस्य
3	आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय प्रमुख	-	सदस्य
4	साहित्य संस्कृति संकाय प्रमुख	-	सदस्य
5	दर्शन संकाय प्रमुख	-	सदस्य
6	प्रो. दीप्ति त्रिपाठी	-	सदस्य
7	प्रो. उपेन्द्र राव	-	सदस्य
8	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	-	संयोजक

(र) विभागीय अध्ययन मण्डल

1	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	-	अध्यक्ष
2	प्रो. उपेन्द्र राव	-	सदस्य
3	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	-	सदस्य
4	डॉ. ज्ञानधर पाठक	-	संयोजक

५. विद्यापीठ के अधिकारी

1.	कुलाधिपति	न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा
2.	कुलपति	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय कुलपति (प्रभारी) प्रो. भास्कर मिश्र कुलपति (प्रभारी) डॉ. सुखबीर सिंह संधू कुलपति (प्रभारी)
3.	वेद-वेदांग-संकाय प्रमुख	प्रो. प्रेमकुमार शर्मा
4.	आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय प्रमुख	प्रो. भास्कर मिश्र
5.	दर्शन संकाय प्रमुख	प्रो. वीर सागर जैन
6.	साहित्य एवं संस्कृति संकाय प्रमुख,	प्रो. इच्छाराम द्विवेदी
7.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता	प्रो. एस. एन. रमामणि
8.	कुलसचिव	डॉ. बीके महापात्र
9.	वित्ताधिकारी	श्रीमती कल्पना सिंह

10. कुलानुशासक — प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी

6. कार्यालयीय अधिकारी एवं कर्मचारी वर्ग

➢ कुलपति कार्यालय

2.	श्री प्रमोद चतुर्वेदी	-	निजी सचिव (कुलपति)
3.	श्री अमरजीत सिंह	-	स्टाफ कार चालक
4.	श्री मथुरा प्रसाद	-	एम. टी. एस.
5.	श्री राजकुमार	-	एम. टी. एस.

➢ कुलसचिव कार्यालय

1.	श्रीमती सुषमा	-	सहायक कुलसचिव (विकास) एवं विशेष कार्याधिकारी (कुलसचिव)
2.	श्री गंगाधर मुदली	-	एम. टी. एस.

➢ प्राशासनिक अनुभाग

1.	डॉ. दिनेश	-	उप-कुलसचिव (प्रशासन)- प्रतिनियुक्ति
2.	डॉ. शिवदत्त त्रिपाठी	-	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)/शैक्षणिक
3.	डॉ. विजय लक्ष्मी	-	अनुभाग अधिकारी (प्रशासन)
4.	श्री अशोक कुमार	-	वरिष्ठ लिपिक
5.	श्रीमती प्रीति यावद	-	वरिज्ठ लिपिक
6.	श्री तिलक राज	-	वरिष्ठ लिपिक
7.	श्री रमेश कुमार	-	कनिष्ठ लिपिक
8.	श्री शम्भु दत्त	-	पाचक
10.	श्री भीम कुमार	-	एम. टी. एस.
11.	श्री श्रवण कुमार	-	एम. टी. एस.
12.	श्री पंकज	-	एम. टी. एस.
13.	श्री उपराप्पली कुमार स्वामी	-	एम. टी. एस.

➢ शैक्षणिक अनुभाग

1.	श्रीमती कान्ता	-	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)/प्रशासन
2.	श्री सुच्चा सिंह	-	अनुभाग अधिकारी (शैक्षणिक)/प्रशासन
3.	श्रीमती वन्दना	-	सहायक
4.	श्रीमती रानी पंवार	-	सहायक
5.	श्री सुरेन्द्र नागर	-	तकनीकी सहायक
6.	श्री सुदामा राम	-	वरिष्ठ लिपिक
7.	श्री महेन्द्र सिंह	-	वरिष्ठ लिपिक
8.	श्री धर्मेन्द्र	-	वरिष्ठ लिपिक
9.	श्री लाली सहानी	-	एम. टी. एस.
10.	श्री रमेश गहलोट	-	एम. टी. एस.
11.	श्री दिनेश चन्द्र	-	एम. टी. एस.

➢ वित्त विभाग एवं लेखा विभाग

1.	श्री अजय कुमार टण्डन	-	सहायक कुलसचिव (लेखा)/चयन
2.	श्री बालम सिंह गुसाई	-	अनुभाग अधिकारी
3.	श्री दिनेश कुमार	-	निजी सचिव
4.	श्री राकेश कुमार काण्डपाल	-	सहायक
5.	श्री संजीव सिंह चौहान	-	वरिष्ठ लिपिक
6.	श्री ललिता यादव	-	कनिष्ठ लिपिक
7.	श्री राम मिलन	-	एम. टी. एस.
8.	श्री दया चन्द	-	एम. टी. एस.

➢ परीक्षा-विभाग

1.	श्री विनोद कुमार मिश्र	-	सहायक कुलसचिव (परीक्षा)
2.	श्री विपिन कुमार त्रिपाठी	-	सांख्यिकी अधिकारी
3.	श्रीमती रजनी संजोत्रा	-	सहायक
4.	श्रीमती सावित्री	-	सहायक
5.	कु. प्रतिभा	-	कनिष्ठ लिपिक
6.	श्री रामकुमार	-	एम. टी. एस.
7.	श्री पिंटू बनर्जी	-	एम. टी. एस.

➢ विकास-अनुभाग

1.	श्रीमती सुषमा	-	सहायक कुलसचिव (विकास)
2.	श्रीराजकुमार	-	सहायक
3.	श्रीमती ललिता	-	सहायक
4.	श्री महेश	-	वरिष्ठ लिपिक

➢ पुस्तकालय

1.	श्री राजेश कुमार पाण्डेय	-	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
2.	श्रीमती उमा नौटियाल	-	प्रोफेशनल सहायक
3.	श्रीमती अनिता जोशी	-	प्रोफेशनल सहायक
4.	श्री नवीन राजपूत	-	प्रोफेशनल सहायक
5.	श्रीमती भावना	-	सेमी प्रोफेशनल सहायक
6.	श्री सुनील कुमार मिश्र	-	सेमी प्रोफेशनल सहायक
7.	श्री शशिभूषण	-	सेमीप्रोफेशनल सहायक
8.	श्री बलराम सिंह	-	पुस्तकालय परिचर
9.	श्री राजेन्द्र सिंह	-	पुस्तकालय परिचर
10.	श्री सुनील कुमार	-	पुस्तकालय परिचर
11.	श्री महेन्द्र जंगापल्ली	-	पुस्तकालय परिचर

➢ अभियान्त्रिकी अनुभाग

1.	श्री रमाकान्त उपाध्याय	-	कार्यपालक अभियन्ता
2.	श्री अंजनी कुमार	-	सहायक अभियन्ता
3.	श्री नरेन्द्र पाल	-	इलैक्ट्रीशियन
4.	श्री बिजेन्द्र सिंह राणा	-	पम्प आपरेटर
5.	श्री चन्द्रभूषण तिवारी	-	एम. टी. एस.
6.	श्री ईश्वर दीन	-	एम. टी. एस.
7.	श्री दया शंकर तिवारी	-	एम. टी. एस.
8.	श्री धीरज सिंह	-	एम. टी. एस.
9.	श्री संतोष कुमार पाण्डेय	-	एम. टी. एस.
10.	श्री नरेश	-	सफाई कर्मचारी
11.	श्री सतीश	-	सफाई कर्मचारी
12.	श्री राम अवतार	-	सफाई कर्मचारी
13.	श्री नवीन मच्छल	-	सफाई कर्मचारी

➢ संगणक केन्द्र

1.	श्री बनवारी लाल वर्मा	-	सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर
2.	श्रीमती सीमा चौधरी	-	असिस्टेंट प्रोग्रामर
3.	श्री ज्ञानचंद शर्मा	-	असिस्टेंट प्रोग्रामर
4.	श्री सुन्दर पाल	-	एम. टी. एस.

➢ शोध एवं प्रकाशन विभाग

1.	डॉ. ज्ञानधर पाठक	-	शोध सहायक
2.	श्री रमेश चन्द्र मीणा	-	एम. टी. एस.

➢ महिला अध्ययन केन्द्र

1.	डॉ. रजनी जोशी चौधरी	-	निदेशक (प्रभारी) एवं एसोसिएट प्रोफेसर
2.	श्रीमती सविता राय	-	शोध सहायक
3.	श्री नरेन्द्र महतो	-	एम. टी. एस.

➢ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ

1.	श्री पी. मरियप्पन	-	सहायक कुलसचिव
2.	श्री विपिन कुमार त्रिपाठी	-	शोध एवं सांख्यकी अधिकारी

INDEX

1. Introduction 109-110
2. Objectives of the Vidyapeeth 111
3. Programmes and Activities 112
4. Statutory Bodies and Administration 112-14
5. Vice Chancellor 114
6. Registrar 114
7. Finance Officer 114
8. Faculties & Departments 114-137
    - I Faculty of Veda Vedanga
    - II Faculty of Sahitya & Sanskriti
    - III Fac ulty of Darshan
    - IV Faculty of Adhunik - Jnan & Vijnan
9. Dean Students Welfare 138
10. Department Research & Publication 138-149
11. Various Seminars & Memorial Lecture Series 149-150
12. Courses of Study 150-153
13. Scholarship 153
14. Examination 153-154
15. Junior & Senior Research Fellow 154
16. Academic & Cultural Activities 155-171
17. Teaching & Non Teaching Post 172-173
18. Reservation & other Mandatory Provisions 173-174
19. Internal Quality Assurance Cell 175
20. Centre for Women Studies 175-176
21. Computer Centre 177-179
22. Authorized Officers-Right to Information Act 179-183
23. Infrastructure and Facilities 183-187
24. Retirements 187
25. Board, Committees and Employees of the Vidyapeetha 188-212

INTRODUCTION

The Akhil Bharatiya Sanskrit Sahitya Sammelan established a Sanskrit Vidyapeetha at Delhi on the auspicious day of Vijaya Dashmi dated 8th of October, 1962. Dr. Mandan Mishra was appointed as the Officer on Special Duty and the Director of the Vidyapeetha. In accordance with the resolution adopted by the Sammelan, a separate Society under the name of Akhil Bharatiya Sanskrit Vidyapeetha was established with the late **Prime Minister Shri Lal Bahadur Shastri as its Founder President**. The inspiration and guidance of **Late Shri Shastriji** had been the impetus for the development of this Vidyapeetha.Shri Shastriji in his capacity as the Prime Minister of India made efforts to develop this Vidyapeetha as an institution of international repute.

After Shri Shastriji, the then Prime Minister of India Mrs. Indira Gandhi accepted the Presidentship of the Vidyapeetha. On the 2nd October, 1966, Mrs. Indira Gandhi declared that the Vidyapeetha would henceforth be known as Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha. On 1st April, 1967, the Vidyapeetha was taken over by the Government of India and on the 21st December, 1970, it became a constituent of the Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.

Impressed by its performance and all round developments, the Government of India, in March, 1983 mooted a proposal to confer the status of **Deemed to be University** on this Vidyapeetha. Subsequently, on the recommendation of the University Grants Commission, the Govt. of India decided to register a new society in the name of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha (independent of the Rashtriya Sanskrit Sansthan) vide its letter no. RSKS/Acd./10-4/85/2270, dated 26.12.1986 and accordingly it was registered under the Chairmanship of the Human Resource Development Minister, Shri P.V. Narasimha Rao on the 20th January 1987.

Certificate of Registration under Societies Registration Act, 1860 (XXI of 1860) No. S-17454 of 1987 has been given on 20th January, 1987. After the necessary inspection and other formalities, the Government of India, at the recommendations of the University Grants Commission, granted the status of Deemed **to be University** to the Vidyapeetha in November, 1987. In 1989, Dr.Mandan Mishra was appointed as the first Vice-Chancellor of the Vidyapeetha and Deputy Secretary to the GoI, Shri. P.K Seth took over the charge of the Registrar on 23/7/1990. After the formal transfer of the movable and immovable properties followed by the transfer of the teaching and non-teaching staff, the Vidyapeetha became fully functional with effect from the 1st November, 1991 as a **Deemed to be University**.

The Vidyapeetha comprises four faculties: Faculty of Veda-Vedanga, Faculty of Darshan, Faculty of Sahitya and Sanskriti and Faculty of Adhunika Jnana and Vijnana. The first three faculties provide the study and teaching facilities with a view to obtaining degrees of three-year courses of **Shastri, Shastri (Hons) and the two-year course of Acharya** in different disciplines of Sanskrit. The faculty of **Adhunika Jnana Vijnana** provides teaching facilities for completion of one year teacher training course called **Shiksha Shastri (B.Ed.)**

and one year course for advanced study in Shiksha Shastra called **Shikshacharya (M.Ed.)**. The research scholars, who are keen on pursuing research work in various branches of Sanskrit learning, can join any of the above mentioned faculties as per their specialization.

There is an independent department of Research & Publication in the Vidyapeetha that collects, preserves and brings out historical publications authorized by reputed scholars of the country. It also brings out a research journal **Shodha-Prabha,** which carries its own distinction.

Since the session 1994-95, the Vidyapeetha has been successfully organizing Vocational courses in Sanskrit, Hindi, and Computer Application along with Shastri courses of study. Besides, the Vidyapeetha also offers different certificate courses from time to time. The Vidyapeetha has been progressing from the earliest days under the able guidance and dynamic leadership of its Vice Chancellor, Prof. Vachaspati Upadhyaya and the Chancellor Justice P.N. Bhagawati.

A special Convocation of this Deemed to be University was organized on the 3rd of December,1993 at Rashtrapati Bhawan in which the Honoris Causa degree of the Vidyapeetha was conferred on Dr. Shankar Dayal Sharma, the then Hon'ble President of India. The First Convocation of the University was held on 15th February, 1994 in the premises of the Vidyapeetha. On this occasion the Hon'ble President of India Dr. Shankar Dayal Sharma delivered his Convocation address. The Second, Third, Fourth, Fifth Convocations of the Vidyapeetha were held on the 11th January, 1996, 11th January, 1999, 11th February, 2000 & 28th February, 2001, respectively. The Sixth Convocation of the Vidyapeetha was held on 17th February, 2002. On 11th November, 2003, the Seventh Convocation of the Vidyapeetha was held. Eighth Convocation was held on 12th November, 2005; Ninth Convocation was held on 10th November, 2006 and the Tenth Convocation was held on 28th November, 2007. Eleventh Convocation was held on 6th December, 2008 and Twelfth Convocation was held on 7th November, 2009. Thirteenth convocation was held on 26th November, 2010 and Fourteenth Convocation was held on 7th January, 2013.

A seven-member NAAC team headed by Prof. Sreehari visited Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha from 24th March to 26th March, 2007. The team inspected the educational and other activities of the Vidyapeetha. They had discussion with the staff members of the Vidyapeetha. The team was impressed by the academic activities of the institution. The Vidyapeetha has been awarded B^{++} grade by the NAAC.

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi is a member of the Association of Indian Universities. The Association of Indian Universities is an apex body of all university level institutions in the country acting as a bureau of information, helping to maintain the autonomous character, assisting recognition of degree/diploma, organizing inter-university cultural and sports programmes. Vidyapeetha participates in all the activities conducted by the Association of Indian Universities.

2. OBJECTIVES OF THE VIDYAPEETHA

The Vidyapeetha has been established to provide higher Sanskrit education leading to excellence and fully confirming to the concept of a University. As a deemed to be University, it is providing higher quality teaching and continuously working for the advancement of knowledge and its dissemination through various research programmes.

The Vidyapeetha has the following objectives to make distinctive contributions to the area of Sanskrit education:

(a) *To preserve shastric traditions.*
(b) *To undertake interpretation of the shastras.*
(c) *To relate relevance of the shastras to the problems in the modern context.*
(d) *To provide means for intensive training in modern as well as shastric lore for teachers.*
(e) *To achieve excellence in its disciplines in order to have a distinct character of its own.*

<u>In pursuance of the above objectives the Vidyapeetha has decided to:</u>

(i) Impart education in traditional Sanskrit lore with special attention to highly specialized branches.
(ii) Provide means for the training of Sanskrit teachers and conduct research in pedagogical aspects of Sanskrit Education.
(iii) Provide facilities for the study of such languages and literature of Asia that have a bearing on Sanskrit studies such as Pali, Iranian, Tibetan, Mongolian, Chinese, Japanese, etc.
(iv) Prescribe syllabus for various courses with special emphasis on Indian culture and values and conduct examination in Sanskrit and allied disciplines.
(v) Publish literature and develop print and non-print materials in and about Sanskrit including original texts, commentaries and translations of manuscripts.
(vi) Arrange for publication of research findings, journals and aids to research such as indices, digests and bibliographical materials.
(vii) Collect, preserve and publish manuscripts and build up a National Sanskrit Library and Museum and provide means for training in manuscriptology, specifically in scripts used in Sanskrit studies.
(viii) Provide means for education in modern disciplines needed for meaningful interpretation of original Sanskrit texts including technical literature in Sanskrit.
(ix) Promote interaction between modern and traditional scholars for mutual understanding on various issues related to scholarship.
(x) Organize Shastra Parishads, Seminars, Conferences and Workshops.
(xi) Recognize degrees, diplomas and certificates of other educational bodies, and Institutes as equivalent to those of the Vidyapeetha.
(xii) Establish faculties and constitute such boards and committees as may be necessary for the fulfillment of the objectives of the Vidyapeetha.
(xiii) Institute and award fellowships, scholarships, prizes and medals in accordance with the rules and by-laws adopted from time to time.
(xiv) Subscribe to and become a member or co-operate with any other association, society or institution having wholly or partly similar objectives as those of the Vidyapeetha.
(xv) Undertake all such activities, necessary or conducive to the attainment of all or any of the objectives of the Vidyapeetha.

3. PROGRAMMES AND ACTIVITIES

For the attainment of the above-mentioned objectives, the Vidyapeetha undertakes the following programmes and activities:-

1. Conducts teaching of Sanskrit with traditional and modern perspectives at Graduate, Post-Graduate and Research levels.
2. Conducts teachers' training courses at Graduate (B.Ed.) and Post Graduate (M.Ed.) levels.
3. Conducts Certificate, Diploma and part time courses in various disciplines.
4. Conducts examinations at Graduate, Post-Graduate and other levels of high learning.
5. Co-operates with other organizations sponsoring joint projects of common interests.
6. Works to expand up Sanskrit library.
7. Works to enrich collection of manuscripts, edit and publish rare manuscripts and books of special importance.
8. Publishes research journals, namely, 'Shodha-Prabha', 'Vastushastravimarsh', 'Sumangali, Panchang etc.
9. Organizes different lecture series.
10. Organizes research seminars and conferences.
11. Organizes refresher courses in different branches of Sanskrit learning as and when sponsored by the University Grants Commission.
12. Organizes vocational courses in Sanskrit, Hindi and Computer Application.
13. Organizes various academic activities for students.
14. Conducts extra-curricular activities like N.C.C., N.S.S. & Sports.
15. Organizes various educational, cultural and social functions.

4. STATUTORY BODIES AND ADMINISTRATION

The Board of Management is the Principal Executive Body of the Vidyapeetha responsible for the supervision, direction and control of the affairs of the Vidyapeetha. The Vidwat Parishad is the principal Academic body of the Vidyapeetha.

- ***Board of Management***
- ***Finance Committee***
- ***Academic Council***
- ***Planning and Monitoring Board***

- ***Dean of Faculties***
- ***Policy & Planning Committee***
- ***Board of Studies***

The following committees have been constituted to conduct various activities of the Vidyapeetha:-

- ***Admission Committee***
- ***Hostel Committee***
- ***Campus Development Committee***
- ***Scholarship Committee***
- ***Research & Publication Advisory Committee***
- ***Editorial Board of 'Shodha-Prabha'***
- ***Library Committee***
- ***Prospectus Committee***
- ***Hindi Raj Bhasha Committee***
- ***Roster Committee***
- ***Anti Sexual Harassment Committee***
- ***Anti Ragging Committee***
- ***Proctorial Board***

The following are the officers of the Vidyapeetha:-

1. Chancellor
2. Vice-Chancellor
3. Deans of Faculties
4. Dean of Students
5. Registrar
6. Finance Officer
7. Head of Departments
8. Proctor

9. Hostel Warden
10. Chief Vigilance Officer
11. Deputy Registrar
12. Controller of Examination
13. Assistant Registrar

5. VICE-CHANCELLOR

Professor R.K. Pandey, HoD of Dept of Research & Publication worked as Vice Chancellor (i/c) from 05.02.2014 to 13.05.2014. Later on Prof. Bhaskar Mishra worked as VC(i/c) from 14.05.2014 to 17.11.2014. From 18.11.2014 to 09.04.2015 the charge of the Vice Chancellor has been taken by Dr. Sukhbeer Singh Sandhu, Joint Secretary, MHRD, Govt. of India.

6. REGISTRAR

Dr. BK Mohapatra is the Registrar of the Vidyapeetha. He took over the charge of the Registrar on 30th September, 2003 and has been serving the Vidyapeetha with his administrative excellence and impeccable integrity.

7. FINANCE OFFICER

Mrs. Kaplana Singh has been working as Finance officer of the Vidyapeetha since 04.10.2013. She quite efficiently handled the management of Plan and Non-Plan grant as received by UGC. She also worked as the coordinator of the committee to manage NAAC Peer Team visit. Based on the last 5 year activities of teaching and other related Programmes she helped the preparation of the concerned report.

8. FACULTIES AND DEPARTMENTS

The Vidyapeetha has 4 Faculties : Ved Vedang, Sahitya and Sanskriti, Darshan and Adhunik Jnan Vijnan and 18 Departments. Each Faculty is headed by a Dean. All these Faculties and Departments deal with Sanskrit based subjects that are rich source of Indian culture, heritage and traditional wisdom. The Vidyapeetha conducts courses in various traditional and specialized subjects of higher learning.

I

Faculty of Veda Vedanga

Department of Veda

The department of Veda trains the students in Shukla Yajurveda. The faculty members are also helping other departments in providing training to students in chanting hymns. This traditional discipline is attracting brilliant students who dedicate themselves to the study of the most honoured Indian knowledge system. The Vedas have been acclaimed and accepted as a reservoir of profound knowledge. This department also conducts Vedic classes for the benefit of the general public.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Veda

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Shastri II year	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
Shastri III year	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
Acharya I year	08	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	08
Acharya II year	06	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
M.Phil.	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Ph.D.	01	01	--	--	--	--	--	--	01	01	--	--	04
Total	29	01	01	--	--	--	--	--	01	01	--	--	33

Faculty Members of Department of Veda

1.	Dr. Gopal Prasad Sharma	Assistant Professor
2.	Dr. Ramanuj Upadhyaya	Assistant Professor
3.	Dr. Devender Kumar Mishra	Assistant Professor
4.	Dr. Sunder Narayan Jha	Assistant Professor

◆◆◆

Department of Dharmashastra

The Department of Dharmshastra plays a vital role in preserving the Smriti tradition. It has considerable importance in the present day context with a lot of scope in understanding the ancient Indian legal system especially in the field of women rights , property rights and socially marginalized classes. In order to create awareness among students, components, of the Judgments of the Privy Council, Supreme Court and other sub-ordinate courts, are also included as special papers. The department's special interests are some of the areas of contemporary relevance and interests like Human Rights, Culture, Legal studies and Environment. Revisiting Smriti texts in the context of modern societal problems like child marriage, abuse of child labour and gender inequality, are the research thrust of the department.

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Dharmashastra

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya I year	02	02	02	01	--	--	--	--	--	--	--	--	07
Acharya II year	02	01	--	02	--	01	--	--	--	--	--	--	06
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
Total	08	03	02	03	--	01	--	--	02	--	--	--	19

Faculty members of Department of Dharmashastra

1. Dr. Yashveer Singh — Associate Professor
2. Dr.Sudhanshu Bhushan Panda — Assistant Professor

◆◆◆

Department of Vyakarana

The Vyakaran department offers courses in Prachin Vyakarana and Navya Vyakaran. The courses at Shastri and Acharya level are in popular demand. The department regularly conducts discussion wherein the faculty members thoroughly analyze and critically study various texts and linguistic theories.

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Prachin Vyakarana:-

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	05	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Navya Vyakarana

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	44	01	01	--	--	--	--	04	--	--	--	--	50
Shastri II year	21	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	21
Shastri III year	34	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	34
Acharya I year	13	02	--	--	--	--	--	01	--	--	--	--	16
Acharya II year	12	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	14
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	124	04	01	--	--	--	--	05	00	01	--	--	135

Faculty Members of Department of Vyakarana

1.	Prof. Kamla Bhardwaj	Professor
2.	Prof. Jaikant Singh Sharma	Professor
3.	Dr.Sujata Tripathi	Assistant Professor
4.	Dr. Ram Salahi Dwivedi	Assistant Professor
5.	Dr. Dayal Singh	Assistant professor

◆◆◆

Department of Paurohitya

The department of Paurohitya is established with the main objective to develop and preserve Indian cultural heritage. The department offers undergraduate and postgraduate courses. The certificate and diploma courses are also quite popular attracting more students because of being practical- oriented and vocational courses of the traditional set-up. It is very encouraging for people who engage themselves in these traditional rituals and religious practices. The department trains students who become eligible to act as priests, preachers and messengers of Hindu traditions & provide knowledge of scriptural texts especially to the Army, Navy and Air Forces.

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Paurohitya:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya I year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya II year	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	16	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	16

Faculty members of Department of Paurohitya

1.	Prof. Hari Har Trivedi	Professor & HoD
2.	Dr. Ram Raj Upadhyaya	Associate Professor
3.	Dr. Brindawan Dash	Assistant Professor

◆◆◆

Department of Jyotish

The Department of Jyotish conducts a 03-year graduate course- Shastri (B.A.), 2-years Post Graduate course, Acharya (M.A) and Vidya Varidhi (Ph.D) Programmes, which aims at preservation and perpetuation of Shastric tradition. All the courses are conducted in Sanskrit medium. In addition to a one-year certificate course in Jyotish Prajna, a Diploma course in Jyotish Bhushan is also conducted under self-finance scheme. The department is further imparting basic fundamental principles of Jyotish and their applications in day to day life of the people. Under innovative programmes (SAP- DRS-I and II Jyotish) of UGC, Vidyapeetha conducts two-year PG Diploma Course in Vastu and one year course in Medical Astrology.

In the Academic Session 2014-15, 3 special lectures were delivered by outside scholars and 07 special lectures were delivered by provincial scholars under this progamme.

PANCHANG

The Jyotish Dept. published a "Panchang" Samvat 2072 (Shaka Samvat 1937). Panchang is prepared on the basis of location of New Delhi, the Capital of India, situated at 77 '12 ° East longitudes and 28 °38 North Latitudes. This is prepared on the basis of Chitrapaksiya Nirayana method. This Panchang gives the details of fasts (Vrata), festivals and different methods of preparing horoscopes and forecasts for the complete year. This Panchang is prepared with the assistance of Prof. Prem Kumar Sharma, Prof. Devi Prasad Tripathi and other experts of the Jyotish department. It is published by the Dept. of Research & Publication.

The July, 2013 and January, 2014 editions Half-yearly "Bhaishjya Jyotish Manjusha" have been published by the department of Jyotish. It includes the erudite articles of the scholars of Astrology.

Details of Students Enrolled in Certificate/Diploma Course (Self Financing Course-Part Time)

Name of Course	2014-2015		
	M	F	T
Jyotish Prajna Certificate	44	09	53
Jyotish Bhushan Certificate	17	02	19
Medical Astrology Certificate	15	--	15
Grand Total of All Courses Diploma/Certificate	**76**	**11**	**87**

Details of students enrolled (in 2014-2015) in the Dept. of Siddhant Jyotisha:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	05	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	05
Shastri II year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Shastri III year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya I year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Acharya II year	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
M.Phil.	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
Ph.D.	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	21	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	21

Details of students enrolled (in 2014-2015) in the Dept. of Phalit Jyotisha:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	08	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	08
Shastri II year	14	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	14
Shastri III year	13	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	13
Acharya I year	25	01	--	--	03	--	01	--	01	--	--	--	31
Acharya II year	16	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	16
M.Phil.	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
Ph.D.	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Total	86	01	--	--	03	--	01	--	01	--	01	--	93

Three Days National Panchang Workshop

The Department of Jyotish organized Three Days National Panchang Workshop on 15.10.2014 to 17.10.2014 for the topic of 'Vrat-Parva avam utsav' in which scholars from all over India paid their visit.

Faculty members of Department of Jyotisha

1.	Prof. Prem Kumar Sharma	Professor & Hod
2.	Dr. Bihari Lal Sharma	Associate Professor
3.	Dr. Vinod Kumar Sharma	Associate Professor
4.	Dr. Neelam Thagela	Assistant Professor
5.	Dr. Diwakar Dutt Sharma	Assistant Professor
6.	Dr. Parmanand Bhardwaj	Assistant Professor
7.	Dr. Sushil Kumar	Assistant Professor
8.	Dr. Phanindra Kumar Chaudhary	Assistant Professor
9.	Dr. Rashmi Chaturvedi	Assistant Professor

◆◆◆

Department of Vastu Shastra

The Vedas are deemed as the very crux of Indian thought. It is well known that the Vedas are 4 in number. As Ayurveda is born of the Rigveda, Dhanurveda from the Yajurveda, Gandharva Veda from the Samaveda, similarly Sthapatya Veda derives its origin from the Atharvaveda. By

Sthapatya Veda we learnabout right place where we can live. In one of the descriptions of the Rigveda while praying to Vastospati it is said, " O Vastospati: you take care of us. Be the one who makes our home free of meladies. Kindly give us the prosperity we desire from you kindly give us. Be good to our Dwipadas and Chatuspadas". As the couplet from the original text runs, "Vastospate prati Janihrismantvasvavesho anmeevo bhavanah, yat tyamahe prati Tanno Jushasva shan no bhava dwipade shan chatuspade".**(The Rigveda 6/54/1)**

The Samhita portion of the Jyotisa shastra discusses vastu vidya to a significant extent. Vastu shastra was accommodated in the Samhita portion owing to the important dimension of Astrology . "Dig-Desh-Kaal'. Astrology has been analyzing various aspects of a person's life ever since the vedic period itself. Our scholars and Acharyas have worked a lot in this field for many years.

According to Matsya Purana, the people like Bhrigu,Attri,Vashishtha, Vishvisakarma, Maya,Narendra,Nagnajit,Vishalaksha,Purander,Nandeesh,Shaunak,Garg,Vasudeva,Aniruddha, Shukra, Vrihaspati and Ashwanikumaras established high standards by explaining Vastushastra. Ashwani Kumar, Vishwakarma and Maya were veryfamous amongst them. Vishwakarma and Maya were considered as rival to each other Many books have been published on later Vastushastra. These books shower new light on the aims and necessities of Vastu Shastra apart from the discussion of the Vastushastra in particular.

The Department of Vastushastra has been established as an integral part of Jyotisha Department. Like other departments the students got admitted to the Shastri,Acharya, Vishistacharya and Vidyavaridhi Programmes of Dept. of Vastushastra from the academic session 2013-14. Taking into cognizance the interest of the general public and as per the directions of the U.G.C. a two years P.G. Diploma in Vastushastra is also being run. The objective of this programme is to spread awareness amongst people about the highly serious and rare knowledge of Vastushastra. The Department of Vastushastra published annual magazine titled "Vastushastra Vimarsh". The Department of Jyotish & Vastu also edited Vidyapeetha Panchang samvat (2072) during session 2014-15. The Dept. of Research publication takes care of the publication and sale of "Panchang & Vastushastra Vimarsh".

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. Of Vastu Shastra

Courses	**General**		**SC**		**ST**		**PWD**		**OBC**		**Minority**		**Total**
	M	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**	
Shastri I year	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya I year	09	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	09
Acharya II year	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
P.G.Diploma Year	19	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	22
P.G.Diploma II	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	07
Total	**48**	**03**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**48**

Prof. Devi Prasad Tripathi **Professor & HoD**

◆◆◆

II

Faculty of Sahitya & Sanskriti

The faculty of Sahitya & Sanskriti imparts knowledge in traditional and modern subjects. Sahitya, Prakrit, Hindi, English, Sociology, Puranetihas, etc. are being taught to the students of Shastri and Acharya. In addition to this, research work is done in each subject under the supervision of the members of the faculty. Vocational courses and various other cultural programmes such as drama, debate, Hindi Diwas, Kavi Sammelan have also been organized during the year. The teachers of the faculty participated in various workshops, seminars and symposia at both the international and the national level. The scholars of the faculty also participated in the Pravachans specially arranged on Shrimad Bhagavatam. Moreover, the department organized periodic seminars for students and teachers respectively. Faculty of Sahitya and Sanskriti has conducted Youth festival with the help of other departments of the Vidyapeetha It also organized various Debate Competitions, Speech Competitions, and Slokantyakshari, etc.

Department of Sahitya

Sahitya is one of the major departments of Vidyapeetha and is active since the inception of the Vidyapeetha. Shashtri and Acharya in Sahitya are very much in demand and almost double numbers of applications are received against the sanctioned seats. Considering the fact that general universities and affiliated colleges teach this subject with a view that employment prospect is more for students of Sahitya & Sanskrit. There are Twenty-nine research scholars excluding 19 M.Phil students currently in the department. The teachers of the department have undertaken projects funded by UGC. Cultural programmes like drama and debates are also conducted and organized by the Sahitya Department during the year. DRS-II is accepted by the UGC. The Department conducted the UGC NET Coaching from 20.11.2014 to 12.12.2014. The new syllabus under CBCS is framed on 13th March 2015 by the internal & External experts accordingly. The three days National Seminal was organized from 26.03.2015 to 28.03.2015. The Department organized Pt. Mandan Mishra memorial Lecture Series on 26th March 2015. The Department has also organized one-day Seminar i.e. Vachaspati memorial lecture series on 28th March 2015.

Details of students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Sahitya:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	21	04	01	--	--	--	--	--	03	01	--	--	30
Shastri II year	22	--	--	--	01	--	--	--	01	--	--	--	24
Shastri III year	27	01	--	--	--	--	--	--	02	01	--	--	31
Acharya I year	08	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	09
Acharya II year	12	03	--	01	--	--	--	--	02	--	--	--	18
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	06	03	--	02	--	--	--	--	01	01	--	--	13
Total	**96**	**11**	**01**	**03**	**01**	**--**	**--**	**--**	**10**	**03**	**--**	**--**	**125**

Faculty members of Department of Sahitya

1.	Prof. Sukadev Bhoi	Professor
2.	Prof. Bhagirathi Nanda	Professor
3	Prof. Dev Dutt Chaturvedi	Professor
4.	Prof. Rashmi Mishra	Professor
5.	Dr. Suman Kumar Jha	Assistant Professor
6.	Dr. Arvind Kumar	Assistant Professor

◆◆◆

Department of Puranetihas

The department of Puranetihas started with the objective of projecting the knowledge about Indian tradition, social and geographical set up embedded in the Puranas. The in-depth study of the Puranas can create a strong impact on various fields of Indian tourism, Indian medicine, Indian cuisine. Indian narrative tradition and Indian behavioural & cultural patterns which are of great & cultural interest to people from all over the world. Puranetihas is one of the subjects opted by the students in the Vidyapeetha. Puranas are a compendium of many branches of learning. A study of Puranas introduces the students to our narrative tradition. It also provides them opportunities for research and doing activities of higher learning in other branches of knowledge. The department conducts workshops on the importance of Puranas, its characteristics and social relevance.

Details of students enrolled (2014-2015) in the department of Puranetihas

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya I year	01	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya II year	07	01	--	--	--	--	01	--	--	--	--	--	09
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	11	01	--	01	--	--	01	--	--	--	--	--	14

Faculty members of Department of Puraneitihas

1. Prof. Ichcha Ram Dwivedi — Professor & HoD
2. Dr. Shitla Prasad Shukla — Assistant Professor

◆◆◆

Department of Prakrit

Prakrit Language has had a pride of place amogst ancient language. Earlier it was the language of daily communication. The famous Acharyas of Jain Philosophy delivered their sermons in this language. For a better understanding of this language we undertake the studies of the books like Prakrit Prakash, Pravachansar, Samaysar, Gathasaptshati, etc.

The Department of Prakrit is a special feature of the Vidyapeetha, as Prakrit is not taught in any of the Sanskrit Universities. It is comparatively young department, started in 1997. It is commendable that so far 10 students have cleared NET examination since the department's inception. The teachers of the department have been invited by the foreign countries to deliver lectures on Jain religion and Philosophy. The department plans to strengthen its library by getting books from private collections.

Details of students enrolled (2014-2015) in the Department of Prakrit

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya I year	01	--	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Acharya II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	**01**	**--**	**02**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**03**

Prakrit Vangmaya Vyakhyanmala

The 13th seminar of Acharya Kundkund Memorial Lecture Series was organized on 25.02.2015. It was chaired by Prof. Rajaram Jain & its chief-speaker was Prof. Vrishabh Prasad Jain who spoke on 'Shaursaini Prakrit bhasha Aur iske Sahitya ka Bhartiya Bhashon va unke Sahitya par prabhav'. The Keynote address was delivered by Prof Sudeep Kumar Jain & Dr. Jaykumar N. Upadhye delivered vote of thanks.

Faculty members of Department of Prakrit

1. Prof. Sudeep Kumar Jain — Professor
2. Dr. Jai Kumar N. Upadhye — Associate Professor & HoD
3. Dr. Kalpana Jain — Assistant Professor

Besides traditional subjects, the modern subjects like Hindi, English, Sociology, Political Science & Computer Science are also being taught.

❖ *Hindi*

1. Dr. Savita — Associate Professor
2. Dr. Jagdev Kumar Sharma — Assistant Professor

❖ *English*

1. Dr. Minu Kashyap — Associate Professor
2. Dr. Abhishek Tiwari — Assistant Professor

❖ Sociology

1. Dr. Pragati Gihar — Associate Professor

❖ **Political Science**

1. Sh. Keshav Narayan Mishra — Assistant Professor

❖ **Computer Science**

1. Sh. Adesh Kumar — Assistant Professor

National Seminar

The Department of Prakrit Organized a National Seminar on the 26.02.2015 titled "Prakrtbhasha Aur Sahitya ki Samsamyik Sandarbhon main Mahatta" in which chief guest was Prof. Vrishabh Prasad Jain. The Session was chaired by Prof. R.K. Pandey, the Vice-Chancellr and key-note address was delivered by Prof. S.K.Jain.

♦♦♦

III

Faculty of Darshan

The faculty of Darshan (Philosophy) has been functioning as a very important branch of Bhartiya Darshan. On this faculty, the subjects like Nyaya Vaisheshik, Sankhya Yoga, Advait Vedanta, Sarva Darshan, Mimansa,Vishitadvaita Vedanta are being taught to the students of Shastri and Acharya. In addition to this, various research works have been undertaken on each subject under the supervision of the members of the faculty. Various cultural programmes including drama & debate have also been undertaken. The teachers of the department actively participated in the workshops, seminars and symposia both at international and national level. The teachers of this faculty participated in different seminars related to Indian philosophy and articles were published in reputed journals. The faculty arranges Shastrartha on major themes for the students under the guidance of the faculty. There are more than 264 students and research scholars enrolled in this faculty.

Department of Prachin Nyaya Vaisheshik and Navya Nyaya

Nyaya Vaiseshik is one of the most difficult systems of Indian philosophy and requires indepth study. Prachin Nyaya and Navya Nyaya are the subjects of study for Acharya, since the inception of the Vidyapeetha. The department is engaged in editing and translating the books and reading materials, which are not readily available. Simplified texts to facilitate proper learning for the students are also prepared and published. The students are made aware of the use of ancient texts in tackling the issues and problems confronting contemporary society. It also prepares the students to be able administrator. An understanding in Nyay Vaisheshik philosophy is essential for the understanding of any other branch of philosophy.

The Department also proposed to start a Diploma course in the near future. This course has been designed in such a way as to raise awareness among students about Indianness, tolerance and other human values. This may also pave the way for establishing peace in society and try to inculcate the insights of the Upanishads, the Geeta and the Puranas among the young generation.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Prachin Nyaya Vaisheshik

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Shastri II year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Shastri III year	06	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	06
Acharya I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	10	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	10

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Navya Nyaya

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya I year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	02	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03

Faculty members of Department of Pracheen Nyaya Vaisheshik and Navya Nyaya

1. Prof.Piyushkant Dixit — Professor & HoD
2. Dr.Vishnupad Mahapatra — Assistant Professor
3. Dr.Mahanand Jha — Assistant Professo
4. Dr. Ram Chander Sharma — Assistant Professor

◆◆◆

Department of Sankhya Yoga

Sankhya Yoga is an important aspect of Indian philosophy. With the special interest shown in Indology all over the globe, courses in Sankhya Yoga are very relevant in modern era of knowledge. In this twin subjects Sankhya and Yoga the emphasis is on metaphysics. They are complimentary to each other in the sense that Sankhya analyses the concept of Prakrit (matter) and Purusha whereas yoga lays greater emphasis on indepth psychology and believes in the elevation of human soul by following the ways and means of realizing it. Sankhya, the ancient tradition enunciating the theory of Satva, Rajas and Tamas is correlated with Newton's laws of motion and inspires to understand quantum physics.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Sankhya Yoga:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Acharya I year	03	--	--	01	--	--	--	--	01	--	--	--	05
Acharya II year	--	02	---	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
Ph.D.	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Total	**11**	**02**	**--**	**01**	**--**	**--**	**--**	**--**	**02**	**--**	**--**	**--**	**16**

Faculty members of Department of Sankhya Yoga

1. Dr. Mahesh Prasad Silori — Professor & HoD
2. Dr. Ravi Shankar Shukla — Assistant Professor
3. Dr. Markandey Nath Tiwari — Assistant Professor

◆◆◆

Department of Advaita Vedanta

Whereas the conventional universities teach Indian philosophy in general terms, Sanskrit Vidyapeetha offers a more focused and in-depth study of Advaita Vedanta, a popular system of thought in Indian Philosophy. The department often functions in close collaboration with other departments of the faculty of Darshan. The teachers of the department, in addition to their teaching work attend seminars conducted in Mutts and are invited to participate in shastrartha, symposia and workshops at prominent academic gatherings.

Details of Students enrolled (2014-2015) the Dept. of Advait Vedanta

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya I year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya II year	03	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
M.Phil.	02	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Ph.D.	01	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	03
Total	**09**	**02**	**01**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**--**	**01**	**--**	**--**	**13**

Faculty members of Department of Advaita Vedanta

1.	Prof S .N .Ramamani	Professor & HoD
2.	Prof. Shuddhanand Pathak	Professor
3.	Dr. K.S Sateesha	Assistant Professor

◆◆◆

Department of Vishistadvaita Vedanta

Vishishtadvaita Vedanta is a specialized traditional subject which was taught only in South India. Vidyapeetha started this department in the ninth plan in order to bridge this gap. The department's major activity is research seminars and discussions. Textual interpretations and comparative analysis of major system of Vedanta are some of the contributions of the department. The department, in future, proposes to edit books that are out of print, with annotations and bring out Hindi translations of those texts. Research interests of the department will assign priority to some major problems related to other systems of thought with reference to Vishishtadvaita Vedanta.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Deptt. of Vishitadvaita Vedanta

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	02	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Acharya I year	02	07	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	09
Acharya II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
M.Phil.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Ph.D.	01	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Total	**08**	**08**	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	**16**

Faculty Members of Department of Vishitadvaita Vedanta

1. Prof. Kedar Prasad Paroha — Professor & HoD
2. Dr. K. Anantha — Assistant Professor
3. Dr. Sudarshan S. — Assistant Professor

♦♦♦

Department of Jain Darshan

Considering the rich knowledge with respect to philosophical speculations contained in the Jain texts, there was a long felt need for a separate department for in-depth study of the tenets of this significant system of thoughts. In New Delhi it is a unique department of its kind. It is established with the main objective of making the Vidyapeetha a representative of Indian tradition.

Jain literature is a vast field and the cultural material, hidden in, it is of immense importance. Jain Darshan as a source of cultural history is as important as Vedic or Buddhist studies. It is all in Sanskrit, Prakrit and Hindi. Jain philosophy has a lot in common with Hindu philosophy and it has its own peculiarities too. Atomic theory, Karmic theory, theory of Anekantvad, Syadvad, Nayavad, theory of Ahimsa, spirituality, methods of meditation and non-violence are useful in today's world. The department concentrates on teaching and research. Since its inception the department has contributed in a major way to understand the views, projected in other systems of thought.

The Department proposes to translate some major texts in Hindi and will take up interdisciplinary studies. Publication of a departmental research journal has been planned in coming years. To start certificate course and Diploma course in Jain philosophy, organization of national and international seminars, editing and publication of ancient basic texts are all part of proposed plan of action.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Jain Darshan:

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	01	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	02
Shastri II year	03	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
Shastri III year	--	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	--	01
Acharya I year	04	--	--	02	--	01	--	--	01	01	--	--	09
Acharya II year	--	02	--	--	--	--	--	--	--	01	--	--	03
M.Phil.	01	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	02
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	**09**	**03**	**01**	**02**	**--**	**01**	**--**	**--**	**03**	**02**	**--**	**--**	**21**

Faculty member of Department of Jain Darshan

1. Dr. Veer Sagar Jain — Professor & HoD
2. Dr. Anekant Kumar Jain — Assistant Professor
3. Dr. Kuldeep Kumar — Assistant Professor

◆◆◆

Department of Sarva Darshan

The opening of a separate department of "Sarva Darshan" is a unique feature of the Vidyapeetha. Sarva Darshan covers the knowledge in various texts belonging to different philosophical orientations. Exposure to all systems of philosophy helps the student specialize in more than one field of Indian philosophy and to carry out interdisciplinary studies. The faculty members have also taken up many research projects. The teachers of this department specialize in different Indian philosophical thoughts. The students completing the course in Sarva Darshan find it useful to get into Indian Administrative services. Alumni of the department have taken up teaching positions in various educational institutions in Haryana, Rajasthan and other places. Dr. Hareram Tripathi has bagged awards. The department in order to give new dimension to existing curricular proposes to include some important area of western philosophy especially Greek and Chinese philosophy. It is a matter of concern for the department that the Kashmir Sarva Darshan is vanishing from the academic arena. Knowledge and research in this branch of philosophy are necessary for the society. The department proposes to collect, edit and publish the summary of all texts in this field in a single volume.

There is also a plan to prepare "Sankhyayoga Darshan Dictionary" as an annotated text with explanation. Hindi translation of rare texts is also one of the activities planned.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Sarva Darshan

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri II year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri III year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Acharya I year	02	--	--	01	--	--	--	--	--	--	--	--	03
Acharya II year	07	01	--	--	--	--	--	--	01	01	--	--	10
M.Phil.	01	02	01	--	--	--	--	--	01	01	--	--	06
Ph.D.	05	02	--	--	--	--	--	--	02	01	--	--	10
Total	**16**	**05**	**01**	**01**	**--**	**--**	**--**	**--**	**04**	**03**	**--**	**--**	**30**

Faculty members of Department of Sarvadarshan

1. Prof. Hareram Tripathi — Professor
2. Dr. Sangeeta Khanna — Associate Professor & HoD
3. Dr. Prabhakar Prasad — Assistant Professor
4. Dr. Jawahar Lal — Assistant Professor

♦♦♦

Department of Mimansa

Mimansa is a new department started in 1998. The subject was popular in Southern states only. The department was started in Vidyapeetha considering the fact that it was useful in understanding the philosophy and intricacies of Yajna. Mimansa has also become prominent because of certain judgments pronounced on the basis of Mimansa rules of interpretation. The department proposes to prepare a classified document of all the judgments of Privy Council which were delivered, specially in cases of law of inheritance, law of adoption and women's rights. In collaboration with Centre for Women's Studies, the department plans to undertake studies pertaining to these topics.

Details of Students enrolled (in 2014-2015) in the Dept. of Mimansa

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shastri I year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Shastri II year	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Shastri III year	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Acharya I year	03	--	--	--	--	--	--	--	02	--	--	--	05
Acharya II year	03	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	03
M.Phil.	01	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	01
Ph.D.	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
Total	**09**	--	--	--	--	--	--	--	**02**	--	--	--	**11**

Faculty Members of Department of Mimansa

Dr. A.S. Aravamudan Assistant Professor

♦♦♦

IV

Faculty of Adhunik Jnan-Vijnan

The Department of Education under Faculty of Adhunik Gyan Vigyan is an important unit of the Vidyapeeth. At present, this faculty consists of members from both traditional and modern areas of knowledge. The vision of the department is to prepare teachers and teacher educators empowered to address teaching-learning systems in the field of Sanskrit education with commitment, competence and confidence. For this the faculty offers various courses for higher studies i.e. Shiksha Shastri (B.Ed.), Shiksha Acharya (M.Ed.), Vishishtacharya (M.Phil.) and Vidyavaridhi (Ph.D.). The students are admitted in B.Ed, M.Ed. and Ph.D. courses through All India Combined Entrance Test conducted on rotational basis by three universities namely Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha,New Delhi, Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi & Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, Tirupati.

The mission of the department is to plan, design and implement teaching learning system effectively with a focus on Sanskrit pedagogy. Along with encouragement of innovative programmes in Sanskrit pedagogy, the mission of the department is also centered towards interdisciplinary approach in research with a focus on Sanskrit education. To achieve this mission department has excellent infrastructural as well as instructional facilities. It has three well equipped labs- Language Lab, Psychology Lab and Technology Lab along with Departmental Library, Resource Room, Social Science Centre, Art Room & Seminar Room.

Faculty members are also well qualified having specialized knowledge of their subjects. The students of B.Ed. course are trained for teaching in Sanskrit language and ancient subjects like Sahitya, Darshan and Jyotish etc. with modern subjects at school level. They are also taught computer subject. M.Ed. course is a teacher educator's course where students are prepared to teach teachers at different levels with dissertation as one compulsory paper. The dissertation work of M.Ed. are specially based on different aspects of education in Ancient Indian perspective and modern perspective such as problems of educational administration, current policies of education, special education, philosophical, psychological and sociological aspects of education, innovative teaching and analysis of Indian Literature from the point of teaching and learning. M.Phil (Education) course prepares students for Ph.D./Research work. Ph.D. students do their research work on different areas of traditional & modern education.

Department of Shiksha Shastra (B.Ed.)

The students of B.Ed. course are trained for teaching at school level. They are specially prepared for teaching of Sanskrit with one modern subject at school level. Through M.Ed. Course, the students are prepared to teach teachers (teacher-education) at different levels and they submit their dissertations on different aspects of education such as problems in educational administration, current system of education, contemporary issues on education, special education, philosophical and sociological aspects on education, psychological aspects of education, seminars, innovative teaching and analysis of Indian literature from the perspective of teaching and learning M.Phil Students are prepared for Ph.D. in Education.

Details of Students enrolled (2014-2015) in the Dept. of Adhunik Jnan Vijnan

Courses	General		SC		ST		PWD		OBC		Minority		Total
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	
Shiksha Shastri	118	36	15	14	03	06	03	--	35	24	1	1	256
Shiksha Acharya	20	04	01	02	--	--	--	--	04	01	--	--	32
M.Phil.	04	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	04
Ph.D.	11	01	--	01	--	--	--	--	05	01	--	--	19
Total	**153**	**41**	**16**	**17**	**03**	**06**	**03**	**--**	**44**	**26**	**01**	**01**	**311**

Two Days National Seminar

Department of Education organized two days national workshop on "Adhyapak Shiksha mein Mulya Mimansa : Vartman Pariprekshya awam Chunautiya" w.e.f. 30.03.2015 to 31.03.2015 under the Chairmanship of Prof. Bhaskar Mishra, Dean, Faculty of Adhunik Jnan Vijnan.

Members of Faculty of Adhunik Jnan - Vijnan

1.	Prof. Nagendra Jha	Professor
2.	Prof. Bhaskar Mishra	Professor
3.	Prof. Ramesh Prasad Pathak	Professor
4.	Dr. K. Bharat Bhooshan	Associate Professor
5.	Dr. Sadan Singh	Associate Professor
6.	Dr. Rachana Verma Mohan	Associate Professor
7.	Dr. Rajni Joshi Chaudhary	Assistant Professor
8.	Dr. Kusum Yadulal	Assistant Professor
9.	Dr. Meenakshi Mishra	Assistant Professor
10.	Dr. Vimlesh Sharma	Assistant Professor
11.	Dr. Amita Pandey Bhardwaj	Assistant Professor
12.	Dr. M. Jaya Krishnan	Assistant Professor
13.	Shri Manoj Kumar Meena	Assistant Professor

Departmental Activities

The Department of Education being a Teachers Training department organizes various activities that are necessary to inculcate sense of values and professional ethics among the students.

(i) Starting of the new session

The new session was started on 1st July, 2014 and admission procedure was also started.

(ii) Orientation of Students

The new session was formally inaugurated by Prof. Bhaskar Mishra, Dean, Faculty of Adhunik Jnan Vijnan on 1st August, 2014 and the students of B.Ed. and M.Ed. were given orientation about their compulsory and optional theory papers by the teachers. The B.Ed. students were specially oriented about their practice- teaching while M.Ed. and M.Phil. students were oriented about their dissertations.

Activities of B.Ed. Students:

(i) **First Aid Training** - Like previous years, the students were given first-aid training w.e.f. 19.01.2015 to 29.01.2015. During this year's first aid training, the students were taught about the theoretical aspects of human body structure and practical training which was considered necessary during accidents and also during unforeseen circumstances. This training camp was organized by Red Cross Society.

(ii) **Sanskrit Sambhashan** - In order to meet the necessity of teaching in Sanskrit language in Sanskrit Universities, the department organized Sanskrit speaking classes for the students. A course for Sanskrit Sambhashan was organized from 25.08.2014 to 08.09.2014.

(iii) **Educational-Tour** - To develop managerial and organizing skills, the department organized study tour. A study tour was organized during the year 2014-15 in which all the students of B.Ed. and the teaching staff visited Vijnan Kendra and Akshardham temple.

(iv) Micro-Teaching - Being a training department, the students of B.Ed., before starting the actual teaching practice in schools were prepared for teaching w.e.f. 08.10.2014 to 16.10.2014.

(v) Orientation Programme for Teaching Practice- One day Orientation Programme was conducted for B.Ed. Students on 16.10.2014.

(vi) Teaching Practice - The students of B.Ed. are required to teach 40 lessons of different modern subjects and Sanskrit in government schools of South Delhi. Accordingly, teaching-training schedule was organized w.e.f. 17.10.2014 to 15.12.2014 and students of B.Ed. were engaged in teaching school students in various schools of South Delhi. All the students of B.Ed. took part in all the extra-curricular activities of Vidyapeetha and presented their report.

(vii) Foundation Course in Women Studies - A ten days foundation course in women studies was organized for B.Ed. students by Centre for Women's Studies of the Vidyapeetha w.e.f. 27.01.2015 to 10.02.2015.

(viii) **Scout & Guide Training** - The Scout & Guide is a compulsory training for the Shiksha-Shastri students. This training is given to the B.Ed. students so that the society can get benefited from them. This training is imparted by the Delhi State Scout and Guide in their own camping ground, which is held as day camp. In the session 2014-2015, this training was given to the students of B.Ed. w.e.f. 19.12.2014 to 25.12.2014 at New Ashok Nagar and Sector-15, Noida under the supervision of Sh. Manoj Kumar Meena, Lecturer, Physical Education of the Vidyapeetha. At the end of the training, the trainees were initiated into the scout and guide movement by the officers of same movement. The trainees were also given certificates after completion of their successful training.

(C) Activities for M.Ed. Students:

(i) Weekly Seminar - Seminars are organized every week of 1st Semester for enhancing the competence. The topics for seminar were announced in advance. Each student had to present three papers in the academic session. All the arrangements regarding the organization were done by the students under the guidance of their teachers. Report was prepared after successful completion of every seminar.

(ii) Sessional Activities - Activities were performed by the students of M.Ed. in both semesters as per their syllabus this year.

(iii) Supervision of B.Ed. students - The students of M.Ed. were allotted different secondary schools for the supervision of B.Ed. students. After completing supervision once in a week, all students submitted their reports in the department.

(iv) Psychology Test & Experiments – The students of M.ed. were concluded four Psychological Tests and Experiments in the second semester. The report in this regard was also submitted by the students.

(v) Field Activities - The M.Ed. students also collected data for their dissertations from different secondary schools.

(D) Departmental Publication - The department has published 'Shiksha Jyoti' magazine and moments of National Seminars organized during the year 2014-15

9. DEAN-STUDENT'S WELFARE

In Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, multifunctional programmes were organized for all round development of students under the guidance of Prof. Kamla Bhardwaj, Dean, Students Welfare in the Academic Session 2014-15. Academic, Cultural and Practical programmes were organized by the faculty. Under the Educational Programmes, students participated in educational competitions at Vidyapeetha's level, State level and International level. The faculty motivated the students in cultural programmes also. The specific activity of faculty was that it listened to students' problems and by imagination improving their behavior and the relationship between students presented a solution by setting up a melody. This effort is in this direction that the students of the faculty, along with classical teaching in today's tough environment, pace with modernity practical training is given to students to enhance their culture along with Sanskrit are also protected.

10. DEPARTMENT OF RESEARCH & PUBLICATION

The Research and Publication Department has been started with the aim of preservation editing and publication as well for research of old manuscripts of Sanskrit Language in the Vidyapeetha. The department edits and publishes a quarterly research journal. In research journal named "SHODHPRABHA" the articles of renowned scholars and research papers of research scholars, are published. Besides research workshops, seminars are also organized on various topics. As per directions and sub-rule 2009 of U.G.C., research scholars are given training related to research technology and the selection of research students is also done.

The particulars of main activities of Research and Publication Department during the session 2014-15 are given below:-

- **Organization of Combined Ph.D. Admission Examination-2014**

  A combined Admission Test for Ph.D. Course for admission in S.L.B.S.R. Vidyapeetha, New Delhi, Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati was conducted by the department on 19th July, 2014. This year, the Vidyapeetha has conducted Combined Ph.D. Admission Examination. The convener was Prof. Ramesh Kumar Pandey, Head, Department of Research & Publication.

- **Admission Process of Research Students for Ph.D. Course**

  A combined Admission Test for Ph.D. Course for admission in S.L.B.S.R. Vidyapeetha, New Delhi, Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati was conducted by the department on 19th July, 2014. The meeting of Research Board, under the convenership of Head of Research and Publication Department, was convened on 4,5,6,9 & 12 January, 2014 respectively to assess the research synopsis submitted by NET/JRF students and recommended by concerned research committees. The meeting was chaired by the Vice-Chancellor.

Besides the members of Research Board, concerned Head of the Departments and research guides were also present in the inttra-voice of research students. The process of admission of the 88 students recommended by research board was completed and 88 students were admitted during 2014-15 for Ph.D. course and 84 students got enrolled in Ph.D Course.

- **M.Phil. Sessional Course**

The Course for M.Phil, degree was conducted by the Vidyapeetha as per U.G.C. Rule 2009 of M.Phil./Ph.D. The M.Phil. sessional course July-December, 2014 was inaugurated by Prof. R.K. Pandey, Nagendra Jha & Prof. Ichcharam Dwivedi were the chief speakar. It was convening Dr. Gyandhar Pathak.

- **Ph.D. Sessional Course**

Vidyavaridhi Sessional Course of study for Jan-June, 2014 was inaugurated by the Vice-Chancellor on 15th January, 2014. In this sessional study course the following teachers taught the subjects as indicated against their names-

1. Prof. Prem Kumar Sharma - Vaidik Shodhsarvekshan
2. Dr. Ramesh Prasad Pathak - Shikshashastriya Shodhsarvekshan
3. Prof. Ramesh Kumar Pandey - Shodhpravidhi
4. Prof. Hareram Tripathi - Darshanshastriya Shodhsarvekshan
5. Prof. Sudeep Kumar Jain - Shilalekh
6. Prof. Ichcharam Dwivedi - Sahityashastriya Shodhsarvekshan
7. Shri Adesh Kumar - Sanganak Samprayog
8. Dr. Gyandhar Pathak - Pandulipivigyan

In addition to the above Dr. Gyandhar Pathak took the supplementary classes from time to time. Prof. Ramesh Kumar Pandey, Head of Research and Publication Department and Dr. Gyandhar Pathak, Research Assistant conducted the classes of research workshop respectively.

- **Vishishtacharya (M.Phil.) Admission Process**

An Admission Test was conducted on 14.07.2014 for admission to Vishishtacharya course, for which 52 students applied and 33 were successful. The course session was inaugurated by Vice-Chancellor (I/c).

- **Research Seminars**

Weekly seminar of research students was held as per time-table under the joint guidance of Head, Research and Publication Department and Dr. Gyandhar Pathak, Research Assistant. Research students presented their research papers in these seminars.

- **National Workshop on Research Methodology**

A national workshop on research methodology was organized from 11.02.2015 to 19.02.2015 by the Research and Publication Department for training of research students. The following scholars gave training to research students on different aspects of research methodology and manuscriptology. The trainee scholars were

1. Prof. Gayacharan Tripathi
2. Dr. Vijay Shankar Shukla
3. Prof. Chand Kiran Saluja
4. Dr. K. Kakshminarsinghan
5. Dr. Ravindra Vashishta
6. Prof. Upendra Rao Choudhary
7. Prof. Ramakant Pandey
8. Dr. Ratnamohan Jha

The Workshop was inaugurated by Prof. R.K. Pandey, HoD Research & Publication. Prof Hareram Tripathi was Saraswat guest & Prof. Gayacharan Tripathi was the chief guest. The above Workshop was coordinated by Prof. R.K. Pandey. It was convened by Dr. Gyandhar Pathak.

- **Editing and Publication of Research Journal 'SHODHPRABHA'**

The Research articles duly recommended by Advisory Committee and Editorial Board by the Head of Research and Publication Department assisted by Research Assistant Dr. Gyandhar Pathak, were edited and published in 'SHODHPRABHA'.

- **Editing and Publication of Books / Manuscripts**

The following books were published under the scheme of preservation and propagation of Sanskrit language literature books:-

1. जैमिनी न्यायमाला द्वितीयाध्याय
2. प्राकृतभाषा अभिलेख
3. अध्यापकशिक्षा का बदलता परिदृश्य
4. अध्यापकशिक्षा में उदीयमान प्रवृत्तियाँ
5. शोधप्रभा अक्टूबर, 2013
6. शोधप्रभा जनवरी, 2014
7. शोधप्रभा अप्रैल, 2014
8. शोधप्रभा जुलाई, 2014

9. विद्यापीठ पंचांग 2072
10. वास्तुशास्त्रविमर्श सप्तम पुष्प
11. भैषज्यज्योतिषमंजूषा भाग-3

- **Sale of Publication**

The books, Journal namely SHODHPRABHA, Panchang and Vastuvimarsh published by Vidyapeetha alongwith the books published under the reprint scheme of MHRD, are sold by Vidyapeetha. The annual membership of contribution of 'Shodh Prabha' is also received by Vidyapeetha. In total Rs.21,455/- as sale proceeds of Ministry's publications and Vidyapeetha publications alongwith Shodhprabha's contribution were Rs. 1,38,833/- were received by the Vidyapeetha.

- **Special Lecture Series**

1. A spacial lecture was delivered on the topic "Padkosh Niram Paddhati" by Prof. Sadashiv Dwivedi of BHU on 19.05.2014
2. A special lecture was delivered on the topic "Chikitsa mein Adhyatmikta" by Dr. R. Parmeshwarm, Centre for World-Religion studies, Harvard University.
3. On 11.08.2014 one day lecture was delivered by Prof. Alex Watsan on "Sanskrit Adhdhyan ki drishti".

Faculty Member of Department of Research and Publication
Prof. Ramesh Kumar Pandey

Details of Scholars admitted 2014-15 for the Ph.D. degree

वेद-वेदाग संकाय

क्र० सं०	प्रार्थी का नाम	शोध-निर्देशक का नाम	संकाय/विभाग	प्रवेश अर्हता	शोध विषय
01.	**विवेक कुमार**	डॉ. सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	जे.आर.एफ	भार्गवराघवीयमहाकाव्यस्य शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
02.	**उपेन्द्र प्रसाद**	डॉ. रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	श्रीमद्भागवतदशमस्कन्धीयसमस्त पदानां पाणिनिव्याकरणसन्दर्भे विवेचनात्मकमध्ययनम्
03.	**सन्दीप कुमार**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	नेट	काशिकावृत्तौ श्लोकाकारेण प्रस्तुतानामुदाहरणानां शब्दशास्त्रीयसमीक्षा
04.	**पंकज कुमार झा**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	महाभाष्ये निपातितशब्दानां समीक्षणम्

05.	**नरेश कुमार शर्मा**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	नेट	पुरुषोत्तमदेव-विरचितलघुपरिभाषावृत्तेः नागेशकृत-परिभाषेन्दुशेखरेण सह तुलनात्मकमध्ययनम्
06.	**सूर्यमणि भण्डारी**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	लिखित परीक्षा	पाणिनीयस्वरप्रक्रियायाः प्रतिशाख्ययोक्तस्वरप्रक्रियया सह तुलनात्मकमध्ययनम्
07.	**मिथिलेश कुमार**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	लिखित परीक्षा	वाल्मीकीयरामायणस्य भूषणटीकायां समागतानां व्याकरणविषयकचिन्तनविशेषाणां युक्तायुक्तत्त्वसमीक्षणम्
08.	**रामनरेश चतुर्वेदी**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	कर्मकारकसिद्धान्तेषु नागेशभट्टगदाधरभट्टयोः सिद्धान्तानां समीक्षणात्मकमध्ययनम्
9.	**राजू शर्मा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	लिखित परीक्षा	पाणिनिव्याकरणे प्रक्रियामूलकनानार्थकशब्दानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
10.	**कृष्णा आर्या**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	नेट	वाल्मीकीयरामायणे समागतानामपाणिनीयाख्यातपदानां समीक्षणम्
11.	**दीपक शर्मा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्यारण	एम.फिल.	मुद्राराक्षसनाटकस्य शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
12.	**मानसरञ्जनपति**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	नागेशाभिमतबौद्धार्थस्य समीक्षा
13.	**भगत राम**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	एम.फिल	अनुवृत्तिनिरपेक्षसूत्राणां महाभाष्यसन्दर्भे विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
14.	**स्वस्ति नाथ झा**	डॉ0 दयाल सिंह	व्याकरण	जे.आर.एफ.	सिद्धहेमशब्दानुशासनस्य बृहद्वृत्त्यवचूर्णिटीकायां समाविष्टानां परिभाषाणां समीक्षात्मकमध्ययनम्

15.	**चन्द्रवर्धनधस्माना**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	महर्षिपाणिनीयव्याकरणदृष्टया श्रीरामदैवज्ञकृतमुहूर्त्तचिन्तामणौ समागतसमस्तपदानां शब्दशास्त्रीयमध्ययनम्
16.	**संतोष कुमार उपाध्याय**	प्रो0 कमला भारद्वाज	व्याकरण	लिखित परीक्षा	लघुशब्देन्दुशेखरे पञ्चसन्धिप्रकरणे प्रदत्तभाष्यप्रतीकानां विवरणात्मकमध्ययनम्
17.	**सुनील कुमार शर्मा**	डॉ0 रामसलाही द्विवेदी	व्याकरण		मध्यप्रदेशस्य बुन्देलखण्डान्तर्गतप्रचलितभाषायां पाणिनीयव्याकरणस्य प्रभाव:
18.	**नीरज नौटियाल**	प्रो0 जयकान्त सिंह शर्मा	व्याकरण	एम.फिल	श्रीमद्भागवतस्यान्वितार्थप्रकाश-टीकायां समागतानां व्युत्पत्ति-विषयकचिन्तनविशेषाणां समीक्षणात्मकमध्ययनम्
19.	**लखीराम ममगांई**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण		स्त्रीप्रत्ययानां विषये पाणिनिजैनेन्द्रशाकटायनव्याकरण नाां तुलनात्मकमध्ययनम्
20.	**हेमलता आर्या**	डॉ0 सुजाता त्रिपाठी	व्याकरण	लिखित परीक्षा	व्याकरणसिद्धान्त सुधानिधे: पाणिनिविश्वेश्वरव्याकरणयो: समासप्रकरणस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
21.	**विरेन्द्र कुमार**	डॉ0 विनोद कुमार शर्मा	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	ज्योतिषशास्त्रे आकस्मिकमृत्युप्रदातृयोगानां समीक्षणम्
22.	**समीर**	डॉ0 दिवाकर दत्त शर्मा	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	केतकीग्रहगणितसर्वानन्दकरणयो: ग्रहस्पष्टीकरणसमीक्षणम्
23.	**शम्भूदत्त**	डॉ0 बिहारी लाल शर्मा	ज्योतिष	एम.फिल	ज्योतिषशास्त्रे राजस्थानीयाचार्याणां योगदानम्
24.	**ईशान शर्मा**	डॉ0 नीलम ठगेला	ज्योतिष	लिखित परीक्षा	सायननिरयणपद्धत्यो: फलादेशसमीक्षणम्
25.	**रितिका अग्रवाल**	प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तुशास्त्र	एम.फिल	रूपमण्डनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्

26.	**मृत्युञ्जय त्रिपाठी**	प्रो0 देवी प्रसाद त्रिपाठी	वास्तुशास्त्र	एम.फिल.	वास्तुशास्त्रे वर्णितानां देवीनां देवानाञ्च विवेचनात्मकमध्ययनम्
27.	**पंकज कुमार**	डॉ0 रश्मि चतुर्वेदी	वास्तुशास्त्र	एम.फिल.	पुरीस्थजगन्नाथमन्दिरस्य वास्तुशास्त्रीयविवेचनम्
28.	**सोनू शर्मा**	डॉ0 सुशील कुमार	वास्तुशास्त्र	एम.फिल.	मयमतालोके वास्तुरत्नावल्या: समीक्षात्मकमध्ययनम्
29.	**सुदेश सिंह**	डॉ0 यशवीर सिंह	धर्मशास्त्र	एम.फिल.	भारते प्रचलितानां वैदिकविवाहपद्धतीनां समीक्षणम्
30.	**ब्रजेश कुमार झा**	डॉ0 सुन्दरनारायण झा	वेद	एम.फिल.	वैदिकयज्ञपरम्परायां गोमेधयज्ञस्य महत्त्वम्
31.	**सुदीप्ता पाल**	डॉ0 रामानुज उपाध्याय	वेद	एम.फिल.	वैदिकसंवादसूक्तेषु प्रतिबिम्बित: समाज:
32.	**कृष्णा प्रधान**	डॉ0 रामानुज उपाध्याय	वेद		वैदिकसंहितासु पृथिवीस्थानीयदेवतानां स्वरूपविमर्श:
33.	**मुकुल देव**	डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	वेद	एम.फिल.	बृहदारण्यकोपनिषत्प्रतिपादितोपासनानां विवेचनात्मकमध्ययनम्

साहित्य एवं संस्कृति संकाय

34.	**वैदेही तिवारी**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	लिखित परीक्षा	महाकविभारवे: सूक्तीनां सामाजिकोपयोगिता तासां समीक्षणञ्च
35.	**शीतल कुमारी**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	लिखित परीक्षा	अलिविलासिसंलापस्य गङ्गाटीकासहितस्य प्रथमशतकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
36.	**देवकीनन्दन शर्मा**	डॉ0 अरविन्द कुमार	साहित्य	लिखित परीक्षा	जगन्नाथपाठकानूदितस्य गालिबकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
37.	**प्रीतम पोखरियाल**	प्रो0 शुकदेव भोई	साहित्य	लिखित परीक्षा	कादम्बर्यां शब्दाऽलङ्काराणां समीक्षणम्

38.	**सुभाष रतूड़ी**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	धनपालविरचिततिलकमञ्जरीकथया: काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्
39.	**शिप्रा सिंह**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	कर्पूरमञ्जरी-चन्द्रलेखेति सट्टकयोस्तुलनात्मकम-समीक्षणम्
40.	**स्वाति:**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	एम.फिल्	आधुनिककथासाहित्यपरम्परायां डॉ. बनमालीविश्वालकृतयो: नीरवस्वन- जिजीविषेति कथाग्रन्थयोरवदानसमीक्षणम्
41.	**शक्तिशरण शर्मा**	प्रो0 भागीरथि नन्द	साहित्य	लिखित परीक्षा	चतुर्भुजभट्टाचार्यरचितस्य हरिचरितमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयानुशीलनम्
42.	**संदीप**	प्रो0 देवदत्त चतुर्वेदी	साहित्य	जे.आर.एफ	भासप्रणीतयज्ञफलनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्
43.	**कु० सुमेधा**	प्रो0 रश्मि मिश्रा	साहित्य	नेट	भवभूते: कृतिषु नारीविमर्श:
44.	**तोषी शर्मा**	डॉ0 सुमन कुमार झा	साहित्य	एम.फिल.	गोस्वामिबलभद्रप्रसादशास्त्रिविरचितानां नाटकानां नाट्यशास्त्रीयानुशीलम् (सेतुबन्धकर्णाभिजात्यसैरन्ध्रीनाटकानां सन्दर्भे)
45.	**गजराज**	प्रो0 देवदत्त चतुर्वेदी	साहित्य	नेट	भर्तृहरिप्रणीतस्य शतकत्रयस्य साहित्यशास्त्रीयमनुशीलनम्
46.	**गणेश कुमार**	डॉ0 सुमन कुमार झा	साहित्य	लिखित परीक्षा	कालिकाप्रसादशुक्लहरिनारायणदीक्षितविरचितस्योराधाकाव्ययोस्तुलनात्मकमध्ययनम्
47.	**धर्मवीर शर्मा**	प्रो0 इच्छाराम द्विवेदी	पुराणेतिहास	एम.फिल.	बह्मवैवर्तपुराणे श्रीराधाचरितविमर्श:

<u>दर्शन संकाय</u>

48.	**राकेश कुमार पाण्डेय**	प्रो0 शुद्धानन्द पाठक	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	विवरणप्रमेयसङ्ग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
49.	**रीमा कुमारी**	डॉ0 सतीश के.एस.	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	वेदान्तसिद्धान्तमुक्तावल्या: समीक्षात्मकमध्ययनम्

50.	**अरूणा**	प्रो0 एस.एन. रमामणि	अद्वैत वेदान्त	एम.फिल	श्रीशङ्कराचार्यकृतसर्ववेदान्तसिद्धान्तसारसंग्रहस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
51.	**कुलदीप पैन्यूली**	डॉ0 मारकण्डेयनाथ तिवारी	सांख्ययोग	एम.फिल	संख्यतत्त्वकौमुद्याः किरणालीटीकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्
52.	**सतबीर सिंह**	डॉ. रामचन्द्र शर्मा	न्याय वैशेषिक	नेट	न्यायवैशेषिकनये गुणस्वरूपविमर्शः
53.	**चन्दन कुमार मिश्र**	डॉ0 सुदर्शनन् एस्.	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	एम.फिल	कठोपनिषदः वैष्णवटीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
54.	**शालू शर्मा**	डॉ0 के. अनन्तः	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	एम.फिल	तैत्तिरीयोपनिषदः वैष्णवटीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
55.	**खेमचन्द**	डॉ. वृन्दावन दाश	पौरोहित्य	एम.फिल.	कर्मकाण्डपरम्परायां मन्त्रकौमुद्याः स्थानम्
56.	**मनोज कुमार**	डॉ0 संगीता खन्ना	सर्वदर्शन	लिखित परीक्षा	तत्त्वार्थदीपनिबन्धे सन्दर्भे शैवोपासनापद्धतिविमर्शः
57.	**विनय कौशिक**	डॉ0 संगीता खन्ना	**सर्वदर्शन**	एम.फिल.	द्वादशज्योतिर्लिङ्गानां सन्दर्भे शैवोपासनापद्धतिविमर्शः
58.	**नवीन कुमार**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	नेट	प्रमाणमञ्जर्याः टीकानां तुलनात्मकमध्ययनम्
59.	**दिनेश कुमार झा**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	एम.फिल.	वैदिकदर्शनानां विकासे वाचस्पतिमिश्रस्य अवदानम्
60.	**आशीष यादव**	डॉ0 जवाहर लाल	**सर्वदर्शन**	एम.फिल.	ब्रह्मसूत्रसमन्वयाध्यायस्य श्रीशाङ्करश्रीकण्ठभाष्योः तुलनात्मकमध्ययनम्
61.	**नवीन चन्द्र**	डॉ0 प्रभाकर प्रसाद	**सर्वदर्शन**	एम.फिल.	श्रीकमलाकरभट्टविरचितमीमांसाकुतूहलस्य समीक्षणम्
62.	**सोनम**	डॉ0 संगीता खन्ना	**सर्वदर्शन**	नेट	पातञ्जलयोगदर्शनसाधनपादीयस्वामिनारायण भाष्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्
63.	**निशा मण्डल**	डॉ0 जवाहर लाल	**सर्वदर्शन**	लिखित परीक्षा	अनुमानसन्दर्भे प्रमेयकमलमार्तण्डन्यायसिद्धान्तमुक्तावल्योः तुलनात्मकमध्ययनम्

64.	**मणिकान्त कुमार**	डॉ0 प्रभाकर प्रसाद	**सर्वदर्शन**	जे.आर.एफ	मीमांसान्यायानां वैशिष्ट्यस्य भामत्यालोके परीष्टि:
65.	**अपूर्वा भारद्वाज**	प्रो0 हरेराम त्रिपाठी	**सर्वदर्शन**	लिखित परीक्षा	न्यायालोकन्यायसिद्धान्तमुक्तावल्यो: तुलनात्मकमध्ययनम्

आधुनिक ज्ञान-विज्ञान संकाय

66.	**गिरीश चन्द्र उपाध्याय**	डॉ0 अमिता पाण्डेय भारद्वाज	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	भाषाशिक्षकाणां कक्षागतव्यवहारस्वरूपाणां तुलनात्मकमध्ययनम्
67.	**सर्वेश मोहन काण्डवाल**	प्रो0 रमेश प्रसाद पाठक	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	सांख्ययोगदर्शनयो: निहितशिक्षामनोविज्ञानस्य तत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्
68.	**टेकचन्द भारद्वाज**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	सेवापूर्वशिक्षकाणां ज्योतिषशास्त्रमनोविज्ञानयो: परिप्रेक्ष्ये नेतृत्त्वक्षमतासंज्ञानात्मकप्रज्ञायाश्च विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
69.	**कृष्णकान्त मिश्र**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	डॉ. उमेशमिश्रकृतिषु शैक्षिकतत्त्वानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
70.	**आशीष नारायण भट्ट**	प्रो0 नागेन्द्र झा	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	भारतीयदर्शनेषु बुद्धिव्यक्तित्वयो: शैक्षिकदृष्टया विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
71.	**प्रमोद कुमार**	डॉ0 भास्कर मिश्र	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	स्नातकस्तरीयच्छात्राणां सांवेगिकाध्यात्मिकविकासाय योगशिक्षाप्रभावस्याध्ययनम्
72.	**नवीन आर्य**	डॉ0 भास्कर मिश्र	**शिक्षाशास्त्र**	लिखित परीक्षा	संस्कृतभाषापरिपोषणे हरियाणाराज्यस्य शैक्षिकसंस्थानां भूमिकापरिशीलनम्
73.	**देशबन्धु**	डॉ0 भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	लिखिता परीक्षा	दिल्लीस्थार्ष गुरुकुलेषे विद्यमानाया शिक्षाव्यवस्थाया: विश्लेषणात्मकमध्ययनम्

74.	**जितेन्द्र कुमार**	डॉ0 भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	नेट	श्रीमद्भगवद्गीतायां सन्निहितशैक्षिकप्रौद्योगिक्या उपागमानां विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
75.	**नीरज कुमार द्विवेदी**	प्रो0 नगेन्द्र झा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	तैत्तिरीयोपनिषद्-मुण्डकोपनिषदो: शैक्षिकमूल्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्
76.	**तृप्ता अरोड़ा**	डॉ0 मीनाक्षी मिश्रा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	व्यक्तित्वसम्बद्धभारतीयावधारणां सन्दर्भे छात्राणां समायोजन-सामाजिकव्यवहारयो: अध्ययनम्
77.	**सुधीर कुमार यादव**	डॉ0 कुसुमयदु लाल	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	प्रधानाचार्याणां संवेगात्मकप्रज्ञाया: नेतृत्वप्रशासनक्षमतायाश्च तुलनात्मकमध्ययनम्
78.	**विवेक कुमार**	डॉ0 रजनी जोशी चौधरी	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	मध्यमिकस्तरीयविद्यार्थिषु मूल्यसम्वर्द्धने सूचनासञ्चारप्रौद्यौगिकीप्रयोगद्वारा कक्षाशिक्षणप्रभावाध्ययनम्
79.	**रोहित थपलियाल**	डॉ0 के. भारतभूषण	शिक्षाशास्त्र	नेट	पारम्परिकसंस्कृतच्छात्राणां व्याकरणोन्मुखताया रुचेरभिक्षमतायाश्च सम्बन्धात्मकमध्ययनम्
80.	**केशरी कुमार तिवारी**	डॉ0 विमलेश शर्मा	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	पारम्परिकाधुनिकशिक्षाप्रणाल्यो: सेवापूर्वशिक्षकाणां संवेगात्मकव्यवहारिकप्रज्ञयो: सन्दर्भे कक्षाशिक्षणक्षमताया: छात्राणामुपलब्धेश्च तुलनात्मकमध्ययनम्
81.	**गुरिन्द्रकौर**	डॉ0 रचना वर्मा मोहन	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	मध्यमिकविद्यालयेषु अपचारसम्भाव्यतायुक्त-किशोराणाङ्कृते प्रदत्तनिर्देशनपरामर्शकार्यक्रमाणां प्रभावशीलताध्ययनम्

82.	**नविता**	डॉ0 रचना वर्मा मोहन	शिक्षाशास्त्र	एम.फिल.	शिक्षणे पारम्परिकोपागमसन्दर्भे रचनावाद्युपागमस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
83.	**रतन बारिक**	डॉ0 अमिता पाण्डेय भारद्वाज	शिक्षाशास्त्र	लिखित परीक्षा	आध्यात्मिकबुद्धे सन्दर्भे शिक्षकाणामात्मसामर्थ्यस्य नियन्त्रणसंस्थितेश्च विश्लेषणात्मकमध्ययनम्
84.	**जयपाल**	डॉ0 सदन सिंह	शिक्षाशास्त्र	नेट	परास्नातकीयशिक्षासमस्यां प्रति छात्राणामभिभावकानाञ्च दृष्टिकोणस्य विश्लेषणात्मकमध्ययनम्

11. VARIOUS SEMINARS AND MEMORIAL LECTURE SERIES

During the session 2014-15 various Seminars and Memorial Lecture series were organized by the departments of the Vidyapeetha:-

1. **Dr. Mandan Mishra Lecture-Series**

The department of Sahitya organized Dr. Mandan Mishra Lecture-Series on 26.03.2015. The special scholar was Prof. Jaishankar Lal Tripathi delivered lectures in this Lecture-series on the topic "Prachya-Pashchatya Alankarik Sambandh, Arastu ke Alok main". The convener of this lecture series was Prof. Sukadev Bhoi.

2. **Acharya Vachaspati Upadhyaya Memorial Lecture Series**

The department of Sahitya organized Acharya Vachaspati Upadhyaya Memorial Lecture Series on 28.03.2015 in the Vachaspati Sabhagar of the Saraswat Sadan. Prof. Radhaballbh Tripathi delivered special lecture on the topic "Prachyapashchatyakavyashastri Sambandh". The session was chaired by Prof. Ramesh Kumar Pandey, Vice-Chancellor of the Vidyapeetha. The convener of this lecture series was Prof. Sukadev Bhoi.

3. **Acharya Kundkund Lecture-Series**

The faculty of Sahitya & Sanskriti organized Kundkund Lecture-Series under the chairmanship of Vice-Chancellor, Prof. Ramesh Kumar Pandey, on 25.02.2015 at 11.00 a.m. in the Vaschaspati Sabhagar of the Vidyapeetha. The topic of this lecture-series was Prakrit & Sahitya. The Chief Guest & Speaker of this lecture series was Prof. Rajaram Jain who delivered lecture on the topic of "Shourseniprakrit ka Parwarti

Bhartiya Bhashao awam Sahitya par Prabhaw". The welcome address was given by the Dean, Faculty of Sahitya & Sanskriti, Prof. Ichcharam Dwivedi, session enforcement was given by Head, Department of Prakrit, Prof. Sudeep Kumar Jain and vote of thanks was given by Dr. Jai Kumar N. Upadhye.

4. **Pattabhiram Shastri Smarak Vyakhyanmala**

The Department of Sarva Darshan organized a lecture series on 17.03.2015 namely 'Pattabhiram Shastri Smarak Vyakhyanmala' on the topics of Bharitya Jivan Darshan ke Mulbhut Aayam' and 'Shri Madbhagwadgeetadarshan Nivrittimarg ka ek Sashakt Vikalp' under the Chairmanship of the Vice-Chancellor of Prof. Ramesh Kumar Pandey. The speaker of this lecture-series was Prof. Gayacharan Tripathi. The Convener of this lecture-series was Dr. Sangeeta Khanna, HOD (Sarva Darshan).

5. **Acharya Gaurinath Shastri Memorial Lecture-Series**

The Department of Nyaya Vaisheshik, Faculty of Darshan organized Acharya Gaurinath Shastri Memorial Lecture-Series on 24.03.2015. It was convened by Prof. Piyushkant Dixit.

12. COURSES OF STUDY

The Vidyapeetha conducts Full Time and Part Time Courses. It imparts teaching in these courses and awards degrees after conducting examination. The details of these courses are as under:-

(a) FULL TIME COURSES

(i) Shastri (B.A.) (Three-year course)

(ii) Shastri Sammanita (B.A. Hons) (Three-year course)

(iii) Acharya (M.A.) (Two-year course)

(iv) Shiksha-Shastri (B.Ed.) (One-year Teachers Training Course)

(v) Shikshacharya (M.Ed.) (One-year Teachers Training Course)

(vi) Vishishtacgharya (M.Phil.) (One year Research Course)

(vii) Vidyavaridhi (Ph.D.) (Two-year Research Course)

These courses consist of the following subjects:-

Shastri (General & Honours)

Category 'A'

Shukla Yajurveda, Dharma Shastra, Pracheen Vyakarana, Navya Vyakarana, Phalit Jyotisha, Siddhanta Jyotisha, Vastu Shastra, Paurohitya, Sahitya, Puranetihasa, Prakrit ,Sankhya Yoga, Advaita Vedanta, Vishistadvaita Vedanta, Prachin Nyaya Vaishesika, Navya-Nyaya, Jain Darshan, Sarva Darshan, and Mimansa

Category 'B'

Hindi, English, Political Science, Sociology and Computer Science

Shiksha Shastri (B.Ed.)

1. Theoretical Training
2. Practical Training
3. Sessional Work

Acharya (M.A.)

Shukla Yajurveda, Dharma Shastra, Pracheen Vyakarana, Navya Vyakarana, Phalit Jyotisha, Siddhanta Jyotisha,Vastu Shastra Paurohitya, Sahitya, Puranetihasa, Prakrit, Sankhya Yoga, Advaita Vedanta,Visistadvaita-Vedanta, Prachin Nyaya Vaishesika, Navyanyaya, Jain Darshan, Sarva Darshan and Mimansa.

Shiksha-Acharya (M.Ed.)

(a) Theoretical

Compulsory Subjects

1. Philosophical and Sociological basis of Education
2. Psychological basis of Education
3. Educational research Statistics
4. Syllabus, Guidance and basis of comparative education

(b) Dissertation and Viva-voce

(c) Sessional Work

Optional Subjects- (Any two)

1. Educational and Vocational guidance
2. Syllabus Modification

3. Yoga Education
4. Distance Education
5. Comparative Education
6. Language Education
7. Educational Management
8. Teacher Education
9. Educational Technology
10. History and Philosophy of Ancient Indian Education
11. Information & Technology
12. Special Education
13. Educational Evaluation and Measurement
14. Value Education and Human Rights

(d) Part Time (Certificate & Diploma) COURSES

The following short-term part time certificate and diploma courses were conducted in the Vidyapeetha to improve the employability of students (One year courses with two semesters):-

1. One Year Jyotisha Prajna Certificate Course
2. One Year Jyotish Bhushan Diploma Course
3. Two-year P.G. Diploma Course in Vastu Shastra
4. One year Medical Astrology Certificate Course
5. Training Course in Paurohitya Certificate / Diploma Course
6. P.G. Diploma in Yoga
7. Certificate Course in Yoga

Vidyapeetha received very good responses for these programmes from the society. In addition to this, the Vidyapeetha organized ***"Sanskrit Sambhashan Shivir".***

Academic Reforms

In Shastri and Acharya courses, the following components have been included:

1. Western Logic & Philosophy
2. History of Indian Philosophy and Western Philosophy

3. Western Poetics
4. Human Rights
5. Medical Astrology
6. Computer Application

13. SCHOLARSHIP

With a view to encouraging the students to pursue various courses in Sanskrit education through traditional system, the Vidyapeetha awarded scholarships as per the following details:-

S.No	Class	Year	No. of Scholarships	Amount of Scholarship
1.	Shastri (B.A.)	I Year	120	Rs. 800/- P.M.
2.	Shastri (B.A.)	II Year	120	Rs. 800/- P.M.
3.	Shastri (B.A.)	III Year	120	Rs. 800/- P.M.
4.	Shiksha Shastri (B.Ed.)		60	Rs. 800/- P.M.
5.	Acharya (M.A.)	I Year	25 Per Subject	Rs. 1000/- P.M.
6.	Acharya (M.A.)	II Year	25 per Subject	Rs. 1000/- P.M.
7.	Shikshacharya (M.Ed.)Special grant		13	Rs. 1000/- P.M. Rs. 750/-
8.	Vidyavaridhi		19	Rs. 5000/- P.M.
	Contingency Grant for the Vidyavaridhi			Rs. 3000/- P.A.

14. EXAMINATION

The Vidyapeetha has been conducting annual and semester-wise examinations two time in academic year for its various courses like Shastri, Acharya, M.Ed. & M.Phil. and one time for Shiksha-Shastri. The examination results of students admitted to Shastri, Acharya, Shikshashastri & Shikshacharya courses for the year 2014-15 are as follows :-

Examination	Number of students appeared		Number of Students passed								
	Total (Men + Women)	Women Only	Total (Men + Women)					Women (only)			
				I Div.	II Div.	III Div.	Total	I Div	II Div.	III Div.	Total
Shastri	107	08		66	39	01	106	03	05	--	08
Acharya	113	20		97	09	--	106	18	02	--	20
Shikshashastri	249	75	Theory	202	45	--	247	60	13	--	73
			Practical	245	02	--	247	73	-	--	73
Shikshacharya	32	05		32	--	--	32	05	--	--	05

Part-Time Diploma & Certificate Courses

In addition to the above mentioned courses. the examinations conducted for the above-mentioned courses, the examination section also conducted examinations for the part-time vocational courses in Jyotish Prajna, Jyotish Bhushan, Vastu Shastra, Medical Astrology & Paurohitya.

15. JUNIOR /SENIOR RESEARCH FELLOWSHIP

S.No	Name of JRF Holder	Supervisor	Name of Department
1.	Shri Vivek Kumar	Vyakaran	Dr. Sujata Tripathi
2.	Swasti Nath Jha	Vyakaran	Dr. Dayal Singh
3.	Shri Sandeep	Sahitya	Prof. Devdutt Chaturvedi
4.	Shri Gajraj	Sahitya	Prof. Devdutt Chaturvedi
5.	Shri Manikant Jha	Sarva Darshan	Dr. Prabhakar Prasad

Rajeev Gandhi Senior Research Fellowship

S.No.	Name	Supervisor	Name of Department
1.	Navita	Shiksha	Dr. Rachna Mohan Varma

16. OTHER ACADEMIC AND CULTURAL ACTIVITIES

(a) Commencement of the Academic Session

The academic session of the Vidyapeetha began with Shiv Shakti Yajna in July 2014 in the presence of the Vice-Chancellor and under the coordinatornship of Prof. Harihar Trivedi. All the teachers, officers, staff and the students participated in the worship of Goddess Saraswati. This constitutes the annual ritual of every academic- session.

(b) Independence Day

The Independence Day was celebrated on 15 August, 2014 in front of the main building of the Vidyapeetha. The function began at 9:30 a.m. The Vice-Chancellor inspected the guard of honour given by the N.C.C cadets of the Vidyapeetha. After the inspection, the Vice-Chancellor offered garland to the statue of Shri Lal Bahadur Shastriji. The Vice-Chancellor also hoisted the National Flag. The audience, present on the occasion, sang the national anthem. The guests, present on this occasion, including senior officers of the N.C.C and Professors of the University were welcomed with garlands. The Vice- Chancellor while addressing all the members of the Vidyapeetha and especially the N.C.C cadets advised them to play an important role in enhancing and protecting the glory of the nation.

(c) Sanskrit-Week

Various programmes related to the Sanskrit language and literatures were organized from 06.08.2014 to 13.08.2014 as a part of the Sanskrit Week Celebrations. The programmes like Sanskrit Elocution competition, Debate and Shlokoantyakshari were organized. Sanskrit dominated the entire week.

(d) Sanskrit-Day

Sanskrit Day is celebrated throughout the country on the Full Moon Day (Poornima) of the month of Shravana since 1968. The main objective of celebrating this day is to provide information regarding progress made in the field of Sanskrit and chalk out an agenda for its future development. Songs, dance, seminars and competitions were organized during the function at the Vidyapeetha. According to the Indian traditions, the full Moon of Shravana is an auspicious day which is the day of imparting teaching of the Vedas to the students.

The Ministry of Human Resource Development, Rashtriya Sanskrit Sansthan and Shri. Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha jointly celebrated the Sanskrit Divas on 10 August 2014, the Rakhi Day, at National Museum, New Delhi.

(e) Hindi Week

In the Vidyapeetha the period from 14.09.2014 to 28.09.2014 was observed as Hindi week. During this celebration, various competitions were organized for students and employees of the Vidyapeetha. The students and employees participated in all the competitions with great enthusiasm in speech, writing, noting, drafting and singing competitions and folk songs.

The meetings of Hindi Rajbhasha Implementation Committee was organized on 25.03.2014, 26.03.2014, 10.10.2014 and 17.03.2015. World Hindi Day was observed on 10.01.2015.

This year, Kavi Sammelan was held on the Campus of the Vidyapeetha.

(f) Birth Anniversary of Shri Lal Bahadur Shastri

The Vidyapeetha celebrated 2nd October as the birthday of Shri Lal Bahadur Shastri. The teachers of the Vidyapeetha recited Shrimad Bhagvad Geeta in the programme organized by the Ministry at Vijay Ghat. They also garlanded the statue of Shastri ji installed in the premises of the Vidyapeetha.

(g) Shri Lal Bahadur Shastri Smriti Divas

The Vidyapeetha not only organized Shastri memorial lecture series but also observed 11th January, 2015 as the Shastri Smriti Divas. The teachers of the Vidyapeetha participated and recited Shrimadbhagvadgita in the function organized by the Delhi Govt. at Vijay Ghat. They paid their homage by offering flowers on the statue of Shastriji installed in the premises of Vidyapeetha.

(h) Republic Day

The Republic Day was celebrated on 26th January 2015 in the premises of the Vidyapeetha. The Hon'ble Vice-Chancellor inspected the guard of honour presented by the N.C.C. cadets of Vidyapeetha. Thereafter he offered garland on the statue of Shastriji, which was followed by hoisting of the National Flag. He addressed the N.C.C. Cadets and appreciated the involvement and participation of the young cadets on the occasion. He also highlighted the need of the N.C.C. Cadets in the present circumstances of the country and encouraged them for their meaningful plan of action in the process of nation building. He underlined the necessity of imparting education and training in Defence studies along with shastras by fondly remembering this well accepted Indian tradition of training in both the fields.

(i) Saraswati Poojan Mahotsava

The Vidyapeetha celebrated the Saraswati Pooja dated 24.01.2014 on Vasant Panchami.The students, in the gracious presence of the Vice-Chancellor and all the members of the faculties, worshipped Goddess Saraswati as per the Shastric tradition under the Supervision of Prof. Harihar Trivedi. At the same time Saraswati Yajna was also performed. Several competitions on Shlokantyakshari, Essay writing, Debate, Elocution, Stotra Path, etc. were also organized in addition to various cultural programmes.

(j) Sports Competition

For sound physical and mental health, games and sports have their own significance. Bearing this fact in mind, the Vidyapeetha conducted various games and sports for the students. It organized Annual Sports Competition for the session 2014-15. Competitions on Yogasan, Wrestling, Kabaddi, Cricket, Badminton, Single (Boys & Girls) followed by athletic events like running, weight lifting, javelin throw, etc. were organized in which 500 students participated.

(k) Swachch Bharat Abhiyan

The Prime Minister of India initiated clean Indian campaign from 2nd October 2014 to 2nd October 2019. It started from 25th September 2014 and ended on 31st October 2014, the birthday of Sardar Patel. An oath taking ceremony was organized at 9.30 AM at the Saraswat Sadhna Sadan on 2nd of October 2014 in the Chairmanship of Prof. Bhaskar Mishra. The employers of the Vidyapeetha & the students participated enthusiastically in the cleanliness of the Vidyapeetha & nearby areas with a view to giving the vision of Manatma Gandhi a reality.

(k) Yoga Centre

During the session 'Sankhya Yoga Department' has inaugurated a one year P.G. Diploma Course under Yoga Vijnan centre under the chairmanship of the Vice-Chancellor. Teachers of Darshan Faculty attended the programme. 45 students participated in the course. Yoga Vigyan Centre has been trying continuously for the development of Yoga Vijnan.

(l) N.C.C. (NATIONAL CADET CORPS)

For effective supervision and co-ordination of N.C.C. activities in the Vidyapeetha, Prof. Piyush Kant Dixit and Dr. Minu Kashyap are the N.C.C. Officers.

N.C.C. (Girls Wings) Activities

1. 6 cadets of the Vidyapeetha attended the attended the CATC Delhi in Parade Ground, New Delhi from 31st Oct to 4th Nov. 2014.
2. On 31st Oct. 2014, NCC girls' cadets attended the Unity Race in Vidyapeetha.

Achievements of N.C.C. Students

N.C.C. Cadets Activities 2014

Sl. No	Camp Name	Date	Cadets Names
1	CATC		1. C.H.M Mukesh Mishra 2. Sarvesh Kumar Pandey 3. Pradeep Chandra Khantwal 4. Vineet Kumar Dwivedi 5. Shivanshu Mishra
2.	T.S.C	14-23.08.2014	1. S.G.T Nitesh Dobhal 2. Deepesh Pant 3. Dinesh Kr. Mishra 4. Akhil Kr. Sharma 5. Om Prakash
3.	N.I.C Ist	8-19.10.2014	1. J.U.O. Dhruv Kr. Upadhyay 2. J.U.O. Ankit Kr. Varma 3.

4.	Army Attachment	27.10.2014 to 08.11.2014	1. SGT. Neetesh Dobhal 2. Akhil Kr. Sharma 3. Vineet Kr. Dwivedi 4. Pradeep Chandra Khantwal 5. Himanshu Vyas 6. Dinesh Kr. Mishra 7. Om Prakash 8. Sanjay Kr. Tiwari 9. Varun Maitrey 10. Sarvesh Kr. Pandey 11. Surya Prakash Nautiyal 12. Ankit Bhatt 13. Dharemendra Bahuguna 14. Nandram Nautiyal 15. Prashant Kumar 16. Deepak Thapliyal 17. Rajkishor Dwivedi 18. Pradeep Bhatt 19. Satish Kumar 20. Devkrishna Thapliyal
5.	NIC IInd	28.10.2014 to 8.11.2014	1. Suraj Kumar 2. Aakash Kumar
6.	RDC Ist	31.10.2014 to 08.11.2014	1. S.G.T. Prakash Chandra Juyal
7.	Camel Safari	17.11.2014 to 29.11.2014	1. S.G.T. Prakash Chandra Juyal

N.C.C. Events 2014

1.	independence day parade	01 to 15 Aug. 2014	All NCC Cadets
2.	inter battalion competition	01-12.09.2014	1. C.H.M Mukesh Mishra 2. S.G.T. Prakash Chandra Juyal 3. S.G.T Nitesh Dobhal 4. Akhil Kr. Sharma 5. Ankit Bhatt 6. Sanjay Tiwari 7. Prashant Kumar
3.	NCC National Games Mass pitie & Table drill	05-19.10.2014	1. C.H.M Mukesh Mishra 2. S.G.T. Prakash Chandr Juyal 3. S.G.T. Nitesh Dobhal 4. Dharmendra Bahuguna 5. Devkrishna Thapliyal 6. Ankit Bhatt 7. Dinesh Mishra

			8. Sanjay Tiwari 9. Akhil Kr. Sharma 10. Prashant Kr. Sharma 11. Bhavishy 12. Sandeep Dube 13. Ankit Bhadola 14. Uma Shankar 15. Mohit Rana 16. Sachin Kumar 17. Vishal Jha 18. Mukesh Dwivedi

(m) Discipline

The position of a Proctor is very important in the Vidyapeetha. The Proctor is responsible for maintenance and arrangement of security and cultivation and strengthening of discipline among students on the Vidyapeetha Campus. A Proctorial board under the chairmanship of the Proctor has been constituted by the Vice Chancellor in the beginning of the session. This board holds discussion as and when required on issues related to security and discipline.

The recommendations made by the Proctorial Board on important issues of discipline and security are implemented after approval of the Vice Chancellor. The committee of following members of the Proctorial Board for the session 2014-15 was constituted as per Rule 39(5) of Vidyapeetha-

	Proctor	-	Chairman
1.	Dean of Students Welfare	-	Member
2.	Dean of the Faculty concerned	-	Member
3.	Head pf Department concerned	-	Member
4.	One SC/ST OBC/Women/PD teacher nominated by the Vice-Chancellor (in case the student belonging to that category)	-	Member
5.	Assistant Registrar / Section Officer (Academic)	-	Secretary

विद्यापीठीय अध्यापकों की संगोष्ठी, कार्यशाला, पुनश्चर्या, अभिविन्यास, सम्मेलनों में सहभागिता :

क्र.सं.	नाम एवं पद	विभाग	शोध पत्र/लेख/ सेमिनार संगोष्ठी/ कार्यशाला	विषय	अवधि	विश्वविद्यालय का नाम
1	प्रो. नागेन्द्र झा	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (अध्यक्षता)	Gender Sensitization Yesterday and Today	25.02.2015 से 27.02.2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	अध्यापक शिक्षा के वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मूल्य मीमांसा के सन्दर्भ में समस्याएं	30.03.2015 से 31.03.2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
2	प्रो. भास्कर मिश्र	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय कार्यशाला सहभागिता (Resource Person)	Five day joint workshop on Formulation of Two years B.Ed and M.Ed Curriculum	10.02.2015 से 14.02.2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा	30.03.2015 से 31.03.2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
3	प्रो. वीर सागर जैन	जैनदर्शन	व्याख्यान	जैन कर्मवाद	23.08.2014	जैन युवक संघ मुम्बई द्वारा आयोजित
			मुख्यातिथ्य	संस्कृत संभाषण प्रतियोगिता	20.11.2014	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			पत्रवाचन	प्राकृतभाषा और साहित्य: मसामयिक सन्दर्भो में	26.02.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			संगोष्ठी	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18.03.2015 से 20.03.2015	दिल्ली सं.अ. +ला.ब.श.+रा. सं. विद्यापीठ
			व्याख्यन	गौरीनाथ शास्त्री स्मारक	24.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ,

			पत्रवाचन	जैनपरम्परायाः संस्कृतवाङ्मयं प्रति अवदानम्	27.03.2015 से 29.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			व्याख्यान	Concept of Soul in Jainism		International School for Jain Studies
4	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी As a Expert	NCTE Regional Consultation Seminar Norms & Procedures Regulation 2014	31.07.2014	NCTE, MHRD, Govt. of India
			कार्यशाला As a Expert	बी.एड. पाठ्यचर्या का सामग्री निर्माण	10.08.2014 से 14.08.2014	दक्षिण भारतीय हिन्दी प्रचार सभा, धारवाड़, कर्नाटक
			गोष्ठी As a Resource Person	पं. दीन दयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन एवं विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास	13.09.2014	LMSVM Vasant Vihar, New Delhi
			(विशेष व्याख्यान) Chief Guest	सर्वशिक्षा अभियान की चुनौतियाँ	19.02.2015	संत विनोबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरिया, उ.प.
			राष्ट्रीय सम्मेलन Guest of Honour	Re orientation of Teacher Education	28.02.2015	बाला जी कॉलेज ऑफ एजूकेशन वल्लभगढ, हरियाणा
			कार्यशाला सहभागिता (Resource Person)	द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम निर्माण हेतु संयुक्त कार्यशाला	10-14 फरवरी 2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सम्मेलन सहभागिता	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	30-31 मार्च 2015	शिक्षा विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

5.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रिय संगोष्ठी	पौराहित्ये व्रतानां वैशिष्ट्यम्	18.03.2015 से 20.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
6.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सांख्ययोग	राष्ट्रिय संगोष्ठी	पुराणेहितास विभागेन संयोजिता	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलनम्	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
7.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ब्रह्म और कर्म के त्रयोदश प्रकार के सम्बन्धों काविश्लेषण	12-13 अगस्त 2014	श्रीशंकर शिक्षायतन दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	पौराणिक अयोध्या का स्वरूप विमर्श	31 अगस्त 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	वैशेषिक दर्शन में भारतवर्ष	06 दिसम्बर 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, दिल्ली
			संगोष्ठी	ब्रह्मसिद्धान्त में कर्म क्षणिकता एवं कर्मबन्ध विमर्श	17 जनवरी 2015	श्रीशंकर शिक्षायतन, दिल्ली
			निर्णायक	राज्यस्तरीय शास्त्री प्रतियोगिता	24-25 जनवरी 2015	रा.सं. संस्थान, वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश
			विशिष्ट व्याख्यान	संस्कृत भाषाया: प्रासङ्गिता	31 मार्च 2015	संस्कृत अध्ययन केन्द्र जे0एन0य0, नई दिल्ली
8.	डॉ. के.भारत भूषण, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्राचीन भारतीय सामाजिक नारीणां योगदानम्	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
9.	डॉ. सदन सिंह, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (सहभागिता)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा : वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियाँ	30-31 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली

10.	डॉ. रचना वर्मा मोहन, सह-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय संगोष्ठी (लेख)	Teaching Human Rights for Empowering Humans society	11-13 अप्रैल 2014	Fairfield Institution of Management & Technology, Delhi
			कार्यशाला (सहभागिता)	Enhancement of Research skills for Professional Development of Educators	30.04.2014	Amity Institute of Educaiton, New Delhi
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Teaching for Construction of Knowledge	20-21 सितम्बर 2014	Advanced Institute of Education, Palwal
			राष्ट्रीय कार्यशाला (सहभागिता) (Resource Person)	5 days joint workshop on formulation of Two Years B.Ed & M.Ed urriculum	10-14 फरवरी 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization in social and Psychological Perspective: A Critical Analysis	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य संकट की चुनौतियाँ: समाधान हेतु प्रभावी व्यूहरचनाएँ	30-31 मार्च 2014	शिक्षाशास्त्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
11.	डॉ. रजनी जोशी चौधरी, सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (Resource Person)	Threats of Human Rights: The Intention Strategies by Global Society	21-22 सितम्बर 2014	HIBS, Agra
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Quality Concerns in Educational Evaluation	21-22 सितम्बर 2014	HIBS, Agra
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization and Role of School Teacher at Secondary Level	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Strategies and Methodologies for sustenance of Quality Teacher Edu.	19-20 मार्च 2015	Govt. College of Education, Srinagar (J&K)

			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Value Sustenance in the Age of ICT	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
12.	डॉ. कुसुम यदुलाल, सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	जनजागरण में संत रविदास का योगदान	23-24 फरवरी 2015	जे.एन.यू. नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	भारतीय संस्कृति में समाहित मानवीय मूल्य	30-31 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य विकास के नैसर्गिक आधार	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
13.	डॉ. मीनाक्षी मिश्र, सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Gender Sensitization in Schools	25-27 मार्च 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य विकास के नैसर्गिक आधार	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
14.	डॉ. विमलेश शर्मा, सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	अध्यापक शिक्षा में मूल्य मीमांसा	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
15.	डॉ जयकुमार उपाध्ये, सह-प्रोफेसर	प्राकृत	व्याख्यानमाला	जैनशास्त्रों में अंकित विश्वमानवता के सन्देश	13.09.2014	संस्कृत महाविद्यालय छतरपुर, नई दिल्ली
			राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी	पउमचरियं में विविध अलङ्कार	26-27 अक्टूबर 2014	प्राकृत-पाली विभाग, गुजरात वश्वविद्यालय, अहमदाबाद
			संगोष्ठी	प्राकृत भाषा साहित्य एवं जैन विद्या के विभिन्न विषय	22.01.2015	श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, सिंगपूर

			संगोष्ठी	प्राकृत भाषा की वर्तमान संदर्भ में उपयोगिता	23.01.2015	जैन विद्या शोध संस्थान, मातोश्री रुक्मिणीबाई मल्लाप्पा रोटे पब्लिक चॅरिटेबल ट्रस्ट, कोल्हापुर
			संगोष्ठी	प्राकृत-आगमों में वर्णित नैतिक एवं संस्कारशुद्धि के तथ्यों की समसामयिक सन्दर्भों में उपादेयता	26.02.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			संगोष्ठी	जैन आगम के विभिन्न आयाम	28.02.2015	नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्राकृत स्टडीज् एण्ड रिसर्च, श्रवणबेळगोळ
			संगोष्ठी	वैदिक साहित्य में वर्णित मानवता	18-20.03. 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली
			संगोष्ठी	संस्कृतजैन ज्योतिषशास्त्र का साहित्य	27-29.03. 2015	भोगीलाल लहेरचन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ इण्डोलॉजी, दिल्ली एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी के संयुक्त तत्त्वाधान में त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी, विजयवल्लभ स्मारक कॉम्प्लेक्स, दिल्ली
16.	डॉ. अनेकान्त जैन, सहायक प्रोफेसर	जैनदर्शन	संगोष्ठी	आत्मानुशान में कषाय विवेचन	17.08.2014 से 18.08.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय शास्त्री परिषद्, उ.प्र.

			संगोष्ठी	अष्टमूलगुण में कषाय विवेचन	24.08.2014 से 26.08.2014	श्री अखिल भारत वर्षिय शास्त्री परिषद्, दिल्ली
			संगोष्ठी	आचार्य कुन्दकुन्द के साहित्य में षड् आवश्यक	02.10.2014 से 04.10.2014	श्री अखिल भारत वर्षिय शास्त्री परिषद्, कोटा राजस्थान
			संगोष्ठी	समयसार देशना और देशनाकार	10.10.2014 से 12.10.2014	श्री अखिल भारत वर्षीय परिषद्, भोपाल
			Internationl Seminar	Anekant Ki Vyavharikata	18.12.2014 से 20.12.2014	Shri Syadvad Mahavidyalaya (S.S. University) Varanasi
			National Seminar	Acharya Manikya Nandi and his Contribution	24.12.2014 से 28.12.2014	NIPSAR, Shravanbelagola, Karnataka
			संगोष्ठी	आदिपुराण में समन्वय और सौहार्द	07.01.2015 से 09.01.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			सम्मेलन	वैदिक अध्यात्म	18.03.2015 से 20.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं ला.ब. शा. सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
17.	डॉ. प्रभाकर प्रसाद, सहायक प्रोफेसर	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	मीमांसादिश समसामयिकता	20.03.2014 से 21.03.2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	आश्वश्वतत्त्वयो: विमर्श:	12.08.2014 से 13.08.2014	श्रीशंकर शिक्षायतन दिल्ली
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	ब्रह्मसिद्धान्त में निर्विकाराधिकरण विमर्श	17.01.2015	श्रीशंकर शिक्षायतन नई दिल्ली
			सेमिनार	अद्वैतवेदान्त भामतीप्रस्थानम् लेख प्रस्तुतीकरणम्	16.02.2015	रा.सं.संस्थान, वेदव्यास परिसर, हिमाचलप्रदेश

18.	डॉ. अमिता पाण्डेय भारद्वाज, सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	कार्यशाला (सहभागिता)	Enhancement of Research skills for Professional Development of Educators	30.04.2014	Amity Institute of Educaiton, New Delhi
			राष्ट्रीय संगोष्ठी विशिष्ट व्याख्यान	Re-orientation of Teacher Education	28 फरवरी 2015	Balaji College of Education, Ballabhgarh, Faridabad
			राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	अध्यापक शिक्षा पाठ्यक्रम : मूल्य मीमांसीय दृष्टि हेतु अपेक्षित उपाय कौशल	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
19.	डॉ. कुलदीप कुमार, सहायक प्रोफेसर	जैनदर्शन	कार्यशाला	यू.जी.सी. एकेडमिक स्टॉफ कॉलेज	07.08.2014 से 27.08.2014	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, उत्तर प्रदेश
			कार्यशाला	youth power and Empowerment	07.09.2014 से 07.09.2014	Sri Aurobindo Society, N.Delhi
			कार्यशाला	जीवन विज्ञान शिक्षक प्रशिक्षण शिविर	03.10.2014 से 04.10.2014	अध्यात्म साधना केन्द्र, छत्तरपुर
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	जैनन्यायपरिचयः	10.11.2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	वैदिकपरम्परायां मूल्यविचारः	18.03.2015 से 20.03.2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	संस्कृत के जैननीति शास्त्र और उनकी परम्परा	27.03.2015 से 29.03.2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी व भोगीलाल लेहरचन्द प्राच्यविद्या संस्थान
20	डॉ. कल्पना जैन स्हायक प्रोफेसर	प्राकृत	राष्ट्रीय संगोष्ठी	आचार्यवररुचि एवं आचार्य हेमचन्द्र रचित प्राकृत व्याकरण ग्रन्थों का तुलनात्मक अध्ययन	26-28 मार्च 2014	साहित्य विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	आरामशोभा में वर्णित मानवीय मूल्य	27-29 मार्च 2014	प्राकृत एवं जैनविद्या विभाग मोहन लाल

			राष्ट्रीय संगोष्ठी	नारी की संवेदनात्मक भूमिका प्राकृत साहित्य के परिप्रेक्ष्य में	25-27 फरवरी 2015	महिला अध्ययन केन्द्र श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	संस्कृतसंस्कृति रक्षणे महिलानां योगदानम्	27.02.15 से 01.03 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	वैदिक प्राकृत सूक्तिसमन्वय	18-20 मार्च 2015	दिल्ली सं. अकादमी व श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	संस्कृत का जैन सन्देश काव्य	27-29 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं भोगीलाल लहेरचन्द प्राच्यविद्या संस्थान
21.	डॉ. एम. जयकृष्णन् सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	Axiology and Teacher Education	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
22.	श्री मनोज कुमार मीणा सहायक प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र	राष्ट्रीय सेमिनार (लेख)	मूल्य संकट एवं सम्भव समाधान	30-31 मार्च 2015	शिक्षाशास्त्र विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
23.	डॉ. के अनन्त सहायक प्रोफेसर	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रीय संगोष्ठी	विशिष्टाद्वैतवेदान्ते प्रस्थानत्रय विचार	16.02 2015	वेदव्यासपरिसर, बलाहर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	मुखं व्याकरणं स्मृतम्	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
24.	डॉ. सुदर्शनम्. एस. सहायक प्रोफेसर	विशिष्टाद्वैत वेदान्त	राष्ट्रीय संगोष्ठी	भारतीयदर्शने श्रुतिप्रामाण्य विचार:	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
25.	डॉ. रविशंकर शुक्ल सहायक प्रोफेसर	सांख्ययोग	राष्ट्रीय संगोष्ठी	पुराणेतिहास विभागेन संयोजिता राष्ट्रिया शोधसंगोष्ठी	07-09 जनवरी 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

			सम्मेलन	अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18-20 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रीय संगोष्ठी	अखिलभारतीया शास्त्रीय संगोष्ठी	28-29 मार्च 2015	भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय हरिद्वार
26.	डॉ. मारकण्डेय नाथ तिवारी सहायक प्रोफेसर	सांख्ययोग	सहभागिता	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	07-27 सितम्बर 2014	काशी हिन्दु वि.वि., वाराणसी
			संगोष्ठी	विश्वशान्ति में संस्कृत शास्त्रों का अवदान	20-21 सितम्बर 2014	वाकोवाक्यम् संस्कृत संस्थान, वाराणसी
			संगोष्ठी	मार्कण्डेय पुराण में भारतवर्ष	06 दिसम्बर 2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली
			संगोष्ठी	मार्कण्डेयपुराणे समन्वयसूत्राणि	07-09 जनवरी 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			निर्णायक	रा. संस्कृत छात्र प्रतियोगिता	10-11 जनवरी 2015	उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी
			कार्यशाला (सहभागिता)	शोध-प्रविधि (बौद्ध-दर्शनाध्ययन के सापेक्ष	26-27 मार्च 2015	म्यूनिसिपल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मसूरी
			संगोष्ठी	भारतीयदर्शन वाङ्मय सामाजिकोपयोगिता	28-29 मार्च 2015	श्रीभगवानदास आदर्श सं. महाविद्यालय, हरिद्वार
			संगोष्ठी	अध्यापक शिक्षा में मूल्यसंवर्द्धन हेतु विचारोपस्थापन	30-31 मार्च 2015	शिक्षाविभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
27.	डॉ. जवाहर लाल सहायक प्रोफेसर	सर्वदर्शन	राष्ट्रिय संगोष्ठी	शब्दार्थसंबंधविचारः	18-03 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	सम्यक्ज्ञानस्य मोक्षसाधनतवचिंतनम्	26-28 मार्च 2015	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16

28.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा, सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	प्रतियोगिता	संस्कृत सप्ताह समारोहस्योपलक्ष्ये गीताकण्ठपाठप्रतियोगिताया आयोजनम्	12.08.2014	वेद-वेदाङ्गसंकाय श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			कार्यशाला	विद्यापीठ पञ्चाङ्ग वि. सं. 2062 के व्रत, पर्व एवं उत्सवों के निर्णयार्थ कार्यशाला	15-17.10. 2014	ज्योतिष-विभाग श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	दर्शने राष्ट्रिय संगोष्ठी	14-15.02. 2015	हिमाचल संस्कृत अकादमी
			सम्मेलन	त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन	18-20.03. 2015	राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ एवं दिल्ली संस्कृत अकादमी
29.	डॉ. बिहारी लाल शर्मा, सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या उपनयन संस्कारस्य वैज्ञानिकता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			कार्यशाला	विद्यापीठीय पञ्चाङ्ग में व्रत पर्वोत्सव निर्णय हेतु राष्ट्रिय कार्यशाला	15-17 मार्च 2015	ज्योतिष श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			लेख	ज्योतिषशास्त्र में मानसिक रोग विचार	2014	भैषज्यज्योतिषमञ्जूषा विद्यापीठ, नई दिल्ली
30.	डॉ. विनोद कुमार शर्मा सह-प्रोफेसर	ज्योतिष	राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्र और पुराणों में लोक व्यवस्था	31.08.2014	भारतीय पुराण अध्ययन संस्थान
			सम्मेलन	वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्त	17.03.2015	काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
			राष्ट्रिय संगोष्ठी	ज्योतिषशास्त्रदृष्ट्या उपनयन संस्कारस्य वैज्ञानिकता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी/ला.ब.शा विद्यापीठ
			संगोष्ठी	जैनदर्शन के स्याद्वाद सिद्धान्त की ज्योतिषशास्त्र में	27-28 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं भोगीलाल लहेरचन्द

				उपयोगिता		प्राच्यविद्या संस्थान
			लेख	ज्योतिषशास्त्र में मानसिक रोग विचार	2014	भैषज्यज्योतिषमञ्जूषा विद्यापीठ, नई दिल्ली
			कार्यशाला	विद्यापीठीय पञ्चाङ्ग में व्रत पर्वोत्सव निर्णय हेतु राष्ट्रिय कार्यशाला	15-17 मार्च 2015	ज्योतिष श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
31.	डॉ. नीलम ठगेला उपाचार्या	ज्योतिष	कार्यशाला	व्रतत्यौहार पर्व निणर्यार्थ त्रिदिवसीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला	15-17.10. 2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी	जीवन मूल्यों के संदर्भ में गाँधी जी की दृष्टि	20-21 जनवरी 2015	ईस्माईल महिला महाविद्यालय, मेरठ
			सम्मेलन	षोडषसंस्काराणां परिपालने विदुषीनामवदानम्	27-28 फरवरी 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी
			सम्मेलन	प्राकृतिक आपदानां पूर्वानुमान परिहारश्च	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ
32.	डॉ. रश्मि चतुर्वेदी सहायक-प्रोफेसर	ज्योतिष	कार्यशाला	व्रतत्यौहार पर्व निणर्यार्थ त्रिदिवसीय पञ्चाङ्ग कार्यशाला	15-17.10. 2014	श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-16
			सम्मेलन	वर्तमान सन्दर्भ में वास्तुशास्त्र की उपादेयता	18-20 मार्च 2015	दिल्ली संस्कृत अकादमी एवं श्री ला.ब.शा.रा. संस्कृत विद्यापीठ

17. TEACHING & NON-TEACHING POSTS

At present 11 posts of Professors, 21 posts of Associate Professors and 88 posts of Assistant Professors and 01 Assistant Librarian have been sanctioned. In total 121 posts, in which 77+01 (Asst.Librarian) posts are filled.

In Non-Teaching cadres, 12 posts of Group-A, 31 posts of Group-B and 82 posts of Group-C have been sanctioned. In total 82 posts are filled out of 125 sanctioned posts.

The Administration of Vidyapeetha conducted all its activities with the help and support of officers and Staff members with the Registrar as their Head.

Details of existing employees

The Vidyapeetha has been putting in efforts, continuously, to fill up the backlog vacancies. The position of teaching and non-teaching employees is as under:

TEACHING STAFF

Teaching	**Male/Female**	**Gen**	**SC**	**ST**	**OBC**	**PH**	**Minority**	**Total**
Professor (Direct)	Male	07	01	--	--	--	--	08
	Female	--	--	--	--	--	--	--
Professor (under CAS)	Male	10	--	--	--	01 Orth.	--	11
	Female	03	--	--	--	--	--	03
Associate Professor (Direct)	Male	04	--	--	01	--	--	05
	Female	01	--	--	--	--	--	01
Associate Professor (under CAS)	Male	01	01	--	--	--	--	02
	Female	04	02	--	--	--	--	06
Assistant Professor	Male	29	03	01	--	01 VH	--	34
	Female	06	01	--	--	--	--	07
Assistant Librarian		**01**					**--**	**01**
		66	**08**	**01**	**01**	**02**	**-**	**78**

NON TEACHING STAFF

Non-Teaching	Male/Female	Gen	SC	ST	OBC	PH	Minority	Total
Group A	Male	07	--	--	--	--	--	07
	Female	02	01	--	--	--	--	03
Group B	Male	08	04	--	01	--	--	13
	Female	07	03	--	--	--	--	10
Group C including MTS	Male	19	09	03	12	02	--	45
	Female	01	--	--	03	--	--	04
Total		**44**	**17**	**03**	**16**	**02**	**--**	**82**

18. RESERVATION AND OTHER MANDATORY PROVISIONS:

SPECIAL CELL FOR SC/ST

To ensure the effective implementation of the Reservation Policy of the GOI and UGC in appointment, promotion, admission, allotment of staff quarters and student's hostel, etc. and its monitoring in the Vidyapeetha and in order to streamline the directives of the GOI and UGC, a Special Cell for the welfare of the SC/ST category has been set up in the Vidyapeetha. **It is important to place on record that there is much improvement in the number of SC/ST candidates in teaching and non-teaching staff and also in the enrollment of students in various courses in comparison to previous years.**

Main objectives of SC/ST Cell

(a) To implement the reservation policy for SC/ST in the Vidyapeetha.

(b) To collect data regarding the implementation of the policies in respect of admission of students, appointments to teaching and non-teaching position in the Vidyapeetha.

(c) To take such follow-up measures for achieving the objectives and targets laid down for the purpose by the Govt. of India/U.G.C.

(d) To implement, monitor and evaluate continuously the reservation policy in the Vidyapeetha and plan measures for ensuring the effective implementation of the policy and programmes of the Govt. of India.

Main Functions of the Cell

(i) To circulate Govt. of India & Commission's decisions and to collect, on annual basis, information regarding course-wise admission to candidates belonging to SC/ST category in the Vidyapeetha in the format prescribed by a stipulated date and to take follow up action wherever required.

(ii) To collect reports and information in regard to the Govt. of India's orders on the various aspects of education, training and employment of SC/ST candidates for evolving or modifying existing policy by the Commission.

(iii) To circulate Govt. of India's orders and Commission's decisions and to collect information in respect of appointment, training of these communities in teaching and non-teaching posts in the Vidyapeetha.

(iv) To analyze the information collected and prepare reports and digests for onward transmission to the Ministry of HRD and UGC and such other authorities as may be required.

(v) To deal with presentation received from SC/ST candidates regarding their admission, recruitment, promotion and other similar matters in the Vidyapeetha.

(vi) To monitor the working of the remedial coaching scheme in the Vidyapeetha.

(vii) To function as a Grievance Redressal Cell for grievances of SC/ST students and employees in the Vidyapeetha and render them necessary help in solving their academic as well as administrative problems.

(viii) To maintain a register for the candidates belonging to SC/ST category for various posts in the Vidyapeetha.

(ix) Any other work assigned from time to time to promote higher education among these two communities suffering from economic, social and educational deprivation.

For the purpose to review the Roster, a meeting of Roster Committee was held on 22.03.2015.

REMEDIAL COACHING CENTRE

Prof. Sukadev Bhoi is the coordinator of this centre which is being run to improve the educational standard of SC/ST/OBC/Minorities, etc. students. Classes in the Centre are conducted from every Monday to Friday.

19. INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

The Internal Quality Assurance Cell has been set up with objectives to channelize and systematize its efforts and measures towards excellence, and to develop a quality system for conscious, consistent and catalytic programmed action to improve the academic and administrative performance of the Vidyapeetha. To promote measures for institutional functioning towards quality enhancement through internationalization of quality culture and institutionalization of best practices, the IQAC works under the supervision of the Vice- Chancellor and recommends further course of action.

CAREER COUNSELLING CELL

Career Counselling Cell of Shri Lal Bahadur Shastri Rastriya Sanskrit Vidyapeetha was established under 11th five-year plan. Career Counselling Cell prepares the students of vidyapeetha with their hetrogenious economic, social and geographical background for different profession by inhancing personality characteristics and their communication skills. Presently Dr. Rajani Joshi Chaudhary is co-ordinator of the cell. Following activities were conducted in this session.

- A workshop on **'Sanskrit Sambhashan'** was organized for ten days i.e. from 23rd Aug to 8th Sep for the students of Shiksha Shastri (B.Ed) and Shastri.

20. CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

The centre for Women's studies of Vidyapeeth was established in 2006 during the 10th five-year plan of UGC Scheme. Focus of the centre is to Study and Re-interpretation of Ancient Texts from Women's Perspective.

During the session (2014-2015), following activities were conducted -

1. A **'Foundation Course on Women's** Studies' was organized for the students of Shiksha Shashtri (B. Ed) from 27th Jan. to 10th Feb. 2015. This course carries the assumption that foundation of a teacher starts at the class of B.Ed hence at this stage gender sensitization and awareness about the concept of gender can play a significant role in developing teacher's personality.
2. An Extension lecture on " **Gender and Teacher**" was organized for the students of Shikshacharya (M.Ed) on 12/02/15.
3. A National Seminar was organized on **"Gender Sensitization: Yesterday and Today"** from 25th to 27th February 2015. The Inaugural session was chaired by Shri Ashwini Kumar Chaubey,Member of Parliament. 45 papers were presented

from the participants from different states of India on the following themes- Gender Sensitization: Social and Psychological perspective , Inclusion and Exclusion, Gender Sensitization in Ancient Indian period, Gender Sensitization in Pre Independence period, Gender Sensitization in Post Independence period, Gender Sensitization and Curriculum: Primary, Secondary and Higher Level.

4. To celebrate ***INTERNATIONAL WOMEN'S DAY*** different competitions as Essay writing , Chart making , Poem recitation, Shloka recitation, Speech competition and Akanki (Drama) on contemporary women issues were organized for the students of Vidyapeetha in the Month of March 2014. Boys and girls actively participated in these competitions. The best performances were given prizes.
5. An Advisory Committee meeting was held on 23rd March 2015. Pro. Gouri Srivastava, Head, Dept. of Gender Studies, NCERT, New Delhi, Prof. Usha Kiran, Former co-coordinator, Women's Studies Centre, BHU, Varanasi , Prof. P.Geetha , (Former Director Centre for Women's Studies), Triruanatpur, Kerala, Pro. Rama Mani, and Prof. Hare Ram Tripathi from Vidyapeetha participated as members of committee under the chairmanship of Prof. Nagendra Jha, Proctor of Vidyapeetha.
6. A news-letter – Vol.1 No.8, Issue no. (1), for the year 2013-14 and 2014-15 is under publication.
7. **Sumangali : A Journal of Gender and Heritage,** ISSN No. 2229-6336 issue no.4 Vol (IV) is under the process of publication.
8. A document '**Women in the News'** containing news, articles and discussions relating to women was prepared by collecting news paper clippings from different Hindi and English news-papers from April 2013 to March 2015 has been published.
9. The proceedings of Seminar held from 29th to 31st January 2014 on **"Images of Women and Women Empowerment in Indian Literature"** has been published.
10. The proceedings of Seminar held from 25th to 27th February 2015 on **"Gender Sensitization: Yesterday and Today"** is under publication..

Centre for Women's Studies

1. Dr. Rajni Joshi Chaudhary- Director (I/c) & Assistant Professor of Education

21. COMPUTER CENTRE

Introduction to Computer Centre:

The Computer Centre provides quality service to the university community in computing facilities, training, teaching, e-mail, website hosting, Development and Management etc. It helps researchers to get their valuable data analyzed, extends Internet facilities in the University, enables access to World Wide Web and provides laboratory facility to the students of various courses. The centre caters the needs of the students, faculty and staff members of the Vidyapeetha.

Establishment History:

In 1989, Department of Electronics, Govt. Of India gave a joint project "CASTLE" (Computer Assisted Sanskrit Teaching/Learning Environment) to the Vidyapeetha with JNU, New Delhi. After this in 1993, the Vidyapeetha got another project "CALT" (Computer Assisted Language Teaching) from Department of Electronics. The Vidyapeetha established a small working computer lab in 1989 for these two projects and introduced a computer course as an optional subject in Shiksha Shastri. Since then, the Vidyapeetha has contributed and developed a lot in the field of computer technology.

The UGC has approved the Computer Centre to the Vidyapeetha in December, 2005. The Vidyaeetha established a well-equipped Computer Centre in June 2006 and the centre become functional in January 2007.

Present IT Infrastructure:

- The Vidyapeetha has three well equipped AC Labs with internet facility and using the various teaching tools like interactive board, LCDTV, multimedia projectors and various kinds of educational software's as per syllabus to enhance student learning skills to meet the new challenges.
- Internet Bandwidth: Centre has Internet facilities with 1.0 GBPS internet link under NKN Project of Ministry of HRD. This provides opportunities to students,faculties,researchers and all the department to access and download the information of all kind from various sources.
- The Vidyapeetha has established Virtual Class Room to archive Video Lectures for distance education and live web streaming with Video Conferencing.
- Trilingual Website of the Vidyapeetha with Sanskrit, Hindi & English Versions which maintained & upgraded in-house.
- EPABX Facility with 550 extension lines
- The Vidyapeetha has up graded the Computer Centre in various aspects like Servers, Software, Networking equipments (chassis & Storage)

General Facilities Provided by the Computer Centre

The Computer Centre provides quality service to the Vidyapeetha in computing facilities, e-mail, website hosting, Development & management etc. It helps researchers to get their valuable data analyzed, extends Internet facilities in the Vidyapeetha, enables access to World Wide Web and provides laboratory facility to the students of the Vidyapeetha. It caters to the following requirements of the Vidyapeetha:-

- Purchase, installation, and maintenance of desktop, laptop, printers and server computers within the Vidyapeetha.
- Maintenance of all the Computers, Peripherals and networking including their AMC.
- Maintenance of all the various servers of the Vidyapeetha.(Server management)
- Providing internet access to various teaching & non-teaching departments of the Vidyapeetha, staff residences, hostels, guest house etc.
- Providing telecom facilities to the various departments, hostel, staff residences, guest house etc. and managing the communication system software.
- Management of firewall system to protect the Vidyapeetha network from outside hackers, to balance the load on the network, to filter unnecessary traffic, to block unwanted web content and to streamline network traffic by specifying priorities.
- Troubleshooting in resolving network, telecom & hardware related problems of the employees working at the Vidyapeetha.
- Management of the IT infrastructure, resolving the network related issues of the labs of the Vidyapeetha.
- In- house repair work of the systems & hardware by the Engineers working at the Vidyapeetha.
- Administration of the mail server with the help of the mail software to enable the staff & students of the Vidyapeetha to access their e-mail accounts from anywhere.
- Training Facilities: Computer Center provides computer training to the Vidyapeetha Students & Staff from time to time.
- Backup and Recovery: User home directories on the storage/file server are backed-up on weekly basis.
- The Vidyapeeth has planning to start three certificate courses in various areas of Computer Science from this current session.
- The Computer Centre provides advice to Departments, Staff and Students on the purchase of computer hardware.
- Management of the official website of the Vidyapeetha: Apart from the general information related to the Vidyapeetha, the website of the Vidyapeetha provides the following facilities for users:-

- ✓ The website of the Vidyapeetha is trilingual i.e in Sanskrit, Hindi & English
- ✓ Tenders & Career: Publishing the quotations/tenders and job postings.
- ✓ Posting different types of forms, circular, notifications etc.
- ✓ E-Resources: Faculty & Students have access to e-resources like Knimbus which is useful for their research work.
- ✓ Alumni Registration: Ex-students of the Vidyapeetha can register themselves through website.
- ✓ Admission information: Website provides complete information on admission procedure, prospectus for entrance examination and other related information prospectus, application forms, results etc..
- ✓ The website information is updated in-house by the Computer Centre according to the request from the respective departments of the Vidyapeetha.

Future Aspects:

The Vidyapeetha has planning to establish a new computer lab having 70 numbers of computers with various teaching tools like interactive board, podium, multimedia projectors etc.

22. AUTHORIZED OFFICERS - RIGHT TO INFORMATION ACT

For effective implementation of the Right to Information Act, 2005 of Govt. of India, the following officers/officials of the Vidyapeetha have been designated as Central Public Information Officer (CPIO)/ Central Assistant Public Information Officer (CAPIO).

Sl. No.	Name & designation & telephone nos.	Designated as	Information Domain
1.	Smt. Kalpana Singh 011-46060567	**Appellate Authority Transparency Authority**	Any person who does not receive information/reply/decision within specified time from the CPIO/CAPIOs and is aggrieved, may prefer an appeal to the Appellate Authority as per the RTI Act,2005.
2.	Sh. Pramod Chaturvedi PS to VC 011-46060603 & 604	**Central Public Information Officer**	Informations related to the VC's Secretariat.
3.	Sh. P. Mariappan Assistant Registrar (SC,ST, OBC Cell) 011-46060603 & 604	**Central Public Information Officer**	Informations related to SC, ST & OBC of the Vidyapeetha.
4.	Dr. Bhaskar Mishra Professor, Dean & HOD, Faculty of Shiksha Shastra (Education) 011-46060635	**Central Public Information Officer**	Informations related to Faculty of Shiksha Shastra and the implementation of the guidelines of the NCTE/NAAC, etc.

5.	Dr. Ichcha Ram Dwivedi Professor, Dean, Faculty of Sahitya & Sanskriti & HOD (Puranetihas) 011-46060624	**Central Public Information Officer**	Informations related to Faculty of Sahitya & Sanskriti and Department of Puranetihas.
6.	Dr. Veer Sagar Jain, Professor, Dean, Faculty of Darshan & HOD (Jain Darshan & Mimansa) 011-46060623	**Central Public Information Officer**	Informations related to Faculty of Darshan and Department of Jain Darshan & Mimansa.
7.	Dr.(Smt.) S.N.Ramamani Professor, Dean of Students and HOD (Advait Vedanta) 011-46060530	**Central Public Information Officer**	Informations related to Students Welfare and Department of Advait Vedanta.
8.	Dr. Piyush Kant Dixit, Professor & HOD (Nyaya Vaisheshik) 011-46060608	**Central Public Information Officer**	Informations related to the NCC (Boys) & Internal Quality Assurance Cell / NAAC and Department of Nyaya Vaisheshik.
9.	Dr.Hari Har Trivedi, Professor, HOD (Paurohitya & Veda) & Hostel Warden 011-46060319	**Central Public Information Officer**	Informations related to the Department of Paurohitya & Veda Vedanga and Hostel.
10.	Dr. P.K. Sharma, Professor & HOD (Phalit & Siddhant Jyotish) 011-46060613	**Central Public Information Officer**	Informations related to the Department of Jyotish.
11	Prof. Devi Prasad Tripathi Professor(Vastushastra) & CVO 011-46060615	**Central Public Information Officer**	Informations related to the Department of Vastu Shastra and Vigilance matters of the Vidyapeetha.
12.	Dr. Kamla Bhardwaj Professor and HOD (Vyakaran)	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Vyakaran.
13.	Dr. Sudeep Kumar Jain, Professor & HOD (Prakrit)	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Prakrit.
14.	Dr. Sukhdev Bhoi Professor & HOD (Sahitya)	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Sahitya.
15.	Dr. Mahesh Prasad Silori Professor and HoD (Sankhya Yoga) Faculty of Darshan 011-46060525	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Sankhya Yoga and Yoga-Diploma.
16.	Dr. Kedar Prasad Paroha, Professor & HOD (Vishishtadvait Vedanta)	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Vishishtadvait Vedanta.
17.	Dr. Sangeeta Khanna, Associate Professor & HOD (Darshan)	**Central Public Information Off.**	Informations related to Department of Darshan.

18.	Dr. Yashveer Singh, Associate Professor & HOD (Dharamshastra)	**Dharamshastra**	Informations related to Department of Dharamshastra.
19.	Dr. Rajni Joshi Chaudhary Director (I/c) Centre for Women's Studies 011-46060618	**Central Public Information Officer**	Informations related to the activities of Centre for Women's Studies, Career Counseling Cell and Placement Cell.
20.	Dr.(Mrs) Minu Kashyap,Associate Professor (English) 011-46060540	**Central Public Information Officer**	Informations related to NCC (Girls)
21.	Shri Manoj Kumar Meena, Assistant Professor-Physical Education 011-46060528	**Central Public Information Officer**	Informations related to Physical Education/Sports Activities of the Vidyapeetha.
22.	Sh. Vinod Kumar Mishra Assistant Registrar (Examination) 011-46060536	**Central Public Information Officer**	Informations related to the Examinations.
23.	Dr. (Smt.) Kanta, Assistant Registrar(Academic) 011-46060520	**Central Public Information Officer**	Informations related to Academic Activities of the Vidyapeetha including the information relating to admission in all courses / programmes, Academic Calendar.
24.	Shri Ajay Kumar Tandon, Assistant Registrar(A/c) 011-46060521	**Central Public Information Officer**	Informations related to Accounts Section & Finance Committee.
25.	Shri Ramakant Upadhyaya, Executive Engineer 011-46060323	**Central Public Information Officer**	Informations related to Engineering Unit, Building Committee, Work Committee, maintenance and monitoring of infrastructure facilities etc.
26.	Dr.Shiv Dutt Tripathi, Assistant Registrar(Admn.) 011-46060501	**Central Public Information Officer**	Informations related to the Administration.
27.	Smt. Sushma Demla, OSD to Registrar and Assistant Registrar (Development) 011-46060556	**Central Public Information Officer**	1. Registrar Secretariat 2. APARs of non teaching staff. 3. Informations related to the Development Section.
28.	Shri Banwari Lal Verma, System Administrator 011-46060616, 617	**Central Assistant Public Information Officer**	1. Informations related to Computer Centre. 2. All other duties and responsibilities as defined for the CAPIO under the RTI Act-2005.
29.	Dr. Gyandhar Pathak Research Assistant (Res. & Publication) 011-46060609	**Central Public Information Officer**	Informations related to Department of Research & Publication (excluding the information related to admission in the Vidyavaridhi(Ph.D) Course.
30.	Shri Manjit Singh Section Officer(Dev & Reg. Off.) 011-46060558	**Central Public Information Officer**	1. Informations related to court case. 2.Executive Council, Academic Council, Planning and Monitoring Board. 3. Reservation (SC/ST/OBC/PH etc.)

31.	Dr.(Smt.) Vijay Laxmi, Section Officer(Admn.) 011-46060506, 505	**Central Public Information Officer**	1. Informations related to the Non-Teaching and Teaching Staff Establishment, Service matters, Store, medical reimbursement, Security Arrangement. 2. Informations related to the Parliament Questions, VIPs/General reference of Ministry/UGC's etc.
32.	Shri Rajesh Kumar Pandey Assistant Librarian 011-46060532	**Central Public Information Officer**	Informations related to Library.
33.	Sh. Ramakant Upadhyay, Executive Engineer 011-46060323	**Central Public Information Officer**	Informations related to UWD.
34.	Shri Anjani Kumar, Assistant Engineer 011-46060610	**Central Public Information Officer**	Informations related to infrastructure facilities.

RTI Annual Return Information System (Quarterly Reports submitted to Ministry)

Month wise details of RTI Return Form, w.e.f April 2014 to March 2015 have been sent to the Ministry as given below:-

Ministry/Department/Organization: **Shri Lal Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi-10016**

Sl. No.	Ministry/ Department/ Organization	Quarter	Opening balance of requests (as on start of quarters)	No. of requests received during Quarter	Total No. of Requests (Column 3+4)	No. of requests transferred to other PAs	Decisions where Applications for Information rejected	No. of cases where disciplinary action taken against any officer in respect of administration of RTI Act	Total Amount Collected (fee+add. Charges + Penalty) (Rs.)	No. of times various Provisions were involved while rejecting Requests													
										Relevant Sections of RTI Act, 2005													
										Section & (I)										Other Sections			
										a	b	c	d	e	f	g	h	I	J	9	11	24	other
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	27
1.	**Ministry of Human Resource Development**																						
1.1	**Department of Secondary and Higher Education**																						
1.1.1	SLBSRS Vidyapeetha	1st Quarter (Apr 14-Jun 14	0	1	1	0	0 (0%)	0	440	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		2nd Quarter (July 14-	0	3	3	0	2 (66.7%)	0	342	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2

		Sep 14																					
		3rd Quarter (Oct 14-Dec 14	0	19	19	0	0 (0%)	0	210	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		4th Quarter Jan 15-Mar 15	4	11	15	0	0 (0%)	0	220	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Department Total			4	34	38	0	2 (5.9%)	0	1212	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2

23. INFRASTRUCTURE & FACILITIES

(a) LAND AND BUILDING

The Vidyapeetha campus is situated at Plot No. B-4 in Qutab Institutional Area on the Shaheed Jeet Singh Marg in South Delhi with an area of 10.65 acres. This Vidyapeetha is situated on prime land various national and international academic institutions like IIT Delhi, NCERT, NUEPA, IIFT, IMI, JNU, ISI, KVS etc. are in its surroundings. This campus is well situated, well connected, well managed and well maintained. There are 4 Academic Buildings, 8 Residential Buildings including Guest House and Boys Hostel. All buildings are well connected to each other by roads. Several Parks and Gardens like Vishranti Vatika, Swarna Jayanti Park etc. are well maintained in the campus. 24 hours water and electricity has been ensured in the campus by maintaining DG sets, Tube Wells and Sewage Treatment Plant. Proper external lighting in the campus is being ensured through high mass lighting systems.

At present there are 4 Academic Buildings in the Vidyapeetha :-

1. Shaikshanik Sadan :- It is the oldest 2 storeyed building built in 2951 square metres area. It houses academic, research and library departments. All departments of faculties of Darshan and Sahitya Sanskriti are in this Building.
2. Saraswat Sadhana Sadan :- It is 5 storeyed building (B+G+3) built in 4000 square metres area. One lift is also working in this building. It houses Vice-Chancellor Secretariat, Computer Centre with computer labs, Conference Hall (Vachaspati Sabhagar), Committee Rooms, Office of Chief Vigilance Officer, Director NAAC etc.
3. Vrihaspati Bhawan :- It is 2 storeyed building built 410.40 square metres area. It houses the departments of Veda and Pourohitya. It also houses a Karmakand Prayogshala.

4. Swarna Jayanti Sadan: - It is a 5 storeyed building (B+G+3) built in 6283 square metres area. There are 3 lift and 4 stair cases in this building. This building has been constructed as per norms of the building bye-laws. It houses administrative offices like department of Administration, Finance, Academic, Development, Statistical Cell, Central Store, Office of Registrar, Finance Officer and Proctor and academic departments like Jyotish, Vastu, Vyakaran (Grammar), Dharmashastra (Science of Jurisprudence), Shiksha Shastra (Education), Faculty of Adhunik Jnan Vijnan, Committee Room etc.

All academic buildings except Vrihaspati Bhawan are interconnected to each other. Proper arrangement of Roof Top Harvesting of all these buildings has been made.

(b) RESIDENTIAL QUARTERS

The Vidyapeetha has 48 staff quarters for accommodating residential and non-residential staff of the Vidyapeetha out of which 7 quarters of Type-V, 8 quarters of Type-IV, 8 quarters of Type-III, 8 quarters of Type -II, 16 quarters of Type-I and once Vice-Chancellor Bungalow.

(c) GUEST HOUSE (Vishranti Nilayam)

Vidyapeetha has a two-storied University Guest House building in the Campus. It comprises 10 double-bed rooms, one VIP suit and one dining hall, one office room. The Guest House is available on requisition to accommodate national and international delegates/members, visiting dignitaries preferably in connection with academic and research activities.

(d) HOSTEL

The Vidyapeetha has one hostel building for boys having accommodation for 96 students in 48 rooms. There are 16 single seated rooms for research scholars and senior students; 16 double seated rooms and 16 triple seated rooms for other students .The hostel is equipped with modern facilities like Local Area Network, Computer, TV and Telephone, a common room, dining hall, refreshment hall, kitchen and pantry.

Prof. Harihar Trivedi has been appointed as the Warden of the hostel for the year 2014-2015. The management, maintenance and other activities were monitored by the Hostel Warden and the Hostel Committee. Various programmes/functions were organized by the hostel residents in the said academic session.

(e) LIBRARY

Mahamahopadhyaya Padma Shri Dr. Mandan Mishra Granthalaya has been serving and supporting the academic and research activities of the Vidyapeetha. This library has very rich and informative collections of both traditional and modern disciplines. This library is famous for its comprehensive coverage on Sanskrit Collection namely Vedas, Purans, Upanishads, Dharmashastras, Yoga, Astrology, Vyakarna,Vaastu shastra, Sahitya, Darshans, Paurohitya, Ayurveda, etc. Besides, collection on other

subjects like Education, Philosophy, Psychology, Hindi, English and other contemporary discipline make this library a real treasure-trove of knowledge. The library has around 88000 collections on various subjects.

The Vidyapeetha library subscribes to a large numbers of reputed learned journals, contemporary and popular magazines and leading newspapers. The numbers of such items have been doubled during 2014-15.There is also Book Bank facility available to the students.

During 2013-14 Vidyapeetha had signed a MoU with the INFLIBNET Centre (Information and Library Network) to join its Shodhganga Programme. Uploading of theses on the server of the INFLIBNET has been started.

Vertical and horizontal expansion work of the library was underway. Now the total carpet area of the library has tremendously been increased from 586 sq. mt. to 1192.32 sq. mt. A fully furnished reading cum reference hall has been built on the 2nd floor of the library which will be thrown open to readers soon.

For better and effective management of the library a propriety library software is being used. Library staffs have already undergone training on the software.

There is a Library Committee to suggest, support and supervise all the activities of the library. A team of professionally qualified staff including one Assistant Librarian, two Professional Assistants, three Semi-Professional Assistants, two Library Assistants and four Library Attendants are there for effective management and maintenance.

The library is not only catering to the information and research needs of the faculties, researchers, students, etc of the Vidyapeetha but extends its resources to others through its special membership scheme thus, truly serving to fulfill the objective of the Vidyapeetha.

The Assistant Librarian of the Vidyapeetha was deputed to attend refresher course in Library and Information Science from 10th February to 3rd March, 2015 organized by the Human Resource Development Centre of the Jamia Millia Islamia University, New Delhi.

(f) MANUSCRIPT LIBRARY

In addition to the Library with all facilities, the Vidyapeetha is proud of its Manuscript Library which is an asset with all its rare valuable manuscripts. There are 1697 manuscripts of different subjects comprising of 594 Bangla and 112 Oria manuscripts. The rest of the manuscripts are in Devnagri script. These manuscripts are related to different branches of Sanskrit literature-Vedas, Upnishads, Puranas, Astrology, Vyakaran, Vedanta, Sankhya Yoga, Nyaya, Karma -Kanda, Dharma Shastra, Sahitya, Music and Ayurveda. They generally belong to the period of Vikram Samvat 1800 to 2000 and some are even more ancient.

The collection contains a rare manuscript of the Mahabharata having hand-drawn pictures at beginning of each chapter explaining the important events, described in the chapter. Some manuscripts written in Oria are on Palm leaves. The Vidyapeetha is engaged in preserving these rare pieces under the Ministry's manuscript mission.

(g) OBSERVATORY (VARAHMIHIR VEDHASHALA)

In order to impart practical knowledge of Siddhant Jyotish to the students of the Department of Jyotish, there is an Observatory in the Vidyapeetha Campus. It was built by the erstwhile HoD of Jantar-Mantar, Jaipur, the President Award winner, Late M.M. Pandita Kalyan Dutt Sharma. While the Karkavalaya, Tula Valaya and Makara Valaya help in knowing about the different rashis. The Bhitti Yantra and Chakra Yantra facilitate the knowledge of Kranti; through the Nadi Valaya the knowledge of local time is possible. The Samrat Yantra facilitates the knowledge of Yamyottaralanghan kal, local time and standard time. The Bharatiya Tara Mandal helps in finding Natansha, Akshansha and Krantyansh, etc.

(h) YAJNASHALA

There is a yajnashala in the Vrihaspati Bhawan where diploma and training courses, for the priests of the capital city, are organized. This year, many yajnanushthans were organized in this yajnashala.

(i) SEWAGE TREATMENT PLANT

The Vidyapeetha installed a latest Sewage Treatment Plant of 120 Kilo Litres per day capacity with filter press through M/s Ecotherm Engineers Pvt. Ltd. a channel partner of M/s. Thermax Ltd. in 2006-07 to reuse the waste water generated through kitchen, baths, latrines, etc. of the Vidyapeetha complex for flushing of Toilets of Non-Residential Buildings and horticulture purposes. The Vidyapeetha uses 100% of the waste water by treating it through the STP and effectively using it for maintenance & development of Vidyapeetha parks, gardens throughout the year except a few days in rainy season and for flushing of Toilets of Non-Residential Buildings. At that time, the treated waste water poured into the nearest rain water harvesting pits which helps in charging in ground water table. Solids wastes generated after treatment of the waste water is converted in the form of Cakes by the filter press which is used as manure for Horticulture Works.

Thus, the University is utilizing treated waste water through out the year. The STP works 'Round-O-Clock' throughout the year and is being maintained by the agency which supplied and installed it.

(j) RAIN WATER HARVESTING PITS ON THE VIDYAPEETHA CAMPUS

The Vidyapeetha has made proper arrangement of the rain water harvesting in the guidance of Sr. Scientists of Central Ground Water Board, Ministry of Water Resources, GOI in 2004-05. Total 13 rain harvesting bores were dug at 5 different locations as suggested by the C.G.W.B. to cover the entire complex properly. Thus 100% rain water goes under-ground and recharge the water table.

The residential buildings cover 6036.55sqm. in which a 4 storied boys' hostel consisting an area of 2068.43sqm., 07 Type V flats in an area of 1167 square metres,

08 Type IV flats in an area of 996.28 square metres, 08 Type III flats in an area of 541.28 square metres, Type II flats in an area of 452.00 square metres, 15 Type 1 flats in an area of 811.56 square metres are situated. Due to increased students intake and enhanced activities, the present buildings had become insufficient. In order to cope with the insufficient accommodation, the Vice-Chancellor Bungalow and a Guest house measuring 249.44 square metres and 324.99 square metres respectively costing Rs. 109.21 lacs were constructed. New residence and the Guest House has been serving well since December 2003. A five storied new Academic Block 'Saraswat Sadhana Sadanam' covering carpet area of 4006.86 square metres was also constructed. This building houses training department, a Computer Centre, Conference Hall, Committee Rooms, Dean's Offices, V.C. Secretariat, C.V.O. office, etc. The construction of new administration building Swarna Jayanti Sadan has been completed in two phases covering carpet area of 6283 square metres by the University Works Department of the University during 2011-12 and furnishing of this building is yet to be completed. It will be ready for possession after obtaining the No Objection Certificate from the MCD.

(k) SECURITY OF VIDYAPEETHA CAMPUS

Security arrangements of the Vidyapeetha premises are maintained properly under the direction and guidance of Proctor Prof. Devi Prasad Tripathi assisted by a Proctorial Board. In order to implement the security arrangements, tenders are invited from various security agencies registered and based in Delhi, and on the basis of these tenders, the work is entrusted to one of them according to the rules on annual basis. This duration can be extended up to one more year on the basis of their satisfactory performance.

During this session, the security arrangement has been changed to Sarvesh Security Services. Security Guards of this agency remained on duty in three shifts of 8 hours each, every day and their work was supervised by an ex-serviceman. The security guards deployed at two main gates, V.C. residence, hostel and in the premises of Vidyapeetha, did patrolling in vigilant and alert manner and catered to the requirements of other security and safety related matters attentively. On many special occasions (Examination/Convocation), the services of the Security Guards were also utilized as per requirements. The Proctor made surprise inspections to assess and ensure the efficiency of the security system.

24. RETIREMENTS

No Teaching and Non-Teaching Staff member retired during this session.

25. BOARDS AND COMMITTEES

1. List of the members of Board of Management

Sl. No.	Name & Address	Designation	
1.	Prod. Prof. Ramesh Kumar Pandey Professor & Head (Res. & Pub.) SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (05.02.2014 to 13.05.2014)	
	Prof. Bhaskar Mishra Prof. & Dean Faculty of Education SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (14.05.2014 to 17.11.2014)	
	Dr. Sukhbir Singh Sandhu, Joint Secretary Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, New Delhi-110001	Chairperson Ex-Officio 18.11.2014 to 31.03.2015)	
2.	Prof. Rewa Prasad Dwivedi Banaras Hindu University, Varanasi	Member	
	Dr. Chand Kiran Saluja Director, Sanskrit Promotion Foundation, New Delhi		
3.	Prof. Prabhakar Jha Former Professor of French & Formerly High Commissioner of India to Fiji, Varanasi	Member	
4.	Dr. Gautam Patel Gujarat	Member	
	Prof. Ram Chandra Pandey Former Prof. & Dean, BHU, Varanasi	Member	
	Prof. V. Kutumba Shastri Vice-Chancellor, Somnath Sanskrit Vishavidyalaya, Gujrat	Member	
	Prof. Radhavallabh Tripathi Former Vice Chancellor Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi	Member	
	Prof. Krishna Kant Sharma Professor Dept. of Vedic Darshan, BHU Varanasi	Member	
5.	Shri Chamu Krishna Shastry Senior Cnsultant Ministry of HRD, New Delhi	Member	
6.	Prof. Ramesh Kumar Pandey HoD Research & Publication SLBRS Vidyapeetha		
7.	Prof. Bhaskar Mishra Dean Faculty of Education SLBRS Vidyapeetha	Member	

8.	Prof. Veer Sagar Jain Dean Faculty of Darshan SLBRS Vidyapeetha	Member	
9.	Prof. Ichcha Ram Dwivedi Dean Faculty of Sahitya SLBRS Vidyapeetha	Member	
10.	Dr. Savita Associate Professor (Hindi) SLBRS Vidyapeetha		
11.	Dr. BK Mohapatra Registrar, SLBRS Vidyapeetha	Secretary	

2. List of the members of the Academic Council

Sl. No.	Name & Address	Designation	
1.	Prod. Prof. Ramesh Kumar Pandey Professor & Head (Res. & Pub.) SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (05.02.2014 to 13.05.2014)	
	Prof. Bhaskar Mishra Prof. & Dean Faculty of Education SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (14.05.2014 to 17.11.2014)	
	Dr. Sukhbir Singh Sandhu, Joint Secretary Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, New Delhi-110001	Chairperson Ex-Officio 18.11.2014 to 31.03.2015)	
2.	**All Deans of Faculties** Prof. Prem Kumar Sharma Dean Faculty of Ved Vedanga Prof. Bhaskar Mishra Dean Faculty of Jnan Vijnan Prof. Veer Sagar Jain Dean Faculty of Darshan Prof. Ichcha Ram Dwivedi Dean Faculty of Sahitya and Sanskriti	Members	
3.	**Head of the Departments** Prof. Ramesh Kumar Pandey (Research and Publication) Prof. Bhaskar Mishra (Adhunik Jnan Vijnan)	Member	

	Prof. Piyush Kant Dixit (Nyaya Vaisheshik) Prof. Sukahdev Bhoi (Sahitya) Prof. Hari Har Trivedi (Veda) Prof. Prem Kumar Sharma (Jyotish) Prof. Hari Har Trivedi (Paurohitya) Prof. S.N. Ramamani (Advait Vedanta) Prof. Sudeep Kumar Jain (Prakrit) Prof. Ichcha Ram Dwivedi (Puranetihas) Prof. Kedar Prasad Paroha (Vishishtadvait Vedanta) Prof. Veer Sagar Jain (Jain Darshan and Mimansa) Prof. Mahesh Prasad Silori (Sankhya Yoga) Dr. Sangeeta Khanna (Darshan) - Sarva Darshan Dr. Yashveer Singh (Dharmashastra) Prof. Devi Prasad Tripathi (Vastu shastra)		
4.	**All Professors** Prof. Ramesh Kumar Pandey Prof. Neena Dogra Prof. Nagendra Jha Prof. Bhaskar Mishra Prof. Piyush Kant Dixit Prof. Bhavendra Jha Prof. Amita Sharma	Members	Ex-Officio

	Prof. Prem Kumar Sharma Prof. Hari Har Trivedi Prof. Devi Prasad Tripathi Prof. Kamla Bhardwaj Prof. S.N. Ramamani Prof. Jai Kant Singh Sharma Prof. Sukadev Bhoi Prof. Sudeep Kumar Jain Prof. Shudhanand Pathak Prof. Ichcha Ram Dwivedi Prof. Veer Sagar Jain Prof. Mahesh Prasad Silori Prof. Hare Ram Tripathi Prof. Kedar Prasad Paroha Prof. Ramesh Prasad Pathak Prof. Rashmi Mishra Prof. Dev Dutt Chaturvedi Prof. Bhagirathi Nanda		
5.	**Three Associate Professors from the Departments other than the Heads of the Departments by rotation of seniority** Dr. Meenu Kashyap Associate Professor Dr. Pragati Gihar Associate Professor Dr. Bihari Lal Sharma Associate Professor	Members	
6.	**Three Assistant Professors from the Departments by rotation of seniority** Dr. Sheetla Prasad Shukla Assistant Professor Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi-110016 Dr. Minakshi Mishra Assistant Professor Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi-110016	Members	

7.	**Three persons from amongst the educationists of repute or persons from any other field related to the activities of the Vidyapeetha who are not in the service of the Vidyapeetha nominated by the Vice-Chancellor** Prof. H.K. Satpathy, Vice Chancellor, Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, Tirupati, (A.P.) Prof. Yugal Kishore Mishra Prof. Dept. of Veda, Sampurnand Sanskrit University, Varanasi Prof. Ramanuj Devnathan Principal, Shri Ranbir Campus, Rashtriya Sanskrit Sansthan, Kot Bhatmal Jammu (J & K)	Members	
8.	**Three persons who are not members of the teaching staff, co-opted by the Academic Council for their specialized knowledge.**	Members	
9.	Dr. BK Mohapatra Registrar Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi-110016	Secretary	

3- List of the Members of the Planning & Monitoring Board

Sl. No.	Name & Address	Designation	
1.	Prod. Prof. Ramesh Kumar Pandey Professor & Head (Res. & Pub.) SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (05.02.2014 to 13.05.2014)	
	Prof. Bhaskar Mishra Prof. & Dean Faculty of Education SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (14.05.2014 to 17.11.2014)	
	Dr. Sukhbir Singh Sandhu, Joint Secretary	Chairperson Ex-Officio	

	Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, New Delhi-110001	18.11.2014 to 31.03.2015)	
2.	All Deans of Faculties/ Director of the Centre	Members	
3.	Dean of Student's Welfare	Member	
4.	Finance Officer	Member	
5.	Two outside eminent experts nominated by the Board of Management on the recommendations of the Vice-Chancellor Dr. S.N. Singh, Former Training & Placement Officer, BHU, Varanasi-221005	Members	
6.	Dr. B.K. Singh, Registrar, Rashtiya Sanskrit sansthan , (Deemed University) New Delhi-110057		
7.	One eminent expert nominated by the UGC Prof. Shiva Varan Shukla, Principal, Madan Mohan Malviya Post Graduate College, Kalakankar, Pratapgarh-229408 (UP)	Member	
8.	Shri Ramakant Upadhyaya Executive Engineer SLBRS Vidyapeetha, New Delhi	Sepcial Invitee	
9.	Shri Ajay Kumar Tandon Asst. Registrar SLBRS Vidyapeetha, New Delhi	Sepcial Invitee	

4. COMMITTEES

(A) FINANCE COMMITTEE

Sl. No.	FINANCE COMMITTEE	Designation
1.	Prod. Prof. Ramesh Kumar Pandey Professor & Head (Res. & Pub.) SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (05.02.2014 to 13.05.2014)

	Prof. Bhaskar Mishra Prof. & Dean Faculty of Education SLBRS Vidyapeetha	Chairperson Ex-Officio (14.05.2014 to 17.11.2014)
	Dr. Sukhbir Singh Sandhu Joint Secretary Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, New Delhi-110001	Chairperson Ex-Officio 18.11.2014 to 31.03.2015)
2.	Prof. Prabhakar Jha Former Professor of French & Formerly High Commissioner of India to Fiji, Varanasi	Member
3.	Dr. Sukhbir Singh Sandhu, Joint Secretary Ministry of Human Resource Development, Govt. of India, New Delhi-110001	Member
4.	Shri Yogendra Tripathi Joint Secretary & Financial Adviser, (Integrated Finance Division), Department of Higher Education, Ministry of HRD, Govt. of India, Shastri Bhawan, New Delhi	Member
5.	Shri A.N. Bakshi, Former Chief Controller of Accounts, Ministry of HRD, Department of Higher Education, Govt. of India, 356, Dakshinayan, Delhi EPDP-CGHS Ltd., Sector-4, Plot No. 19, Dwarka-Phase-1, New Delhi-110075	Member
6.	Smt. Kalpana Singh Finance Officer Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha, New Delhi-110016	Member Secretary

(b) ADMISSION COMMITTEE

1. Prof. R.K. Pandey, Vice Chancellor - Chairman
2. Prof. Bhaskar Mishra - Member
3. Prof. Veer Sagar Jain - Member
4. Prof. Ichcharam Dwivedi - Member
5. Prof. S.N. Ramamani - Member
6. Prof. Devi Prasad Tripathi - Member
7. Prof. Harihar Trivedi - Member
8. Prof. Nagendra Jha - Member
9. Dr. Sadan Singh - Member
10. Dr. Kanta - Member

11. Dr. Shivdutt Tripath - Member
12. Shri Binod Kumar Mishra - Member
13. Shri Banwari Lal Varma - Member
14. Shri Suchcha Singh - Coordinator

(c) HOSTEL ADMISSION MANAGEMENT COMMITTEE

1. Prof. Nagendra Jha - Chairman
2. Prof. Bhaskar Mishra - Member
3. Prof. S.N. Ramamani - Member (Ex-Officio)
4. Prof. Ichcharam Dwivedi - Member
5. Prof. Veer Sagar Jain - Member
6. Prof. Devi Prasad Tripathi - Member(Ex-Officio)
7. Prof Mahesh Prasd Silodi - Member
8. Dr. Yashveer Singh - Member
9. Dr. Sadan Singh - Member
10. Shri Manoj Kumar Meena - Member
11. Shri Ramakant Upadhyaya - Member
12. Dr. Smt. Kanta - Member
13. Prof. Harihar Trivedi - Coordinator and Hostel Warden

(d) BUILDING COMMITTEE

1.	Prof. Ramesh Kumar Pandey Vice-Chancellor (In-Charge) Prof. Bhaskar Mishra Vice-Chancellor (In-Charge) Dr. Sukhbir Singh Sandhu JS (CU&L) Deptt. of Higher Education, MHRD and Vice-Chancellor (I/C)	Chairman	Ex-officio 01.04.2014 to 13.05.2014 01.02.2014 to 17.11.2014 18.11.2014 to 31.03.2015
2.	Prof. Veerendra Kumar, Deptt. of Civil Engineering, Indian Institute of Technology(BHU), Varanasi-221 005	Member	Expert, Civil Engineering
3.	Prof. R.K. Selot Principal (Retd.), MIET, Gwalior, B-2/2265, Green Glade Apartments, Vasant Kunj, New Delhi-110 070	Member	Expert, Civil Engineering
4.	Shri Piyush Dave Chief Architect (ER)-I, Central P.W.D., Nizam Place	Member	Govt. Architect Nominee of the Director General,

	234/4 AJL Bose Road Kolkata – 700 020		CPWD
5.	Prof. S.N. Singh (Mechanical Expert), Susuwahi near Hyderabad Gate, BHU, Varanasi	Member	Nominee of the Planning Board
6.	Prof. Sukhdev Bhoi, Department of Sahitya SLBSRS Vidyapeetha, New Delhi-110 016	Member	Nominee of the Vice-Chancellor
7.	Prof. Kedar Prasad Paroha, HoD, Vishishtha Adwait Vedanta, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Member	Nominee of the Vice-Chancellor
8.	Er. Gopal Krishna Taneja Executive Engineer (Elect.), I.I.T. Delhi New Delhi -110016	Member	Nominee of the IIT Delhi
9.	Shri Sandeep Gaur Dy Director (Works) O/o Engineer in Chief, Delhi PWD. MSO Building, Indraprastha Estate, New Delhi-110002	Member	Ex-Officio Nominee of the Engineer –in- Chief Delhi PWD.
10.	Er. Sunil Parashar, Executive Engineer (Planning), Delhi Central Circle - I, C.P.W.D., Indraprastha Bhawan, New Delhi-110 002	Member	Nominee of the Director General, CPWD
11.	Ms. Kalpana Singh Finance Officer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi – 110016	Member	Ex-officio
12.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Ex-officio
13.	Dr. BK. Mohapatra Registrar, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Member Secretary	Ex-officio

(e) WORKS COMMITTEE

1.	Prof. R.K. Selot Principal (Retd.), MIET, Gwalior, B-2/2265, Green Glade Apartments, Vasant Kunj, New Delhi-110 070	Chairman	Expert, Civil Engineering
2.	Shri I.D. Rastogi Architectural Consultant Addl. D.G. (Retd.), C.P.W.D. 181, SFS, DDA Flats, Munirka Vihar, New Delhi.	Member	Architectural Expert
3.	Ms. Kalpana Singh Finance Officer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi – 110016	Member	Ex-officio
4.	Prof. (Smt.) S.N. Ramamani Dean, Students' Welfare, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi- 110016	Member	Nominee of the Vice-Chancellor
5.	Prof. D.P. Tripathi HoD, Vastu Shastra, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Member	Nominee of the Vice-Chancellor
6.	Er. Gopal Krishna Taneja Executive Engineer (Elect.), I.I.T. Delhi New Delhi -110016	Member	Representative of Indian Institute of Technology, Delhi
7.	Er. Sunil Parashar, Executive Engineer (Planning), Delhi Central Circle-I, C.P.W.D., Indraprastha Bhawan, New Delhi-110 002	Member	Nominee of the Director General, CPWD
8.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Ex-officio
9.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Convenor	Ex-officio

STANDING TECHNICAL SUB- COMMITTEES OF THE BUILDING COMMITTEE FOR STRUCTURAL ISSUES

1.	Prof. Veerendra Kumar, Deptt. of Civil Engineering, Indian Institute of Technology, BHU, Varanasi-221 005	Chairman	Expert, Civil Engineering

2.	Prof. R.K. Selot Principal (Retd.), MIET, Gwalior, B-2/2265, Green Glade Apartments, Vasant Kunj, New Delhi-110 070	Member	Expert, Civil Engineering
3.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Civil Engineer
4.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, SLBSRSV, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

STANDING TECHNICAL SUB- COMMITTEES OF THE BUILDING COMMITTEE FOR CIVIL ENGG. ISSUES

1.	Prof. Veerendra Kumar, Deptt. of Civil Engineering, Indian Institute of Technology, BHU, Varanasi-221 005	Chairman	Expert, Civil Engineering
2.	Er. Sunil Parashar, Executive Engineer (Planning), Delhi Central Circle - I, C.P.W.D., Indraprastha Bhawan, New Delhi-110 002	Member	Civil Engineer Nominee of the Director General, CPWD
3.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Civil Engineer
4.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, SLBSRSV, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

STANDING TECHNICAL SUB- COMMITTEE OF THE BUILDING COMMITTEE FOR ISSUES RELATED TO ELECTRICAL / IR-CONDITIONING/ FIREFIGHTING/ LIFTS ETC.

1.	Dr. S. N. Singh Susuwahi near Hyderabad Gate, BHU, Varanasi - 221 005	Chairman	Expert, Mechanical Engineering
2.	Er. Gopal Krishna Taneja Executive Engineer (Elect.), I.I.T. Delhi, New Delhi -110016	Member	Electrical Engineer
3.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Civil Engineer
4.	Er. Anup Mishra AEE, C.S.I.R., Pusa, New Delhi & Electrical Expert of the Vidyapeetha	Member	Electrical Engineer
5.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

STANDING TECHNICAL SUB- COMMITTEES OF THE BUILDING COMMITTEE FOR ARCHITECTURAL ISSUES

1.	Shri Piyush Dave Chief Architect (ER)-I, Central P.W.D., Nizam Palace 234/4 AJL Bose Road Kolkata – 700 020	Chairman	Govt. Architect
2.	Ar. I.D Rastogi Retd. ADG (Arch) CPWD, Member Building Committee & University Work Committee	Member	Architectural Expert
3.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Civil Engineer
4.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

STANDING TECHNICAL SUB- COMMITTEES OF THE BUILDING COMMITTEE FOR VETTING OF ESTIMATES / BILLS BEYOND RS. 30.00 LACS.

1.	Prof. Veerendra Kumar, Deptt. of Civil Engineering, Indian Institute of Technology (BHU), Varanasi-221 005	Chairman	Expert, Civil Engineering
2.	Er. Sunil Parashar, Executive Engineer (Planning), Delhi Central Circle - I, C.P.W.D., Indraprastha Bhawan, New Delhi-110 002	Member	Civil Engineer
3.	Er. Gopal Krishna Taneja Executive Engineer (Elect.), I.I.T. Delhi New Delhi -110016	Member	Electrical Engineer
4.	Er. Anup Mishra AEE, C.S.I.R., Pusa, New Delhi & Electrical Expert of the Vidyapeetha,	Member	Electrical Engineer

5.	Er. Ramakant Upadhyaya, University Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Civil Engineer
5.	Shri Ajay Kumar Tandon Assistant Registrar (Accounts) Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Member	Chartered Account & FO Nominee
7.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

TENDER COMMITTEE

1.	Dr. BK Mohapatra Registrar, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016 Or His nominee not below the rank of a Professor	Chairman	Ex-officio
2.	Prof. Ramesh Kumar Pandey HoD Research & Publication SLBSRS Vidyapeetha, New Delhi-110 016 Or Prof. D.P. Tripathi HoD, Vastu Shastra Or Prof. Harihar Trivedi Deptt. of Veda Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Member	Nominee of the Vice-Chancellor

3.	Ms. Kalpana Singh Finance Officer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi – 110016 Or Her nominee not below the rank of an Assistant Registrar	Member	Ex-officio
4.	Er. Ramakant Upadhyaya, Executive Engineer, SLBSRSV, New Delhi-110 016	Member	Ex-officio (University Engineer)
5.	Shri Anjani Kumar Assistant Engineer, Sh. L.B.S.R.S. Vidyapeetha, New Delhi - 110016	Convenor	Civil Engineer

(f) SCHOLARSHIP COMMITTEE

1. Prof. Ramesh Kumar Pandey - Chairman
2. Prof. Bhaskar Mishra - Member
3. Prof. S.N. Ramamani - Member
4. Prof. Veer Sagar Jain - Member
5. Prof. Ichcharam Dwivedi - Member
6. Prof. Devi Prasad Tripathi - Member
7. Prof. Harihar Trivedi - Member
8. Prof. Kamal Bhardwaj - Member
9. Dr. Sadan Singh - Member
9. Dr. Kanta - Member

(g) ADVISORY COMMITTEE FOR RESEARCH AND PUBLICATION

1. Vice Chancellor - Chairman
2. Prof. Bhavendra Jha - Member
3. Prof. Bhaskar Mishra - Member
4. Prof. Ichcha Ram Dwivedi - Member
5. Prof. Veer Sagar Jain - Member
6. Prof. Dipti Tripathi - Member
7. Prof. Upendra Rao - Member
8. Prof. Ramesh Kumar Pandey - Coordinator

(h) INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL

1.	Vice-Chancellor	-	Chairperson
2.	Prof. Bhaskar Mishra Dean, Faculty of Adhunik Gyan Vigyan Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
3.	Prof. Bhavendra Jha Dean, Faculty of Veda Vedanga Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
4.	Prof. Ichcha Ram Dwivedi Dean, Faculty of Sahitya and Sanskriti Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
5.	Prof. Veer Sagar Jain Dean, Faculty of Darshan Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
6.	Prof. Ramesh Kumar Pandey Head, Department of Research & Publication Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha	-	Member

New Delhi-110016

7.	Prof. Amita Sharma Head, Department of Sahitya Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
8.	Prof. Kamla Bhardwaj Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member
9.	Prof. Ramanuj Devnathan Jagatguru Ramanandacharya Rajasthan Sanskrit University Jaipur	-	Outside Expert
10.	Dr. Shashi Prabha Kumar Professor and HoD (Sanskrit) Jawahar Lal Nehru University New Delhi-110067	-	Outside Expert
11.	Prof. S.S. Rana Ex.-Dean Delhi University New Delhi-110075	-	Outside Expert
12.	Dr. Shiv Dutt Tripathi Assistant Registrar (Admn.) Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha ,New Delhi-110016	-	Member
13.	Prof. Piyushkant Dixit Director (IQAC) Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha New Delhi-110016	-	Member Secretary

(I) CITIZEN CHARTER COMMITTEE

1.	Prof. Ramesh Kumar Pandey	-	Chairman
2.	Prof. Bhavendra Jha	-	Member
3.	Prof. Ichcha Ram Dwivedi	-	Member
4.	Prof. Veer Sagar Jain	-	Member
5.	Prof. P.K. Dixit	-	Member
6.	Prof. S. Bhoi	-	Member
7.	Prof. R.K. Pandey	-	Member
8.	Prof. Prem Kumar Sharma	-	Member
9.	Prof. D.P. Tripathi	-	Member
10.	Prof. S.N. Ramamani	-	Member
11.	Dr.Suman Kumar Jha	-	Member
12.	Sh. R.K. Upadhyaya	-	Member
13.	Dr. K. Bharath Booshan	-	Member
14.	Dr. Kanta	-	Member
15.	Sh. A.K. Tandon	-	Member
16.	Sh. V.K. Mishra	-	Member
17.	Dr. S.D. Tripathi	-	Member Secretary

(J) SECURITY COMMITTEE FOR WOMEN EMPLOYEES

1.	Prof. S.N. Ramamani	-	Chairman
2.	Prof. Devi Prasad Tripathi	-	Member
3.	Dr. Savita	-	Member
4.	Dr. Amita Pandey Bhardwaj	-	Member
5.	Dr. Vijaylakshmi	-	Member Secretary

(K) RESULT FRAMEWORK DOCUMENT COMMITTEE

1.	Prof. R.K. Pandey	-	Chairman
2.	Prof. P.K. Dixit	-	Member
3.	Sh. Ramakant Upadhyaya	-	Special Invitee
4.	Sh. Anjani Kumar	-	Special Invitee
5.	Sh. B.L. Verma	-	Special Invitee
6.	Dr. S.D. Tripathi	-	Member Secretary

(L) Administrative Reforms Committee

1.	Prof. Ramesh Kumar Pandey	Chairman
2.	Prof. P.K Dixit	Member
3.	Prof. Devi Prasad Tripathi	Member
4.	Dr. Rachana Verma Mohan	Member
5.	Sh. Ajay Kumar Tandon	Member
6.	Dr. Shiv Dutt Tripathi	Member
7.	Smt. Sushma	Member
8.	Sh. Banwari Lal Verma	Member

(M) ROSTER COMMITTEE

1.	**Prof. Sudeep Kumar Jain**	-	**Chairman**
2.	**Dr. Sadan Singh,,Associate Professor** **LO-SC/ST Cell**	-	**Member**
3.	**Shri. B.L Verma** LO-OBC	-	**Member**
4.	Shri Nand Lal, Dy, Registrar(Selection)-BHU, Varanasi	-	Member
5.	Shri Sohan Lal, Ex. Assistant Director SC/ST Commission, New Delhi	-	Member
6.	Dr. S.D Tripathi, Assistant Registrar(Admn.)	-	Member
7.	Shri Manjit Singh Section Officer	-	Member

(N) NAAC COMMITTEE

1. Smt. Kalpana Singh Finance Officer	-	Coordinator
2. Dr. Rachna Verma	-	Member
3. Dr. Meenakshi Mishra	-	Member
4. Dr. K.S Satheesh	-	Member
5. Dr. Bishnupad Mahapatra	-	Member
6. Dr. Abhishek Tiwari'	-	Member
7. Shri Ajay Kumar Tandon	-	Member
8. Dr. Shiv Dutt Tripathi	-	Member
9. Shri Vinod Kumar Mishra	-	Member

(O) SECURITY SERVICE COMMITTEE

1. Prof. Shuddhanand Pathak	-	Member
2. Prof. Sudeep Kumar Jain	-	Member
3. Prof. Devi Prasad Tripathi	-	Member
4. Sh. A.K. Tandon, AR (A/c)	-	Member
5. Sh. Ramakant Upadhyay, E.E.	-	Member
6. Sh. Anjani Kumar Rai, A.E.	-	Member
7. Dr. Vijaylakshmi, S.O. (Admn.)	-	Convenor

(P) BOARD OF RESEARCH

1.	**Chairman**	Vice-Chancellor Ex-Officio
2.	**Members**	1. Prof. Ramesh Kumar Pandey
		2. Prof. Prem Kumar Sharma

		3.	Prof. Ichcharam Dwivedi
		4.	Prof. Veer Sagar Jain
3.	**Outside experts**	1.	Prof. Shashinath Jha
		2.	Prof. Devendra Mishra
		3.	Prof. Dipti Tripathi
4.	**Special Invitee**	1.	Prof. Pyushkant Dixit
		2.	Prof. S.N. Ramamani
5.	**Coordinator**	1	Prof. Ramesh Kumar Pandey

(Q) EDITORIAL BOARD OF "SHODHA PRABHA"

1.	Vice-Chancellor	-	Ex-Officio	Chairman
2.	Prof. Ramesh Kumar Pandey	-	Editor	
3.	Prof. Jaikant Singh Sharma	-	Member	
4.	Prof. Hareram Tripathi	-	Member	
5.	Prof. Bhagirathi Nanda	-	Member	
6.	Dr. Gyandhar Pathak	-	Coordinator	

(R) ADVISORY COMMITTEE OF "SHODHA PRABHA" PUBLICATION

1.	Prof. Prem Kumar Sharma	-	Member
2.	Prof. Bhaskar Mishra	-	Member
3.	Prof. Ichcharam Dwivedi	-	Member
4.	Prof. Veer Sagar Jain	-	Member

5. OFFICERS AND NON-TEACHING STAFF OF VIDYAPEETHA

OFFICERS CATEGORY

1.	Chancellor	Justice Dr. Mukundakam Sharma
2.	Vice-Chancellor	Prof. Ramesh Kumar Pandey (i/c) Prof. Bhaskar Mishra (i/c) Dr. Sukhbir Singh Sandhu (i/c)
3.	Dean, Faculty of Veda-Vedanga	Prof Premkumar Sharma
4.	Dean, Faculty of Adhunik Jnan Vijnan	Prof. Bhaskar Mishra
5.	Dean, Faculty of Darshan	Prof. Veer Sagar Jain
6.	Dean, Faculty of Sahitya and Sanskriti	Prof. Ichcharam Dwivedi
7.	Dean, Faculty of Students Welfare	Prof. S.N. Ramamani
8.	Registrar	Dr. BK Mohapatra
9.	Finance Officer	Smt. Kalpana Singh
10.	Proctor	Prof. Devi Prasad Tripathi

OFFICE OF THE VICE-CHANCELLOR

1.	Shri Pramod Chaturvedi	-	Private Secretary to Vice -Chancellor
2.	Shri Amarjeet Singh	-	Staff Car Driver
3.	Shri Mathura Prasad	-	M.T.S.
4.	Shri Rajkumar	-	M.T.S.

OFFICE OF THE REGISTRAR

1.	Smt Sushma	-	Assistant Registrar(Dev) & OSD to Registrar
2.	Shri Manjeet Singh	-	Section Officer
2.	Shri Gangadhar Muduli	-	M.T.S.

ADMINISTRATION SECTION

1.	Dr. Dinesh	-	Deputy Registrar (Administration) (on deputation)
2.	Dr. S.D. Tripathi	-	Assistant Registrar (Administration)

3.	Dr. Vijaylakshmi	-	Section Officer (Administration)
4	Sh. Ashok Kumar	-	UDC
5.	Ms. Preeti Yadav	-	U.D.C.
6.	Shri Tilak Raj	-	U.D.C.
7.	Shri Ramesh Kumar	-	LDC
8.	Shri Shambhu Dutt	-	Cook
9.	Shri Sundar Pal	-	M.T.S.
10.	Shri Bheem Kumar	-	M.T.S.
11.	Shri Shravan Kumar	-	M.T.S.
12	Shri Pankaj	-	M.T.S.
13	Shri Upparapally Kumar Swami	-	M.T.S.

ACADEMIC SECTION

1.	Dr. Kanta	-	Assistant Registrar (Academic)
2.	Shri Sucha Singh	-	Section Officer (Academic)
4.	Smt. Rani Panwar	-	Assistant
5.	Shri Surender Nagar	-	Technical Assistant
6.	Shri Sudama Ram	-	U.D.C.
7.	Shri Mahender Singh	-	U.D.C.
8.	Shri Dharmender	-	U.D.C.
9.	Shri Lali Sahani	-	M.T.S.
10.	Shri Ramesh Gehlot	-	M.T.S.
11.	Shri Dinesh Chandra	-	M.T.S.

FINANCE AND ACCOUNTS

1.	Shri Ajay Kumar Tandon	-	Assistant Registrar (Accounts)
2.	Shri B.S Gusain`		Section Officer
3.	Shri. Dinesh Kumar	-	Private Secretary
4.	Shri Rakesh Kumar Kandpal	-	Assistant

5.	Shri Sanjeev Singh Chauhan	-	U.D.C.
6.	Shri Lalita Yadav	-	L.D.C.
7.	Sh.Ram Milan	-	M.T.S.
8.	Sh. Daya Chand	-	M.T.S.

EXAMINATION

1.	Shri Vinod Kumar Mishra	-	Assistant Registrar (Examination)
2.	Shri Bipin Kumar Tripathi	-	Section Officer
3.	Smt. Rajni Sanjotra	-	Assistant
4.	Smt. Savitri	-	Assistant
5.	Km. Pratibha Yadav	-	L.D.C.
6.	Shri Ram Kumar	-	M.T.S.
7.	Shri Pintoo Banerjee	-	M.T.S.

DEVELOPMENT SECTION

1.	Smt. Sushma	-	Assistant Registrar (Dev)
2.	Sh. Rajkumar	-	Assistant
3.	Smt. Lalita	-	Assistant
4.	Shri Mahesh	-	U.D.C.

LIBRARY

1.	Shri Rajesh Kumar Pandey	-	Assistant Librarian
2.	Smt. Uma Nautiyal	-	Professional Assistant
3.	Smt. Anita Joshi	-	Professional Assistant
4.	Shri Naveen Rajput	-	Professional Assistant
5.	Km. Bhawana	-	Semi Professional Assistant
6.	Shri Sunil Kumar Mishra	-	Semi Professional Assistant
7	Shri Shashi Bhushan	-	Semi Professional Assistant
8.	Shri Balram Singh	-	Library Attendant

9.	Shri Rajendra Singh	-	Library Attendant
10.	Shri Sunil Sharma	-	Library Attendant
11.	Sh. Jangapelly Mahender	-	Library Attendant

ENGINEERING SECTION

1.	Shri Rama Kant Upadhyaya	-	Executive Engineer
2.	Shri Anjani Kumar	-	Assistant Engineer
3	Shri Narender Pal	-	Electrician
4.	Shri Bijender Singh Rana	-	Pump Operator
5.	Shri Chander Bhooshan Tiwari	-	M.T.S.
6.	Shri Ishwardeen	-	M.T.S.
7.	Shri Daya Shankar Tiwari	-	M.T.S.
8.	Shri Dheeraj Singh	-	M.T.S.
9.	Shri Santosh Kumar Pandey	-	M.T.S.
10.	Shri Naresh	-	Safai Karamchari
11.	Shri Satish	-	Safai Karamchari
12.	Shri Ram Avtar	-	Safai Karamchari
13.	Shri Naveen Machchal	-	Safai Karamchari

COMPUTER CENTRE

1.	Shri Banwari Lal Verma	-	System Administrator
2.	Smt. Seema Chaudhary	-	Assistant Programmer
3.	Shri Gyanchand Sharma	-	Assistant Programmer
4.	Shri Sunder Pal	-	M.T.S.

RESEARCH & PUBLICATION

1.	Dr. Gyandhar Pathak	-	Research Assistant
2.	Shri. Ramesh Chand Meena	-	M.T.S.

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

1.	Dr. Rajani Joshi Chaudhary	-	Director (I/c) & Associate Professor
2.	Smt. Savita Rai	-	Research Assistant
3.	Shri Narendra Mehto	-	M.T.S.

SCHEDULED CASTE & SCHEDULED TRIBES CELL

1	Shri P. Mariappan	-	Assistant Registrar
2.	Shri B.K. Tripathi	-	Research Cum Statistical Officer

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110 002
Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ दिनाँक: 16.10.15

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2014-15 के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया/महोदय,

मैं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के वर्ष 2014-15 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एव महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2014-15 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों ।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है । पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है । यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा ।"

AR (A/c) 20/10.

भवदीय,

हस्ता/-

निदेशक (ए एम जी -IV)

संलग्नक:यथोपरी

2 6 OCT 2015

एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ 786 दिनाँक: 16.10.15

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्या पीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली -110016 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है | वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक:यथोपरी

निदेशक (ए एम जी -IV)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ दिनाँक: 16.10.15

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति , उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी (रिपोर्ट-ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है |

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक:यथोपरी

हस्ता/-

निदेशक (ए एम जी -IV)

Separate Audit Report of the Comptroller & Auditor General of India on the Accounts of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha for the year ended 31 March 2015

We have audited the attached Balance Sheet of Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha (Vidyapeetha) as at 31 March 2015, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account for the year ended on that date under Section 20(1) of the Comptroller & Auditor General's (Duties, Powers & Conditions of Service) Act, 1971. The audit has been entrusted for the period up to 2015-16. These financial statements are the responsibility of the management of the Vidyapeetha. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

2. This Separate Audit Report contains the comments of the Comptroller & Auditor General of India (CAG) on the accounting treatment only with regard to classification, conformity with the best accounting practices, accounting standards and disclosure norms, etc. Audit observations on financial transactions with regard to compliance with the Law, Rules & Regulations (Propriety and Regularity) and efficiency-cum-performance aspects, etc, if any, are reported through Inspection Report/CAG's Audit Reports separately.

3. We have conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. These standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements. An audit includes examining, on a test basis, evidences supporting the amounts and disclosure in the financial statements. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of financial statements. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

4. Based on our audit, we report that:

i) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit.

ii) The Balance Sheet, Income & Expenditure Account and Receipts & Payments Account dealt with by this report have been drawn up in the format prescribed by the Ministry of Human Resource Development, Government of India.

iii) In our opinion, proper books of accounts and other relevant records have been maintained by Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha in so far as it appears from our examination of such books.

iv) We further report that:

A. Balance sheet

A.1 Liabilities

A.1.1 Current Liabilities & Provision (Schedule 3)-Rs. 5.81 crore.

Liabilities and Assets of New Pension Scheme amounting to Rs. 2.87 crore have neither been shown in the accounts nor separate account of NPS had been prepared.

A.2 Assets

A.2.1 Current Assets (Schedule 7)-Rs. 9.31 crore

Vidyapeetha had shown term deposits of Rs. 66.02 lakh and Rs. 107.07 lakh under Student Fund Account and Campus Development Fund respectively. However, the actual

investments under these accounts were Rs. 79.88 lakh and Rs. 113.43 lakh. This needs to be reconciled.

A.2.2 Loans Advances & Deposits (Schedule 8)-Rs. 2 crore

The above do not include security deposit of Rs. 6.12 lakh deposited with BSES Rajdhani Power Limited. This has resulted in understatement of Current Assets and Capital Fund by Rs. 6.12 lakh.

A.2.3 Investment (GPF)

Investment of GPF had not been made as per the pattern prescribed by Ministry of Finance, vide notification no. F No. 5-88/2006- EPR dated 14/08/2008.

B. General

Bank reconciliation

(a) Scrutiny of banks reconciliation statements as on 31st March 2015 revealed the following irregularities:-

Serial No.	Category	Amount Rs.	Period since when outstanding
1.	**Campus Development Saving Bank A/c No. -26077**		
	Cheque issued but not presented	7404	
	Excess credit by bank	80,125	
	Cheque deposited but not cleared	1,13,021	
2.	**Non-Plan A/c – 405044278**		
	Cheque issued but not presented	9,32,572	May 2002 to December 2014
	Excess credit given by bank	11,05,785.50	June 2003 to Feb 2015
	Cheque deposited but not cleared	5,88,454	April 2003 to Feb 2015
	Excess debit by bank	529233	

Audit observed that in Bank Account of Non-plan account, excess credit of Rs. 11.06 lakh includes interest income of Rs. 4.25 lakh for the years 2005 to 2009 which has not been taken as income by the Vidyapeetha. Similarly in Campus Development Account excess credit by bank of Rs. 80,125 includes interest income of Rs. 60,125. Further, in cases where the cheques have been issued and not presented for payment and have become time-barred, should be written back and shown as liability in the Accounts. In cases where cheques have been deposited in bank but credit not given by bank and instances of extra debit by bank need to be investigated and pursued with the bank.

C. Grants-in-aid

The Vidyapeetha received Grant-in-aid during 2014-15 of Rs. 2151.38 lakh (Plan: Rs. 344.53 lakh include internal receipts of Rs. 12.15 lakh and Non-Plan: Rs. 1819 lakh). It had an opening balance of Rs. 467.25 lakh (Plan: Rs. 85.38 lakh and Non-Plan: Rs. 381.87 lakh). It utilized Rs. 2529.02 lakh (Plan: Rs. 384.02 lakh and Non-Plan: Rs. 2145 lakh) and refunded Non-Plan grant of Rs. 11.87 lakh leaving an unspent balance of Rs. 89.89 lakh (Plan: Rs. 45.89 lakh and Non-Plan: Rs.44 lakh).

It also received Grant of Rs. 68.04 lakh for specific projects from UGC during the year and had an opening balance of Rs. 54.70 lakh in these projects. Out of total of Rs. 122.74 lakh an expenditure of Rs. 80.01 lakh was incurred by Vidyapeetha during the year on these projects leaving a balance of Rs. 42.73 lakh as on 31 March 2015.

D. **Management letter**: Deficiencies which have not been included in the Audit Report have been brought to the notice of the Vice-Chancellor, Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha through a management letter issued separately for remedial /corrective action.

v. Subject to our observations in the preceding paragraphs, we report that the Balance Sheet, Income and Expenditure Account and Receipts and Payments Account dealt with by this report are in agreement with the books of accounts.

vi. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements read together with the Accounting Policies and Notes on Accounts, and subject to the significant matters stated above and other matters mentioned in Annexure to this Audit Report give a true and fair view in conformity with accounting principles generally accepted in India:

a. In so far as it relates to the Balance Sheet, of the state of affairs of the Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha as at 31 March 2015; and

b. In so far as it relates to Income and Expenditure Account of the deficit for the year ended on that date.

For and on behalf of the C &AG of India

Director General of Audit
Central Expenditure

Place: New Delhi
Dated: 19.10.15

Mukesh P. Singh, IA&AS

महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय), नई दिल्ली
Director General of Audit
(Central Expenditure)
New Delhi

दिनाँक 16.10.2015

प्रबंधनपत्र

प्रिय श्री रमेश कुमार पांडे

श्री लाल बहादुर शास्त्री रष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के वर्ष 2014-15 के लेखों की लेखापरीक्षा करली गयी है और मेरे कार्यालय के पत्र संख्या ए.एम.जी.-IV/एस.ए.आर./एस.एल.बी.एस.आर.एस.वि./2015-16/9-9/786 दिनाँक 19/10/2015 के द्वारा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी कर दिया गया है| लेखापरीक्षा के दौरान कुछ अनियमितताएँ एवं कमियाँ ध्यान में आई है जिन्हें लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है| इन कमियों को संलग्न अनुबन्ध में दर्शाया गया है|

अतः इस पर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए मेरा अनुरोध है कि इन अनियमित्तायों एवं कमियों पर उचित सुधारात्मक कार्य वाही की जाये|

सादर

24/10/15

AR(A/c) 28/X

आपका शुभेच्छु

मु० प्र० सिंह

प्रो.श्री रमेश कुमार पांडे
कुलपति
श्री लाल बहादुर शास्त्री रष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
कटवारिया सराय
नई दिल्ली - .110016

Annexure

1. Adequacy of internal audit system

There is no internal audit wing in the Vidyapeetha. The internal audit of the Vidyapeetha has been conducted up to December 2011 by an outside agency.

2. Adequacy of internal control system

Monitoring

- The post of Vice Chancellor (Chief Executive Officer) was vacant since 11.07.2011.
- The management's response to audit objections is not effective as 58 paras pertaining to the period from 1995-96 to 2011-12 were outstanding as on 31.3.2015.

3. System of physical verification of fixed assets

The physical verification of fixed assets except computer and peripherals had not been conducted since 2007-08. The physical verification of computer & peripherals had been conducted up to 2012-13 and no material deficiency was reported.

4. System of physical verification of inventory

The Vidyapeetha had conducted surprise check of inventories such as stationery and consumables up to 2014-15 and no material deficiency was reported.

5. Regularity in payment of statutory dues

As per accounts, no statutory dues were outstanding for more than six months as on 31.3.2015.

Annexure to Management letter

1. The Vidyapeetha had shown liabilities of Rs. 57.09 lakh under the head Current liabilities-other liabilities). The amount is payable from plan to non-plan account on account of salary of the employees recruited during XI five year plan which was met from the Non-Plan account during 2012-13. However, the Vidyapeetha had not transferred the amount from plan to non-plan account though having a closing balance of Rs. 1.12 crore in the plan account as on 31.3.2015. The Vidyapeetha needs to clear this liability.

2 As per balance sheet of GPF, total liability towards subscribers was Rs. 11.93 crore as on 31.3.15, whereas the total assets against it was Rs. 10.97 crore only including fixed deposits, cash at banks, accrued interest. Thus the GPF account was in deficit by Rs. 95.93 lakh. Audit observed that the Vidyapeetha was paying higher rate of interest to its subscribers against the income earned on the investments leading to deficit in the GPF account. This was also in contravention of University Grants Commission's instructions (April 2004) wherein it was stated that lesser rate of interest can be paid depending upon the financial position of the Institution.

3 According to Section 2(38) of Income Tax Act a " recognized provident fund means a provident fund which has been and continues to be recognized by the Commissioner in accordance with the rules contained in Part A of the Fourth Schedule and includes a provident fund established under a scheme framed under the Employees' Provident Fund Act, 1952. To avail the benefit of exemption of Income Tax a fund has to be recognized as per above provisions. Records of the Vidyapeetha revealed that Provident Fund account of the college has not been recognized as per the above provision. The Vidyapeetha may initiate action for recognition of fund.

4. **Cash in hand**

As per Receipts and Payments Account, cash in hand as on 31.3.2015 was Rs. 43423 whereas in the cash book, it was shown as Rs. 43529. The difference of Rs. 106 needs to be reconciled.

5. The total figure depicted in schedule 3 'Current Liabilities & Provision' do not tally with the corresponding figure shown in Balance Sheet.

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeetha

(Deemed University)

B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi - 110 016

ANNUAL ACCOUNTS
2014 - 15

INDEX

S.No.	Contents	Page No.
1	Balance Sheet	1
2	Income & Expenditure	2
3	Schedule 1 - Corpus/Capital Fund	3
4	Schedule 2 - Designated / Earmarked / Endowment Funds	4
5	Schedule 2A - Endowment Funds	5
6	Schedule 3 - Current Liabilities & Provisions	6 to 7
7	Schedule 3(a) - Sponsored Projects	8
8	Schedule 3(b) - Sponsored Fellowships and Scholars	9
9	Schedule 3(c) - Unutilized Grants from UGC, Government of India and State Governments	10 to 11
10	Schedule 4 - Fixed Assets	12
11	Schedule 4A- Plan	13
12	Schedule 4B- Non-Plan	14
13	Schedule 4C - Intangible Assets	15
14	Schedule 4C (I) - Patents and Copyrights	16
15	Schedule 4D - Others	17
16	Schedule 5 - Investment From Earmarked/Endowment Funds	18
17	Schedule 5(A) - Investment From Earmarked/Endowment Funds (Fund Wise)	19
18	Schedule 6 - Investments - Others	20
19	Schedule 7 - Current Assets	21
20	Schedule 7 - Current Assets, Annexure A	22
21	Schedule 8 - Loans, Advances & Deposits	23 to 24
22	Schedule 9 - Academic Receipts	25 to 26

23	Schedule 10 - Grants/Subsidies (Irrevocable Grants Received)	27
24	Schedule 11 - Income From Investments	28
25	Schedule 12 - Interest Earned	29
26	Schedule 13 - Other Income	30 to 31
27	Schedule 14 - Prior Period Income	32
28	Schedule 15 - Staff Payments & Benefits (Establishment Expenses)	33
29	Schedule 15(A) - Employees Retirement and Terminal Benefits	34
30	Schedule 16 - Academic Expenses	35
31	Schedule 17 - Administrative and General Expenses	36
32	Schedule 18 - Transportation Expenses	37
33	Schedule 19 - Repairs & Expenses	38
34	Schedule 20 - Finance Costs	39
35	Schedule 21 - Other Expenses	40
36	Schedule 22 - Prior Period Expenses	41
37	Receipts and Payments	42 to 44
38	Balance Sheet, Income & Expenditure and Receipt & Payment of GP Fund	45 to 47
39	Significant Accounting Policies and Notes to the Accounts	48 to 50

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
Deemed University

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH 2015

SOURCE OF FUNDS	Schedule	Amount - Rupees Current Year	Previous Year
		31.03.2015	31.03.2014
CORPUS/CAPITAL FUND	1	307939048.00	121714549.00
DESIGNATED / EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	37047517.00	6337359.00
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	3	58123526.00	64744855.00
Total		**403110091.00**	**192796763.00**

APPLICATION OF FUNDS		Amount - Rupees	
		Current Year	Previous Year
		31.03.2015	31.03.2014
FIXED ASSETS			
Tangible Assets	4	287242160.00	95631834.00
Intangible Assets			
Capital Works-in-Progress			
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5		
Long Term		2830209.00	2711131.00
Short Term			
INVESTMENTS - OTHERS	6		
CURRENT ASSETS	7	93081855.00	77994496.00
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	19955867.00	16459302.00
Total		**403110091.00**	**192796763.00**

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES 23
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES TO THE ACCOUNTS 24

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
Deemed University

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015

Particulars	Schedule	Amount - Rupees	
		Current Year	**Previous Year**
		31.03.2015	31.03.2014
INCOME			
Academic Receipts	9	1127588.00	1466672.00
Grants/Subsidies	10	233722961.00	203302340.00
Income from Investments	11	293040.00	0.00
Interest Earned	12	740680.00	2014257.00
Other Income	13	913581.00	3450552.00
Prior Period Income	14		
TOTAL (A)		**236797850.00**	**210233821.00**
EXPENDITURE			
Staff Payments & Benefits (Establishment expenses)	15	186228414.00	174585319.00
Academic Expenses	16	19056892.00	7126793.00
Administrative and General Expenses	17	15897121.00	13730910.00
Transportation Expenses	18	164817.00	136722.00
Repair & Maintenance	19	14225290.00	11469873.00
Finance Costs	20	2140055.00	1637542.00
Depreciation	4	3479203.00	0.00
Other Expenses	21	11509.00	359369.00
Prior Period Expenses	22	0.00	0.00
TOTAL (B)		**241203301.00**	**209046528.00**
Balance Being Excess of Expenditure over Income (B-A)		4405451.00	-1187293.00
Transfer to / from Desigated Fund			
Building Fund			
Other (specify)			
Balance Being Surplus / (Deficit) Carried to Capital Fund		4405451.00	-1187293.00

Significant Accounting Policies 23
Contingent Liabilities and notes on accounts 24

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 1 CORPUS/CAPITAL FUND

		(Amount - Rupees)	
		Current Year	
		31.03.2015	31.03.2014
	Balance at the beginning of the year : Capital Fund (Non-Plan)	95089175.00	94729806.00
	Balance at the beginning of the year : Capital Fund (Plan)	178911453.00	
	Balance at the beginning of the year : Reserves	26625374.00	26625374.00
Add :	Contribution towards Corpus/Capital Fund		
Add :	Grants from UGC, Government of India and State	11509.00	359369.00
	Government to the extent utilized for capital expenditure		
Add :	Assets Purchased out of Earmarked Funds Less Dep. (Plan)	11706988.00	
Add :	Assets Purchased out of Sponsored Projects, where		
	ownership vests in the institution		
Add :	Assets Donated/Gifts Received		
Add :	Other Additions		
Add :	Excess of Income over expenditure transferred from		
	Income & Expenditure Account		
	Total	**312344499.00**	**121714549.00**
(Deducted)	Deficit transferred from the Income & Expenditure Accounts	4405451.00	
	Balance at the year end	307939048.00	

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 2 DESIGNATED / EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS

(Amount - Rupees)

Particulars		FUND-WISE BREAK UP					TOTAL	
	Revolving Fund	Student Fund	Special Fund	Project A/c	Campus Develop. Fund	Ministry Publication	Current Year	Previous Year
A.							31.03.2015	31.03.2014
a. Opening balance	6337359	10072800.00	136211.00	412368.00	18352531.00	1514415.00	**36825684.00**	
b. Additions during the year		327904.00			797750.00	21455.00	**1147109.00**	
c. Income from investments made of the funds							**0.00**	
d. Accrued Intestest on investments/Advances	61200						**61200.00**	
e. Interest on Savings Bank a/c		206112.00	18806.00	78223.00	215745.00	37511.00	**556397.00**	
f. Other additions - Faculty Development Fund		497700.00					**497700.00**	
TOTAL (A)	**6398559**	**11104516**	**155017.00**	**490591.00**	**19366026.00**	**1573381**	**39088090.00**	
B.								
Utilization/Expenditure towards objective of funds								
i. Capital Expenditure		564570.00			217269.00	574648.00	**1356487.00**	
ii. Revenue Expenditure		509974.00			174112.00		**684086.00**	
TOTAL	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
TOTAL (B)	**0.00**	**1074544.00**	**0.00**	**0.00**	**391381.00**	**574648.00**	**2040573.00**	
Closing balance at the year end (A - B)	**6398559**	**11104516**	**155017.00**	**490591.00**	**19366026.00**	**1573381.00**	**37047517.00**	

Represented by

Cash And Bank Balances								
Investments								
Interest accrued but not due								
TOTAL		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt. II) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 2A ENDOWMENT FUNDS

(Amount - Rupees)

S.No.	Name of the Endowment	Opening Balance		Additions during year		TOTAL		Expenditure on the object during the year	Closing Balance		Total
		Endowment	Accumulated Interest	Endowment	Interest	Endowment	Accumulated Interest	Previous Year	Endowment	Accumulated Interest	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	(10+11)
TOTAL		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00			

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt. II) Finance Officer Vice Chancellor

Notes

1 The total of Columns 3 & 4 will appear as the Opening Balances in the Column "Endowment Funds" in Schedule 2, of Earmarked Funds forming part of the Balance Sheet.

2 The total of Col. 9 should normally be less than the total of Col. 8, as only the interest is to be used for the expenditure on the object of the endowments (excpet Endowments for Chairs)

3 There should not normally be a debit balance in the schedule. If the rare case, there is a debit balance against any of the Endowment Funds. the debit balance should appear on the Assets side of the Balance Sheet as "Receivable", in Schedule - 8 Loans, Advance & Deposits.

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI

(Deemed University)

SCHEDULE - 3 CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS

(Amount - Rupees)

	Current Year	Previous Year
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Deposits from staff		
2. Deposits from students		
Library Security	1981200.00	1138700.00
3. Sundry Creditors :		
a) For Goods & Services		
b) Others		
4. Deposit-Others (including EMD, Security Deposit)		
Earned Money	117670.00	117670.00
Hostel Security	353170.00	320170.00
Securities	2413283.00	2409191.00
5. Statutory Liabilities (GPF, TDS, WC, CPF, GIS, NPS)		
a) Overdue		
b) Others		
6. Other current Liabilities		
a) Salaries		
b) Receipts against sponsored projects		
Prakrit Bhasa	100690.00	100690.00
c) Receipts against sponsored fellowships & scholarships		
d) Unutilized Grants		
e) Grants in advance		
f) Other funds		
Paurohitya	267716.00	252104.00
Jyotish Departmental Development Fund	496969.00	542785.00
Yoga	278266.00	278266.00
World Sanskrit Conference	705090.00	705090.00
Endowment Fund	116000.00	116000.00
CSSET	1777966.00	1797553.00
CVVET	181963.00	232824.00
Yogdarshan Karyashala	168154.00	38904.00
Lecture Series - VV Chartiable Trust	100000.00	100000.00
Medical Astrology	12000.00	

Vastu Shastra - Jyotish Department	3074904.00	2972874.00
Hostel Fund	42800.00	42800.00
Hostel Mess	158287.00	228590.00
Student Fund	143236.00	
Special Fund	354280.00	
Project A/c	1564943.00	
Campus Development Fund	296565.00	
Ministry Publication	5390.00	
g) Other liabilities - Student Fund	1720.00	2820.00
Campus Development Fund	771069.00	771069.00
GP Fund	4657990.00	
LIC	3451.00	3452.00
New Pension Scheme		9189.00
GSLI	10066.00	10666.00
Pension and Gratuity	2165394.00	2165394.00
Interest NPS	315088.00	315088.00
Rashtriya Sanskrit Sansthan	112000.00	112000.00
Expenses Payable	7782637.00	4567908.00
Resource Mobilization	22813.00	22813.00
Inflibinet Programme	111627.00	111627.00
Lab Equipment	200000.00	200000.00
Special Fund	3271558.00	3271558.00
Withheld Securities - Plan	3635236.00	
Campus Development - Plan	2500000.00	
Exp. Payable - Plan	5708951.00	
Work Tax		
TOTAL (A)	**45980142.00**	**22957795.00**

B. PROVISIONS		
1. For Taxation		
2. Gratuity		
3. Superannuation/Pension		
4. Accumulated Leave Encashment		
5. Trade Warranties/Claims		
6. Others (specify)		
TOTAL (B)	0	0
TOTAL (A+B)	**45980142.00**	**22957795.00**

Note : Unutilized grants 6(d) will include grants received in advance for next year.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 3(a) SPONSORED PROJECTS

S.No.	Name of the Project	Opening Balance		Receipts/Recovgeries during the year	Total	Expenditure during the year	Closing Balance	
		Credit	Debit				Credit	Debit
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	SC/ST Cell	131904.00			131904.00		131904.00	
2	Women Study Centre	550865.00		278416.00	829281.00	166264	663017.00	
3	Computer Centre	160954.00			160954.00		160954.00	
4	Manuscipt Grant	531372.00			531372.00	359873	171499.00	
5	Tatva Bodh Vyakhan Mala	28936.00			28936.00	24982	3954.00	
6	Career Oriented Prog.	17950.00			17950.00		17950.00	
TOTAL		**1421981.00**	**0.00**	**278416.00**	**1700397.00**	**551119.00**	**1149278.00**	

S.O. (Acctt.) | Asstt. Registrar (Acctt.) | Finance Officer | Vice Chancellor

Notes

1 The Projects may be listed agency-wise with sub-totals for each agency.

2 The total of Col. 8 (Credit) will appear under the above head on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3)

3 The total of Col. 9 (Debit) will appear as Receivables in Schedule 8, Loans, Advances and Deposits, on the Assets side of the Balance Sheet.

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 3b SPONSORED FELLOWSHIPS AND SCHOLARS

S.No.	Name of Sponsor	Opening Balance as on 01.04.2014		Transactions during the year		Closing Balance as on 31.03.2015	
		CR.	DR.	CR.	DR.	CR.	DR.
1	2	3	4	5	6	7	8
1	University Grants Commission						
	Scholarship	274544.00		100000.00	160000.00	214544.00	
	Research Associateship	342739.00				342739.00	
	JRF	587207.00		6700000.00	7049866.00	237341.00	
	Unassigned Grant	10915.00				10915.00	
	Major Research Project	259919.00		96468.00	96468.00	259919.00	
	Emiritious Fellowship	10812.00				10812.00	
	Fellowship Grant	1567572.00			949549.00	618023.00	
	Infonet	311371.00				311371.00	
2	Ministry						
3	Others (Specify individually)						
TOTAL		3365079.00	0.00	6896468.00	8255883.00	2005664.00	0.00

Notes

1 The total of Columns 7, (Credit) will appear under the above head, on the liabilities side of the Balance Sheet (Schedule 3).

2 The total of Columns 8, (Debit) will appear as Receivables on the Assets side of the Balance Sheet in Schedule 8 (Loans, Advances and Deposits

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 3c UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

(Amount - Rupees)

	Current Year	Previous Year
A. Plan Grants : Government of India		
Balance B/F		
Add : Receipts during the year		
Total (a)		
Less : Refunds		
Less : Utilized for Revenue Expenditure		
Less : Utilized for Capital Expenditure		
Total (b)		
Unutilized carried forward (a-b)		
B. UGC Grants : Plan		
Balance B/F	8538178.00	36649641.00
Add : Receipts during the year	34452577.00	1683297.00
Total (c)	**42990755.00**	**38332938.00**
Less : Refunds		
Less : Utilized for Revenue Expenditure	19222961.00	7560198.00
Less : Utilized for Capital Expenditure	19179352.00	22234562.00
Total (d)	**38402313.00**	**29794760.00**
Unutilized carried forward (c-d)	**4588442.00**	**8538178.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 3c UNUTILISED GRANTS FROM UGC, GOVERNMENT OF INDIA AND STATE GOVERNMENTS

(Amount - Rupees)

	Current Year	Previous Year
C. UGC Grants : Non Plan		
Balance B/F	37000000.00	38001340.00
Add : Receipts during the year	4400000.00	37000000.00
Total (e)	41400000.00	75001340.00
Less : Refunds		
Less : Utilized for Revenue Expenditure	37000000.00	38001340.00
Less : Utilized for Capital Expenditure		
Total (f)		
Unutilized carried forward (e-f)	**4400000.00**	**37000000.00**
D. Grants from State Govt.		
Balance B/F		
Add : Receipts during the year		
Total (g)		
Less : Utilized for Revenue Expenditure		
Less : Utilized for Capital Expenditure		
Total (h)		
Unutilized carried forward (g-h)		

Notes :-
Unutilized grants includes advances on Capital Accounts
Unutilized grants includes received in advance for the next year
Unutilized grants are represented on the Assets side by Bank balances, Short term Deposits with Banks and Advances

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4 FIXED ASSETS

(Amount - Rupees)

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Depreciation	31.03.2014	31.03.2015
1	Land										
2	Site Development										
3	Buildings										
4	Roads & Bridges										
5	Tubewells & Water Supply										
6	Sewerage & Water Supply										
7	Electrical Installation and equipment										
8	Plant & Machinery (SF)										
9	Scientific & Laboratory Equipment										
10	Office Equipment										
11	Audio Vishual Equipment										
12	Computers & Peripherals (SF)										
13	Furniture, Fixtures & Fittings										
14	Vehicle										
15	Lib. Books & Scientific Journals										
16	Small Value Assets										
	Total (A)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
17	**Capital Work in Progress (B)**										
S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Amortization/ Adjustment	31.03.2014	31.03.2015
18	Computer Software										
19	E-Journals										
20	Patents										
	Total (A)										
	Grand Total (A+B+C)										

Note : The figures in Column 'Deductions' under Gross Block against the head Capital Work represents the transfer from Work in Progress to Assets during the year
The figures in Column 'Additions' during the year under Gross Block against 1 to 14 include transfer from Work in Progress during the year, as well as further acquisitions during the year.

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4A PLAN

(Amount - Rupees)

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Depreciation	31.03.2015	31.03.2014
1	Buildings	41354594.00			41354594.00		827092.00		827092.00	40527502.00	**41354594**
2	Buildings - XI Plan	52935378.00			52935378.00		1058708.00		1058708.00	51876670.00	**52935378**
3	Land & Buildings	597629.00			597629.00		11953.00		11953.00	585676.00	**597629**
4	Buildings - OBC Grant	58943777.00	9337710.00		68281487.00		1365630.00		1365630.00	66915857.00	58943777
5	EPABX	1761035.00			1761035.00	1196487.00	132078.00		1328565.00	432470.00	**664174.00**
6	Equipment	247104.00			247104.00	167888.00	18533.00		186421.00	60683.00	**79216.00**
7	Equipment - XI Plan	1762923.00			1762923.00	771849.00	132219.00		904068.00	858855.00	**991074.00**
8	ET Lab	658882.00			658882.00	447660.00	52711.00		500371.00	158511.00	**211222.00**
9	Computers - DTP Lab	606794.00			606794.00	604308.00	0.00		604308.00	2486.00	**6214.00**
10	Lib. Books	1797565.00			1797565.00		179757.00		179757.00	1617808.00	**1797565.00**
11	Computers - Library	1979813.00			1979813.00	1971704.00	0.00		1971704.00	8109.00	8109.00
12	Machine and Equipment - Library	99645.00			99645.00	67701.00	7473.00		75174.00	24471.00	31944.00
13	Computer - WSC	297528.00			297528.00	296309.00	0.00		296309.00	1219.00	1219.00
14	Computer - SAP Sahitya	1203500.00			1203500.00	1177312.00	0.00		1177312.00	26188.00	26188.00
15	Computer - OBC Grant	1038841.00	2741290.00		3780131.00	888638.00	756026.00		1644664.00	2135467.00	150203.00
16	Air Condition - OBC Grant	12191201.00			12191201.00	4704279.00	914340.00		5618619.00	6572582.00	7486922.00
17	DG Set - OBC Grant	3371040.00			3371040.00	1300800.00	168552.00		1469352.00	1901688.00	2070240.00
18	Furniture - OBC Grant	15807442.00			15807442.00	1442967.00	1185558.00		2628525.00	13178917.00	14364475.00
19	Machine and Equipment - OBC Gra	607374.00	2630575.00		3237949.00	166407.00	242846.00		409253.00	2828696.00	440967.00
20	Recurring - OBC	133606.00	-133606.00		0.00		0.00		0.00	0.00	133606.00
20	Furniture - SAP Jyotish	86438.00			86438.00	38474.00	6483.00		44957.00	41481.00	139668.00
21	Books - SAP Jyotish	250864.00			250864.00		25086.00		25086.00	225778.00	250864.00
22	Computer - SAP Jyotish	133938.00			133938.00	125366.00	0.00		125366.00	8572.00	8572.00
23	Books - SAP Sahitya	389223.00			389223.00		38922.00		38922.00	350301.00	389223.00
24	Furniture - SAP Sahitya	418085.00			418085.00	65377.00	31356.00		96733.00	321352.00	261004.00
25	Equipment - XII Plan	180400.00	172073.00		352473.00	50061.00	26435.00		76496.00	275977.00	130339.00
26	Books & Journals - XII Plan		888082.00		888082.00		88808.00		88808.00	799274.00	
26	Building/Infra./Dev. - XII Plan		3409622.00		3409622.00		68192.00		68192.00	3341430.00	
		198854619.00	**19045746.00**	**0.00**	**217900365.00**	**15483587.00**	**7338758.00**	**0.00**	**22822345.00**	**195078020.00**	**183474386.00**
	Total (A)										
17	**Capital Work in Progress (B)**										

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	**Additions**	**Deductions**	**Cl Balance**	**Dep Opening Balance**	**Depreciation for the year**	**Deeduction/ Adjustment**	**Total Amortization/ Adjustment**	**31.03.2014**	**31.03.2015**
18	**Computer Software**										
19	**E-Journals**										
20	**Patents**										
	Total (A)										
	Grand Total (A+B+C)										

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4B NON-PLAN

(Amount - Rupees)

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Depreciation	31.03.2015	31.03.2014
1	Land and Building	52944976.00			52944976.00	0.00	1058900		1058900.00	51886076.00	52944976.00
2	Plant & Machinery	5519463.00			5519463.00	3883834.00	275973		4159807.00	1359656.00	1635629.00
3	Lab Equipment	59105.00			59105.00	59105.00			59105.00	0.00	52200.00
4	Audio Vishual Equipment	170580.00			170580.00	151860.00	12794		164654.00	5926.00	18720.00
5	Computers & Peripherals	9725984.00			9725984.00	9516224.00			9516224.00	209760.00	209760.00
6	Networking	955939.00			955939.00	946150.00			946150.00	9789.00	9789.00
7	EPABX	1761035.00			1761035.00	1281169.00	132078		1413247.00	347788.00	479866.00
8	Furniture, Fixtures & Fittings	8241238.00			8241238.00	5932460.00	618093		6550553.00	1690685.00	2308773.00
9	Vehicle	2359662.00			2359662.00	1785879.00	235966		2021845.00	337817.00	573783.00
10	Lib. Books & Scientific Journals	3265572.00	11509.00		3277081.00		327708		327708.00	2949373.00	4931373.00
11	Gift Books	671537.00			671537.00		67154		67154.00	604383.00	
12	Statue of Saraswati	43024.00			43024.00				0.00	43024.00	43024.00
13	Statue of Lal Bahadur Shastri Ji	243400.00			243400.00				0.00	243400.00	243400.00
14	Publication	866140.00			866140.00		86614		86614.00	779526.00	
15	Jyotish Books	128124.00			128124.00		12812		12812.00	115312.00	
16	Academic Block	32180536.00			32180536.00		643611		643611.00	31536925.00	32180536.00
17	WSC Equipment	100000.00			100000.00	47800.00	7500		55300.00	44700.00	
18	Assets Out of Castle Grant	6067357.00			6067357.00	6067357.00	0		6067357.00	0.00	
	Total (A)	125303672.00	11509.00	0.00	125315181.00	29671838.00	3479203.00	0.00	33151041.00	92164140.00	95631834.00
18	**Capital Work in Progress (B)**										

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Amortization/ Adjustment	31.03.2014	31.03.2015
19	Computer Software										
20	E-Journals										
21	Patents										
	Total (A)										
	Grand Total (A+B+C)										

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4C INTANGIBLE ASSETS

(Amount - Rupees)

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Depreciation / Amortizations Opening Balance	Depreciation / Amortizations for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Depreciation / Amortizations	31.03.2014	31.03.2015
1	Patents & Copyrights										
2	Computer Software										
3	E-Journals										

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4 (C) (I) PATENTS AND COPYRIGHTS

(Amount - Rupees)

PARTICULARS	Opening Balance 01.04.2014	Additions	Gross	Amortization	Net Block 31.03.2014	Net Block 31.03.2015
A. Patents Granted						
1. Balance as on 31.03.2014 of Patents obtained in 2008-09 Original Value - Rs........./-						
2. Balance as on 31.03.2014 of Patents obtained in 2010-11 Original Value - Rs........./-						
3. Balance as on 31.03.2014 of Patents obtained in 2012-13 Original Value - Rs........./-						
4. Patents granted during the Current Year						
Total						
PARTICULARS	**Opening Balance 01.04.2014**	**Additions**	**Gross**	**Patents Granted / Rejected**	**Net Block 2013-14**	**Net Block 2012-13**
B. Patents Pending in respect of Patents applied for						
1. Expenditure incurred during 2009-10 to 2011-12						
2. Expenditure incurred during 2012-13						
3. Expenditure incurred during 2013-14						
Total						
C. Grand Total (A+B)						

Note : The addition in Part A (patents granted), will be the figure of patents granted during the year, transferred from Part B (column - Patents granted/rejected). The amount against grants rejected during the year is written off in the Income and Expenditure Account.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE - 4D OTHERS

(Amount - Rupees)

S.No.	DESCRIPTION	GROSS BLOCK				DESPRECIATION				NET BLOCK	
		Opening Balance 01.04.2014	Additions	Deductions	Cl Balance	Dep Opening Balance	Depreciation for the year	Deeduction/ Adjustment	Total Depreciation	31.03.2014	31.03.2015
1	Land										
2	Site Development										
3	Buildings										
4	Roads & Bridges										
5	Tubewells & Water Supply										
6	Sewerage & Water Supply										
7	Electrical Installation and equipment										
8	Plant & Machinery										
9	Scientific & Laboratory Equipment										
10	Office Equipment										
11	Audio Vishual Equipment										
12	Computers & Peripherals										
13	Furniture, Fixtures & Fittings										
14	Vehicle										
15	Lib. Books & Scientific Journals										
16	Small Value Assets										
	Total (A)										
17	**Capital Work in Progress (B)**										
	Grand Total										

Note : The additions during the year include additions from :

Gifted Book	---
Earmarked Funds	---
Sponsored Projects	---
Total	

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 5 INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

(Amount - Rupees)

	Current Year	**Previous Year**
	31.03.2015	31.03.2014
1. In Central Government Securities		
2. Other State Government Securities		
3. Other Approved Securities		
4. Shares		
5. Debentures and Bonds		
6. Term Deposits with Banks	2830209.00	2711131.00
7. Others (to be specified)		
Total	**2830209.00**	**2711131.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt. II)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 5(A) INVESTMENT FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS (FUND WISE)

(Amount - Rupees)

S.No.	Funds	Current Year	Previous Year
		31.03.2015	31.03.2014
1			
2			
3			
4			
5			
	Total	**0.00**	**0.00**

Note : The total in this sub schedule will agree with the total in Schedule 5

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt. II)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE - 6 INVESTMENT - OTHERS

(Amount - Rupees)

	Current Year	**Previous Year**
	31.03.2015	31.03.2014
1. In Central Government Securities		
2. Other State Government Securities		
3. Other Approved Securities		
4. Shares		
5. Debentures and Bonds		
6. Others (to be specified)		
Total	**0.00**	**0.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 7 - CURRENT ASSETS

(Amount - Rupees)

	Current Year	Previous Year
	31.03.2015	31.03.2014
1. Stock :		
a) Stores and Spares		
b) Loose Tools		
c) Publications		
d) Laboratory chemicals, consumables and glass ware		
e) Building Material		
f) Electrical Material		
g) Stationery		
h) Water Supply material		
2. Sundry Debtors :		
a) Debts Outstanding for a period exceeding six months		
b) Others		
3. Cash and Bank Balances		
a) With Scheduled Banks :		
Non-Plan		
On Current Accounts		
On Deposit Accounts		
On Savings Accounts		
Indian Bank	18090685.00	21348732.00
State Bank of India	2848083.00	3480551.00
Canara Bank	30470058.00	53123900.00
Other Funds		
With Scheduled Banks	41629606.00	
b) With Non-Scheduled Banks :		
In term deposit Accounts		
In Saving Accounts		
4. Cash in Hand	43423.00	41313.00
TOTAL (A)	**93081855.00**	**77994496.00**

Note : Annexure A shows the details of Bank Accounts

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE 7 - CURRENT ASSETS, ANNEXURE A

(Amount - Rupees)

I. Saving Bank Accounts	
1 Grants from UGC A/c	
2 Development (Plan) A/c	
3 Deposit A/c	
4 Student Fund A/c	3570499.00
5 Plan Grants for specific schemes	11206821.00
5 Ministry Publication	999567.00
7 Campus Development A/c	6043943.00
8 GP Fund A/c	
9 Project A/c	2014442.00
10 Special Fund A/c	484297.00
II. Current Accounts	
III. Term Deposits with Schedule Banks	
1 Student Fund A/c	6602709.00
2 Campus Development Fund	10707328.00
Total	**41629606.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 8 - LOANS, ADVANCES & DEPOSITS

(Amount - Rupees)

	Current Year 31.03.2015	Previous Year 31.03.2014
1. Advances to employee : (Non-interest bearing)		
a) Salary		
b) Festival	85200.00	89100.00
c) Medical Advance	20000.00	10000.00
d) Other (to be specified) - Misc. Advance	783897.00	761704.00
LTC Advance	413436.00	478689.00
Misc. Advance (Special Fund)	25000.00	
Misc. Advance (Project A/c)	41092.00	
Misc. Advance (Campus Development Fund)	19939.00	
Misc. Advance (Ministry Publication)	4556.00	
Misc. Advance (Plan)	195327.00	
2. Long Term Advances to employees (Interest bearing)		
a) Vehicle Loan	379933.00	418049.00
b) Home Loan	3219210.00	2845000.00
c) Others (to be specified), Computer Advance	201842.00	76292.00
3. Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received : to employees (Interest bearing)		
a) On Capital Account		
b) to Supplier		
c) Others - Ved Vidya Pratishtan	81170.00	81170.00
GP Fund	0.00	342010.00
New Pension Scheme	234325.00	232796.00
Salary Plan	10687148.00	10687148.00
NAAC	30882.00	
ICPR	48798.00	117088.00
XII Plan - IQAC	22146.00	9456.00
XII Plan - Seminar/Conference	113786.00	84134.00
SAP - Seminar	5723.00	
RSS Project	39726.00	39726.00
Work Tax		129073.00

Income Tax	36372.00	36372.00
Campus Development Fund	2500000.00	
Innovative Programme - Plan	305959.00	
Medical Astrology - Plan	264943.00	
4. Prepaid Expenses		
a) Insurance		
b) Other expenses		
5. Deposits		
a) Telephone		
b) Lease Rent		
c) Electricity		
d) AICTE, if applicable		
e) Others (to be specfied)		
6. Income Accrued :		
a) On Investment from Earmarked / Endowment Funds	173962.00	
b) On Investment Others		
c) On Loans and Advances		
d) Other (includes income due unrealized)		
7. Other - Current assets receivable from UGC/sponsored projects		
a) Debit balances in Sponsored Projects		
b) Debit balances in Sponsored Fellowships & Scholarships		
c) Grants Receivable		
d) Other receivables from UGC		
8. Claims Receivable - Income Tax	21495.00	21495.00
Total	**19955867.00**	**16459302.00**

Note :

1. If revolving funds have been created for House Building, Computer and Vehicle advances to employees, the advances will appear as part of Earmarked / endowment Funds. The balance against these interest - bearing advances will not appear in this schedule.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 9 - ACADEMIC RECEIPTS

(Amount - Rupees)

	Current Year	Previous Year
	31.03.2015	31.03.2014
FEES FROM STUDENTS		
Academic		
1. Tuition fee		
2. Admission fee	236840.00	250030.00
3. Enrolment fee		
4. Library Admission fee	377357.00	414151.00
5. Laboratory fee		
6. Art & Craft fee		
7. Registration fee		
8. Syllabus fee		
Total (A)	**614197.00**	**664181.00**
Examinations		
1. Admission test fee		
2. Annual Examination fee	64278.00	
3. Mark sheet, certificate fee		
4. Entrance examination fee		
Total (B)	**64278.00**	**0.00**

Other Fees		
1. Identity card fee	27983.00	30665.00
2. Fine / Miscellances fee - Research and Thesis Fee	14000.00	27000.00
3. Medical fee		
4. Transporation fee		
5. Hostel fee		
6. Computer fee	121240.00	122415.00
7. Convocation	11750.00	
Total (C)	**174973.00**	**180080.00**

Sale of Publications		
1. Sale of Admission forms	274140.00	622411.00
2. Sale of syllabus and Question Paper, etc		

3. Sale of prospectus including admission forms		
Total (D)	**274140.00**	**622411.00**

Other Academic Receipts		
1. Registration fee for workshops, programmes		
2. Registration fees (Academic Staff College)		
Total (E)		
GRAND TOTAL (A+B+C+D+E)	**1127588.00**	**1466672.00**

Note :

1. In case fees like entrance fees, subscriptions etc. are material and are in the nature of capital receipts, such amount should be recognized to the Capital Fund. Otherwise such fees will be appropriately incorporated in this schedule

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI

(Deemed University)

SCHEDULE 10 - GRANTS / SUBSIDIES (IRREVOCABLE GRANTS RECEIVED)

(Amount - Rupees)

Particulars	Plan			Total Plan	Non Plan UGC	Current Year Total	Previsious Year Total
	Govt. of India	UGC					
		Plan	Specific Schemes				
Balance B/F		8538178.00			38187293.00		-1687840.00
Add : Receipts during the year		34452577.00			181900000.00		202301000.00
b) Leasehold							
TOTAL							
Less : Refund to UGC					1187293.00		-1687840.00
Balance							
Less : Utilized for Capital expenditure (A)		19179352.00			11509.00		359369.00
Balance							
Less : Utilized for Revenue expenditure (B)		19222961.00			214488491.00		202942971.00
Balance C/F (C)	**0.00**	**4588442.00**	**0.00**	**0.00**	**4400000.00**	**0.00**	**-1001340.00**

A. Appears as addition to Capital Fund as well as additions to Fixed Assets during the year.
B. Appears as income in the Income & Expenditure
C. (I) Appears under Current Liabilities in the Balance Sheet and will become the opening balance next year.
(II) Represented by Bank balances, Investment and Advances on the assets side.

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 11 - INCOME FROM INVESTMENTS

(Amount - Rupees)

Particulars	Earmarked / Endowment Funds		Other Investments	
	Current Year	Previous Year	Current Year	Previous Year
	31.03.2015	31.03.2014	31.03.2015	31.03.2014
1. Interest				
a) On Government Securities				
b) Other Bonds/Debentures				
2. Interest on Term Deposits	119078.00			
3. Interest accrued but not due on Term Deposits/Interest bearing advance to employees	173962.00			
4. Interest on Savings Bank Accounts				
5. Others (Specify)				
Total	**293040.00**			

Transferred to Earmarked/Endowment Funds		
Balance	NIL	nil

Note : Interest accrued but not due on Term Deposits from HBA fund, conveyance advance fund and Computer Advance fund and on interest bearing advance to employees will be included here (Item 3), only where Revolving funds (EMF) for such advances have been set up.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE 12 - INTEREST EARNED

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015	Previous Year 31.03.2014
1. On Savings Accounts with scheduled banks	740680.00	2014257.00
2. On Loans		
a. Employees/Staff		
b. Others		
3. On Debtors and Other Receivables		
Total	**740680.00**	**2014257.00**

Note :

1. The amount against item 1, in respect of Bank Accounts of Earmarked/Endowment Funds is dealt with in Schedule 11 (First Part) and Schedue 2.
2. Item 2(a) is applicable only if Revolving funds have not been consituted for such advances.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi
(Deemed University)

SCHEDULE 13 - OTHER INCOME

Items of material included in Miscellaneous income should be separately disclosed.

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015	Previous Year 31.03.2014
A. Income from Land & Buildings		
1. Hostel Room Rent		
2. License fee	249050.00	282600.00
3. Hire Charges of Auditorium/Play ground/Convention Centre, etc.	214460.00	224522.00
4. Electricity charges recovered		
5. Water charges recovered		
Total	**463510.00**	**507122.00**
B. Sale of Institute's publications		
C. Income from holding events		
1. Gross Receipts from annual function/sports carnival		
Less : Direct expenditure incurred on annual function / sports carnival		
2. Gross Receipts from fetes		
Less : Direct expenditure incurred on the fetes		
3. Gross Receipts for educational tours		
Less : Direct expenditure incurred on the tours		
4. Others (to be specified and separately disclosed)		
D. Others		
1. Income from consultancy		
2. RTI fees		
3. Income from Royalty		
4. Sale of application from (recuitment)		

5. Misc. receipts (Sale of tender form, waste paper etc.)	422871.00	2822523.00
6. Profit on Sale/disposal of Assets		
a) Owned assets		
b) Assets received free of cost		
7. Grants/Donations from Institutions, Welfare Bodies and International organizations		
8. Others (specify) - Provision written back		472.00
Sale of Shodh Prabha		11835.00
Sports & Culture		49000.00
Sale of Tender form	27200.00	59600.00
Total	**450071.00**	**2943430.00**
Grand Total (A+B+C+D)	**913581.00**	**3450552.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

Shri Lal Bahadur Shahtri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi

(Deemed University)

SCHEDULE 14 - PRIOR PERIOD INCOME

Items of material included in Miscellaneous income should be separately disclosed.

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015	Previous Year 31.03.2014
1. Academic Receipts		
2. Income from Investments		
3. Interest earned		
4. Other Income		
Total	**0.00**	**0.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI

(Deemed University)

SCHEDULE 15 - STAFF PAYMENTS & BENEFITS (ESTABLISHMENT EXPENSES)

These shall be classified separately for teaching and non-teaching staff; adhoc staff, Arrears of DA, Salary arrears due to increment shall be shown

(Amount - Rupees)

DESCRIPTION	Current Year 31.03.2015			Previous Year 31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Salaries and Wages	1894468.00	142279509.00	144173977.00		132175649.00	132175649.00
b) Allowances and Bonus			0.00			0.00
c) Contribution to Provident Fund			0.00			0.00
d) Contribution to Other Fund (specifty), NPS		2084931.00	2084931.00		1927973.00	1927973.00
e) Staff Welfare Expenses		62059.00	62059.00		34514.00	34514.00
f) Retirement and Terminal Benefits		27753270.00	27753270.00		33842193.00	33842193.00
g) LTC facility		2057829.00	2057829.00		913370.00	913370.00
h) Medical facility		3294815.00	3294815.00		1742328.00	1742328.00
i) Children Education Allowance		1787741.00	1787741.00		1326807.00	1326807.00
j) Honorarium		131390.00	131390.00		163776.00	163776.00
k) Others (Specify) - Salary to Contractual Staff		4478948.00	4478948.00		2257078.00	2257078.00
Leave Encashment		403454.00	403454.00		201631.00	201631.00
TOTAL	**1894468.00**	**184333946.00**	**186228414.00**	**0.00**	**174585319.00**	**174585319.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 15A - EMPLOYEES RETIREMENT AND TERMINAL BENEFITS

(Amount - Rupees)

	Pension	Gratuity	Leave Encashment	Total
Opening Balance as on 01.04.2015				
Add : Capitalized value of Contributions Received from other Organizations				
Total (a)				
Less : Actual Payment during the Year (b)				
Balance available on 31.03.2015 c = (a-b)				
Provision required on 31.03.2015 s per Actuarial Valuation (d)				
A. Provision to be made in the current year (d-c)				
B. Contribution to New Pension Scheme				
C. Medical Reimbursement to Retired Employees				
D. Travel to Hometown on Retirement				
E. Deposit Linked Insurance Payment				
TOTAL (A+B+C+D+E)				

Note :
1. The total (A+B+C+D+E) in this sub schedule will be the figure against Retirement and Terminal Benefits in Schedule 15.

2. Items B, C, D & E will be accounted on accurel basis and will include bills preferred but outstanding for payment on 31/3.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 16 - ACADEMIC EXPENSES

(Amount - Rupees)

	Current Year			Previous Year		
	31.03.2015			31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Laboratory expenses			0.00			0.00
b) Field work/Participation in Conferences			0.00			0.00
c) Expenses on Seminars/Workshops		146689.00	146689.00		101913.00	101913.00
d) Payment to visiting faculty			0.00			0.00
e) Examination		0.00	0.00		33172.00	33172.00
f) Student Welfare expenses		18675.00	18675.00			0.00
g) Admission expenses			0.00			0.00
h) Convocation expenses			0.00		71231.00	71231.00
i) Publications		119275.00	119275.00		108347.00	108347.00
j) Stipend/means-cum-merit scholarship		5373095.00	5373095.00		6450373.00	6450373.00
k) Others (Specify), NCC/NSS		20213.00	20213.00		4310.00	4310.00
Shodh Prabha		68083.00	68083.00			0.00
Swarn Jayanti Celebra.		93305.00	93305.00		277897.00	277897.00
Lecture Series		81024.00	81024.00		79550.00	79550.00
l) Remedial Coaching	30000.00		30000.00			0.00
m) Seminar/Conference	76221.00		76221.00			0.00
n) Travel Grant	20338.00		20338.00			0.00
o) Career Counselling Cell	144238.00		144238.00			0.00
p) NET/SET Coaching	26700.00		26700.00			0.00
q) Contigencies Cont. Staff	49613.00		49613.00			0.00
r) OBC Recurring/Salary of WSC	6051848.00		6051848.00			0.00
r) Furnishing Work at Swarna	6737575.00		6737575.00			0.00
TOTAL	**13136533.00**	**5920359.00**	**19056892.00**	**0.00**	**7126793.00**	**7126793.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 17 - ADMINISTRATIVE AND GENERAL EXPENSES

(Amount - Rupees)

	Current Year			Previous Year		
	31.03.2015			31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
A. Infrastructure						
a) Electricity and Power	1891300.00	5848595.00	7739895.00		5741834.00	5741834.00
b) Water Charges	367682.00	1150863.00	1518545.00		1084154.00	1084154.00
c) Insurance			0.00			0.00
d) Rent, Rates and Taxes (including property tax)		2477843.00	2477843.00		2460057.00	2460057.00
B. Communication			0.00			0.00
e) Postage and Stationery		1164397.00	1164397.00		1111770.00	1111770.00
f) Telephone, Fax and Internet Charges		292888.00	292888.00		284408.00	284408.00
C. Others			0.00			0.00
g) Printing and Stationery (consumption)			0.00			0.00
h) Travelling and Conveyance Expenses		1174576.00	1174576.00		1267448.00	1267448.00
i) Hospitality			0.00			0.00
j) Auditors Remuneration		202580.00	202580.00		222634.00	222634.00
k) Professional Charges		239937.00	239937.00		679960.00	679960.00
l) Advertisement and Publicity		290856.00	290856.00		321650.00	321650.00
m) Magazines & Journals		135560.00	135560.00		61203.00	61203.00
n) Others (specifty) - Misc. Cont.		497172.00	497172.00		445792.00	445792.00
Membership fees		162872.00	162872.00		50000.00	50000.00
TOTAL	**2258982.00**	**13638139.00**	**15897121.00**	**0.00**	**13730910.00**	**13730910.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 18 - TRANSPORATION EXPENSES

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015			Previous Year 31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
A. Infrastructure (owned by institution)						
a) Running expenses		93337.00	93337.00		93109.00	93109.00
b) Repairs & Maintenance		71480.00	71480.00		43613.00	43613.00
c) Insurance expenses			0.00			0.00
			0.00			0.00
B. Vehicle taken on rent/lease			0.00			0.00
a) Rent/lease expenses			0.00			0.00
			0.00			0.00
C. Vehicle (Taxi) hiring expenses			0.00			0.00
TOTAL	**0.00**	**164817.00**	**164817.00**	**0.00**	**136722.00**	**136722.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 19 - REPAIRS & MAINTENANCE

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015			Previous Year 31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Building	1931648.00	8896255.00	10827903.00		7400146.00	7400146.00
b) Furniture & Fixtures			0.00			0.00
c) Plant & Machinary			0.00			0.00
d) Office Equipment			0.00			0.00
e) Computers		168700.00	168700.00		114370.00	114370.00
f) Laboratory & Scientific equipment			0.00			0.00
g) Audio Visual equipment			0.00			0.00
h) Cleaning Material & Services			0.00			0.00
i) Book binding charges			0.00			0.00
j) Gardening		1358555.00	1358555.00		1696812.00	1696812.00
k) Estate Maintenance		1717703.00	1717703.00		2152815.00	2152815.00
l) Others (Specifty) - Generator Maint.		152429.00	152429.00		105730.00	105730.00
TOTAL	**1931648.00**	**12293642.00**	**14225290.00**	**0.00**	**11469873.00**	**11469873.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 20 - FINANCE COSTS

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015			Previous Year 31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Bank charges			0.00			0.00
b) Others (Specifty)	1330.00	2138725.00	2140055.00		1637542.00	1637542.00
TOTAL	**1330.00**	**2138725.00**	**2140055.00**	**0.00**	**1637542.00**	**1637542.00**

Note :
If the amount is not material, the head Bank charges could be omitted and these could be accounted as Administrative expenses in

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 21 - OTHER EXPENSES

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year 31.03.2015			Previous Year 31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
a) Provision for Bad and Doubtful Debts/Advances						
b) Irrecoverable Balances Written - Off						
c) Grants/Subsidies to other institutions/organization						
d) Others (Specifty)						
TOTAL						

Note :
Other expenses shall be classified as writes - off, provisions, miscellaneous expenses, loss on sale of investments, loss of fixed assets and loss on sale of fixed assets etc. and disclosed accordingly.

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

SCHEDULE 22 - PRIOR PERIOD EXPENSES

(Amount - Rupees)

Particulars	Current Year			Previous Year		
	31.03.2015			31.03.2014		
	Plan	Non Plan	Total	Plan	Non Plan	Total
1 Establishment expenses						
2 Academic expenses						
3 Administrative expenses						
4 Transporation expenses						
5 Repair & Maintenance						
6 Other expenses						
TOTAL						

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASHTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH, KATWARIA SARAI, NEW DELHI
(Deemed University)

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE YEAR 2014-15

RECEIPTS	Amount in Rs.	PAYMENTS	Amount in Rs.
I. Opening Balances		I. Expenses	
a) Cash Balances	41313.00	a) Establishment Expenses	184143483.00
b) Bank Balances		b) Academic Expenses	19190498.00
i. In Current accounts		c) Administrative Expenses	15897121.00
ii. In deposit accounts		d) Transporation Expenses	164817.00
iii. Saving accounts		e) Repair & Maintenance	14225290.00
Non-Plan		f) Finance Costs	6671.00
Indian Bank	21348732.00		
State Bank of India	3480551.00		
Canara Bank	53123900.00		
Plan			
State Bank of India	14537774.00		
II. Grants Received		II. Payments against Earmarked / Endowment Funds	
a) From Government of India			
b) From State Government			
c) From UGC			
Non-Plan	181900000.00		
Plan	30000000.00		
III. Academic Receipts	1127588.00	III. Payments against Sponsored Project / Scheme	
		Major Research Project	96468.00
IV. Receipts against Earmarked / Endowment Funds		IV. Payments against Sponsored Fellowship/Scholarships	
		Non-Plan	
		JRF	7049866.00
		Fellowship Grant	949549.00
		Plan	
		JRF	6700000.00
V. Receipts against Sponsored Project / Scheme		V. Investments and Deposits made	
Major Research Project	96468.00	a) Out of Earmarked / Endowments funds	
		b) Out of own funds (Investment - Others)	
VI. Receipts against sponsored Fellowships and Scholarships		VI. Term Deposits with Scheduled Banks	
JRF			
Non-Plan	6700000.00		
Plan	6700000.00		
VII. Income on Investments from		VII. Expenditure on Fixed Assets and Capital Works in Progress	
a) Earmarked/Endowment Funds		a) Fixed Assets	
		Non-Plan	
		Library	11509.00

		Plan	
		OBC - Machine & Equipment	2630575.00
		OBC - Land & Building	9337710.00
		OBC - Computer	2607684.00
		XII Plan - Books	888082.00
		XII Plan - Building/Infra./Development	3409622.00
		XII Plan - Equipment	172073.00
b) Other investment		b) Capital Works-in-Progress	
VIII. Interest received on		VIII. Other Payments including statutory payments	
a) Bank Deposits		Non-Plan	
b) Loans and Advances		Work Tax	298976.00
c) Savings Bank Accounts		Income Tax	17030321.00
Non-Plan	740680.00	GSLI	278225.00
Plan	799498.00	Labour Cess	55764.00
		LIC	756718.00
IX. Investments encashed		Paurohitya	83888.00
		Jyotish Development Fund	264816.00
X. Term Deposits with Scheduled Banks encashed		Yogdarshan Karyshala	244150.00
		Vastu Shastra	2000.00
		ICPR	23710.00
		Scholarship Aid	160000.00
		Vidyapeetha Plan	10000000.00
		Women Study Centre	166264.00
		NAAC	58972.00
		Rashtriya Sanskrit Sansthan	487700.00
		Expenses Payable	1006000.00
		Manuscript Workshop	359873.00
		Tatva Bodh	24983.00
		IQAC - XII Plan	12690.00
		Seminar/Conference - XII Plan	29652.00
		Medical Advance	10000.00
		SAP - Seminar	5723.00
		Student Fund	1100.00
		Plan	
		OBC - Furnishing Work	4181628.00
		Bank Commission	140.00
		Work Tax	915710.00
		Income Tax	524998.00
		Labour Cess	268039.00
		Vidyapeetha Plan	10000000.00
XI. Other income (including Prior Period Income)		IX. Refunds of Grants	
XII. Deposits and Advances		X. Deposits and Advances	
Non-Plan		Non-Plan	
Misc. Advance	1609004.00	Misc. Advance	1631197.00
Security Deposit	221352.00	Security Deposit	217260.00
Festival Advance	152400.00	Festival Advance	148500.00
LTC Advance	1707453.00	LTC Advance	1642200.00
Hostel Security	167000.00	Hostel Security	134000.00

MC Advance	98116.00	MC Advance	60000.00
Computer Advance	78250.00	Computer Advance	203800.00
Hostel Mess	1796878.00	Hostel Mess	1867181.00
CSSET	2440.00	CSSET	22027.00
CVVET	71089.00	CVVET	121950.00
HB Advance	358290.00	HB Advance	732500.00
Library Security	981500.00	Library Security	139000.00
New Pension Scheme	2150579.00	New Pension Scheme	2161297.00
GP Fund	25051140.00	GP Fund	20051140.00
HB Interest	61200.00	Plan	
Plan		Misc. Advance	65500.00
Misc. Advance	95971.00	Security Deposit	614169.00
Security Deposit	1416623.00		
XIII. Miscellaneous Receipts including Statutory Receipts		XI. Other Payments	
Non-Plan			
Work Tax	430463.00	XII. Opening Balances	
Income Tax	17030321.00	a) Cash Balances	43423.00
GSLI	277625.00	b) Bank Balances	
Labour Cess	55764.00	i. In Current accounts	
LIC	756718.00	ii. In deposit accounts	
Paurohitya	99500.00	iii. Saving accounts	
Jyotish Development Fund	219000.00	Indian Bank	18090685.00
Yogdarshan Karyshala	373400.00	State Bank of India	2848083.00
Vastu Shastra	104030.00	Canara Bank	30470058.00
ICPR	92000.00	Plan	
Scholarship Aid	100000.00	State Bank of India	11206821.00
Vidyapeetha Plan	10000000.00		
Women Study Centre	278416.00		
Medical Astrology	12000.00		
NAAC	28090.00		
Rashtriya Sanskrit Sansthan	487700.00		
Plan			
Water Charges	127522.00		
SAP - Sahitya	867846.00		
OBC - Furnishing Work	4181628.00		
Bank Commission	140.00		
Work Tax	701568.00		
Income Tax	524998.00		
Labour Cess	268039.00		
Vidyapeetha Plan	10000000.00		
Women Study Centre	2369738.00		
XIV. Any Other Receipts			
Non-Plan	913581.00		
Plan	287973.00		
TOTAL	**407203849.00**	**TOTAL**	**407203849.00**

S.O. (Acctt.)   Asstt. Registrar (Acctt.)   Finance Officer   Vice Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

Katwaria Sarai, New Delhi - 110 016

G.P.F. A/C

Balance Sheet as on 31st March, 2015

Previous Year Amount (Rs.)	LIABILITIES	Amount (Rs.)	Previous Year Amount (Rs.)	ASSETS	Amount (Rs.)
	GPF Liabilities			**Investment :**	
105022264.00	Opening Balance :	113694263.00	86443831.00	FDRs	82315301.00
18381640.00	Add : Subscription/Refund	20343340.00	11099709.00	Accrued Interest 2013-14	10192431.00
9175143.00	Add : Interest Payable	9684106.00		Accrued Interest 2014-15	9234691.00
18884784.00	Less : Advance/Withdrawl	24370032.00			
113694263.00	**Liabilities as on 31.03.2015**	**119351677.00**		**Current Assets :**	
				Cash-at-Bank	
			220726.00	a) State Bank of India	251340.00
			5859916.00	b) Indian Bank	2594807.00
			170518.00	New Pension Scheme	170518.00
				Maintenance A/c	5000000.00
	GP Fund :			**GP Fund :**	
	Balance b/f		9899563.00	Balance b/f	9899563.00
				Less : For the year 2014-15	-306974.00
113694263.00	TOTAL	**119351677.00**	**113694263.00**	TOTAL	**119351677.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice-Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA
Katwaria Sarai, New Delhi - 110 016

G.P.F. A/C

Income & Expenditure Account for year ended 31st March, 2015

Expenditure	Amount (Rs.)	Income	Amount (Rs.)
To Interest paid	9684106.00	By Interest including	9991080.00
		Accrued Interest	
To Balalance c/f	306974.00		
TOTAL	**9991080.00**	TOTAL	**9991080.00**

S.O. (Acctt.) Asstt. Registrar (Acctt.) Finance Officer Vice-Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETHA

Katwaria Sarai, New Delhi - 110 016

G.P.F. A/C

RECEIPT AND PAYMENT ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2015

RECEIPTS	AMOUNT(Rs.)	PAYMENTS	Amount (Rs.)
I. Opening Balance:			
Cash at Bank:			
a) State of India	220726.00		
b) Indian Bank	5859916.00		
II. Income		**I. Others**	
Interest Income	756389.00	GPF Advance/withdrawl	24370032.00
FDRs	5035808.00	Maintenance A/c	5000000.00
		II. Closing Balance	
		Cash at Bank :	
III. Other		a) State Bank of India	251340.00
Subscription/Refund of GPF	20343340.00	b) Indian Bank	2594807.00
TOTAL	**32216179.00**	**TOTAL**	**32216179.00**

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice-Chancellor**

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH
KATWARIA SARAI, NEW DELHI

Schedule 23 & 24

SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO THE ACCOUNTS

1. Shri Lal Bahadur Shastri Rashtriya Sanskrit Vidyapeeth is a Deemed to be University established by the Government of India under UGC Act 1956.

2. The Vidyapeetha is financed by University Grants Commission through annual Plan and Non Plan grants. While Plan grants are used for developmental purposes, the Non Plan grants are meant for the purpose of meeting expenses on Salaries, Retirement Benefits and Non Salary components.

3. The Annual Accounts have been prepared as per the new format of financial statements.

4. Figures of previous year have been re-grouped/re-arranged wherever necessary to make them comparable with current year figures.

S.O. (Acctt.)	Asstt. Registrar (Acctt.)	Finance Officer	Vice-Chancellor

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH
KATWARIA SARAI, NEW DELHI

5. The accounts have been prepared on the basis of Mercantile System of Accounting and accordingly the provisions for unpaid liabilities have been created and the income due has been accounted for, wherever necessary.

6. The depreciation on the Fixed Assets has been charged as per the followings :

   i) Depreciation on Statue of Saraswati and Shri Lal Bahadur Shastri has not been provided.

   ii) The depreciation on Fixed Assets has been charged on Straight Line Method as per the rates prescribed in the format of financial statement as per the guidelines of GOI.

   iii) No depreciation during the year has been charged on the fixed assets the value of which becomes zero or less than zero after giving effect of the depreciation for the year.

S.O. (Acctt.) | **Asstt. Registrar (Acctt.)** | **Finance Officer** | **Vice-Chancellor**

कार्यालय महानिदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली-110 002
Indraprastha Estate, New Delhi - 110 002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ दिनाँक: 16.10.15

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
उच्च शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-110001

विषय : वर्ष 2014-15 के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया/महोदय,

मैं श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के वर्ष 2014-15 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ|

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एव महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए|

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2014-15 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों |

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है | पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें|

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है | यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा |"

(R (A/c) 20/10.

भवदीय,

संलग्नक:यथोपरी

ह०/-

निदेशक (ए एम जी -IV)

Ph. : 91-11-23454100
Fax : 91-11-23702271

A.G.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi-110002
e-mail : dgacr@cag.gov.in

SHRI LAL BAHADUR SHASTRI RASHTRIYA SANSKRIT VIDYAPEETH
KATWARIA SARAI, NEW DELHI

7. The Vidyapeeth receives grant-in-aid for research and development of various projects. The balance of grant-in-aid is reflected in the accounts after deducting expenditure incurred on the work/research.

8. The Vidyapeeth is fully funded by University Grants Commission. The Surplus balance, if any, out of the grant of the previous year is deducted/adjusted by UGC from the grant of the next financial year.

9. Grant-in-aid utilized for the purpose of fixed assets is transferred to capital fund.

10. Grant-in-aid received for recurring and non-recurring expenditure, other than for fixed assets, have been separately treated as per their nature and have been accounted for accordingly.

11. The Provision for Pension and other Retirement Benefits has not been made in the Accounts as these are paid on actual basis to the Vidyapeetha by the University Grants Commission.

S.O. (Acctt.) **Asstt. Registrar (Acctt.)** **Finance Officer** **Vice-Chancellor**

2 6 OCT 2015

एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ 788 दिनाँक: 16.10.15

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्या पीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली -110016 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है | वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की एक प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय भेजी जाए |

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए |

संलग्नक:यथोपरी

निदेशक (ए एम जी -IV)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर/एस.एल.बी.एस.आर.एस/9-9/2015-16/ दिनाँक: 16.10.15

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति , उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी (रिपोर्ट-ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है |

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है |

संलग्नक:यथोपरी

हस्ता/-

निदेशक (ए एम जी -IV)

वर्ष 2014-15 के लिए श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के लेखाओं पर भारत के महालेखा नियंत्रण परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

1. हमने लेखा नियंत्रण (कर्त्तव्य, अधिकार एवं सेवा के शर्तो) अधिनियम 1971, धारा 20(एक) के अन्तर्गत श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के 31 मार्च 2015 के संलग्न तुलन पत्र एवं इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिये आय एवं व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं की लेखा परीक्षा कर ली है। लेखा परीक्षा का कार्य वर्ष 2015-16 तक के लिये अन्तर्निहित है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी विद्यापीठ के प्रबन्धन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भारत के महालेखा परीक्षा नियंत्रक के लेखा व्यवहार पर विचार केवल वर्गीकरण, लेखा व्यवहार से समरूपता एवं लेखा मानकों पर है। प्रोपराइटी कानून, नियम एवं धाराओं से वित्तीय व्यवहारों की समरूपता एवं कार्य कुशलता आदि पर अंकेक्षक के विचार पृथक निरीक्षण प्रतिवेदनों के द्वारा सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों एवं लागू नियमों के अनुरूप की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के विशेष प्रमुख दोषों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिये हम योजना तथा लेखा परीक्षा के कार्य को उपयुक्त प्रकार से निष्पादित करें। लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थित साक्ष्य की नमूना आधार पर जांच शामिल है। एक लेखा परीक्षा में लेखा नियमों का मूल्यांकन, प्रबन्धन द्वारा बनाए गए मुख्या पूर्वानुमानों तथा वित्तीय विवरणों का सम्पूर्ण मूल्यांकन शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते है कि :

(i) हमारी लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिये हमने सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के साथ आवश्यक सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय-व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा स्वीकृत प्रारूप के अनुसार बनाए गए हैं।

(iii) हमारे विचार से एवं जैसा कि लेखा बहियों की हमारी जांच से प्रतीत होता है कि श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ ने उपर्युक्त लेखा बहियों एवं अन्य दस्तावेज रखें हैं।

(iv) हम सूचित करते हैं कि :

A. तुलन पत्र

A.1 दायित्त्व

A.1.1 चालू दायित्त्व और प्रावधान (सारणी-३)-रुपये ५.८१ करोड़

नई पेंशन योजना के अन्तर्गत रुपये 2.87 करोड़ दायित्त्व एवं सम्पत्ति न तो खातों में दिखाई गये है और न ही नई पेंशन योजना का पृथक से खाता बनाया गया है।

A.2 सम्पत्तियां

A.2.1 चालू सम्पत्तियां (सारणी-७)-रुपये ९.३१ करोड़

विद्यापीठ ने छात्रकोष खाता और परिसर विकास खातें के अन्तर्गत सावधि जमा के तौर पर रुपये 66.02 लाख और रुपये 107.07 लाख क्रमश: दर्शाये गये है। यद्यपि इन खातों में वास्तविक निवेश रुपये 79.88 लाख और रुपये 113.43 लाख था। इसे मिलान करने की आवश्यकता है।

A.2.2 ऋण, अग्रिम एवं जमा (सारणी-८)-रुपये २ करोड़

उपरोक्त में बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड में जमा सुरक्षित राशि रुपयें 6.12 लाख शामिल नहीं है। इसका यह परिणाम है कि चालू सम्पत्ति एवं पूंजी निधि रुपये 6.12 लाख से कम दर्शाये गये है।

A.2.3 निवेश (जी.पी.एफ.)

जी.पी.एफ का निवेश को वित्त मंत्रालय, सूचना संख्या एफ संख्या 5-88/2006-ईपीआर दिनांक 14/08/2008 के द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार नहीं किया गया है।

B. सामान्य

बैंक समाधान विवरण

अ) 31 मार्च, 2015 के बैंक समाधान विवरण की जांच के दौरान निम्नलिखित अनियमितता पाई गई :

क्रम संख्या	वर्ग	राशि रुपये में	अवधि जब से बकाया है
1	**परिसर विकास बचत खाता** - 26077		
	निर्गमित चैक परन्तु प्रस्तुत नहीं	7404	
	बैंक द्वारा अधिक क्रेडिट	80,1258	
	चैक जमा किए परन्तु मंजूरी नहीं मिली	1,13,021	

2	**गैर-योजना खाता संख्या** - 405044278		
	निर्गमित चैक परन्तु प्रस्तुत नही	9,32,572	मई 2002 से दिसम्बर 2014
	बैंक द्वारा अधिक क्रेडिट दिया	11,05,785.50	जून 2003 से फरवरी 2015
	चैक जमा किए परन्तु मंजूरी नहीं मिली	5,88,454	अप्रैल 2003 से फरवरी 2015
	बैंक द्वारा अधिक डेबिट	5,29,233	

लेखा परीक्षा मानता है कि गैर योजना का बैंक खाता, वर्ष 2005 से 2009 में अतिरिक्त क्रेडिट रुपये 11.06 लाख में ब्याज आय रुपये 4.25 लाख शामिल है जो कि विद्यापीठ द्वारा आय में नहीं लिया गया है। इसी प्रकार परिसर विकास खाते में बैंक द्वारा अतिरिक्त क्रेडिट रुपये 80,125 में ब्याज आय के रुपये 60,125 शामिल है। आगे, जिन मामलों में जहां चैक को निर्गमित किया गया है और भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है और समय बाधित हो गये है, वापिस लेने चाहिये और खातों में दायित्त्व के रूप में दर्शाये। जिन मामलों में चैक बैंक में जमा कर दिय गये परन्तु बैंक द्वारा क्रेडिट नहीं दिया गया है बैंक द्वारा अतिरिक्त डेबिट के मामलो की जांच की आवश्यकता है और बैंक से विस्तृत जानकारी लेनी चाहिये।

C. अनुदान राशि

विद्यापीठ ने वित्तीय वर्ष 2014-15 में रुपये 2151.38 लाख अनुदान राशि के रूप में प्राप्त किये है (योजना : रुपये 344.53 लाख जिसमें रुपये 12.15 लाख की आन्तरिक प्राप्तियां शामिल है और गैर-योजना : रुपये 1819.00 लाख) । इसका प्रारम्भिक शेष रुपये 467.25 लाख था (योजना : रुपये 85.38 लाख और गैर-योजना : रुपये 381.87 लाख) । रुपये 2529.02 लाख (योजना : 384.02 लाख और गैर-योजना : रुपये 2145 लाख) का उपयोग कर और रुपये 89.89 लाख (योजना : 45.89 लाख और गैर-योजना : रुपये 44 लाख) शेष छोड, रुपये 11.87 लाख गैर-योजना अनुदान वापिस कर दिय गये ।

विद्यापीठ ने यूजीसी/मानव संसाधन मंत्रालय विकास से वर्ष के दौरान रुपये 68.04 लाख विशेष परियोजनाओं के अन्तर्गत प्राप्त किये और इन योजनाओं का प्रारम्भिक शेष रुपये 54.70 लाख था। कुल रुपये 122.74 लाख में से विद्यापीठ द्वारा रुपये 80.01 लाख खर्च करके 31.03.2015 को इन परियोजनाओं में शेष राशि रुपये 42.73 लाख था।

D. **प्रबन्धन पत्र :** जो कमियां लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं है उनको पृथक रूप से कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ को उपचारात्मक/सुधार हेतु प्रबन्धन पत्र के द्वारा सूचित कर दिया गया है।

v. उपरोक्त पंक्तियों में वर्णित हमारी टिप्पणियों के अतिरिक्त, हम यह सूचित करते हैं कि तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान खाता जिनका कि इस प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है, खाता बहियों से समरूपता रखते हैं।

vi. हमारे विचार और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त वित्तीय लेखा जिनकों कि लेखा नीतियों एवं लेखा टिप्पणियों के साथ पढ़ा जाये और उपरोक्त वर्णित मुख्य नीतियों के अनुसार और अन्य नीतियों जिनका कि इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की सारणी में उल्लेख किया गया है, भारत में स्वीकार्य लेखा नीतियों के अनुरूप सही व स्वच्छ सूचना प्रदान करते हैं।

a. जहां तक यह 31 मार्च, 2015 को श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कार्यकलापों के तुलन पत्र से सम्बन्धित है तथा

b. जहां तक यह उसी तिथि को समाप्त वर्ष के श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के आय एवं व्यय लेखे से सम्बन्धित है।

भारत के महालेखा नियंत्रण परीक्षक के लिये

हस्ताक्षरित

महानिदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय व्यय

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 19.10.2015

Mukesh P. Singh, IA&AS

महानिदेशक लेखा परीक्षा
(केन्द्रीय व्यय), नई दिल्ली
Director General of Audit
(Central Expenditure)
New Delhi

दिनाँक 16.10.2015

प्रबंधनपत्र

प्रिय श्री रमेश कुमार पांडे

श्री लाल बहादुर शास्त्री रष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के वर्ष 2014-15 के लेखों की लेखापरीक्षा करली गयी है और मेरे कार्यालय के पत्र संख्या ए.एम.जी.-IV/एस.ए.आर./एस.एल.बी.एस.आर.एस.वि./2015-16/9-9/786 दिनाँक 19/10/2015 के द्वारा लेखापरीक्षा प्रतिवेदन जारी कर दिया गया है| लेखापरीक्षा के दौरान कुछ अनियमितताएँ एवं कमियाँ ध्यान में आई है जिन्हें लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया है| इन कमियों को संलग्न अनुबन्ध में दर्शाया गया है|

अतः इस पर आपका ध्यान आकर्षित करते हुए मेरा अनुरोध है कि इन अनियमितायों एवं कमियों पर उचित सुधारात्मक कार्य वाही की जाये|

सादर

28/10/15

आपका शुभेच्छु

मु० प्र० सिंह

AR(A/C) 28/X

प्रो.श्री रमेश कुमार पांडे
कुलपति
श्री लाल बहादुर शास्त्री रष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
कटवारिया सराय
नई दिल्ली - .110016

Ph. : 91-11-23702422
Fax : 91-11-23702271

D.G.A.C.R. Building, I.P. Estate, New Delhi-110002
e-mail : dgace@cag.gov.in

प्रबन्धीय पत्र का संलग्नक

1. विद्यापीठ ने चालू दायित्त्व-अन्य दायित्त्व के अन्तर्गत रुपये 57.09 लाख की दायित्त्व दिखाई गये थी। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत भर्ती किए गए कर्मचारियों का वेतन वर्ष 4 A
2012-13 में गैर-योजना मद से दिया गया था यह राशि योजना खाते से गैर-योजना में देय है। तथापि विद्यापीठ के योजना खाते में 31.03.2015 को रुपये 1.12 करोड़ जमा राशि थी यद्यपि विद्यापीठ ने योजना खाते से गैर-योजना खाते में राशि हस्तांरित नहीं की थी। विद्यापीठ को इस दायित्त्व को खत्म करने की आवश्यकता है।

2. जीपीएफ के तुलन पत्र के अनुसार, 31.03.2015 को अंशधारियों का कुल दायित्त्व रुपयें 11.93 करोड़ था, जबकि सावधि जमा, बैंक में रोकड़, अर्जित ब्याज को मिलाकर कुल संपत्तियां रुपये 10.97 करोड़ थी। इस प्रकार जीपीएफ का घाटा रुपये 95.93 लाख था। लेखा परीक्षा का मानना है कि विद्यापीठ ने जो निवेश पर ब्याज कमाया है उससे अधिक अपने अंशधारियों को अधिक रेट पर ब्याज दिया है जिसके फलस्वरूप जीपीएफ खाते में घाटा हुआ। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश (अप्रैल 2004) के निर्देश का उल्लंघटन था जहां यह कहा गया था कि संस्थान के वित्तीय स्थिति को देखते हुए अंशधारियों को कम ब्याज की दर का भुगतान किया जा सकता है।

3. आयकर अधिनियम की धारा 2(38) के अनुसार "मान्यता प्राप्त भविष्य निधि का अर्थ ऐसे भविष्य निधि से है जो कि आयुक्त से मान्यता प्राप्त कर चुका हो और निरन्तर मान्यता प्राप्त होने वाला हो जो सारणी 4 के भाग अ के नियम के समरूप हो और जिसमें कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952 के अन्तर्गत स्थापित एक भविष्य निधि शामिल है। उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार आयकर में छूट लेने के लिए भविष्य निधि को मान्यता प्राप्त होना चाहिए। विद्यापीठ के अभिलेखों की जांच में पाया उपुर्यक्त प्रावधान के अनुसार विद्यापीठ का भविष्य निधि खाता मान्यता प्राप्त नहीं है। यह भी देखा गया कि कि विद्यापीठ ने भविष्य निधि संचय पर कोई कर नहीं चुकाया है। इसलिए अमान्यता प्राप्त भविष्य निधि पर कर न चुकाना अनियमितता है। इस संदर्भ में विद्यापीठ द्वारा निधि को मान्यता प्राप्त करवाने हेतु उचित कार्यवाही की जा सकती है।

4. प्राप्तियां एवं भुगतान खातों के अनुसार, 31.03.2015 को हाथ में रोकड़ रुपये 43423 था जबकि रोकड़ बही में यह रुपये 43529 दर्शाया गया था। रुपये 106 के अन्तर को मिलान की आवश्यकता है।

5. सारणी 3 'चालू दायित्त्व एवं प्रावधान' में दर्शाये गये राशि तुलन पत्र में दिखाई गई राशि के मेल नहीं खाती है।

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन के संलग्न

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**
   - विद्यापीठ में आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है। विद्यापीठ का आंतरिक लेखा परीक्षण दिसम्बर, 2011 तक एक बाह्य संस्था द्वारा किया गया है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**
   - कुलपति (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) का पद वर्ष 11.07.2011 से रिक्त है।
   - प्रबंधन लेखा परीक्षा आपत्तियों के जवाब देने में प्रभावी नहीं है क्योंकि 31.03.2015 को 1995-96 से 2011-12 तक 58 आपत्तियों का उत्तर बकाया है।

3. **अचल सम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**
   - अचल सम्पत्तियों का, कम्प्यूटर और कलपुर्जो को छोड़कर, भौतिक सत्यापन वर्ष 2007-08 से नहीं हुआ है। कम्प्यूटर और कलपुर्जो का भौतिक सत्यापन वर्ष 2012-13 तक हुआ है और कोई उल्लेखनीय कमी नहीं पाई गयी है।

4. **स्टॉक तालिका के भौतिक सत्यापन की व्यवस्था**
   - विद्यापीठ द्वारा स्टॉक तालिका जैसे लेखन सामग्री और उपभोज्य आदि की चकित जांच वर्ष 2014-15 तक की गई है और कोई उल्लेखनीय कमी नहीं पाई गयी है।

5. **वैधानिक देय के भुगतान में अनियमितता**
   - खातों के अनुसार, कोई भी वैधानिक देय 31.03.2015 को छः माह से अधिक से बकाया नहीं है।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

(मानित विश्वविद्यालय)

बी–4, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110 016

वार्षिक लेखा

2014-15

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

तुलन पत्र वर्ष 2014-15

कोष के स्रोत	सारणी	राशि रुपयों में चालू वर्ष	गत वर्ष
		31.03.2015	31.03.2014
कोष / पूंजी निधि	1	307939048.00	121714549.00
नामित / चिन्हित / स्थायी निधि	2	37047517.00	6337359.00
चालू दायित्व एवं प्रावधान	3	58123526.00	64744855.00
योग		**403110091.00**	**192796763.00**

कोष का उपयोग		Amount - Rupees	
		Current Year	Previous Year
		31.03.2015	31.03.2014
अचल संपत्ति			
मूर्त संपत्ति	4	287242160.00	95631834.00
अमूर्त संपत्ति			
पूंजी चालू कार्य			
चिन्हित / धर्मादा कोष से निवेश	5		
दीर्घकालिक		2830209.00	2711131.00
अल्पकालिक			
निवेश - अन्य	6		
चालू सम्पत्ति	7	93081855.00	77994496.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	19955867.00	16459302.00
योग		**403110091.00**	**192796763.00**

अभिप्राय पूर्ण लेखा नीति 23

लेखा पर आकस्मिक दायित्व एवं टिप्पणी 24

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

आय एवं व्यय विवरण वर्ष 2014-15

विवरण	सारणी	राशि रुपयों में चालू वर्ष	गत वर्ष
		31.03.2015	31.03.2014
आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	9	1127588.00	1466672.00
अनुदान/सब्सिडी	10	233722961.00	203302340.00
निवेश से आय	11	293040.00	0.00
अर्जित ब्याज	12	740680.00	2014257.00
अन्य ब्याज	13	913581.00	3450552.00
पूर्व वर्ष की आय	14		
योग (अ)		**236797850.00**	**210233821.00**
व्यय			
स्टाफ भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)	15	186228414.00	174585319.00
शैक्षणिक व्यय	16	19056892.00	7126793.00
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	15897121.00	13730910.00
ढुलाई व्यय	18	164817.00	136722.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	14225290.00	11469873.00
वित्त लागत	20	2140055.00	1637542.00
ह्रास	4	3479203.00	0.00
अन्य व्यय	21	11509.00	359369.00
पूर्व वर्ष के व्यय	22	0.00	0.00
योग (ब)		**241203301.00**	**209046528.00**
व्यय की आय से अधिकता (ब-अ)		4405451.00	-1187293.00
नामित कोष से / को हस्तांरण			
भवन कोष			
अन्य (निर्दिष्ट)			
शेष अधिक / (घटा) पूंजी खाते में ले जाना		4405451.00	-1187293.00

अभिप्राय पूर्ण लेखा नीति	23
लेखा पर आकस्मिक दायित्व एवं टिप्पणी	24

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १ - कोष / पूंजी निधि

	राशि रुपयों में	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
वर्ष के शुरुआत में शेष - पूंजी निधि (गैर-योजना)	95089175.00	94729806.00
वर्ष के शुरुआत में शेष - पूंजी निधि (योजना)	178911453.00	
वर्ष के शुरुआत में शेष - संशय	26625374.00	26625374.00
जमा : कोष/पंजी निधि में योगदान		
जमा : यूजीसी, भारत सरकार और राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान	11509.00	359369.00
में से पूजीगत व्यय		
जमा : चिन्हित कोष घटा ह्रास (योजना) से सम्पत्ति खरीदी	11706988.00	
जमा : प्रायोजित परियोजनाओं, बाहरी स्वामित्व रखने वाले संस्था द्वारा		
सम्पत्ति		
जमा : सम्पत्ति दान / उपहार प्राप्त		
जमा : अन्य जोड़		
जमा : आय की व्यय से अधिकता आय एवं व्यय खाते में हस्तांरित		
योग	**312344499.00**	**121714549.00**
(घटा) आय एवं व्यय खाते से कमी हस्तांरित	4405451.00	
वर्ष के अन्त में शेष	307939048.00	

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी २ - नामित / चिन्हित / स्थायी निधि

राशि रुपयों में

विवरण	परिक्रामी कोष	कोष के अनुसार ब्रेकअप					योग	
		छात्र कोष	विशेष कोष	परियोजना खाता	परिसर विकास खाता	मंत्रालय प्रकाशन	चालू वर्ष	गत वर्ष
ए.							31.03.2015	31.03.2014
अ. प्रारम्भिक शेष	6337359	10072800.00	136211.00	412368.00	18352531.00	1514415.00	**36825684.00**	
बी. वर्ष के दौरान के जमा		327904.00			797750.00	21455.00	**1147109.00**	
सी. निधियों के लिए गए निवेश से आय							**0.00**	
डी. निवेश/अग्रिम से अर्जित ब्याज	61200						**61200.00**	
ई. बचत खाते पर ब्याज		206112.00	18806.00	78223.00	215745.00	37511.00	**556397.00**	
एफ. अन्य जमा - संकाय विकास खाता		497700.00					**497700.00**	
योग (ए)	**6398559**	**11104516**	**155017.00**	**490591.00**	**19366026.00**	**1573381**	**39088090.00**	
बी.								
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग/व्यय								
1. पूंजीगत व्यय		564570.00			217269.00	574648.00	**1356487.00**	
2. राजस्व व्यय		509974.00			174112.00		**684086.00**	
योग	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	
योग (बी)	**0.00**	**1074544.00**	**0.00**	**0.00**	**391381.00**	**574648.00**	**2040573.00**	
वर्ष के अन्त में शेष (ए-बी)	**6398559**	**11104516**	**155017.00**	**490591.00**	**19366026.00**	**1573381.00**	**37047517.00**	

प्रतिनिधित्व द्वारा

रोकड़ एवं बैंक में शेष								
निवेश								
उपचित किन्तु अप्राप्य ब्याज								
योग		**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) **सहायक कुलसचिव (लेखा)** **वित्ताधिकारी** **कुलपति**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी २ ए - स्थायी निधि

राशि रुपयों में

क्र.सं.	स्थायी निधि का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान		योग		उद्देश्य पर वर्ष	अन्तिम शेष		योग
		स्थायी निधि	संचित ब्याज	स्थायी निधि	ब्याज	स्थायी निधि	संचित ब्याज	गत वर्ष	स्थायी निधि	संचित ब्याज	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	(10+11)
योग		0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00			

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ३ - चालू दायित्व एवं प्रावधान

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
ए. चालू दायित्व		
1. स्टाफ से जमा		
2. विद्यार्थियों से जमा		
पुस्तकालय सुरक्षित धन	1981200.00	1138700.00
3. विविध लेनदार :		
ए. माल एवं सेवाओं के लिए		
बी. अन्य		
4. जमा - अन्य (ईएमडी, सुरक्षित धन सहित)		
कमाया हुआ धन	117670.00	117670.00
छात्रावास सुरक्षित धन	353170.00	320170.00
सुरक्षित धन	2413283.00	2409191.00
5. वैधानिक दायित्व (जीपीएफ, टीडीएस, डब्ल्यूसी, सीपीएफ,)		
ए. अतिदेय		
बी. अन्य		
6. अन्य चालू दायित्व		
ए. वेतन		
बी. प्रायोजित योजना के अन्तर्गत प्राप्तियां		
प्राकृत भाषा	100690.00	100690.00
सी. फलोशिप एवं छात्रवृत्ति के अन्तर्गत प्राप्तियां		
डी. उपयोग न की गई अनुदान		
ई. अग्रिम अनुदान		
एफ. अन्य कोष		
पौरोहित्य	267716.00	252104.00
ज्योतिष विभागीय विकास फण्ड	496969.00	542785.00
योगा	278266.00	278266.00
वर्ल्ड संस्कृति कान्फ्रेंस	705090.00	705090.00
धर्मादा	116000.00	116000.00
सीएसएसईटी	1777966.00	1797553.00
सीवीवीईटी	181963.00	232824.00
योगदर्शन कार्यशाला	168154.00	38904.00
व्याख्यानमाला - वीवी धर्मादा ट्रस्ट	100000.00	100000.00
मेडिकल एस्ट्रोलॉजी	12000.00	

वास्तुशास्त्र - ज्योतिष विभाग	3074904.00	2972874.00
छात्रावास कोष	42800.00	42800.00
छात्रावास भोजनालय	158287.00	228590.00
विद्यार्थी कोष	143236.00	
विशेष निधि खाता	354280.00	
परियोजना खाता	1564943.00	
परिसर विकास कोष	296565.00	
मंत्रालय प्रकाशन	5390.00	
जी. अन्य कोष	1720.00	2820.00
परिसर विकास कोष	771069.00	771069.00
सामान्य भविष्य निधि	4657990.00	
जीवन बीमा	3451.00	3452.00
न्यू पेंशन स्कीम		9189.00
ग्रुप बीमा स्कीम	10066.00	10666.00
पेंशन एवं ग्रेचुटी	2165394.00	2165394.00
ब्याज एनपीएस	315088.00	315088.00
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	112000.00	112000.00
देय खर्चे	7782637.00	4567908.00
संसाधन जुटाव	22813.00	22813.00
इनफिलिबनेट कार्यक्रम	111627.00	111627.00
प्रयोगशाला उपकरण	200000.00	200000.00
विशिष्ट निधि खाता	3271558.00	3271558.00
सुरक्षित धन - योजना	3635236.00	
परिसर विकास - योजना	2500000.00	
देय खर्चे - योजना	5708951.00	
योग (ए)	**45980142.00**	**22957795.00**
बी. प्रावधान		
1. कराधान के लिए		
2. ग्रेचुटी		
3. अधिवर्षिता/पेंशन		
4. संचित छुट्टी नकदीकरण		
5. व्यापार वारंटियों/दावें		
6. अन्य (बतायें)		
योग (बी)	0	0
योग (ए+बी)	**45980142.00**	**22957795.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ३(ए) - प्रायोजित परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूलियां	योग	वर्ष के दौरान खर्च	अन्तिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट				क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	एससी/एसटी सेल	131904.00			131904.00		131904.00	
2	महिला अध्ययन केन्द्र	550865.00		278416.00	829281.00	166264	663017.00	
3	संगणक केन्द्र	160954.00			160954.00		160954.00	
4	पाण्डुलिपि अनुदान	531372.00			531372.00	359873	171499.00	
5	तत्त्वबौध व्याख्यानमाला	28936.00			28936.00	24982	3954.00	
6	कैरियर ओरिएण्टड कार्यक्रम	17950.00			17950.00		17950.00	
योग		**1421981.00**	**0.00**	**278416.00**	**1700397.00**	**551119.00**	**1149278.00**	

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ३(बी) - प्रायोजित फैलोशिप और विद्वानों

क्र.सं.	प्रायोजित का नाम	01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष		वर्ष के दौरान लेने देने		31.03.2015 को अंतिम शेष	
		क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट	क्रेडिट	डेबिट
1	2	3	4	5	6	7	8
1	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग						
	छात्रवृत्ति	274544.00		100000.00	160000.00	214544.00	
	अनुसंधान एसोसिएटशिप	342739.00				342739.00	
	जेआरएफ	587207.00		6700000.00	7049866.00	237341.00	
	अन-असाइंड ग्रांट	10915.00				10915.00	
	वृहत परियोजना	259919.00		96468.00	96468.00	259919.00	
	एमेरिटस अध्यावृत्ति	10812.00				10812.00	
	फेलशिप ग्रांट	1567572.00			949549.00	618023.00	
	इनफॉनेट	311371.00				311371.00	
2	मंत्रालय						
3	अन्य (बतायें अलग-अलग)						
योग		3365079.00	0.00	6896468.00	8255883.00	2005664.00	0.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ३(सी) - यूजीसी, भारत सरकार और राज्य से अप्रयुक्त अनुदान

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
ए. योजना अनुदान : भारत सरकार		
शेषराशि		
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
योग (ए)		
घटा : वापिसी		
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोग		
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग		
योग (बी)		
अप्रयुक्त को आगे ले जाया (अ-बी)		
बी. यूजीसी अनुदान : योजना खाता		
शेषराशि	8538178.00	36649641.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां	34452577.00	1683297.00
योग (सी)	**42990755.00**	**38332938.00**
घटा : वापिसी		
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	19222961.00	7560198.00
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	19179352.00	22234562.00
योग (डी)	**38402313.00**	**29794760.00**
अप्रयुक्त को आगे ले जाया (सी-डी)	**4588442.00**	**8538178.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) | सहायक कुलसचिव (लेखा) | वित्ताधिकारी | कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ३(सी) - यूजीसी, भारत सरकार और राज्य से अप्रयुक्त अनुदान

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
सी. यूजीसी अनुदान : गैर-योजना खाता		
शेषराशि	37000000.00	38001340.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां	4400000.00	37000000.00
योग (ई)	41400000.00	75001340.00
घटा : वापिसी		
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोग	37000000.00	38001340.00
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग		
योग (एफ)		
अप्रयुक्त को आगे ले जाया (य-व)	**4400000.00**	**37000000.00**
डी. राज्य सरकार से अनुदान		
शेषराशि		
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		
योग (जी)		
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोग		
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग		
योग (एच)		
अप्रयुक्त को आगे ले जाया (जी-एच)		

अनुभाग अधिकारी (लेखा) | सहायक कुलसचिव (लेखा) | वित्ताधिकारी | कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ४ - अचल संपत्तियां

राशि रुपयों में

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2015
1	भूमि										
2	साइट का विकास										
3	भवन										
4	सड़क एवं पुल										
5	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
6	सीवरेज एवं जल आपूर्ति										
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण										
8	संयंत्र और मशीनरी (एसएफ)										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालय उपकरण										
11	ऑडियो विजियूल उपकरण										
12	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण										
13	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग										
14	वाहन										
15	लाईब्रेरी में किताबें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं										
16	छोटे मूल्य की संपत्ति										
	योग (ए)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
17	प्रगति में पंजीगत कार्य (बी)										

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2014	31.03.2015
18	कम्प्यूटर प्रोग्राम										
19	ई-जर्नल्स										
20	पेटेंट										
	योग (सी)										
	कुल योग (ए+बी+सी)										

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ४ए - योजना

राशि रुपयों में

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2015
1	भवन	41354594.00			41354594.00		827092.00		827092.00	40527502.00	**41354594**
2	भवन : ग्यारहवीं योजन	52935378.00			52935378.00		1058708.00		1058708.00	51876670.00	**52935378**
3	भूमि एवं भवन	597629.00			597629.00		11953.00		11953.00	585676.00	**597629**
4	भूमि एवं भवन - ओबीसी अनुदान	58943777.00	9337710.00		68281487.00		1365630.00		1365630.00	66915857.00	58943777
5	ई0पी0ए0बी0एक्स0	1761035.00			1761035.00	1196487.00	132078.00		1328565.00	432470.00	**664174.00**
6	उपकरण	247104.00			247104.00	167888.00	18533.00		186421.00	60683.00	**79216.00**
7	उपकरण : ग्यारहवीं योजना	1762923.00			1762923.00	771849.00	132219.00		904068.00	858855.00	**991074.00**
8	उपकरण- प्रयोगशाला	658882.00			658882.00	447660.00	52711.00		500371.00	158511.00	**211222.00**
9	डीटीपी कम्प्यूटर	606794.00			606794.00	604308.00	0.00		604308.00	2486.00	**6214.00**
10	पुस्तकालय पुस्तक	1797565.00			1797565.00		179757.00		179757.00	1617808.00	**1797565.00**
11	पुस्तकालय कम्प्यूटर्स	1979813.00			1979813.00	1971704.00	0.00		1971704.00	8109.00	8109.00
12	पुस्तकालय मशीन उपकरण	99645.00			99645.00	67701.00	7473.00		75174.00	24471.00	31944.00
13	कम्प्यूटर्स-महिला अध्ययन केन्द्र	297528.00			297528.00	296309.00	0.00		296309.00	1219.00	1219.00
14	कम्प्यूटर्स-सेप (साहित्य एवं संस्कृति)	1203500.00			1203500.00	1177312.00	0.00		1177312.00	26188.00	26188.00
15	कम्प्यूटर्स - ओबीसी अनुदान	1038841.00	2741290.00		3780131.00	888638.00	756026.00		1644664.00	2135467.00	150203.00
16	वातानुकूल - ओबीसी अनुदान	12191201.00			12191201.00	4704279.00	914340.00		5618619.00	6572582.00	7486922.00
17	जनरेटर - ओबीसी अनुदान	3371040.00			3371040.00	1300800.00	168552.00		1469352.00	1901688.00	2070240.00
18	फर्नीचर - ओबीसी अनुदान	15807442.00			15807442.00	1442967.00	1185558.00		2628525.00	13178917.00	14364475.00
19	मशीन एवं उपकरण - ओबीसी अनुदान	607374.00	2630575.00		3237949.00	166407.00	242846.00		409253.00	2828696.00	440967.00
20	आवर्ती - ओबीसी अनुदान	133606.00	-133606.00		0.00		0.00		0.00	0.00	133606.00
20	फर्नीचर (ज्योतिष - डीआरएस 2)	86438.00			86438.00	38474.00	6483.00		44957.00	41481.00	139668.00
21	पुस्तकें (ज्योतिष - डीआरएस 2)	250864.00			250864.00		25086.00		25086.00	225778.00	250864.00
22	कम्प्यूटर्स एवं प्रिंटर (ज्योतिष - डीआरए	133938.00			133938.00	125366.00	0.00		125366.00	8572.00	8572.00
23	पुस्तकें - सेप (साहित्य एवं संस्कृति)	389223.00			389223.00		38922.00		38922.00	350301.00	389223.00
24	फर्नीचर - सेप (साहित्य एवं संस्कृति)	418085.00			418085.00	65377.00	31356.00		96733.00	321352.00	261004.00
25	बारहवीं योजना - उपकरण	180400.00	172073.00		352473.00	50061.00	26435.00		76496.00	275977.00	130339.00
26	बारहवीं योजना - पुस्तकें एवं जर्नल्स		888082.00		888082.00		88808.00		88808.00	799274.00	
26	बारहवीं योजना - भवन/ईफा/विकास		3409622.00		3409622.00		68192.00		68192.00	3341430.00	
		198854619.00	**19045746.00**	**0.00**	**217900365.00**	**15483587.00**	**7338758.00**	**0.00**	**22822345.00**	**195078020.00**	**183474386.00**
	योग (ए)										
17	**प्रगति में पंजीगत कार्य (बी)**										

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2014	31.03.2015
18	कम्प्यूटर प्रोग्राम										
19	ई-जर्नल्स										
20	पेटेंट										
	योग (सी)										
	कुल योग (ए+बी+सी)										

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी 4बी - गैर-योजना

राशि रुपयों में

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2015
1	भूमि एवं भवन	52944976.00			52944976.00	0.00	1058900		1058900.00	51886076.00	52944976.00
2	मशीन एवं उपकरण	5519463.00			5519463.00	3883834.00	275973		4159807.00	1359656.00	1635629.00
3	प्रयोगशाला उपकरण	59105.00			59105.00	59105.00			59105.00	0.00	52200.00
4	ऑडियो वीजियूल उपकरण	170580.00			170580.00	151860.00	12794		164654.00	5926.00	18720.00
5	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	9725984.00			9725984.00	9516224.00			9516224.00	209760.00	209760.00
6	जाल-तंत्र	955939.00			955939.00	946150.00			946150.00	9789.00	9789.00
7	ई0पी0ए0बी0एक्स0	1761035.00			1761035.00	1281169.00	132078		1413247.00	347788.00	479866.00
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	8241238.00			8241238.00	5932460.00	618093		6550553.00	1690685.00	2308778.00
9	वाहन	2359662.00			2359662.00	1785879.00	235966		2021845.00	337817.00	573783.00
10	लाईब्रेरी में किताबें एवं वैज्ञानिक पत्रि	3265572.00	11509.00		3277081.00		327708		327708.00	2949373.00	4931373.00
11	उपहार पुस्तकें	671537.00			671537.00		67154		67154.00	604383.00	
12	सरस्वती की मूर्ति	43024.00			43024.00				0.00	43024.00	43024.00
13	मूर्ति श्री0ला0ब0शा0	243400.00			243400.00				0.00	243400.00	243400.00
14	प्रकाशन	866140.00			866140.00		86614		86614.00	779526.00	
15	ज्योतिष पुस्तकें	128124.00			128124.00		12812		12812.00	115312.00	
16	शैक्षणिक खण्ड	32180536.00			32180536.00		643611		643611.00	31536925.00	32180536.00
17	उपकरण-महिला अध्ययन केन्द्र	100000.00			100000.00	47800.00	7500		55300.00	44700.00	
18	कैसल अनुदान की सम्पत्तियां	6067357.00			6067357.00	6067357.00	0		6067357.00	0.00	
	योग (ए)	125303672.00	11509.00	0.00	125315181.00	29671838.00	3479203.00	0.00	33151041.00	92164140.00	95631834.00
18	प्रगति में पंजीगत कार्य (बी)										

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल परिशोधन/ समायोजन	31.03.2014	31.03.2015
19	कम्प्यूटर प्रोग्राम										
20	ई-जर्नल्स										
21	पेटेंट										
	योग (सी)										
	कुल योग (ए+बी+सी)										

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ४सी - अमूर्त सम्पत्तियां

राशि रुपयों में

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास/परिशोधन को प्रारम्भिक शेष	ह्रास/परिशोधन वर्ष के दौरान	कटौती/ समायोजन	ह्रास/परिशोधन का योग	31.03.2014	31.03.2015
1	पेटेंट और कॉपीराइट										
2	कम्प्यूटर साफ्टवेयर										
3	ई-जर्नल्स										

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ४सी (१) - अमूर्त सम्पत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	सकल	परिशोधन	नेट ब्लॉक 31.03.2014	नेट ब्लॉक 31.03.2015
ए. पेटेंट प्रदान						
1. वास्तविक मूल्य 2008-09 को प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष						
2. वास्तविक मूल्य 2010-11 को प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष						
3. वास्तविक मूल्य 2012-13 को प्राप्त पेटेंट का 31.03.2014 को शेष						
3. वर्ष दौरान पेटंट प्रदान						
योग						

विवरण	01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	सकल	पेटेंट स्वीकृत/ अस्वीकृत	नेट ब्लॉक 2013-14	नेट ब्लॉक 2012-13
बी. पेटेंट आवेदन में से लंबित पेटेंट						
1. 2009-10 से 2011-12 के दौरान खर्चे						
2. 2012-13 के दौरान खर्चे						
3. 2013-14 के दौरान खर्चे						
योग						
सी. कुल योग (ए+बी)						

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ४ डी - अन्य

राशि रुपयों में

क्र.सं.	विवरण	कुल संपत्तियां				विवरण				शुद्ध कुल संपत्तियां	
		01.04.2014 को प्रारम्भिक शेष	वृद्धि	कटौती	सीआई शेष	ह्रास का प्रारम्भिक शेष	वर्ष के दौरान ह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल ह्रास	31.03.2014	31.03.2015
1	भूमि										
2	साइट का विकास										
3	भूवन										
4	सड़क एवं पुल										
5	ट्यूबवेल एवं जल आपूर्ति										
6	सीवरेज एवं जल आपूर्ति										
7	विद्युत स्थापना एवं उपकरण										
8	संयंत्र और मशीनरी										
9	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण										
10	कार्यालय उपकरण										
11	ऑडियो विजियूल उपकरण										
12	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण										
13	फर्नीचर, फिक्स्वर और फिटिंग										
14	वाहन										
15	लाईब्रेरी में किताबें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं										
16	छोटे मूल्य की संपत्ति										
	योग (ए)										
17	प्रगति में पंजीगत कार्य (बी)										
	कुल योग (ए+बी)										

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ५ - चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश

	राशि रुपयों में	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. अन्य राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
4. शेयरों में		
5. डिबेंचरों और बांड		
6. बैंकों में साथ सावधि जमा	2830209.00	2711131.00
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
योग	**2830209.00**	**2711131.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ५(ए) - चिह्नित/स्थायी निधि से निवेश (कोष के अनुसार)

		राशि रुपयों में	
क्र.स.	कोष	चालू वर्ष	गत वर्ष
		31.03.2015	31.03.2014
1			
2			
3			
4			
5			
	योग	0.00	0.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ६ - निवेश (अन्य)

	राशि रुपयों में	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
1. केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियों में		
2. अन्य राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में		
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		
4. शेयरों में		
5. डिबेंचरों और बांड		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
योग	**0.00**	**0.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ७ - चालू सम्पत्तियां

	राशि रुपयों में	
	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
१. स्टॉक		
ए. दुकानें एवं पुर्जे		
बी. फुटकर औजार		
सी. प्रकाशन		
डी. प्रयोगशाला रसायन, उपभोग्य और कांच के बर्तन		
ई. निर्माण सामग्री		
एफ. विद्युत सामग्री		
जी. लेखन-सामग्री		
एच. जल-आपूर्ति सामग्री		
२. विविध देनदार		
ए. छः महीने से अधिक की अवधि के लिए बकाया ऋण		
बी. अन्य		
३. रोकड़ एवं बैंक शेष		
ए. अनुसूचित बैंकों के साथ		
गैर-योजना		
चालू खाते पर		
जमा खाते पर		
बचत खाते पर		
इण्डियन बैंक	18090685.00	21348732.00
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	2848083.00	3480551.00
केनरा बैंक	30470058.00	53123900.00
अन्य कोष		
अनुसूचित वैंकों के साथ	41629606.00	
बी. गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ		
सावधि जमा खातें		
बचत खातें		
४. हाथ मे रोकड़	43423.00	41313.00
योग (ए)	93081855.00	77994496.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)　　सहायक कुलसचिव (लेखा)　　वित्ताधिकारी　　कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ७ - चालू सम्पत्तियां, संलग्न ए

राशि रुपयों में

१. बचत बैंक खाता	
1. यूजीसी से अनुदान खाता	
2. विकास (योजना) खाता	
3. जमा खाता	
4. छात्रकोष खाता	3570499.00
5. विशिष्ट योजनाओं के योजना अनुदान	11206821.00
6. मंत्रालय प्रकाशन	999567.00
7. परिसर विकास खाता	6043943.00
8. भविष्य निधि खाता	
9. परियोजना खाता	2014442.00
10. विशेष खाता	484297.00
२. चालू खाता	
३. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	
1. छात्रकोष खाता	6602709.00
2. परिसर विकास खाता	10707328.00
योग	**41629606.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ८ - ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
१. कर्मचारियों को अग्रिम : (ब्याज रहित)		
ए. वेतन		
बी. त्यौहार	85200.00	89100.00
सी. चिकित्सा अग्रिम	20000.00	10000.00
डी. अन्य (निर्दिष्ट करें) : विविध अग्रिम	783897.00	761704.00
यात्रा भत्ता अग्रिम	413436.00	478689.00
विविध अग्रिम (विशेष कोष)	25000.00	
विविध अग्रिम (परियोजना खाता)	41092.00	
विविध अग्रिम (विकास परिसर कोष)	19939.00	
विविध अग्रिम (मंत्रालय प्रकाशन)	4556.00	
विविध अग्रिम (योजना)	195327.00	
२. कर्मचारियों को लंबी अवधि के अग्रिम : (सब्याज)		
ए. वाहन ऋण	379933.00	418049.00
बी. घर ऋण	3219210.00	2845000.00
सी. अन्य (निर्दिष्ट करें) : कम्प्यूटर अग्रिम	201842.00	76292.00
३. नकद या वस्तु के रूप में या अग्रिम और अन्य राशि प्राप्त करने के लिए : कर्मचारियों के लिए (सब्याज)		
ए. पूंजी खाते पर		
बी. आपूर्तिकर्ता को		
सी. अन्य - वेद विद्या प्रतिष्ठान	81170.00	81170.00
भविष्य निधि कोष	0.00	342010.00
नई पेंशन योजना	234325.00	232796.00
वेतन योजना	10687148.00	10687148.00
नैक	30882.00	
आईसीपीआर	48798.00	117088.00
बारहवीं योजना - आईक्यूएसी	22146.00	9456.00
बारहवीं योजना - कांफ्रेंस	113786.00	84134.00

सैप - सेमीनार	5723.00	
आरएसएस परियोजना	39726.00	39726.00
कार्यकर		129073.00
आयकर	36372.00	36372.00
परिसर विकास कोष	2500000.00	
इन्नोवेटिव प्रोग्राम : योजना	305959.00	
मेडिकल एस्ट्रोलॉजी : योजना	264943.00	
४. पूर्वदत्त खर्चे		
ए. बीमा		
बी. अन्य खर्चे		
५. जमा		
ए. फोन		
बी. पट्टे का किराया		
सी. बिजली		
डी. एआईसीटीआई, यदि लागू		
सी. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
६. अर्जित आय		
ए. चिह्नित / धर्मादा कोष से निवेष	173962.00	
बी. अन्य से निवेश		
सी. ऋण और अग्रिम		
डी. अन्य (अवसूल आय भी शामिल)		
७. अन्य - यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त होने वाली चालू सम्पत्तियां		
ए. प्रायोजित परियोजनाओं में ऋण शेष		
बी. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवत्ति में ऋण शेष		
सी. प्राप्त होने वाली अनुदान		
डी. यूजीसी से प्राप्त होने वाली अन्य		
८. प्राप्त होने वाले दावे	21495.00	21495.00
योग	**19955867.00**	**16459302.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ९ - शैक्षणिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
छात्रों से फीस		
शैक्षणिक		
1. ट्यूसन फीस		
2. प्रवेश शुल्क	236840.00	250030.00
3. नामांकन शुल्क		
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क	377357.00	414151.00
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. आर्ट एवं क्राफ्ट शुल्क		
7. पंजीकरण शुल्क		
8. पाठ्यक्रम शुल्क		
योग (ए)	**614197.00**	**664181.00**
परीक्षा		
1. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क	64278.00	
3. मार्क शीट, प्रमाण पत्र शुल्क		
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क		
योग (बी)	**64278.00**	**0.00**
अन्य फीस		
1. पहचान पत्र शुल्क	27983.00	30665.00

2. जुर्माना / विविध शुल्क - अनुसंधान एवं शोध शुल्क	14000.00	27000.00
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवाहन शुल्क		
5. छात्रावास शुल्क		
6. कम्प्यूटर शुल्क	121240.00	122415.00
7. दीक्षांत	11750.00	
योग (सी)	**174973.00**	**180080.00**
प्रकाशन की बिक्री		
1. प्रवेश पत्रों की संख्या	274140.00	622411.00
2. पाठ्यक्रम एवं प्रश्न पत्र इत्यादि की बिक्री		
3. सूत्रीपत्र के साथ प्रवेश पत्र की बिक्री		
योग (डी)	**274140.00**	**622411.00**

अन्य शैक्षणिक प्राप्तियां		
1. कार्यशालाओं, प्रोग्राम के लिए पंजीकरण शुल्क		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक स्टाफ कॉलेज)		
योग (ई)		
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**1127588.00**	**1466672.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) **सहायक कुलसचिव (लेखा)** **वित्ताधिकारी** **कुलपति**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १० - अनुदान / अनुवृत्ति (अटल अनुदान प्राप्त)

राशि रुपयों में

विवरण	योगना			कुल योजना	गैर योजना यूजीसी	चालू वर्ष योग	गत वर्ष योग
	भारत सरकार	यूजीसी					
		योजना	विशिष्ट योजनाएं				
शेषराशि					38187293.00		-1687840.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियां		34452577.00			181900000.00		202301000.00
बी) पट्टाधृत							
योग							
घटा : यूजीसी को वापिस धन					1187293.00		-1687840.00
शेष							
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)		19179352.00			11509.00		359369.00
शेष							
घटा : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (बी)		19222961.00			214488491.00		202942971.00
शेष आगे दर्शाया (सी)	0.00	-3949736.00	0.00	0.00	4400000.00	0.00	-1001340.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी ११ - निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	चिह्नित / धर्मादा कोष		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	गत वर्ष	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014	31.03.2015	31.03.2014
1. ब्याज				
ए) सरकारी प्रतिभतियों पर				
बी) अन्य बांडस / डिबेन्चरस				
2. सावधि जमा पर ब्याज	119078.00			
3. सावधि जमा / कर्मचारियों पर अग्रिम पर ब्याज जो कि अर्जित हुआ देय नहीं	173962.00			
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज				
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
योग	**293040.00**			

चिह्नित/स्थायी निधि में हस्तांतरण

शेष शून्य शून्य

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १२ - अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
1. अनुसूचित बैंकों में बचत खाते पर	740680.00	2014257.00
2. ऋण पर		
ए) कर्मचारी / स्टाफ		
बी) अन्य		
3. देनदार और अन्य प्राप्तियों पर		
योग	**740680.00**	**2014257.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १३ - अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष 31.03.2015	गत वर्ष 31.03.2014
ए. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास के कक्षो का किराया	249050.00	282600.00
2. लाईसेंस शुल्क	214460.00	224522.00
3. सभागार/खेल परिसर/कन्वेंशन सेंटर आदि का किराया		
4. बिजली शुल्क वसूली		
5. जल शुल्क वसूली		
योग	**463510.00**	**507122.00**
बी. संस्था के प्रकाशन की बिक्री		
सी. समारोह से प्राप्त आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल कार्निवाल से प्राप्त सकल प्राप्तियां		
घटा : वार्षिक समारोह/ खेल कार्निवाल पर प्रत्यक्ष खर्चे		
2. उत्सव से प्राप्त सकल प्राप्तियां		
घटा : उत्सव पर प्रत्यक्ष खर्चे		

3. शैक्षणिक भ्रमण से प्राप्त सकल प्राप्तियां		
घटा : शैक्षणिक भ्रमण पर प्रत्यक्ष खर्चे		
4. अन्य (निर्दिष्ट करें और अलग से बताये)		
डी. अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आरटीआई से आय		
3. रॉयल्टी से आय		
4. आवेदन फार्म की बिक्री (भर्ती)		
5. अन्य प्राप्तियां (टेंडर फार्म, रद्दी माल की बिक्री इत्यादि)	422871.00	2822523.00
6. सम्पत्तियों की बिक्री/निपटान से लाभ		
ए) स्वाामित्व वाली सम्पत्ति		
बी) लागत से मुक्त प्राप्त सम्पत्ति		
7. संस्थानाओं, कल्याण निकायों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से प्राप्त अनुदान/दान		
8. अन्य (निर्दिष्ट करें) - प्रावधान वापिस लिये		472.00
शोधप्रभा की बिक्री		11835.00
खेल और संस्कृति		49000.00
निविदा की बिक्री	27200.00	59600.00
योग	**450071.00**	**2943430.00**
कुल योग (अ+बी+सी+डी)	**913581.00**	**3450552.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) **सहायक कुलसचिव (लेखा)** **वित्ताधिकारी** **कुलपति**

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १४ - पूर्व अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष	गत वर्ष
	31.03.2015	31.03.2014
1. शैक्षणिक प्राप्तियां		
2. निवेश से आय		
3. अर्जित ब्याज		
4. अन्य आय		
योग	**0.00**	**0.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १५ - कर्मचारियों के भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए) वेतन और मजदूरी	1894468.00	142279509.00	144173977.00		132175649.00	132175649.00
बी) भत्ता एवं बोनस			0.00			0.00
सी) भविष्य निधि में अंशदान			0.00			0.00
डी) अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट) एनपीएस		2084931.00	2084931.00		1927973.00	1927973.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च		62059.00	62059.00		34514.00	34514.00
एफ) सेवानिवृत्त एवं सेवांत लाभ		27753270.00	27753270.00		33842193.00	33842193.00
जी) यात्राभत्ता सुविधा		2057829.00	2057829.00		913370.00	913370.00
एच) चिकित्सा सुविधा		3294815.00	3294815.00		1742328.00	1742328.00
आई) बाल शिक्षा भत्ता		1787741.00	1787741.00		1326807.00	1326807.00
जे) मानदेय		131390.00	131390.00		163776.00	163776.00
के) अन्य (निर्दिष्ट करें) - अनुबांधिक स्टाफ वेतन		4478948.00	4478948.00		2257078.00	2257078.00
एल) अर्जित अवकाश नकदीकरण		403454.00	403454.00		201631.00	201631.00
योग	**1894468.00**	**184333946.00**	**186228414.00**	**0.00**	**174585319.00**	**174585319.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)　　सहायक कुलसचिव (लेखा)　　वित्ताधिकारी　　कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १५ए - कर्मचारियों की सेवानिवृत्त एवं सेवांत लाभ

राशि रुपयों में

	पेंशन	ग्रेच्यूटी	अर्जित अवकाश नकदीकरण	योग
01.04.2014 को शेष				
जमा : अन्य संगठनों से प्राप्त योगदान की पूंजीकृत मूल्य				
योग (ए)				
घटा : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (बी)				
31.03.2015 को उपलब्ध राशि सी = (ए-बी)				
प्रावधान बीमांकित मूल्य के अनुसार 31.03.2015 के लिए प्रावधान				
अ) चालू वर्ष में किए जाने के लिए प्रावधान (डी-सी)				
बी) नई पेंशन योजना में अंशदान				
सी) सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति				
डी) सेवानिवृत्त पर निवास स्थान लिए यात्रा				
ई) जमा लिंक्ड बीमा भुगतान				
योग (अ+बी+सी+डी+ई)				

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १६ - शैक्षणिक खर्चे

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए) प्रयोगशाला खर्चे			0.00			0.00
बी) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी			0.00			0.00
सी) सेमीनार/कार्यशाला पर खर्चे		146689.00	146689.00		101913.00	101913.00
डी) विजिटिंग फैकल्टी को भुगतान			0.00			0.00
ई) परीक्षा		0.00	0.00		33172.00	33172.00
एफ) छात्र कल्याण खर्चे		18675.00	18675.00			0.00
जी) प्रवेश खर्चे			0.00			0.00
एच) दीक्षांत खर्चे			0.00		71231.00	71231.00
आई) प्रकाशन		119275.00	119275.00		108347.00	108347.00
जे) वजीफा/साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति		5373095.00	5373095.00		6450373.00	6450373.00
के) अन्य (निर्दिष्ट करें) - एनसीसी/एनएसएस		20213.00	20213.00		4310.00	4310.00
शोधप्रभा		68083.00	68083.00			0.00
स्वर्ण जयंती समारोह		93305.00	93305.00		277897.00	277897.00
व्याख्यानमाला		81024.00	81024.00		79550.00	79550.00
एल) रेमिडल कोचिंग	30000.00		30000.00			0.00
एम) सेमीनार/कांफ्रेंस	76221.00		76221.00			0.00
एन) यात्रा अनुदान	20338.00		20338.00			0.00
ओ) केरियर कांउसिलिंग सेल	144238.00		144238.00			0.00
पी) नेट/सेट कोचिंग	26700.00		26700.00			0.00
क्यू) आकस्मिक आनुबंधिक स्टाफ	49613.00		49613.00			0.00
पी) ओबीसी आवर्ती/डब्ल्यूएससी वेतन	6051848.00		6051848.00			0.00
आर) स्वर्ण जयंती भवन की फरनिसिंग	6737575.00		6737575.00			0.00
योग	**13136533.00**	**5920359.00**	**19056892.00**	**0.00**	**7126793.00**	**7126793.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १७ - प्रशासनिक एवं सामान्य खर्चे

राशि रुपयों में

	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए. इन्फ्रास्ट्रक्चर						
ए) बिजली	1891300.00	5848595.00	7739895.00		5741834.00	5741834.00
बी) जल प्रभार	367682.00	1150863.00	1518545.00		1084154.00	1084154.00
सी) बीमा			0.00			0.00
डी) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)		2477843.00	2477843.00		2460057.00	2460057.00
बी. इन्फ्रास्ट्रक्चर			0.00			0.00
ई) डाक एवं स्टेशनरी		1164397.00	1164397.00		1111770.00	1111770.00
फ) टेलीफोन, फैक्स और इन्टरनेट प्रभार		292888.00	292888.00		284408.00	284408.00
सी. अन्य			0.00			0.00
जी) प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी			0.00			0.00
एच) यात्रा एवं वाहन व्यय		1174576.00	1174576.00		1267448.00	1267448.00
आई) अतिथि सत्कार			0.00			0.00
जे) अंकेक्षण पारिश्रमिक		202580.00	202580.00		222634.00	222634.00
के) पेशेवर शुल्क		239937.00	239937.00		679960.00	679960.00
आई) विज्ञापन एवं प्रचार		290856.00	290856.00		321650.00	321650.00
एम) पत्रिकाएं		135560.00	135560.00		61203.00	61203.00
एन) अन्य (निर्दिष्ट करें) - विविध खर्चे		497172.00	497172.00		445792.00	445792.00
सदस्यता शुल्क		162872.00	162872.00		50000.00	50000.00
योग	**2258982.00**	**13638139.00**	**15897121.00**	**0.00**	**13730910.00**	**13730910.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १८ - परिवहन खर्चे

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए. इन्फ्रास्ट्रक्चर (संस्थान का स्वामित्व)					-	
ए) चालू एवं दिन प्रतिदिन के खर्चे		93337.00	93337.00		93109.00	93109.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव		71480.00	71480.00		43613.00	43613.00
सी) बीमा खर्चे			0.00			0.00
			0.00			0.00
बी. वाहन किराया/लीज पर लिया			0.00			0.00
ए) किराया/लीज खर्चे			0.00			0.00
			0.00			0.00
सी. वाहन (टैक्सी) किराया खर्चे			0.00			0.00
योग	0.00	164817.00	164817.00	0.00	136722.00	136722.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी १९ - मरम्मत एवं रख-रखाव

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए) भवन	1931648.00	8896255.00	10827903.00		7400146.00	7400146.00
बी) फर्नीचर एवं फिक्चर्स			0.00			0.00
सी) प्लांट एवं मशीनरी			0.00			0.00
डी) कार्यालय उपकरण			0.00			0.00
ई) कम्प्यूटर्स		168700.00	168700.00		114370.00	114370.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण			0.00			0.00
जी) ऑडियो वीजुयल उपकरण			0.00			0.00
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएं			0.00			0.00
आई) किताब बाईडिंग प्रभार			0.00			0.00
जे) बागवानी		1358555.00	1358555.00		1696812.00	1696812.00
के) एस्टेट रखरखाव		1717703.00	1717703.00		2152815.00	2152815.00
आई) अन्य (निर्दिष्ट करें) - जनरेटर रख-रखाव		152429.00	152429.00		105730.00	105730.00
योग	**1931648.00**	**12293642.00**	**14225290.00**	**0.00**	**11469873.00**	**11469873.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी २० - वित्तीय लागत

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए) बैंक प्रभार			0.00			0.00
बी) अन्य (निर्दिष्ट करें)	1330.00	2138725.00	2140055.00		1637542.00	1637542.00
योग	**1330.00**	**2138725.00**	**2140055.00**	**0.00**	**1637542.00**	**1637542.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी २१ - अन्य खर्चे

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
ए) खराब एवं संदिग्ध लेनदार/अग्रिमों के लिए प्रावधान						
बी) अप्रतिलभ्य शेष लिखा-बंद						
सी) अन्य अनुदान/सब्सिडी						
डी) अन्य (निर्दिष्ट करें)						
योग						

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

सारणी २२ - पूर्व अवधि के खर्चे

राशि रुपयों में

विवरण	चालू वर्ष			गत वर्ष		
	31.03.2015			31.03.2014		
	योजना	गैर-योजना	योग	योजना	गैर-योजना	योग
1) स्थापना खर्चे						
2) शैक्षणिक खर्चे						
3) प्रशासनिक खर्चे						
4) परिवाहन खर्चे						
5) मरम्मत एवं रख-रखाव						
6) अन्य खर्चे						
योग						

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

वर्ष २०१४-१५ के लिए प्राप्तियां और भुगतान

प्राप्तियां	राशि रुपयें में	भुगतान	राशि रुपयें में
१. प्रारम्भिक शेष		१. खर्चे	
ए) शेष रोकड़	41313.00	ए) स्थापना खर्चे	184143483.00
बी) शेष बैंक		बी) शैक्षणिक खर्चे	19190498.00
ए. चालू खाते में		सी) प्रशासनिक खर्चे	15897121.00
1. चालू खाते में		डी) परिवाहन खर्चे	164817.00
2. बचत खाते में		ई) मरम्मत एवं रख-रखाव	14225290.00
गैर-योजना		एफ) वित्त खर्चे	6671.00
इण्डियन बैंक	21348732.00		
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	3480551.00		
केनरा बैंक	53123900.00		
योजना			
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	14537774.00		
२. अनुदान प्राप्त		२. चिह्नित/स्थायी निधि से भुगतान	
ए) भारत सरकार से			
बी) राज्य सरकार से			
सी) यूजीसी से			
गैर-योजना	181900000.00		
योजना	30000000.00		
३. शैक्षणिक प्राप्तियां	1127588.00	३. प्रायोजित परियोजना/योजना कोष से भुगतान	
		वृहद परियोजना	96468.00
४. चिह्नित/स्थायी निधि के लिए प्राप्तियां		४. प्रायोजित फलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां	
		गैर-योजना	
		जेआरएफ	7049866.00
		फेलोशिप अनुदान	949549.00
		योजना	
		जेआरएफ	6700000.00
५. प्रायोजित परियोजना/योजना के लिए प्राप्तियां		५. निवेश और जमा किए गए	
वृहद परियोजना	96468.00	अ) चिह्नित/धर्मादा कोष से	
		बी) अपने कोष से (निवेश-अन्य)	
६. प्रायोजित फलोशिप और छात्रवृत्ति के लिए प्राप्तियां		६. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	
जेआरएफ			
गैर-योजना	6700000.00		
योजना	6700000.00		
७. निवेश से आय		७. अचल संपत्ति और पूंजीगत निर्माणाधीन पर खर्चे	
ए) चिह्नित / धर्मादा कोष		अ) अचल संपत्ति	
		गैर-योजना	
		पुस्तकालय	11509.00
		योजना	
		ओबीसी-मशीन एवं उपकरण	2630575.00
	Page 42	ओबीसी-भूमि एवं भवन	9337710.00

		ओबीसी-कम्प्यूटर	2607684.00
		बारहवीं योजना-पुस्तकें	888082.00
		बारहवीं योजना-भवन/इंफ्रा/विकास	3409622.00
		बारहवीं योजना-उपकरण	172073.00
बी) अन्य निवेश		बी) पूंजीगत निर्माणाधीन	
८. निवेश से आय		८. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित	
ए) बैंक में जमा		गैर-योजना	
बी) ऋण एवं जमा		कार्यकर	298976.00
सी) बचत बैंक खाता		आयकर	17030321.00
गैर-योजना	740680.00	ग्रुप बीमा	278225.00
योजना	799498.00	श्रम उपकर	55764.00
		बीमा	756718.00
९. निवेश भुनाया		पौरोहित्य	83688.00
		ज्योतिष विभागीय निधि	264816.00
१०. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा भुनाया		योगदर्शन कार्यशाला	244150.00
		वास्तुशास्त्र	2000.00
		आईसीपरआर	23710.00
		छात्रवृत्ति सहायता	160000.00
		विद्यापीठ योजना खाता	10000000.00
		महिला अध्ययन केन्द्र	166264.00
		नैक	58972.00
		राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	487700.00
		देय खर्चे	1006000.00
		पाण्डुलिपि कार्यशाला	359873.00
		तत्वबोध	24963.00
		बारहवीं योजना-आईक्यूएसी	12690.00
		बारहवीं योजना-सेमीनार/कांफ्रेंस	29652.00
		चिकित्सा अग्रिम	10000.00
		सैप-सेमीनार	5723.00
		छात्रकोष	1100.00
		योजना	
		ओबीसी-फरनिसिंग कार्य	4181628.00
		बैंक प्रभार	140.00
		कार्यकर	915710.00
		आयकर	524998.00
		श्रम उपकर	268039.00
		विद्यापीठ योजना खाता	10000000.00
११. अन्य आय (पूर्व अवधि की आय सहित)		०९. अनुदान की वापिसी	
१२. जमा एवं अग्रिम		११. जमा एवं अग्रिम	
गैर योजना		गैर योजना	
विविध अग्रिम	1609004.00	विविध अग्रिम	1631197.00
सुरक्षा जमा राशि	221352.00	सुरक्षा जमा राशि	217260.00
त्यौहार अग्रिम	152400.00	त्यौहार अग्रिम	148500.00
यात्रा भत्ता अग्रिम	1707453.00	यात्रा भत्ता अग्रिम	1642200.00
छात्रावास अग्रिम	167000.00	छात्रावास अग्रिम	134000.00
वाहन अग्रिम	98116.00	वाहन अग्रिम	60000.00
कम्प्यूटर अग्रिम	78250.00	कम्प्यूटर अग्रिम	203800.00
छात्रावास भोजनालय	1796878.00	छात्रावास भोजनालय	1867181.00

सीएसएसईटी	2440.00	सीएसएसईटी	22027.00
सीवीवीईटी	71089.00	सीवीवीईटी	121950.00
गृहनिर्माण अग्रिम	358290.00	गृहनिर्माण अग्रिम	732500.00
पुस्तकालय सुरक्षित धन	981500.00	पुस्तकालय सुरक्षित धन	139000.00
नई पेंशन योजना	2150579.00	नई पेंशन योजना	2161297.00
भविष्य निधि	25051140.00	भविष्य निधि	20051140.00
गृहनिर्माण ब्याज	61200.00	योजना	
योजना		विविध अग्रिम	65500.00
विविध अग्रिम	95971.00	सुरक्षा जमा राशि	614169.00
सुरक्षा जमा राशि	1416623.00		
१३. विविध प्राप्तियां वैधानिक प्राप्तियां सहित		**११. अन्य भुगतान**	
गैर योजना			
कार्यकर	430463.00	**१२. प्रारम्भिक शेष**	
आयकर	17030321.00	ए) शेष रोकड़	43423.00
ग्रुप बीमा	277625.00	बी) शेष बैंक	
श्रम उपकर	55764.00	ए. चालू खाते में	
बीमा	756718.00	1. चालू खाते में	
पौरोहित्य	99500.00	2. बचत खाते में	
ज्योतिष विभागीय निधि	219000.00	गैर-योजना	
योगदर्शन कार्यशाला	373400.00	इण्डियन बैंक	18090685.00
वास्तुशास्त्र	104030.00	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	2848083.00
आईसीपीआर	92000.00	केनरा बैंक	30470058.00
छात्रवृत्ति सहायता	100000.00	योजना	
विद्यापीठ योजना खाता	10000000.00	स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	11206821.00
महिला अध्ययन केन्द्र	278416.00		
ज्योतिष चिकित्सा	12000.00		
नैक	28090.00		
राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान	487700.00		
योजना			
जल प्रभार	127522.00		
सैप-साहित्य	867846.00		
ओबीसी-फरनिसिंग कार्य	4181628.00		
बैंक प्रभार	140.00		
कार्यकर	701568.00		
आयकर	524998.00		
श्रम उपकर	268039.00		
विद्यापीठ योजना खाता	10000000.00		
महिला अध्ययन कंद्र	2369738.00		
१४. कोई अन्य प्राप्तियां			
गैर-योजना	913581.00		
योजना	287973.00		
योग	**407203849.00**	**योग**	**407203849.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

भविष्य निधि

तुलन पत्र वर्ष 2014-15

गतवर्ष राशि (रु०)	दायित्त्व	धनराशि (रु०)	गतवर्ष राशि (रु०)	सम्पति	धनराशि (रु०)
	भविष्य निधि दायित्व			**निवेश**	
105022264.00	आदिशेष :	113694263.00	86443831.00	सावधि जमा राशि	82315301.00
18381640.00	जोड़ा : अभिदान/वापसी	20343340.00	11099709.00	अर्जित ब्याज् 2013-14	10192431.00
9175143.00	जोड़ा : देय ब्याज्	9684106.00		अर्जित ब्याज् 2014-15	9234691.00
18884784.00	घटा : अग्रिम/वापसी	24370032.00			
113694263.00	31.03.2015 **के अनुसार देय**	**119351677.00**		**चालू सम्पत्ति :**	
				बैंक में रोकड़	
			220726.00	अ) स्टेट बैंक आफ इंडिया	251340.00
			5859916.00	ब) इडियन बैंक	2594807.00
			170518.00	नई पेंशन योजना	170518.00
				रख-रखाव खाता	5000000.00
	भविष्य निधि दायित्व			**भविष्य निधि दायित्व**	
	शेष अग्रसरित		9899563.00	शेष अग्रसरित	9899563.00
				घटा : वर्ष 2014-15 के लिए	-306974.00
113694263.00	योग	**119351677.00**	**113694263.00**	योग	**119351677.00**

अनुभाग अधिकारी (लेखा) सहायक कुलसचिव (लेखा) वित्ताधिकारी कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

भविष्य निधि

आय एवं व्यय विवरण वर्ष 2014-15

व्यय	धनराशि (रु०)	आय	धनराशि (रु०)
			9991080.00
	9684106.00	प्राप्त ब्याज	
अंशधारकों को ब्याज		अर्जित ब्याज़ सहित	
	306974.00		
आय की व्यय से अधिकता			
		योग	**9991080.00**
योग	**9991080.00**		

अनुभाग अधिकारी (लेखा)   सहायक कुलसचिव (लेखा)   वित्ताधिकारी   कुलपति

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ

मानित विश्वविद्यालय, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110 016

भविष्य निधि

वर्ष - 2014-15 वार्षिक प्राप्तियाँ एवं भुगतान

प्राप्तियाँ	धनराशि (रु०)	भुगतान	धनराशि (रु०)
I. आदिशेष			
बैंक में रोकड़			
अ) स्टेट बैंक आफ इंडिया	220726.00		
ब) इडियन बैंक	5859916.00		
II. आय		I. अन्य	
ब्याज से आय	756389.00	भविष्य निधि अग्रिम/वापसी	24370032.00
सावधि जमा	5035808.00	रख-रखाव खाता	5000000.00
		II. शेष रोकड़	
		बैंक में रोकड़	
III. अन्य		अ) स्टेट बैंक आफ इंडिया	251340.00
अभिदान/भविष्य निधि की वापसी	20343340.00	ब) इडियन बैंक	2594807.00
योग	32216179.00	योग	32216179.00

अनुभाग अधिकारी (लेखा)　　सहायक कुलसचिव (लेखा)　　वित्ताधिकारी　　कुलपति